भारतीय रिज़र्व बैंक

बुलेटिन

जून 2026

खंड 80 अंक 6

संपादक समिति
संजय हंसदा
रवि शंकर
रेखा मिश्र
राजीब दास
सुनिल कुमार
राजीव जैन
स्नेहल हेरवाडकर
वी. धन्या
श्वेता कुमारी
अनिर्बन सान्याल
सुजाता कुंडू

संपादक
राधेश्याम वर्मा

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के
निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा
मासिक आधार पर प्रकाशित की जाती है।
इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए
बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है।
हस्ताक्षरित आलेखों में व्यक्त विचारों के लिए
लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2026

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः उत्पादन की अनुमति है,
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन की सदस्यता के लिए कृपया ‘हाल के प्रकाशन’ खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को
https://bulletin.rbi.org.in पर देखा जा सकता है।

आरएनआई संख्या 13997/67

भारतीय रिज़र्व बैंक, शाहिद भगत सिंह रोड, फोर्ट, मुंबई - 400 001 की ओर से जी. वी. नथनयेल द्वारा मुद्रित और प्रकाशित।
जयंत प्रिंटरी एलएलपी. 352/54, गिरगांव रोड, मुरलीधर मंदिर कंपाउंड, ठाकुरद्वार पोस्ट ऑफिस के पास, मुंबई - 400 002 द्वारा मुद्रित।

विषय-वस्तु

द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य (जून 03-05) 2026

गवर्नर का वक्तव्य: जून 05, 2026 1

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का संकल्प 03 से 05 जून 2026 7

भाषण

डिजाइन द्वारा सुदृढ़ता: भारत के बैंकिंग क्षेत्र से सबक 11
श्री स्वामीनाथन जे.

आलेख

अर्थव्यवस्था की स्थिति 15

वर्तमान सांख्यिकी **49**

हाल के प्रकाशन **107**

परिशिष्ट
वार्षिक रिपोर्ट 2025-2026

द्विमासिक मौद्रिक नीति वक्तव्य (जून 03-05) 2026

गवर्नर का वक्तव्य: जून 05, 2026

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का संकल्प 03 से 05 जून 2026

*गवर्नर का वक्तव्य**

श्री संजय मल्होत्रा

सुप्रभात एवं नमस्कार। पिछले कुछ महीनों के दौरान, बढ़ी हुई अनिश्चितता, प्रमुख व्यापार मार्गों एवं आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधानों, बाजारों में बढ़ी हुई अस्थिरता तथा सतर्क कारोबारी-भावना ने वैश्विक अर्थव्यवस्था का स्वरूप तय हुआ है।

शुरुआत में, मैं यह रेखांकित करना चाहूँगा कि वैश्विक अस्थिरता के इस दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था का बुनियादी आधार, पूर्व के ऐसे ही प्रकरणों की तुलना में, वर्तमान में अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना हुआ है। यद्यपि हमें विश्वास है कि हम इन आघातों का सामना न्यूनतम प्रतिकूल प्रभाव के साथ करने में सक्षम होंगे, तथापि यह आवश्यक है कि हम इन चुनौतियों का केवल सामना ही न करें, केवल उनका समाधान ही न करें, बल्कि उन्हें अपनी आघात-सहनीयता को और सुदृढ़ करने के अवसर के रूप में स्वीकारें।

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक गतिरोध के कारण वैश्विक आर्थिक संभावना अब भी अनिश्चितताओं से घिरी हुई है। ऊर्जा कीमतों में तीव्र वृद्धि तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान आर्थिक गतिविधियों में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। ऐसे दुष्कर नीतिगत विकल्पों के बीच मौद्रिक नीति ने अधिक सतर्क रुख अपनाया है। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति को अधिक सख्त बनाने की दिशा में कदम उठाए जाने की संभावना है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से प्रेरित आशावादिता के कारण जहाँ इक्विटी बाजारों में मजबूती बनी हुई है, वहीं मुद्रास्फीति संबंधी नई चिंताओं तथा ऋण-संधारणीयता को लेकर जारी आशंकाओं के बीच वैश्विक बॉण्ड बाजारों में मंदी का रुझान बना हुआ है। जोखिम से बचाव की प्रवृत्ति तथा सुरक्षित निवेश साधनों की मांग के कारण विदेशी मुद्रा बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है और अनेक उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं में अवमूल्यन की प्रवृत्ति देखी जा रही है।

मौद्रिक नीति समिति के निर्णय

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने, नीतिगत रेपो दर पर विचार-विमर्श करने और इस संबंध में निर्णय लेने के लिए, 3, 4 और 5 जून को बैठक की। उभरते समष्टि आर्थिक एवं वित्तीय घटनाक्रमों तथा संभावना के विस्तृत आकलन के उपरांत, समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ़) के अंतर्गत नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा जाए; परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ़) दर 5.00 प्रतिशत तथा सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ़) दर एवं बैंक दर 5.50 प्रतिशत पर बनी रहेगी। एमपीसी ने तटस्थ रुख अपनाने का भी निर्णय लिया।

अब मैं संक्षेप में इन निर्णयों के औचित्य को प्रस्तुत करूँगा।

समिति ने यह पाया कि पिछली मौद्रिक नीति बैठक के बाद से वैश्विक परिस्थितियाँ और प्रतिकूल हुई हैं तथा एक कमज़ोर युद्धविराम के बीच संघर्ष अभी भी जारी है। आपूर्ति श्रृंखलाओं में आए दीर्घकालिक व्यवधानों तथा उच्च ऊर्जा कीमतों के प्रतिकूल प्रभाव, कम होती संवृद्धि तथा अप्रैल की मौद्रिक नीति से मुद्रास्फीति के बढ़े हुए अनुमानों में लक्षित होते हैं।

वैश्विक आघातों के बावजूद सीपीआई-मुद्रास्फीति लक्ष्य के स्तर से नीचे बनी हुई है, क्योंकि घरेलू कीमतों पर इन आघातों का प्रभाव सीमित रहा है। जबकि आधारभूत अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में हेडलाइन मुद्रास्फीति सहन-स्तर की ऊपरी सीमा की ओर बढ़ सकती है; तथापि आपूर्ति संबंधी आघातों का प्रभाव चौथी तिमाही से क्रमशः कम होने की संभावना है। इस समय मुद्रास्फीति के अंतर्निहित दबाव संतुलित बने हुए हैं। तथापि, अपेक्षाओं और मजदूरी पर पड़ने वाले द्वितीयक प्रभावों के माध्यम से मुद्रास्फीति की बढ़ने की संभावना स्पष्ट रूप से मौजूद है, इसलिए इस संबंध में सावधान रहने की आवश्यकता है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के असामान्य होने के पूर्वानुमान तथा एल-नीनो संबंधी जोखिमों के कारण संभावना भी अनिश्चित बनी हुई है।

संवृद्धि के संबंध में समिति ने उल्लेख किया कि उच्च ऊर्जा कीमतों तथा वैश्विक आपूर्ति संबंधी व्यवधानों का आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव-विस्तार पड़ रहा है। यद्यपि घरेलू मांग सुदृढ़ बनी हुई है तथा विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों की गतिविधियां बढ़ रही हैं, तथापि उच्च आवृत्ति संकेतकों से, कुछ क्षेत्रों में गति के मंद पड़ने के प्रारंभिक संकेत प्राप्त हो रहे हैं।

समिति का यह मत है कि संघर्ष की अवधि एवं तीव्रता, उसके प्रभाव- विस्तार की व्यापकता तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के सामान्य होने की गति को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण मुद्रास्फीति एवं

* गवर्नर का वक्तव्य: 05 जून, 2026.

संवृद्धि के आधारभूत आकलन में बड़ा जोखिम विद्यमान हैं। इसके अतिरिक्त, दक्षिण-पश्चिम मानसून के असामान्य होने के पूर्वानुमान तथा एल नीनो के कारण खाद्य मुद्रास्फीति-संभावना भी अनिश्चित बनी हुई है। यद्यपि उच्च मुद्रास्फीति के जोखिम बढ़े हैं, एमपीसी का विचार है कि इस विषय में अधिक स्पष्टता आने तक प्रतीक्षा करना विवेकपूर्ण होगा। तदनुसार, एमपीसी ने नीतिगत दर को यथावत रखने के पक्ष में वोट किया। साथ ही, एमपीसी आंकड़ा-आधारित दृष्टिकोण अपनाते हुए मौजूदा परिस्थितियों पर सतत निगरानी रखेगी, जिसमें आपूर्ति-पक्षीय दबावों के कारण सामान्य मूल्य-स्तर तथा मुद्रास्फीति प्रत्याशा पर पड़ने वाले प्रभाव शामिल हैं। एमपीसी ने तटस्थ रुख को बनाए रखने का भी निर्णय लिया।

संवृद्धि और मुद्रास्फीति का आकलन

संवृद्धि

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी द्वितीय अग्रिम-अनुमान के अनुसार, निजी उपभोग तथा स्थायी निवेश में मजबूत वृद्धि के कारण वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक जीडीपी संवृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।[1] आपूर्ति-पक्ष की ओर से, विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्रों के सुदृढ़ प्रदर्शन ने संवृद्धि को प्रमुख रूप से समर्थन प्रदान किया है।

विभिन्न उच्च-आवृत्ति संकेतकों के अनुसार, संघर्ष आरंभ होने के बाद से घरेलू आर्थिक गतिविधियाँ सामान्यतः स्थिर बनी हुई हैं।[2] भारत के विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र के पीएमआई संकेत देते हैं कि उक्त दोनों क्षेत्र अब भी आघात-सह बने हुए हैं तथा कारोबारी-अपेक्षाएँ अभी भी सकारात्मक बनी हुई हैं।[3] मांग-पक्ष की दृष्टि से, विवेकाधीन व्यय से समर्थित निजी उपभोग मौजूदा रूप से आघात-सह बना हुआ है।[4] लागत संबंधी दबावों के बावजूद स्थायी निवेश ने अपनी गति को बनाए रखा है।[5] पण्य निर्यात ने अप्रैल 2026 में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जबकि मालभाड़ा एवं बीमा लागतें ऊँचे स्तर पर बनी रहीं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता संबंधी चिंताओं के बावजूद सेवा निर्यात मजबूत बने हुए हैं, जो कि सतत-मांग को दर्शाता है। समग्र रूप से, अर्थव्यवस्था ने पर्याप्त आघात-सहनीयता का प्रदर्शन किया है तथा संघर्ष के परोक्ष प्रभावों का सफलतापूर्वक सामना किया है, यद्यपि लागत संबंधी दबावों का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है।

इसके बाद, ऊर्जा तथा अन्य आदानों की कीमतों में वृद्धि और आपूर्ति संबंधी व्यवधानों के संयुक्त प्रभाव से आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल दबाव पड़ने की संभावना है। प्रभावित पण्यों के आयात स्रोतों में विविधीकरण से आपूर्ति-स्थिति में सुधार होने की संभावना तो है, किंतु इसकी लागत अधिक होगी। तथापि, संघर्ष की अवधि, आपूर्ति श्रृंखलाओं के सामान्य होने में लगने वाले समय तथा विभिन्न हितधारकों के बीच लागत-साझेदारी की व्यवस्था पर इसका समग्र-प्रभाव निर्भर करेगा। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का खुदरा उत्पादों की कीमतों पर प्रभाव पहले से ही परिलक्षित होने लगा है। इसके अतिरिक्त, दक्षिण-पश्चिम मानसून में अनुमानित कमी का कृषि उत्पादन तथा ग्रामीण-मांग पर प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, अन्य उपायों के साथ-साथ, फसल विविधीकरण, वर्षा-जल संग्रहण एवं संरक्षण, जलवायु-अनुकूल पद्धतियों तथा अल्पावधि फसलों को प्रोत्साहन देने संबंधी कार्यक्रमों एवं पहलों से इन प्रतिकूल प्रभावों को कम करने में सहायता मिलने की संभावना है।

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में निरंतर गति, जीएसटी-युक्तिकरण के सतत-प्रभाव तथा रोजगार की व्यापक रूप से

[1] वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में वास्तविक जीडीपी में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में निजी उपभोग तथा सकल स्थिर पूंजी निर्माण (जीएफ़सीएफ़) में क्रमशः 8.7 प्रतिशत तथा 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आपूर्ति-पक्ष में, आधारभूत मूल्यों पर योजित सकल मूल्य(जीवीए) में वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। विनिर्माण क्षेत्र में 13.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि सेवा क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

[2] अप्रैल 2026 में जीएसटी ई-वे बिलों की संख्या में 11.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि मई 2026 में टोल संग्रहण में 12.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल 2026 में जीएसटी राजस्व में 8.7 प्रतिशत की सुदृढ़ वृद्धि हुई। अप्रैल 2026 में घरेलू हवाई माल-परिवहन में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मई 2026 में मोटर वाहन (खुदरा) बिक्री में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वर्ष 2025-26 के दौरान पत्तन माल-परिवहन में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

[3] मई 2026 में सेवा क्षेत्र का पीएमआई अप्रैल 2026 के 58.8 के स्तर से बढ़कर 59.8 हो गया। माल-परिवहन, डिजिटल समाधान, ई-कॉमर्स, मनोरंजन तथा सूचना प्रौद्योगिकी जैसी सेवाओं की उच्च मांग ने इस वृद्धि को समर्थन प्रदान किया। भारत का विनिर्माण पीएमआई अप्रैल 2026 के 54.7 से बढ़कर मई 2026 में 55.0 हो गया।

[4] मार्च-अप्रैल 2026 के दौरान दोपहिया वाहनों तथा ट्रैक्टरों की खुदरा बिक्री में क्रमशः 20.5 प्रतिशत तथा 16.4 प्रतिशत की द्विअंकीय वृद्धि दर्ज की गई। अप्रैल-मई 2026 के दौरान, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत कार्य की मांग 31.0 प्रतिशत घट गई।

[5] वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही के दौरान अवसंरचना क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में 9.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई (वर्ष 2025-26 पहली छमाही में यह वृद्धि 1.9 प्रतिशत थी)। दूसरी छमाही के दौरान पूंजी-वस्तुओं के उत्पादन तथा आयात में क्रमशः 14.2 प्रतिशत और 13.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आईआईपी अवसंरचना एवं निर्माण-कार्य क्षेत्र में दूसरी छमाही के दौरान 10.0 प्रतिशत की सुदृढ़ वृद्धि दर्ज की गई जिसकी पुष्टि इस अवधि में इस्पात खपत तथा सीमेंट उत्पादन में क्रमशः 7.6 प्रतिशत और 9.6 प्रतिशत की सुदृढ़ वृद्धि से भी होती है। सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों (4,613 कंपनियों के आधार पर) की अचल आस्तियों में दूसरी छमाही के दौरान 6.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 8.7 प्रतिशत के उच्च आधार पर यह वृद्धि दर्ज की गई थी।

स्थिर परिस्थितियों[6] से शहरी उपभोग को बल मिलता रहेगा[7], यद्यपि ऐसा हो सकता है कि बढ़ती मुद्रास्फीति से परिवारों की क्रय शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े। सरकारी पूंजीगत व्यय के सुदृढ़ बने रहने की संभावना है।[8] क्षमता उपयोग के उच्च स्तर[9] तथा बैंकिंग[10] एवं गैर-बैंकिंग स्रोतों से ऋण प्रवाह की निरंतर उपलब्धता कॉर्पोरेट निवेश के अनुकूल हैं, किंतु लागत में वृद्धि तथा बढ़ी हुई अनिश्चितता निवेशकों के रुझान को प्रभावित कर सकती है। कमजोर वैश्विक मांग तथा मालढुलाई की उच्च लागतें, पण्य निर्यात के लिए प्रतिकूल कारक हैं। दूसरी ओर, भारतीय सेवाओं की निरंतर सुदृढ़ मांग की पृष्ठभूमि में, सेवा निर्यातों[11] की सतत-गति बने रहने की संभावना है।

सरकार द्वारा किए गए विभिन्न उपाय, जिनमें एमएसएमई तथा निर्यात क्षेत्रों को समर्थन, घरेलू गैस एवं कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि के प्रयास, आयातित आदानों के स्थान पर देश में उत्पादित विकल्पों के उपयोग को प्रोत्साहन तथा महत्वपूर्ण आयातों में विविधीकरण शामिल हैं, बाह्य आघातों के प्रभाव का सामना करने में सहायता होंगे।

इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक जीडीपी संवृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत रखा गया है, जिसमें पहली तिमाही में 6.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में लंबे समय तक बने रहने वाले व्यवधानों, वैश्विक वित्तीय बाजारों की अस्थिरता तथा मौसम संबंधी आघातों के कारण घरेलू-संवृद्धि-संभावना के कम होने का जोखिम हमारे सामने बना हुआ है।

मुद्रास्फीति

सीपीआई मुद्रास्फीति फरवरी 2026 में 3.2 प्रतिशत के स्तर से मामूली रूप से बढ़ने के बावजूद, मार्च और अप्रैल 2026 में लक्ष्य स्तर से नीचे(क्रमशः 3.4 प्रतिशत तथा 3.5 प्रतिशत) बनी रही। खाद्य मुद्रास्फीति में कुछ वृद्धि दर्ज की गई[12], वहीं पेट्रोल एवं डीज़ल के खुदरा मूल्यों में मार्च और अप्रैल के दौरान कोई परिवर्तन न होने के कारण ईंधन मुद्रास्फीति नियंत्रित रही।[13] मूल-मुद्रास्फीति[14], मार्च-अप्रैल के दौरान, 3.7 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही। बहुमूल्य धातुओं को छोड़कर, मूल मुद्रास्फीति इसी अवधि में, 2.1 से 2.2 प्रतिशत के दायरे में सीमित होकर काफी कम रही। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें (भारतीय बास्केट) अप्रैल-मई 2026[15] के दौरान औसतन लगभग 110 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहीं और ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि वर्ष 2026-27 के दौरान औसत तेल कीमतें पिछले मौद्रिक नीति वक्तव्य में किए गए अनुमानों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक रह सकती हैं। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि तथा विभिन्न आदानों की कीमतों में बढ़ोत्तरी के परिणामस्वरूप अप्रैल 2026[16] में डबल्यूपीआई आधारित मुद्रास्फीति में भी तीव्र वृद्धि दर्ज की गई।

मुद्रास्फीति संभावना को देखने पर ज्ञात होता है कि, मई माह से[17], वैश्विक कच्चे तेल की उच्च कीमतों का घरेलू पेट्रोल एवं डीज़ल के खुदरा मूल्यों पर आंशिक प्रभाव परिलक्षित होना प्रारंभ हो गया है। वाणिज्यिक एलपीजी, औद्योगिक कच्चे माल, रसायन, आधार-धातुओं, रबड़ तथा प्लास्टिक उत्पादों सहित

[6] आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफ़एस) के मासिक आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2026 में अखिल भारतीय बेरोजगारी दर 5.2 प्रतिशत के निम्न स्तर पर बनी रही।

[7] अप्रैल में, यात्री वाहनों की खुदरा तथा थोक बिक्री में क्रमशः 11.5 प्रतिशत और 24.6 प्रतिशत की द्विअंकीय वृद्धि दर्ज की गई।

[8] वर्ष 2026-27 में केंद्र सरकार के पूंजीगत व्यय में 11.5 प्रतिशत वृद्धि का किया गया है। प्रभावी पूंजीगत व्यय (जिसमें राज्यों को पूंजीगत व्यय हेतु प्रदान की जाने वाली अनुदान सहायता भी शामिल है) में 22.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान किया गया है। बड़े केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (सीपीएसई) तथा चार प्रमुख सरकारी संस्थाओं द्वारा किए गए पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में अप्रैल 2026 के दौरान वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 63 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

[9] भारतीय रिज़र्व बैंक के त्रैमासिक क्रयादेश पुस्तक, स्टॉक और क्षमता उपयोग सर्वेक्षण (ओबीआईसीयूएस) के प्रारंभिक परिणामों के अनुसार, वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र का क्षमता उपयोग (सीयू) 75.2 प्रतिशत रहा, जो इसके दीर्घकालिक औसत 74.0 प्रतिशत से अधिक था।

[10] अप्रैल 2026 में वस्त्र, रसायन, आधार धातु, रत्न एवं आभूषण तथा इंजीनियरिंग वस्तुओं के बैंक ऋण में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर क्रमशः 8.3 प्रतिशत, 16.1 प्रतिशत, 17.7 प्रतिशत, 26.0 प्रतिशत तथा 30.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

[11] सेवा निर्यात में मार्च 2026 में 7.2 प्रतिशत तथा अप्रैल 2026 में 12.7 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

[12] सीपीआई के खाद्य एवं पेय पदार्थ समूह में मुद्रास्फीति फरवरी 2026 के 3.3 प्रतिशत से बढ़कर मार्च और अप्रैल 2026 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत तथा 4.0 प्रतिशत हो गई।

[13] ईंधन के अंतर्गत 'बिजली, गैस एवं अन्य ईंधन' समूह तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों हेतु ईंधन एवं स्नेहक' वर्ग शामिल हैं। ईंधन के मामले में मुद्रास्फीति मार्च एवं अप्रैल में क्रमशः 0.9 प्रतिशत तथा 0.4 प्रतिशत के सीमित स्तर पर रही।

[14] मूल-सीपीआई से आशय खाद्य एवं पेय पदार्थ समूह तथा ईंधन (अर्थात् 'बिजली, गैस एवं अन्य ईंधन' समूह और 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों हेतु ईंधन एवं स्नेहक' वर्ग) को छोड़कर गणना किए गए सीपीआई से है।

[15] पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार, भारतीय कच्चे तेल बास्केट (आईसीबी) एक व्युत्पन्न बास्केट है, जिसमें प्रत्येक माह भारतीय रिफाइनरियों द्वारा आयातित स्वीट ग्रेड (ब्रेंट डेटेड) तथा सॉर ग्रेड (ओमान एंड दुबई एवरेज) कच्चे तेल शामिल होते हैं। अप्रैल 2026 के लिए आईसीबी अनुपात 61.02 : 38.98 तथा मई 2026 के लिए 70 : 30 था। आईसीबी की औसत कीमत अप्रैल में 114.5 अमेरिकी डॉलर तथा मई में 106.2 अमेरिकी डॉलर रही।

[16] डबल्यूपीआई मुद्रास्फीति मार्च के 3.9 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 8.3 प्रतिशत हो गई, क्योंकि सूचकांक में माह-दर-माह आधार पर 3.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो वर्तमान श्रृंखला (2011-12 = 100) में अब तक की सर्वाधिक मासिक वृद्धि है।

[17] मई 2026 के दौरान पेट्रोल एवं डीज़ल की कीमतों में संचयी रूप से क्रमशः 7.4 प्रतिशत तथा 8.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिससे शीर्षक सीपीआई मुद्रास्फीति में लगभग 36 आधार अंकों का योगदान होने का अनुमान है।

विभिन्न आदानों की कीमतों में वृद्धि हुई है।[18] आगामी महीनों में, जब व्यवसाय अपनी उच्च आदान लागतों से उपभोक्ताओं को प्रभावित करना आरंभ करेंगे, तब इन कारकों से सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

उपर्युक्त सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2026-27 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति का अनुमान 5.1 प्रतिशत रखा गया है, जिसमें पहली तिमाही में 4.2 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 5.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 5.4 प्रतिशत मुद्रास्फीति का अनुमान है। वर्ष 2026-27 के लिए मूल- मुद्रास्फीति का अनुमान 4.7 प्रतिशत रखा गया है। तथापि, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधानों[19], वैश्विक पण्य-कीमतों से जुड़े आघातों[20], दक्षिण-पश्चिम मानसून[21] के भौगोलिक एवं कालगत वितरण संबंधी अनिश्चितताओं तथा एल-नीनो[22] की परिस्थितियों के कारण इन अनुमानों के संबंध में मुद्रास्फीति बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। दूसरी ओर, पर्याप्त खाद्यान्न-भंडार[23] एवं जलाशय-स्तर एक संतोषप्रद स्थिति को दर्शाते हैं।

चलनिधि एवं वित्तीय बाजार की स्थिति

अप्रैल 2026 में संपन्न हुई पिछली मौद्रिक नीति समिति की बैठक के बाद से, एलएएफ़ के अंतर्गत निवल स्थिति के आधार पर मापी गई, प्रणालीगत चलनिधि का औसत दैनिक अधिशेष ₹2.63 लाख करोड़ रहा है।[24] बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त चलनिधि सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने सक्रिय रूप से, चलनिधि से जुड़े दीर्घकालिक[25] तथा अल्पकालिक/अस्थायी[26] उपायों को क्रियान्वित किया। इसके बाद, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अधिशेष अंतरण के उपरांत सरकार की नकद शेषराशियों में होने वाली सामान्य कमी तथा मानसून के मौसम में चलन में रही मुद्रा की बैंकिंग प्रणाली में वापसी से निकट अवधि में बैंकिंग प्रणाली की चलनिधि को समर्थन मिलने की संभावना है।

अप्रैल की बैठक के बाद से, भारित औसत मांग दर नीतिगत गलियारे के भीतर कारोबार करती रही, जबकि अल्पावधि मुद्रा बाजार दरें, विशेष रूप से वाणिज्यिक पत्रों और जमा प्रमाणपत्रों की दरें, मई में पुनः दबाव में आने से पूर्व नरम हुईं।[27] पश्चिम एशिया में युद्धविराम की घोषणा के बाद अप्रैल में सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल में कमी आई, लेकिन मई में इनमें फिर से मज़बूती देखी गई। मार्च-अप्रैल के दौरान ऋण बाजार में मौद्रिक संचरण धीमा हुआ, जिसके साथ जमा और ऋण दरों में कुछ वृद्धि हुई है।[28]

रिज़र्व बैंक यह सुनिश्चित करेगा कि अर्थव्यवस्था की उत्पादक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु एवं मौद्रिक नीति के संचरण को सुगम बनाने के लिए बैंकिंग प्रणाली में उचित चलनिधि उपलब्ध रहे।

नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025-26 में सभी स्रोतों से प्राप्त ऋण में वर्ष-दर-वर्ष 15.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो कि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 12.1 प्रतिशत थी। बाजार-आधारित वित्तपोषण महंगा होने के कारण, बैंक ऋण में वृद्धि मजबूत[29] और व्यापक[30] बनी रही।

---

[18] अप्रैल 2026 के दौरान रबड़ एवं प्लास्टिक उत्पादों, आधार धातुओं, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों तथा वस्त्रों के विनिर्माण से संबंधित डब्ल्यूपीआई में क्रमशः 1.4 प्रतिशत, 3.3 प्रतिशत, 3.4 प्रतिशत तथा 2.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

[19] संघर्ष प्रारंभ होने से पूर्व, उक्त जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले पोत वैश्विक समुद्री कच्चे तेल व्यापार तथा परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पादों के समुद्री व्यापार का क्रमशः लगभग 35 प्रतिशत और 20 प्रतिशत हिस्सा वहन करते थे। इसके अतिरिक्त, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के वैश्विक व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत भाग भी इसी मार्ग से संचालित होता था।

[20] विश्व बैंक का पण्य मूल्य सूचकांक मार्च-मई 2026 के दौरान 30.3 प्रतिशत बढ़ा। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, मई 2026 में इस सूचकांक में 40.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

[21] 29 मई 2026 को, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार, देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून दीर्घावधि औसत (एलपीए) के 90 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया गया, जिसमें मॉडल-आधारित त्रुटि की सीमा ±4 प्रतिशत है।

[22] भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून के मौसम के दौरान एल-नीनो परिस्थितियों के उभरने की संभावना है। संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल ओशिएनिक एंड एट्मोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) ने मई-जुलाई 2026 के दौरान एल-नीनो के उभरने की 82 प्रतिशत संभावना व्यक्त की है। साथ ही, इसके दिसंबर 2026 से फरवरी 2027 तक 96 प्रतिशत संभावना के साथ बने रहने का अनुमान है।

[23] 16 मई 2026 की स्थिति के अनुसार, चावल तथा गेहूँ का भंडार क्रमशः 695.5 लाख टन (बफर मानक का 5.1 गुना) तथा 465.1 लाख टन (बफर मानक का 6.2 गुना) था।

[24] एलएएफ के अंतर्गत औसत दैनिक निवल अवशोषण मार्च 2026 के ₹1.7 लाख करोड़ से बढ़कर अप्रैल 2026 में ₹3.9 लाख करोड़ हो गया, किंतु इसके पश्चात मई 2026 में घटकर ₹1.7 लाख करोड़ रह गया। जून 2026 में (3 जून तक) प्रणालीगत चलनिधि का औसत स्तर ₹1.3 लाख करोड़ रहा।

[25] भारतीय रिजर्व बैंक ने मई 2026 में 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की दीर्घावधि विदेशी मुद्रा क्रय/विक्रय स्वैप नीलामी आयोजित की।

[26] अप्रैल में संपन्न हुई पिछली एमपीसी की बैठक के बाद से 3 जून 2026 तक 11 परिवर्ती दर रेपो (वीआरआर) तथा 2 परिवर्ती दर प्रतिवर्ती रेपो (वीआरआरआर) परिचालन किए गए।

[27] डब्ल्यूएसीआर, नीतिगत रेपो दर से, औसतन 4 आधार अंक नीचे रही। अप्रैल की मौद्रिक नीति के बाद से 3 माह के खजाना बिलों की दर, 3 माह के जमा-प्रमाणपत्रों की दर तथा 3 माह के वाणिज्यिक पत्रों की दर क्रमशः औसतन 5.34 प्रतिशत, 6.75 प्रतिशत तथा 6.99 प्रतिशत रहीं, जबकि फरवरी और अप्रैल की मौद्रिक नीति बैठकों के दौरान उक्त दरें क्रमशः 5.32 प्रतिशत, 7.16 प्रतिशत तथा 7.45 प्रतिशत थीं।

[28] नीतिगत रेपो दर में संचयी रूप से 125 आधार अंकों (बीपीएस) की कटौती के परिणामस्वरूप, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की भारित औसत उधार दर (डबल्यूएएलआर) फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 की अवधि के दौरान नए रुपये ऋणों पर 83 आधार अंक तथा बकाया-ऋणों पर 89 आधार अंक कम हुई। जमा पक्ष में, नए जमा पर भारित औसत घरेलू मीयादी जमा दर (डबल्यूएडीटीडीआर) में 85 आधार अंकों की कमी आई, जबकि इसी अवधि के बकाया-जमा के संबंध में यह दर 50 आधार अंक कम हुई।

[29] 15 मई 2026 की स्थिति के अनुसार, बैंक ऋण में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 16.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पूर्व यह वृद्धि 9.8 प्रतिशत थी।

[30] क्षेत्रवार आँकड़े खुदरा तथा सेवा क्षेत्र की ओर ऋण प्रवाह में सुदृढ़ वृद्धि का संकेत देते हैं। एमएसएमई क्षेत्र में ऋण की संधारणीय वृद्धि तथा बड़े उद्योगों को दिए जाने वाले ऋण में बढ़ोत्तरी के कारण औद्योगिक ऋण में और मजबूती आई। कृषि ऋण में भी स्थिर गति से वृद्धि जारी रही।

वित्तीय स्थिरता

अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की पूंजी पर्याप्तता, चलनिधि, परिसंपत्ति की गुणवत्ता और लाभप्रदता से संबंधित प्रणाली-स्तरीय वित्तीय संकेतक स्वस्थ बने हुए हैं, हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में लाभप्रदता में कुछ कमी आई है।[31] इसी प्रकार, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के प्रणाली -स्तरीय मानदंडों भी मजबूत हैं, जिनकी पूंजी स्थिति पर्याप्त है और जीएनपीए अनुपात में सुधार हुआ है।[32].

बाह्य क्षेत्र

अब मैं बाह्य क्षेत्र के विषय में बात करूँगा। वर्ष 2025-26 में, एक अशांत वैश्विक आर्थिक वातावरण के बीच, इसने ऊँचे शुल्कों और व्यापार से संबंधित अनिश्चितताओं की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया। ऊर्जा मूल्यों में वृद्धि और लगातार बनी हुई व्यापार नीति संबंधी अनिश्चितताएं, वर्ष 2026-27 में भारत के चालू खाता घाटा (सीएडी) के लिए उधर्वगामी जोखिम उत्पन्न करती रहेंगी। सेवा व्यापार में अधिशेष और अंतर्वाह विप्रेषण द्वारा कुछ राहत प्रदान करने की उम्मीद है।

बाह्य वित्तपोषण के संबंध में, 2025-26 में उत्साहित सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई)[33] और उच्च शुद्ध एफडीआई, वैश्विक निवेशकों द्वारा भारत में लगातार रुचि को दर्शाते हैं। अप्रैल 2026 में एफडीआई प्रवाह भी प्रोत्साहनकारी रहे। हालांकि, 2026-27 में अब तक (2 जून तक), भारत में शुद्ध एफपीआई में मुख्य रूप से इक्विटी खंड में 13.7 अरब अमेरिकी डॉलर के बहिर्गमन देखा गया।[34]

29 मई 2026 तक, भारत की विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियाँ 682.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर थीं, जो आयात कवर (लगभग 11 महीने) और बाहरी ऋण (89.1 प्रतिशत) सहित आरक्षित पर्याप्तता के मानक मेट्रिक्स के संदर्भ में पर्याप्त था। विभिन्न नीतिगत पहलों से हमारे भुगतान संतुलन को मजबूत करने की आशा है। इनमें प्रमुख व्यापारिक भागीदारों[35] के साथ हालिया करारों, बीमा क्षेत्र को 100 प्रतिशत एफडीआई के लिए खोलना, इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम, ऊर्जा परिवर्तन पर जोर, भूमि-सीमा वाले देशों के लिए एफडीआई प्रतिबंधों में ढील, ईसीबी ढांचे का उदारीकरण और कई अन्य शामिल हैं।

विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए आज मुझे कुछ उपायों की भी घोषणा करनी है।

- सबसे पहले, 'पूर्णतः सुलभ मार्ग' (एफ़एआर) के अंतर्गत सरकारी प्रतिभूतियों के लिए, हम 15-, 30- और 40- वर्ष की अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियों की सभी नई जारी होने वाली प्रतिभूतियों को शामिल करके 'विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियाँ' के दायरे को बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा, 'सामान्य मार्ग' के अंतर्गत एफ़पीआई निवेश के लिए अल्पावधि निवेश, संकेन्द्रण और अलग-अलग प्रतिभूतियों से जुड़ी सीमाएं हटाई जा रही हैं। सरकार द्वारा आज सुबह दिए गए कर लाभों के साथ-साथ इन उपायों से सरकारी उधारी के लिए विदेशी पूंजी आकर्षित करने में मदद मिलनी चाहिए।
- दूसरा, सेबी पंजीकरण के बिना प्रतिभूति बाज़ार में ट्रेड होने वाले इक्विटी लिखतों में एनआरआई और ओसीआई के निवेश की सीमा बढ़ाई जा रही है। साथ ही, यही सुविधा भारत के बाहर रहने वाले सभी

[31] **एससीबी मानदंड:** अप्रैल 2025 से अप्रैल 2026 के बीच बकाया-ऋण तथा जमा में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर क्रमशः 16.52 प्रतिशत तथा 12.09 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मार्च 2026 में प्रणाली-स्तरीय जोखिम-भारित आस्तियों की तुलना में पूंजी अनुपात (सीआरएआर) 17.68 प्रतिशत रहा, जो न्यूनतम विनियामकीय स्तर से पर्याप्त रूप से अधिक था। अनर्जक आस्तियों (एनपीए) के अनुपात में और सुधार हुआ (जीएनपीए अनुपात मार्च 2025 के 2.22 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2026 में घटकर 1.73 प्रतिशत हो गया, जबकि एनएनपीए अनुपात मार्च 2025 के 0.50 प्रतिशत से घटकर मार्च 2026 में 0.40 प्रतिशत हो गया)। मार्च 2026 के अंत में एलसीआर 123.70 प्रतिशत रहा, जो सुदृढ़ चलनिधि बफर को दर्शाता है। मार्च 2026 में आस्तियों पर प्रतिलाभ (आरओए) तथा इक्विटी पर प्रतिलाभ (आरओई) वार्षिकीकृत रूप में क्रमशः 1.33 प्रतिशत और 13.06 प्रतिशत रहे। मार्च 2026 में निवल ब्याज मार्जिन 3.26 प्रतिशत रहा (मार्च 2025 में यह 3.46 प्रतिशत था)। एससीबी के निवल लाभ की वृद्धि दर वर्ष 2025 के 14.67 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2026 में 6.0 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में एनआईएम में 20 आधार अंकों की कमी (3.46 प्रतिशत से 3.26 प्रतिशत) दर्ज की गई, जो लाभप्रदता पर बढ़ते दबाव का संकेत देती है।

[32] **एनबीएफ़सी मानदंड:** मार्च 2026 में एनबीएफसी क्षेत्र का कुल सीआरएआर 24.70 प्रतिशत तथा टियर-I सीआरएआर 22.86 प्रतिशत रहा, जो न्यूनतम विनियामक आवश्यकताओं से काफी अधिक था। जीएनपीए अनुपात मार्च 2025 के 2.25 प्रतिशत से घटकर मार्च 2026 में 1.83 प्रतिशत हो गया, जबकि एनएनपीए अनुपात भी मार्च 2025 के 0.98 प्रतिशत से घटकर मार्च 2026 में 0.81 प्रतिशत रह गया। इस क्षेत्र का आरओए मार्च 2025 के 2.90 प्रतिशत से मामूली रूप से घटकर मार्च 2026 में 2.56 प्रतिशत हो गया। एनआईएम, मार्च 2025 के 4.55 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2026 में 4.56 प्रतिशत हो गया।

[33] भारत में सकल एफ़डीआई प्रवाह, वर्ष 2025-26 में 17.3 प्रतिशत बढ़कर 94.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुँच गया, जबकि वर्ष 2024-25 के दौरान यह 80.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। वर्ष 2024-25 में निवल एफडीआई अंतर्वाह 1.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था।

[34] 1 अप्रैल से 2 जून 2026 की अवधि के दौरान, इक्विटी तथा ऋण क्षेत्र का निवल बहिर्वाह क्रमशः 13.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा 0.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।

[35] यूके तथा न्यूज़ीलैंड के साथ व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोशिएशन (ईएफ़टीए) तथा ओमान के साथ व्यापार समझौते क्रमशः 1 अक्टूबर 2025 और 1 जून 2026 से प्रभावी हो चुके हैं। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौता संपन्न हो चुका है। संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा फरवरी 2026 में की गई थी, जिसके संबंध में अप्रैल 2026 से पुनः वार्ताएँ जारी हैं। इसके अतिरिक्त, कनाडा, पेरू, मेक्सिको, बहरीन, क़तर तथा दक्षिण कोरिया सहित कई अन्य देशों के साथ व्यापार समझौते भी विचाराधीन हैं।

व्यक्तियों (पीआरओआई) को भी एनआरआई और ओसीआई के बराबर दी जा रही है।

- तीसरा, पीएसयू द्वारा ईसीबी को बढ़ावा देने के लिए 30 सितंबर 2026 तक रियायती विदेशी मुद्रा स्वैप की सुविधा दी जाएगी।
- चौथा, एडी बैंकों को नए 3-5 वर्ष के एफ़सीएनआर (बी) जमाराशि जुटाने के लिए पूरी हेजिंग लागत उठाने की वैसी ही सुविधा 30 सितंबर 2026 तक दी जाएगी।
- पांचवां, निर्यात आय की वसूली की समय-सीमा को वापस नौ महीने करने का प्रस्ताव है।

हालांकि इन उपायों से हमारे भुगतान का संतुलन के मज़बूत होने की उम्मीद है, फिर भी हम निर्यात को और बढ़ावा देने तथा पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने और प्रोत्साहित करने के लिए सही नीतिगत बदलाव करते रहेंगे।

जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हमारी विनिमय दर नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। हम किसी विशेष स्तर या दायरे को लक्षित नहीं करते; बल्कि हम विनिमय दर को बाज़ार की ताकतों से तय होने देते हैं। हालांकि, हमारे अनुभव से पता चलता है कि कभी-कभी इसमें उतार-चढ़ाव हो सकते हैं – प्रायः सट्टेबाजी के दबाव के कारण, विशेषकर जब बहुत ज़्यादा अनिश्चितता हो - जो बुनियादी स्थितियों के अनुरूप नहीं होते और आर्थिक गतिविधियों में रुकावट डालते हैं। हालांकि हमारा उद्देश्य बाजार से जुड़े बदलावों का विरोध करना नहीं है, लेकिन हम अत्यधिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करेंगे और बाजार में अव्यवस्थित हलचल को रोकेंगे। जहां हमारे विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि बाहरी झटकों से निपटने के लिए एक मज़बूत सुरक्षा कवच का काम करते हैं, वहीं आवश्यकता पड़ने पर प्रभावी ढंग से निपटने के लिए हमारे पास कई तरह के विनियामक और बाजार-आधारित उपाय भी मौजूद हैं। इस संबंध में, हम सतर्क हैं और बाजार की स्थिति को सुचारू बनाए रखने के लिए प्रत्येक आवश्यक कदम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

समापन टिप्पणियाँ

अंततः, पश्चिम एशिया संघर्ष के किसी भी सार्थक समाधान के अभाव में वैश्विक आर्थिक स्थितियां और भावनाएं लगातार तनावपूर्ण बनी रहीं। यद्यपि इनका घरेलू संवृद्धि -मुद्रास्फीति की संभावना पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, इस समय अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूत है। हम देश की समष्टि आर्थिक मूलभूत स्थितियों को और सुदृढ़ करने हेतु उपाय करते हुए, इन चुनौतियों से निपटने के लिए नीतियां लागू करेंगे।

धन्यवाद। नमस्कार। जय हिन्द।

*मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) का संकल्प 3 से 5 जून, 2026**

मौद्रिक नीति निर्णय

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की 61वीं बैठक 3 से 5 जून 2026 तक श्री संजय मल्होत्रा, गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक की अध्यक्षता में आयोजित की गई। एमपीसी के सदस्य डॉ. नागेश कुमार, श्री सौगत भट्टाचार्य, प्रो. राम सिंह, डॉ. पूनम गुप्ता और श्री इन्द्रनील भट्टाचार्य बैठक में शामिल हुए।

उभरते समष्टि-आर्थिक और वित्तीय घटनाक्रमों तथा संभावना का विस्तृत मूल्यांकन करने के बाद, एमपीसी ने सर्व-सम्मति से चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) के अंतर्गत नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने का निर्णय लिया। परिणामस्वरूप, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर 5.00 प्रतिशत, तथा सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर और बैंक दर 5.50 प्रतिशत पर बनी रहेगी। एमपीसी ने तटस्थ रुख बनाए रखने का भी निर्णय लिया।

संवृद्धि और मुद्रास्फीति की संभावना

वैश्विक संभावना

पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष लंबे समय तक जारी रहने और उसके समाधान की कोई ठोस संभावना न दिखने के कारण मुद्रास्फीति और संवृद्धि दोनों के लिए जोखिम बढ़ गए हैं। ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बनी हुई है; कच्चे तेल के भंडार घट रहे हैं और वैश्विक पण्य की कीमतों में वृद्धि हुई है। कठिन विकल्पों के बीच, मौद्रिक नीति अधिक सतर्क हो गई है। प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं के केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति को सख्त करने की ओर रुख कर सकते हैं। वैश्विक वित्तीय बाजारों में मिश्रित रुझान दिख रहे हैं, जहाँ एआई को लेकर आशावाद के कारण इक्विटी मजबूत बनी हुई है, जबकि राजकोषीय स्थिरता और मुद्रास्फीति की चिंताओं के कारण सोवरेन बॉण्ड प्रतिफल में वृद्धि हुई है। दरों को लेकर बदलती उम्मीदों और जोखिम धारणा में बदलाव के बीच हाल ही में अमेरिकी डॉलर सूचकांक में मजबूती आई है।

* 05 जून 2026 को जारी।

घरेलू संभावना

विभिन्न उच्च-आवृत्ति संकेतकों के अनुसार, संघर्ष शुरू होने के बाद भी देश की आर्थिक गतिविधियाँ काफी हद तक स्थिर बनी रहीं। निजी उपभोग सुदृढ़ रहा, जबकि लागत के दबाव बढ़ने के बावजूद स्थिर निवेश ने अपनी गति बनाए रखी। अप्रैल 2026 में वाणिज्य वस्तु निर्यात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, हालांकि माल ढुलाई और बीमा की बढ़ी हुई लागत अभी भी एक बाधा बनी हुई है। सेवा निर्यात भी लगातार मजबूत रहे। हालाँकि अब तक अर्थव्यवस्था ने इस संघर्ष के प्रभाव-विस्तार को सीमित प्रभाव के साथ झेला है, लेकिन इसके कारण उत्पन्न दबाव धीरे-धीरे अधिक स्पष्ट होने लगे हैं।

आगे चलकर, ऊर्जा तथा अन्य पण्यों की उच्च कीमतें और आपूर्ति में लगातार बनी हुई बाधाएँ, आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकती हैं। प्रभावित पण्यों के आयात स्रोतों में विविधता लाने से आपूर्ति की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन इसकी लागत अधिक है। हालाँकि, इसका पूर्ण प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि संघर्ष कितने समय तक जारी रहता है, आपूर्ति शृंखलाओं को सामान्य होने में कितना समय लगता है, तथा विभिन्न हितधारकों के बीच भार आबंटन की क्या पद्धति रहती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य से कम रहने की संभावना है, जिसका प्रभाव कृषि गतिविधियों और ग्रामीण मांग पर पड़ सकता है। हालाँकि, अन्य के साथ-साथ फसल विविधीकरण, जल संचयन एवं संरक्षण, जलवायु- अनुकूल पद्धतियों तथा कम अवधि वाली फसलों को बढ़ावा देने वाले कार्यक्रमों और पहलों से इन प्रभावों को कम करने में सहायता मिलने की आशा है। इसके अलावा, सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूत प्रगति, जीएसटी के युक्तिकरण का जारी प्रभाव तथा रोजगार की व्यापक रूप से स्थिर स्थिति, शहरी उपभोग को समर्थन देती रहेगी। उच्च क्षमता उपयोग, बैंकों और गैर-बैंकिंग स्रोतों से ऋण प्रवाह का लगातार बने रहना तथा सरकार के पूंजीगत व्यय से निवेश गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। हालाँकि, वैश्विक मांग की कमजोरी तथा माल ढुलाई और बीमा की उच्च लागतें, वाणिज्य वस्तु निर्यात के लिए चुनौती बनी रहेंगी, लेकिन सेवा निर्यात के स्थिर बने रहने की उम्मीद है।

सरकार द्वारा उठाए गए अनेक कदमों, जिनमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और निर्यात क्षेत्र को सहायता प्रदान करना, घरेलू गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति को बढ़ाना, आयातित इनपुट्स के स्थान पर देश में निर्मित विकल्पों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, तथा महत्वपूर्ण आयातों में विविधता लाना भी शामिल हैं, ने बाहरी आघातों का सामना करने के लिए अर्थव्यवस्था की आघात-सहनीयता को मजबूत किया है।

इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की संवृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जोकि पहली तिमाही में 6.6 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 6.3 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 6.8 प्रतिशत रहना अनुमानित है (चार्ट 1)। हालाँकि, वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में लंबे समय तक बनी रहने वाली बाधाएँ, वैश्विक वित्तीय बाजारों में बढ़ी हुई अस्थिरता तथा मौसम संबंधी आघात, घरेलू संवृद्धि की संभावनाओं के लिए अधोगामी जोखिम उत्पन्न कर रहे हैं।

हेडलाइन सीपीआई मुद्रास्फीति मार्च 2026 में बढ़कर 3.4 प्रतिशत और अप्रैल 2026 में 3.5 प्रतिशत हो गई, जिसका मुख्य कारण खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि थी। ईंधन मुद्रास्फीति नियंत्रित रही, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा कीमतों में तेज वृद्धि के बावजूद मार्च और अप्रैल के दौरान खुदरा ईंधन की कीमतों में अधिकांशतः कोई बदलाव नहीं हुआ। मूल मुद्रास्फीति (अर्थात्, खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) जनवरी से अप्रैल 2026 के दौरान 3.7 प्रतिशत पर स्थिर रही। कीमती धातुओं को छोड़कर, मूल मुद्रास्फीति बहुत ही कम, लगभग 2.1- 2.2 प्रतिशत के स्तर पर रही। यह दर्शाता है कि इनपुट लागत का दबाव, जो अप्रैल में डब्ल्यूपीआई में तेज वृद्धि के रूप में दिखाई दिया, अभी तक पूरी तरह से सीपीआई में परिलक्षित नहीं हुआ है।

हालाँकि, मई 2026 से खुदरा ईंधन कीमतों में संचयी रूप से वृद्धि की गई है, जिसमें पेट्रोल की कीमतों में कुल 7.4 प्रतिशत तथा डीज़ल की कीमतों में कुल 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इस वृद्धि का हेडलाइन मुद्रास्फीति पर प्रत्यक्ष प्रभाव लगभग 36 आधार अंक पड़ने का अनुमान है, साथ ही, इसके द्वितीयक प्रभाव भी होंगे, जो आने वाले महीनों में सीपीआई में दिखाई देंगे। वैश्विक ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का परिवर्ती प्रभाव, अन्य कई क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है, जैसे वाणिज्यिक एलपीजी, औद्योगिक कच्चा माल, रसायन, रबर तथा प्लास्टिक उत्पाद। उच्च इनपुट लागतों का यह दूसरे चरण का प्रभाव, भविष्य में सीपीआई मुद्रास्फीति पर ऊर्ध्वगामी दबाव बना सकता है।

इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, वर्ष 2026-27 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति का अनुमान 5.1 प्रतिशत लगाया गया है, जोकि पहली तिमाही में 4.2 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 5.1 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.9 प्रतिशत तथा चौथी तिमाही में 5.4 प्रतिशत मुद्रास्फीति रहने का अनुमान है। मूल मुद्रास्फीति

चार्ट 1: वास्तविक जीडीपी वृद्धि का तिमाही अनुमान (वर्ष दर वर्ष)

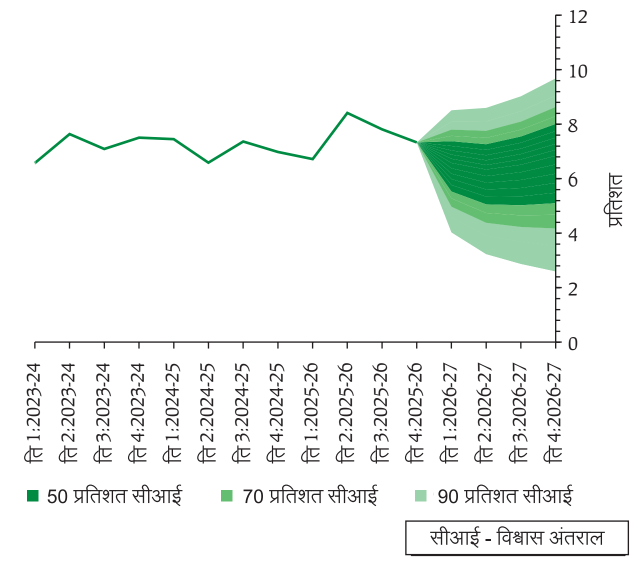

चार्ट 2: सीपीआई मुद्रास्फीति का तिमाही अनुमान (वर्ष दर वर्ष)

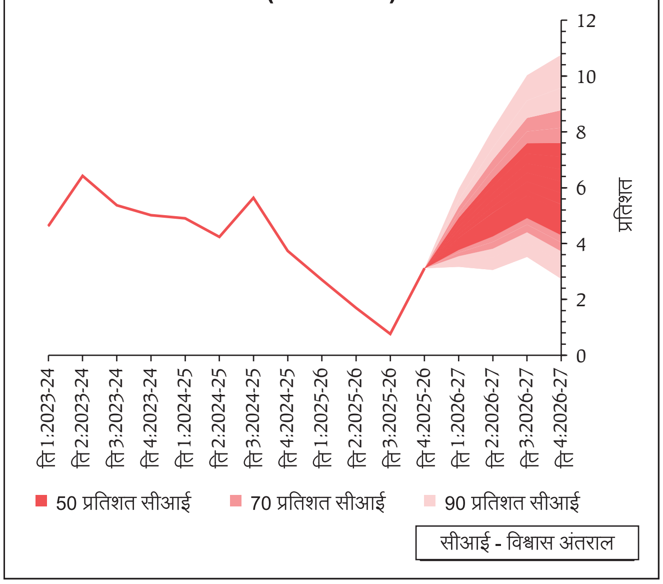

वर्ष 2026-27 के लिए 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है (चार्ट 2)। कीमती धातुओं को छोड़कर, मूल मुद्रास्फीति का अनुमान इससे कम है, जो यह संकेत देता है कि मांग संबंधी दबाव अभी भी नियंत्रित बना हुआ है। वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधान तथा मानसून के भौगोलिक और समयगत वितरण को लेकर बनी अनिश्चितताओं के कारण ये अनुमान, ऊर्ध्वगामी जोखिम के अधीन हैं। तथापि, खाद्यान्नों का पर्याप्त भंडार और जलाशयों में संतोषजनक जल स्तर कुछ राहत प्रदान करते हैं।

मौद्रिक नीति संबंधी निर्णयों का औचित्य

पिछली मौद्रिक नीति बैठक के बाद से वैश्विक परिस्थितियों में गिरावट आई है तथा संघर्ष एक क्षणिक युद्धविराम के बीच भी जारी है। आपूर्ति शृंखलाओं में लंबे समय तक बनी रहने वाली बाधाओं तथा ऊर्जा की ऊँची कीमतों के प्रतिकूल प्रभाव, संवृद्धि के अनुमानों में कमी और मुद्रास्फीति के अनुमानों में वृद्धि के रूप में दिखाई दे रहे हैं, जैसा कि ऊपर अप्रैल की मौद्रिक नीति की तुलना में चर्चा की गई है।

वैश्विक आघातों के बावजूद सीपीआई मुद्रास्फीति अभी भी निर्धारित लक्ष्य से नीचे बनी हुई है, क्योंकि घरेलू कीमतों पर इनका प्रभाव सीमित रहा है। जबकि मूलभूत अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़कर सहन- सीमा के ऊपरी स्तर के निकट पहुँच सकती है,यह अपेक्षा की जा रही है कि आपूर्ति-जनित आघात का प्रभाव चौथी तिमाही से धीरे-धीरे कम होने लगेगा। अभी अंतर्निहित मुद्रास्फीति दबाव सामान्यतः नियंत्रित और संतुलित बने हुए हैं। तथापि, अपेक्षाओं और मजदूरी पर पड़ने वाले द्वितीयक प्रभावों के माध्यम से मुद्रास्फीति की बढ़ने की संभावना स्पष्ट रूप से मौजूद है, इसलिए इस पर सतर्क निगरानी रखने की आवश्यकता है। सामान्य से कम दक्षिण-पश्चिम मानसून के पूर्वानुमान तथा एल-नीनो से जुड़े जोखिमों के कारण संभावना अभी भी अनिश्चित बनी हुई है।

संवृद्धि के संदर्भ में, ऊर्जा की उच्च कीमतें और वैश्विक आपूर्ति संबंधी बाधाएँ, आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल विस्तार-प्रभाव डाल रही हैं। जबकि, घरेलू मांग अभी भी आघात-सह बनी हुई है तथा विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की गतिविधियाँ लगातार बढ़ रही हैं, फिर भी उच्च-आवृत्ति संकेतकों से कुछ क्षेत्रों में संवृद्धि की गति धीमी पड़ने के शुरुआती संकेत दिखाई दे रहे हैं।

जैसा कि ऊपर चर्चा की गई है, एमपीसी द्वारा मुद्रास्फीति और संवृद्धि के लिए किए गए मूलभूत आकलन के सामने काफी जोखिम मौजूद हैं। ये जोखिम मुख्यतः संघर्ष की अवधि और तीव्रता , उसके विस्तार- प्रभावों की मात्रा तथा आपूर्ति शृंखलाओं के सामान्य होने की गति को लेकर बनी अनिश्चितताओं के कारण हैं। इसके अतिरिक्त, सामान्य से कम दक्षिण-पश्चिम मानसून के पूर्वानुमान और एल-नीनो से जुड़े जोखिमों के कारण खाद्य संबंधी संभावना भी अनिश्चित बनी हुई है। यद्यपि उच्च मुद्रास्फीति के जोखिम बढ़ गए हैं, फिर भी मौद्रिक नीति समिति का मानना है कि अधिक स्पष्टता आने तक प्रतीक्षा करना विवेकपूर्ण होगा। तदनुसार, मौद्रिक नीति समिति ने नीतिगत दर को यथावत् रखने के पक्ष में वोट किया। साथ ही, एमपीसी आगे भी आँकड़ों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाए रखेगी और घटनाक्रमों पर कड़ी निगरानी रखेगी। इसमें विशेष रूप से यह देखा जाएगा कि कहीं आपूर्ति-पक्ष के दबाव सामान्य मूल्य स्तर और मुद्रास्फीति की प्रत्याशाओं में स्थायी रूप से शामिल तो नहीं हो रहे हैं। एमपीसी ने तटस्थ रुख को भी बनाए रखने का निर्णय लिया।

एमपीसी की बैठक का कार्यवृत्त 19 जून 2026 को प्रकाशित की जाएगी।

एमपीसी की अगली बैठक 3 से 5 अगस्त 2026 के दौरान निर्धारित है।

भाषण

डिजाइन द्वारा सुदृढ़ता: भारत के बैंकिंग क्षेत्र से सबक
श्री स्वामीनाथन जे.

*डिजाइन द्वारा सुदृढ़ता: भारत के बैंकिंग क्षेत्र से सबक**

श्री स्वामीनाथन जे.

विशिष्ट संकाय सदस्यों, प्रिय छात्रों, देवियों और सज्जनों।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में यहां आकर मुझे खुशी हो रही है। जैसा कि आप में से बहुत से लोग जानते होंगे, एसआईपीए की स्थापना 1946 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ऐसे समय में हुई थी, जब दुनिया एक नई अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए संस्थानों का पुनर्निर्माण कर रही थी। इसका उद्देश्य वैश्विक मामलों की समझ को प्रसारित करना और देशों, संस्थानों और विषयों में सार्वजनिक सेवा के लिए पेशेवरों को तैयार करना था।

हम ऐसे समय में मिलते हैं जब वैश्विक नीति पर चर्चा फिर से महत्वपूर्ण विषयों से भरी हुई है: भू-राजनीति, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तकनीकी व्यवधान और आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्क्रम निर्धारण। इस पृष्ठभूमि के समक्ष बैंकिंग सुदृढ़ता एक आसान विषय की तरह लग सकता है। लेकिन इसकी एक विशिष्ट विशेषता है: जब यह अनुपस्थित होता है, तो इसके महत्व को तुरंत पहचाना जाता है। एक कमजोर बैंकिंग प्रणाली वित्तीय तुलन पत्र से कंपनियों, परिवारों, सार्वजनिक वित्त और व्यापक अर्थव्यवस्था तक दबाव को जल्दी से प्रसारित कर सकती है।

यही कारण है कि मैंने सोचा कि बैंकिंग सुदृढ़ता अंतरराष्ट्रीय, सार्वजनिक मामलों के स्कूल के लिए एक उपयुक्त विषय होगा और मैं आज भारत के अनुभव के माध्यम से इसे देखना चाहूंगा।

भारत की वर्तमान स्थिति : सतर्कता के साथ सुदृढ़ता

भारत आज अपेक्षाकृत मजबूत समष्टि-आर्थिक आधार पर खड़ा है।[1] भू-राजनीतिक अनिश्चितता, आपूर्ति-श्रृंखला व्यवधानों और अस्थिर पण्य स्थितियों के बीच भी, घरेलू आर्थिक गतिविधि ने सुदृढ़ता दर्शाया है, जो औद्योगिक और सेवा गतिविधियों में मजबूती, व्यापक-आधारित मांग और कॉरपोरेट कार्य-निष्पादन में सुधार द्वारा समर्थित है। मुद्रास्फीति हमारे सहनीयता दायरे के भीतर है और बाहरी कमजोरियां प्रबंधनीय बनी हुई हैं। भारतीय वित्तीय प्रणाली मजबूती के साथ इस अनिश्चित चरण में प्रवेश करती है : मजबूत तुलन-पत्र , संतोषजनक पूंजी बफर, बेहतर लाभप्रदता और बहु-दशक के निचले स्तर पर गैर-निष्पादित आस्तियां।

मजबूती की यह स्थिति उत्साहजनक है। लेकिन एक प्रबल संदेश जो हम लगातार बैंकों और अन्य विनियमित संस्थाओं को देते हैं, वह यह है कि सुदृढ़ता विकसित का सबसे अच्छा समय तब होता है जब परिस्थितियां अनुकूल होती हैं। केंद्रीय बैंकों को कभी-कभी अन्यथा आशावादी समय में सतर्क आवाजों के रूप में देखा जाता है, जब ऐसा प्रतीत होता हो कि पक्षकार सुपरिचालित हैं तो उनसे कठिन प्रश्न पूछने की उम्मीद की जाती है।[2] बैंकिंग में, अक्सर यही बात होती है। जोखिम प्रायः अच्छे समय में चुपचाप निर्मित होता रहता है और परिस्थितियों में बदलाव होने पर स्वयं को अचानक कठोरता के साथ प्रस्तुत कर देता है। वृद्धि जब सुदृढ़ हो, आस्ति की गुणवत्ता संतोषजनक दिखाई देती हो और जोखिम की भूख स्वाभाविक रूप से बढ़ी हो तो ऐसे में बफ़र्स, अभिशासन और जोखिम अनुशासन को मजबूत किया जाना चाहिए। इसलिए परीक्षण करने से पहले सुदृढ़ता का निर्माण किया जाना चाहिए।

आज मेरी टिप्पणी के विषय के पीछे यही विचार है: डिजाइन से सुदृढ़ता। भारत का हालिया बैंकिंग सुदृढ़ता नीतिगत पहलों को सीखने, पर्यवेक्षी सतर्कता, मजबूत विवेकपूर्ण ढांचे, दबाव की पारदर्शी पहचान, विश्वसनीय त्रुटिनिवारण तंत्र और बैंकों के भीतर सुधार को दर्शाता है।

सार्वजनिक नीति के श्रोताओं के लिए, महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि क्या आज बैंक मजबूत हैं, बल्कि यह कि इसकी सुदृढ़ता कैसे बनाई और संरक्षित रखी जाती है। बैंकिंग सुदृढ़ता विकास या अनुकूल परिस्थितियों से स्वचालित रूप से उत्पन्न नहीं होता है। इसे कई स्तरों पर डिजाइन किया जाना चाहिए: बैंकों को नियंत्रित करने वाले नियमों में, कमजोरियों का पता

* जून, 2026 को कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स (एसआईपीए) में भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर श्री स्वामीनाथन जे का भाषण।

[1] आरबीआई बुलेटिन, मई 2026 में कहा गया है कि घरेलू आर्थिक गतिविधियों ने अप्रैल 2026 में सुदृढ़ता का प्रदर्शन किया, जिसमें औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों ने कई क्षेत्रों में मजबूती बनाए रखी; सीपीआई मुद्रास्फीति अप्रैल में 3.5 प्रतिशत रही, जिसमें मुख्य मुद्रास्फीति स्थिर रही; मार्च में लगातार दूसरे महीने निवल एफडीआई सकारात्मक रहा; और सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों ने 2025-26 की चौथी तिमाही में कुल बिक्री और परिचालन लाभ में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की। इसमें यह भी कहा गया है कि सूचीबद्ध बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों ने उच्च राजस्व वृद्धि और निवल लाभ वृद्धि में वृद्धि देखी, जो मुख्य रूप से कम प्रावधानों और आकस्मिकताओं को दर्शाती है।

[2] "पार्टी के ज़ोर पकड़ते ही पंच बाउल हटा लेना" एक मशहूर वित्तीय रूपक है, जिसका श्रेय 1955 में फ़ेडरल रिज़र्व के पूर्व चेयरमैन विलियम मैकचेस्नी मार्टिन को दिया जाता है।

लगाने वाली पर्यवेक्षी प्रणालियों में, दबाव को कम करने वाली समाधान संरचना में और स्वयं बैंकों के कार्य व्यवहार में। भारत का हालिया अनुभव बताता है कि सुदृढ़ता तब सबसे मजबूत होती है जब उपर्युक्त तत्व एक-दूसरे को सशक्त करते हैं।

मैं इस विचार को डिजाइन द्वारा सुदृढ़ता के पांच हालिया आयामों के माध्यम से स्पष्ट करता हूं: दबाव की पारदर्शी पहचान, तुलन-पत्र को सुदृढ़ करना, प्रभावी पर्यवेक्षण, सुविचारित और अनुकूलित विनियमन तथा बैंकों के भीतर सुदृढ़ता।

दबाव की पहचान

पहला आयाम दबाव की पारदर्शी पहचान है।

बैंकिंग परीक्षण हमें सिखाता है कि जोखिम अक्सर तब बनता है जब परिस्थितियां अनुकूल दिखाई देती हैं। एक उछाल के दौरान, संपार्श्विक मूल्य पर्याप्त दिखते हैं, अनुमानित नकदी प्रवाह उचित दिखाई देते हैं, और आशावाद ऋण मूल्यांकन में अंतर्निहित हो जाता है। एक परियोजना जोखिम, पुनरसंरचना निर्णय, संपार्श्विक मूल्यांकन या क्षेत्रक केन्द्रीयता किसी बैंक के लिए प्रबंधनीय लग सकती है। लेकिन जब इसी तरह की धारणाओं को संस्थानों में दोहराया जाता है, तो वे समष्टि-वित्तीय सुभेद्यता उत्पन्न कर सकते हैं।

2015 के बाद के भारत के आस्ति गुणवत्ता अनुभव ने इस मुद्दे को ध्यान में लाया। आस्ति गुणवत्ता समीक्षा के बाद जो दबाव दिखाई दे रहा था, वह कई वर्षों में उत्पन्न हुआ था। यह कुछ क्षेत्रकों में तेजी से ऋण वृद्धि, बड़ी और लंबी अवधि वाली परियोजनाओं से जुड़ी चुनौतियों, बदलती आर्थिक स्थितियां, दबाव की पहचान में देरी और कुछ मामलों में, जोखिम प्रबंधन और अभिशासन संरचना में कमियों सहित कारकों के संयोजन को दर्शाता है।

आस्ति गुणवत्ता समीक्षा एक लेखांकन परीक्षण से कहीं अधिक थी। इसने बैंकिंग प्रणाली की सूचना व्यवस्था को बदल दिया। पहचान के लिए बैंकों को प्रावधान करने, मालिकों को पुनर्पूंजीकरण करने, उधारकर्ताओं को मोल-भाव करने, पर्यवेक्षकों को हस्तक्षेप करने और बाजारों को जोखिम का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता थी। पारदर्शिता प्रोत्साहन को बदलती है।

बैंक बोर्ड के एजेंडे में पहचान शायद ही कभी सबसे लोकप्रिय वस्तु है। यह रिपोर्ट की गई लाभप्रदता, पूंजी नियोजन, बाजार की धारणा और कभी-कभी आंतरिक आत्मविश्वास को प्रभावित करता है। लेकिन विलंबित पहचान आमतौर पर अधिक महंगी होती है। यह ऋण अनुशासन को कमजोर करता है, नुकसान के वास्तविक आवंटन को अस्पष्ट करता है और समाधान के अंतिम बोझ को बढ़ाता है। इसलिए समय पर आस्ति गुणवत्ता की पहचान वित्तीय स्थिरता के संस्थागत ढांचे का हिस्सा है।

तुलन पत्र को मजबूत करना

मान्यता अपने आप में पर्याप्त नहीं है। इसके बाद तुलन पत्र की मजबूती के लिए कार्रवाई की एक विश्वसनीय श्रृंखला होनी चाहिए। समाधान के बिना मान्यता बैंकों की तुलन पत्र को सीमित कर सकती है। अभिशासन में सुधार के बिना पूंजी समर्थन वित्तीय मैट्रिक्स में सुधार कर सकता है लेकिन सुदृढ़ता में योगदान नहीं कर सकता है। मजबूत सुरक्षा देने वाले मानकों के बिना समाधान, दबाव के अगले चक्र का कारक सकता है।

भारत में, इस चरण में सार्वजनिक नीति संबंधी ईकोसिस्टम में समन्वित कार्रवाई शामिल थी। सरकार ने कानूनी, राजकोषीय और संस्थागत संरचना के महत्वपूर्ण तत्व प्रदान किए। दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता ने समाधान के माहौल को मजबूत किया और लेनदारों और उधारकर्ताओं के बीच संबंधों को बदल दिया। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनर्पूंजीकरण ने मान्यता प्राप्त घाटे को अवशोषित करने और ऋण देने की क्षमता को बहाल करने में मदद की। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समेकन ने बड़े पैमाने और पूंजी शक्ति वाले संस्थानों का निर्माण करने की मांग की। जमाकर्ताओं की सुरक्षा, वसूली कानून, ऋण गारंटी, वित्तीय समावेशन पहल और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने भी एक गहरी और अधिक औपचारिक वित्तीय संरचना में योगदान दिया।

बैंकिंग प्रणाली ने भी महत्वपूर्ण तुलन पत्र को मजबूत करने का काम किया। बैंकों ने प्रावधानीकरण में सुधार किया, वसूली और बट्टे खाते में डालने का प्रयास किया, पूंजी जुटाई और परिसंपत्ति की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। अधिक पारदर्शी, बेहतर प्रावधान और विविध तुलन पत्र की दिशा में आंदोलन सुदृढ़ता यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है।

मजबूत पर्यवेक्षण और विवेकपूर्ण अनुशासन

रिज़र्व बैंक का पर्यवेक्षी दृष्टिकोण महत्वपूर्ण रूप से विकसित हुआ है। ध्यान अब इकाई-स्तरीय अनुपालन या पॉइंट-इन-टाइम निरीक्षण निष्कर्षों तक सीमित नहीं है। यह पर्यवेक्षित

संस्थाओं के अधिक व्यापक, जोखिम-आधारित और दूरंदेशी मूल्यांकन की ओर बढ़ गया है, जिसमें अभिशासन, आश्वासन कार्य, आचरण, व्यापार मॉडल, प्रौद्योगिकी जोखिम, साइबर सुदृढ़ता और उभरती तुलन पत्र कमजोरियां शामिल हैं।

इस दृष्टिकोण का एक प्रमुख तत्व बैंकों के बोर्डों और वरिष्ठ प्रबंधन के साथ गहरा जुड़ाव रहा है। पर्यवेक्षी निष्कर्षों का उपयोग न केवल कमियों की पहचान करने के लिए किया जाता है, बल्कि उनके मूल कारणों को समझने के लिए भी किया जाता है: चाहे वे कमजोर अभिशासन, अपर्याप्त जोखिम प्रबंधन, अप्रभावी आंतरिक लेखापरीक्षा, खराब अनुपालन संस्कृति, प्रौद्योगिकी अंतराल या गलत संरेखित प्रोत्साहन से उत्पन्न हों। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मुद्दों को केवल सतह पर ठीक करने के बजाय उनके स्रोत पर ही संबोधित किया जाए।

इसके साथ ही पर्यवेक्षी टूलकिट को भी मजबूत किया गया है। ऑफ-साइट निगरानी, दबाव परीक्षण, सुभेद्यता आकलन प्रारंभिक चेतावनी संकेतक, साइबर जोखिम संकेतक, विषयगत समीक्षा, आचरण-संबंधी आकलन और माइक्रो-डेटा एनालिटिक्स अब पर्यवेक्षी प्रक्रिया के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। ये उपकरण पर्यवेक्षकों को अलग-अलग व्यक्तिगत तुलन पत्र पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय संस्थानों और गतिविधियों में पैटर्न की पहचान करने में मदद करते हैं।

इसके लिए बैंकों के भीतर आश्वासन के व्यापक दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है। पर्यवेक्षण बोर्ड की जिम्मेदारी, वरिष्ठ प्रबंधन, जोखिम प्रबंधन, अनुपालन, आंतरिक लेखापरीक्षा और बाहरी लेखापरीक्षा का विकल्प नहीं हो सकता है। पर्यवेक्षण केवल निरीक्षण की एक अतिरिक्त परत के रूप में कार्य कर सकता है, लेकिन सुदृढ़ता पहले संस्था के भीतर बनाई जानी चाहिए।

बड़ा मुद्दा यह है कि आधुनिक पर्यवेक्षण केवल नियमों के अनुपालन की जांच करने के बारे में नहीं है। यह पूछने के बारे में है कि क्या अभिशासन प्रभावी है, क्या जोखिमों को समझा जाता है और सही ढंग से उनकी कीमत तय की जाती है, क्या नियंत्रण कार्य प्रभावी हैं। क्या ग्राहक आचरण निष्पक्ष है, क्या प्रौद्योगिकी जोखिमों का प्रबंधन किया जाता है और क्या संस्था अपने मुख्य कार्यों को दबाव के दौरान जारी रख सकती है।

सुविचारित और अनुकूली विनियमन

चौथा आयाम सुविचारित और अनुकूलनशील विनियमन है। आधुनिक वित्तीय मध्यस्थता अब पारंपरिक संस्थागत सीमाओं के भीतर बड़े करीने से फिट नहीं बैठती है। क्रेडिट, भुगतान, ग्राहक अधिग्रहण, हामीदारी, सर्विसिंग और प्रौद्योगिकी सहायता में बैंक, एनबीएफसी, फिनटेक संस्थाएं, भुगतान प्रणाली, ऋण सेवा प्रदाता और तृतीय-पक्ष प्रौद्योगिकी भागीदार शामिल हो सकते हैं। इससे बैंकों का महत्व कम नहीं होता है; यह प्रणाली को अधिक परस्पर जुड़ा हुआ बनाता है और जोखिम के संचरण को अधिक जटिल बनाता है।

इसलिए, विनियामक प्रतिक्रिया इकाई-जागरूक और गतिविधि-जागरूक दोनों होनी चाहिए। किसी बैंक या एनबीएफसी की सुदृढ़ता उसके अभिशासन, पूंजी, चलनिधि, जोखिम प्रबंधन और आचरण पर निर्भर करती है। साथ ही, जहां समान गतिविधियां समान जोखिम पैदा करती हैं, विनियामक ध्यान अंतर्निहित जोखिम के साथ जुड़ा रहना चाहिए, चाहे संस्थागत रूप कुछ भी हो।

यह दृष्टिकोण हाल के उपायों जैसे एनबीएफसी के लिए स्केल-आधारित विनियमन, शहरी सहकारी बैंकों के लिए टियर-आधारित विनियामक ढांचे, डिजिटल ऋण दिशानिर्देश, आईटी अभिशासन आवश्यकताओं और धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर निर्देश जैसे उपायों में परिलक्षित होता है। यह कोविड-19 अवधि के दौरान भी दिखाई दिया, जब स्थिति में सुधार के साथ सामान्य विवेकपूर्ण उपचार के लिए एक रास्ता बनाए रखते हुए समय पर सहायता प्रदान करने के लिए राहत उपायों को डिजाइन किया गया था। सनसेट क्लॉज का उपयोग पहले के संकट के एपिसोड से एक महत्वपूर्ण सबक को दर्शाता है: समर्थन उपायों को दीर्घकालिक जोखिम अनुशासन को कमजोर किए बिना निकट अवधि के दबाव को कम करना चाहिए।

आरबीआई की पहल सुविचारित विनियमन में उसके प्रयासों को भी दर्शाती है : नवाचार को बाधित किए बिना ग्राहकों की रक्षा करना, जिम्मेदार आचरण सुनिश्चित करते हुए समावेशन का समर्थन करना, और सुरक्षा उपायों को कमजोर किए बिना अनावश्यक संघर्ष को कम करना।

एक अर्थ में, डिजाइन द्वारा सुदृढ़ता का अर्थ निरंतर समीक्षा द्वारा विनियमन भी है। नियम निश्चितता प्रदान करने के लिए पर्याप्त स्थिर होने चाहिए, लेकिन प्रासंगिक बने रहने के लिए पर्याप्त अनुकूल होना चाहिए। उन्हें तैयार किए जाने पर सही होना चाहिए, और समय के साथ सही रखा जाना चाहिए

क्योंकि बाजार विकसित होते हैं, प्रौद्योगिकी में परिवर्तन होता है और सबूत जमा होते हैं। इसने नियमों की समय-समय पर समीक्षा को मजबूत करने और हितधारक परामर्श को गहरा करने के लिए रिज़र्व बैंक के भीतर हाल ही में संस्थागत पहल[3] को भी सूचित किया है।

बैंकों में सुदृढ़ता

पांचवां आयाम बैंकों में सुदृढ़ता है।

सरकारें फ्रेमवर्क बना सकती हैं, और विनियामक अपेक्षाएं निर्धारित कर सकते हैं, लेकिन सुदृढ़ता बैंकों के अंदर अंतर्निहित होना चाहिए। यह इस बात से स्पष्ट होना चाहिए कि बैंक कैसे आस्तियों की उत्पत्ति करते हैं, कीमत जोखिम का प्रबंधन करते हैं, देनदारियों का प्रबंधन करते हैं, धन का निवेश करते हैं, दबाव की निगरानी करते हैं, प्रौद्योगिकी को नियंत्रित करते हैं, ग्राहकों के साथ व्यवहार करते हैं और चिंताओं को बढ़ाते हैं।

हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण बदलाव पोर्टफोलियो व्यवहार में बदलाव रहा है। पहले दबाव बड़े, जटिल कॉरपोरेट और बुनियादी ढांचे के जोखिम में केंद्रित था। बैंकों ने तब से अधिक विस्तृत पोर्टफोलियो, बेहतर रेटिंग वाले कॉरपोरेट एक्सपोजर, खुदरा, एमएसएमई और स्पष्ट जोखिम मूल्यांकन के साथ अन्य क्षेत्रों की ओर रुख किया है। ये खंड जोखिम मुक्त नहीं हैं। खुदरा और असुरक्षित ऋण अपनी खुद की असुरक्षितता पैदा कर सकते हैं। हालांकि, एक विविध और बेहतर निगरानी वाला पोर्टफोलियो संरचनात्मक रूप से कुछ बड़े, सहसंबद्ध एक्सपोजर के प्रभुत्व से अलग है।

यह बैंक-स्तरीय रूपान्तरण मायने रखता है क्योंकि सुदृढ़ता का टिकाऊपन संस्थानों के अंदर व्यवहार पर निर्भर करती है। सार्वजनिक नीति ढांचा बना सकती है, लेकिन बैंकों को सबक को व्यवहार में बदलना चाहिए। अंत में, सुदृढ़ता रोजमर्रा के निर्णयों के माध्यम से बनाया जाता है: क्या वित्तपोषित किया जाता है, जोखिम की कीमत कैसे तय की जाती है, अपवादों को कैसे मंजूरी दी जाती है, प्रारंभिक चेतावनियों पर कैसे कार्रवाई की जाती है, प्रौद्योगिकी जोखिमों को कैसे नियंत्रित किया जाता है और जवाबदेही कैसे लागू की जाती है।

[3] रिज़र्व बैंक ने इससे पहले विनियामक निर्देशों को सुव्यवस्थित करने और अनुपालन बोझ को कम करने के लिए एक समयबद्ध विनियम समीक्षा प्राधिकरण 2.0 अभ्यास शुरू किया था, जिसमें अनावश्यक परिपत्रों को वापस लेना या निरस्त करना और विवरणियों को युक्तिसंगत बनाना शामिल था। हाल ही में, रिज़र्व बैंक ने विनियमन विभाग में एक विनियामक समीक्षा प्रकोष्ठ के माध्यम से विनियामक समीक्षा के लिए संस्थागत तंत्र को मजबूत किया है, जिसका उद्देश्य समीक्षा प्रक्रिया में उद्योग की प्रतिक्रिया को शामिल करने के लिए विनियमन पर एक बाहरी सलाहकार समूह के सहयोग से हर पांच से सात साल में विनियमों की व्यापक और व्यवस्थित समीक्षा सुनिश्चित करना है।

अगले परीक्षण : जटिलता और अनिश्चितता

हाल की कुछ पहलों और अनुभवों पर चर्चा करने के बाद, संक्षेप में यह देखना उपयोगी होगा कि आगे क्या होने वाला है।। बैंकिंग सुदृढ़ता का अगला चरण ज्ञात तुलन-पत्र दबाव को संबोधित करने के बारे में कम और जटिलता और अनिश्चितता के प्रबंधन के बारे में अधिक होगा।

हाल के वर्षों से पता चला है कि आघात बहुत अलग स्रोतों से उत्पन्न हो सकते हैं : जैसे महामारी, भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, पण्य की कीमत में अस्थिरता, साइबर घटनाएं या बाजार की रुख में अचानक बदलाव। इसलिए, कार्य न केवल बैंकों को ज्ञात जोखिमों के लिए तैयार करना है, बल्कि उन्हें उन जोखिमों के अनुकूल बनाना भी है जिनके समय, रूप और संचरण की पूर्वानुमान करना मुश्किल हो सकता है।

खुदरा ऋण, डिजिटल ऋण और सूक्ष्म वित्त ने पहुंच का विस्तार किया है, लेकिन उन्हें सावधानीपूर्वक हामीदारी, निष्पक्ष वसूली प्रथाओं और उधारकर्ता लीवरेज की करीबी निगरानी की भी आवश्यकता होती है। इसी तरह, प्रौद्योगिकी बैंकिंग को तेज कर सकती है, लेकिन यह स्वचालित रूप से इसे समझदार नहीं बनाती है। इसलिए एआई, साइबर जोखिम, तीसरे पक्ष की निर्भरता, जलवायु से संबंधित जोखिम और वित्तीय अंतर्संबंध पर बैंकों और पर्यवेक्षकों से निरंतर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

निष्कर्ष

मैं एक व्यापक विचार के साथ अपनी बात समाप्त करता हूं। बैंकिंग सुदृढ़ता कोई निश्चित उपलब्धि नहीं है। यह एक सतत संस्थागत परियोजना है। जैसा कि भारत के हाल के अनुभव से पता चला है, यह तुलन-पत्र और उससे आगे अनुशासन, दबाव की पारदर्शी पहचान, तुलन-पत्र को मजबूत करने, सुविचारित और अनुकूली विनियमन और बैंकों के भीतर जिम्मेदार आचरण के माध्यम से बनाया गया है।

मजबूत बैंकों को पूंजी और प्रौद्योगिकी की आवश्यकता होती है, लेकिन उन्हें निर्णय, अभिशासन, जवाबदेही और सीखने वाले संस्थानों की भी आवश्यकता होती है। यह, शायद, केंद्रीय सार्वजनिक नीति सबक है: सुदृढ़ता केवल आखिरी आघात का सामना करने के बारे में नहीं है, बल्कि अगले आघात का अच्छी तरह से जवाब देने की क्षमता निर्माण के बारे में भी है।

धन्यवाद। जय हिंद।

आलेख

अर्थव्यवस्था की स्थिति

अर्थव्यवस्था की स्थिति*

पश्चिम एशिया में हाल ही में हुए अंतरिम शांति समझौते के बावजूद भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार व्यवधान बने रहे। चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जो निजी खपत और नियत निवेश द्वारा समर्थित है। पहले दो महीनों के दौरान उच्च-आवृत्ति संकेतक 2026-27 में निरंतर आर्थिक गति का सुझाव देते हैं। मई में तेजी के बावजूद, सीपीआई-मुद्रास्फीति स्थिर रही। एफडीआई अंतर्वाह और पर्याप्त विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि द्वारा समर्थित भारत का बाहरी क्षेत्र सुदृढ़ बना रहा।

परिचय

भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ता की परीक्षा ले रहे हैं। विस्तारित आपूर्ति-पक्ष के दबाव के कारण पण्य की कीमतों में निरंतर वृद्धि हुई है और जून की शुरुआत तक व्यापक मुद्रास्फीति की उम्मीदें हैं। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में, विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में[1] अपने मुद्रास्फीति अनुमानों को बढ़ाते हुए वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि अनुमानों को कम कर दिया। इसके बावजूद, हाल ही में पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और जून के तीसरे सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम शांति समझौते ने हालात के सामान्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की है।

वैश्विक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) में मई में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में व्यापक गिरावट देखी गई। हालांकि, स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के खुलने की उम्मीद और आपूर्ति श्रृंखलाओं की क्रमिक बहाली के साथ, कच्चे तेल की कीमतों में जून में अब तक महत्वपूर्ण गिरावट आई। पश्चिम एशिया में हो रही घटनाओं को देखते हुए, महंगाई की चिंताएं कम होने के साथ अमेरिकी खजाना प्रतिफलों में कमी आई, जबकि जून की शुरुआत तक ये ऊंचे स्तर पर बनी हुई थीं। उभरते बाजारों में बॉण्ड स्प्रेड और जोखिम रुख में उतार-चढ़ाव देखा गया, जो अनिश्चितताओं को दर्शाता है। मजबूत एआई और प्रौद्योगिकी क्षेत्र और बातचीत में प्रगति के कारण इक्विटी बाजारों में तेजी आई।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2025-26 के लिए अनंतिम जीडीपी अनुमानों के संदर्भ में मजबूती प्रदर्शित की। 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत पर मजबूत रही, जो निजी खपत और नियत निवेश से चालित है। उच्च आवृत्ति संकेतक मई में निरंतर आर्थिक गतिविधि की ओर इशारा करते हैं। शहरी मांग के समर्थन से घरेलू मांग की स्थिति सुदृढ़ बनी रही। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की संशोधित श्रृंखला के अनुसार, अप्रैल में औद्योगिक विकास मजबूत हुआ, जो विनिर्माण क्षेत्र द्वारा संचालित था।

मई 2026 में पिछले महीने की तुलना में पण्य व्यापार घाटा काफी हद तक अपरिवर्तित रहा, लेकिन मुख्य रूप से कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण साल-दर-साल बढ़ता गया।

खाद्य, ईंधन और मुख्य घटकों में व्यापक बढ़त के चलते उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर पिछले माह के 3.5 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 3.9 प्रतिशत हो गई। परिवहन ईंधन की कीमतों में वृद्धि तेल विपणन कंपनियों द्वारा खुदरा कीमतों के नवीनतम समायोजन को दर्शाती है। मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई) में भी थोड़ी वृद्धि हुई।

मौद्रिक नीति समिति ने जून 2026 की अपनी द्वि-मासिक समीक्षा में, सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का निर्णय लिया और पश्चिम एशिया संघर्ष की स्थिति और संभावित उप-सामान्य दक्षिण-पश्चिम मानसून और अल नीनो घटना[2] के जोखिमों पर अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा करते हुए "तटस्थ" रुख बनाए रखा।

* यह लेख राजीव दास, राधेश्याम वर्मा, ऋषभ कुमार, विश्वजीत मोहंती, श्रेया कंसल, ऊर्जा यादव, विकास आनंद, यामिनी झांब, अर्जित शिवहरे, निलवा दास, रंजीता मिश्रा, लव कुमार शांडिल्य, सिद्धार्थ चापोलिया, सुगंधी डी, शिवम, अर्चना दिलीप, आरती सिन्हा, अयान पॉल, अवनीश कुमार, साई धीरज वायुगुंडला चेंचू, सोनल यादव, अजय कुमार, अथिरा सीए और सौरभ शर्मा द्वारा तैयार किया गया है। उप गवर्नर डॉ. पूनम गुप्ता द्वारा प्रदान किए गए मार्गदर्शन और टिप्पणियों को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार किया जाता है। बिचित्रनंद सेठ, सुभद्रा शंकरन और देबोज्योति मजूमदार द्वारा सहकर्मी समीक्षा को भी स्वीकार किया जाता है। इस लेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

[1] वैश्विक आर्थिक संभावनाएं, जून 2026।

[2] मौद्रिक नीति वक्तव्य, 2026-27 मौद्रिक नीति समिति का संकल्प जून, 2026

2025-26 के लिए केंद्र सरकार के अनंतिम खातों ने केंद्र के राजकोषीय सुदृढ़ीकरण पथ की विश्वसनीयता को मजबूत किया, जिसमें सकल राजकोषीय घाटा (जीएफडी) सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत था। हालांकि, राज्यों के घाटे के संकेतकों में थोड़ी गिरावट आई।

मई के दूसरे हिस्से और अब तक जून में बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष चलनिधि में कमी आई है, जो संचलनगत मुद्रा में वृद्धि और सरकारी नकदी शेष-राशि में वृद्धि को दर्शाता है। भारित औसत कॉल दर (डब्ल्यूएसीआर) बढ़ गई और नीतिगत दायरे के ऊपरी आधे हिस्से में बनी रही। 91-दिवसीय खजाना बिल, 3-महीने के वाणिज्यिक पत्रों (सीपी) और जमा प्रमाणपत्रों (सीडी) पर प्रतिफल मई में मजबूत होने के बाद कम हो गया। सरकार और रिज़र्व बैंक की ओर से विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए घोषित उपायों के कारण जी-सेक प्रतिफलों में कमी आई। कॉर्पोरेट बॉण्ड प्रतिफल में भी कमी आई, हालांकि प्रसार आम तौर पर बढ़े।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 2026-27 (31 मई तक) के दौरान कुल वित्तीय संसाधन प्रवाह में वृद्धि हुई, जो गैर-खाद्य बैंक ऋण में वृद्धि और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि से चालित है। मई 2026 में बैंक ऋण वृद्धि में और तेजी आई। मार्च-अप्रैल के दौरान, जमा और ऋण दरों में कुछ वृद्धि के साथ ऋण बाजार में नीतिगत दर संचरण में कमी आई।

पश्चिम एशिया संघर्ष पर चिंताओं के कारण जून की शुरुआत तक भारतीय इक्विटी बाजार कमजोर रहे इसके बाद अमेरिका–ईरान अंतरिम शांति समझौते से जुड़ी ख़बरों के बाद बाज़ार में सुधार आया।। भारत का बाहरी क्षेत्र नियंत्रित चालू खाता घाटे और विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि बफर के मामले में सुदृढ़ता प्रदर्शित कर रहा है।

पूंजी प्रवाह में, एफडीआई अंतर्वाह में मजबूती आई, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) ने मार्च 2026 से निवल बहिर्वाह दर्ज किया। हाल के नीतिगत उपायों, जिसमें लंबी अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों के लिए पूर्णतः सुलभ मार्ग (एफएआर) का विस्तार और सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी निवेशकों के लिए कर छूट शामिल है, से भारतीय सरकारी कर्ज की मांग को मजबूत करने और पूंजी अंतर्वाह का समर्थन करने की उम्मीद है।

लेख का शेष भाग चार खंडों में प्रस्तुत किया गया है। खंड II वैश्विक अर्थव्यवस्था में उभरते विकास को कवर करता है। खंड III घरेलू व्यापक आर्थिक स्थितियों का आकलन प्रदान करता है। खंड IV भारत में प्रचलित वित्तीय स्थितियों को प्रस्तुत करता है, जबकि खंड V समापन टिप्पणियाँ प्रस्तुत करता है।

II. वैश्विक अनुभाग

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव की पृष्ठभूमि में, विश्व बैंक ने अपनी नवीनतम वैश्विक आर्थिक संभावनाओं में, 2027 में सुधार की उम्मीद के साथ 2026 में वैश्विक विकास धीमा होने का अनुमान लगाया है (सारणी II.1)। हालांकि आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम अभी भी नकारात्मक दिशा में झुके हुए हैं, लेकिन एआई को व्यापक रूप से अपनाने और उत्पादकता बढ़ाने वाले सुधार मध्यम अवधि की वृद्धि को सहारा दे सकते हैं। हाल ही में पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और जून के तीसरे सप्ताह में अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम शांति समझौते ने पश्चिम एशिया में हालात के सामान्यीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की है।

वैश्विक व्यापक आर्थिक वातावरण नाजुक बना रहा। जबकि उभरती अर्थव्यवस्था के इक्विटी बाजारों को अस्थिरता में वृद्धि का सामना करना पड़ा, अमेरिका और यूरोप जैसी उन्नत अर्थव्यवस्थाओं ने बेहतर आत्मविश्वास और जोखिम प्रीमियम में गिरावट को प्रतिबिंबित किया। पश्चिम एशिया में अंतरिम शांति समझौते ने ऊर्जा आपूर्ति व्यवधानों पर चिंताओं को कम किया (चार्ट II.1ए और बी)।

वैश्विक समग्र पीएमआई विस्तार क्षेत्र में बना रहा और अप्रैल की तुलना में मई में अपने कीमत को बनाए रखा, आंशिक रूप से अपेक्षित कीमत वृद्धि और आपूर्ति व्यवधान को ध्यान में रखते

सारणी II.1: विश्व बैंक: चुनिंदा एई और ईएमडीई देशों के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान

के लिए अनुमान	2026		2027	
अनुमान का महीना	जनवरी 2026	जून 2026	जनवरी 2026	जून 2026
विश्व*	**3.2**	**2.9**	**3.3**	**3.4**
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं (एई)	**1.6**	**1.5**	**1.6**	**1.8**
अमेरिका	2.2	2.2	1.9	2.1
यूरो क्षेत्र	0.9	0.8	1.2	1.3
जापान	0.8	0.7	0.8	0.9
उभरती बाज़ार और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं (ईएमडीई)	**4.0**	**3.6**	**4.1**	**4.2**
रूस	0.8	0.8	1.0	0.7
भारत#	6.5	6.6	6.6	7.2
चीन	4.4	4.2	4.2	4.3
लैटिन अमेरिका और कैरिबियन	**2.3**	**2.2**	**2.6**	**2.5**
मेक्सिको	1.3	1.3	1.8	1.7
ब्राज़ील	2.0	1.9	2.3	2.0
मध्य पूर्व और उत्तरी अफ़्रीका	4.3	1.6	4.3	5.0
सऊदी अरब	4.3	3.1	4.4	4.9
सब-सहारा अफ़्रीका	**4.3**	**4.0**	**4.5**	**4.4**
दक्षिण अफ़्रीका	1.4	1.0	1.5	1.5

टिप्पणियां: 1. *: विश्व बैंक के अनुमान पीपीपी भारित हैं।
2. #: भारत का डेटा राजकोषीय वर्ष (अप्रैल-मार्च) के आधार पर है, जबकि अन्य सभी देशों के लिए यह कैलेंडर वर्ष के अनुसार है।
स्रोत: वैश्विक आर्थिक संभावनाएं, विश्व बैंक, जून 2026।

हुए इन्वेंट्री की एक बारगी मांग से चालित था। विनिर्माण क्षेत्र ने उपभोक्ता, मध्यवर्ती और निवेश सामान उद्योगों में उत्पादन की मात्रा में वृद्धि के साथ लगातार तीसरे महीने सेवाओं से बेहतर प्रदर्शन किया। हालाँकि, अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवाह में गिरावट जारी रही, नए निर्यात आदेश लगातार तीसरे महीने संकुचित हुए (सारणी II.2)।

प्रमुख उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (एई) और उभरती बाजार और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं (ईएमडीई) में व्यावसायिक प्रत्याशाएं अलग-अलग थीं। प्रमुख एई में, समग्र पीएमआई का विस्तार अमेरिका और जापान में हुआ, जबकि यह यूरो क्षेत्र और यूके में संकुचित हुआ (चार्ट II.2ए)। ईएमडीई के भीतर, भारत और चीन में व्यावसायिक गतिविधि का विस्तार जारी रहा। हालांकि, नए निर्यात आदेश मई में कम होते रहे। जापान और यूके को छोड़कर प्रमुख एई ने निर्यात आदेशों में संकुचन दर्ज किया। भारत को छोड़कर प्रमुख ईएमडीई में निर्यात आदेशों में भी गिरावट देखी गई (चार्ट II.2बी)।

निरंतर आपूर्ति श्रृंखला के दबाव के बावजूद, विश्व बैंक पण्य कीमत सूचकांक अप्रैल में अपने अत्यधिक ऊंचे स्तर से ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण मई में कम हो गया। जून के तीसरे सप्ताह में पश्चिम एशिया शांति समझौते की घोषणा के

चार्ट II.1: वैश्विक अनिश्चितता और आपूर्ति श्रृंखला के दबाव में कमी आई

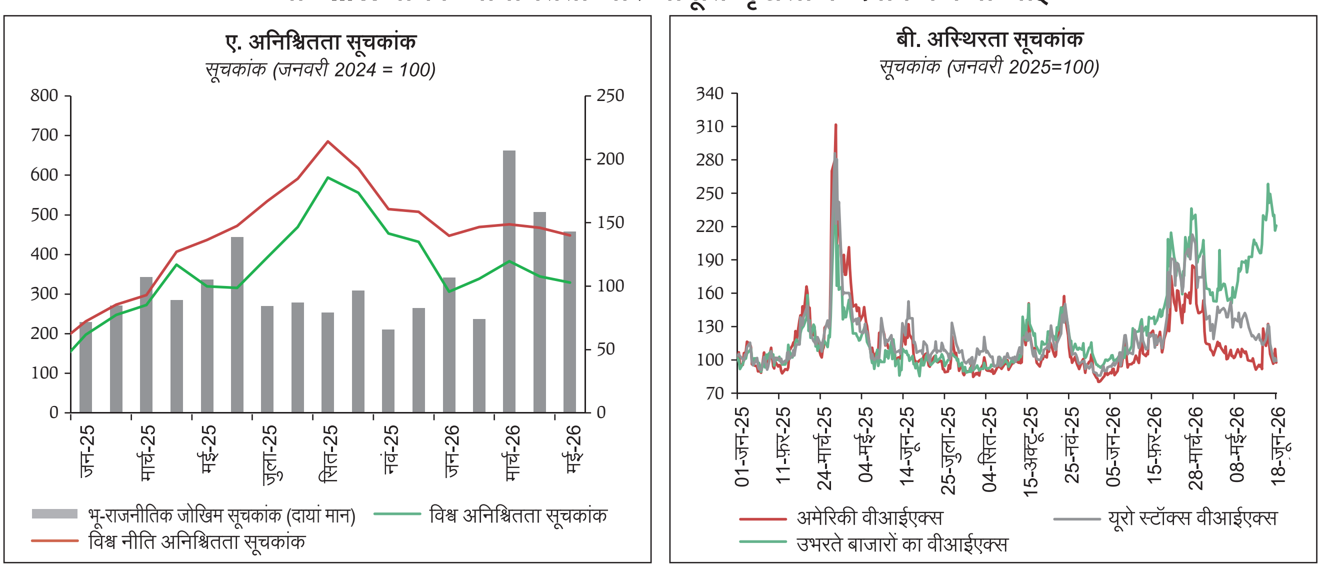

स्रोत: शिकागो बोर्ड ऑप्शंस एक्सचेंज; ब्लूमबर्ग; www.PolicyUncertainty.com; विश्व अनिश्चितता सूचकांक (डब्ल्यूयूआई) डेटाबेस; और फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क।

सारणी II.2: वैश्विक क्रय प्रबंधक सूचकांक

	अप्रै-25	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
पीएमआई समग्र	50.8	51.2	51.7	52.5	52.9	52.5	53	52.7	52	52.5	53.3	51.0	51.8	51.8
पीएमआई विनिर्माण	49.8	49.5	50.4	49.7	50.9	50.7	50.9	50.5	50.4	50.9	51.8	51.3	52.6	52.6
पीएमआई सेवाएं	50.8	52	51.8	53.5	53.3	52.9	53.5	53.2	52.4	52.8	53.4	50.8	51.2	51.3
पीएमआई निर्यात आदेश	47.5	48.0	49.1	48.5	48.9	49.7	48.5	49.9	49.3	49.7	51.2	49.6	49.6	48.9
पीएमआई निर्यात आदेश: विनिर्माण	47.3	48.0	49.2	48.2	48.7	49.5	48.3	49.9	49.1	49.9	51.4	50.0	50.2	49.6
पीएमआई निर्यात आदेश: सेवाएं	48.2	47.9	48.7	49.4	49.3	50.2	49.4	50.2	49.6	48.9	50.5	48.3	47.6	46.6

50

<<<<<<संकुचन---विस्तार>>>>>>

टिप्पणियां: 1. क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई), एक विसरण सूचकांक है, जो पिछले महीने की तुलना में प्रत्येक चर में हुए परिवर्तन को दर्शाता है और यह नोट करता है कि प्रत्येक बढ़ा/सुधरा है, घटा/बिगड़ा है या अपरिवर्तित रहा है। 50 से अधिक का पीएमआई मान विस्तार को दर्शाता है; 50 से कम संकुचन को दर्शाता है; और 50 के बराबर 'कोई परिवर्तन नहीं' को दर्शाता है।

2. अप्रैल 2023 के बाद के आंकड़ों पर हीट मैप लागू किया गया है। मैप में रंगों का इस्तेमाल किया गया है – लाल रंग प्रत्येक पीएमआई श्रृंखला में न्यूनतम मान को दर्शाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं वाला मान) को दर्शाता है, और हरा रंग उच्चतम मान को दर्शाता है।

स्रोत: एस एंड पी ग्लोबल।

बाद ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें तेजी से 80 अमेरिकी डॉलर से नीचे आ गईं। एफएओ खाद्य कीमत सूचकांक स्थिर रहा, क्योंकि अनाज और चीनी की कीमत में वृद्धि वनस्पति तेलों और डेयरी उत्पादों में गिरावट से समायोजित थी (चार्ट II.3ए)। महीने के अंत और जून की शुरुआत में गिरने से पहले ब्लूमबर्ग पण्य सूचकांक मई की शुरुआत में अस्थिर रहा। यह सुधार कृषि उत्पादों, ऊर्जा और कीमती धातुओं की कीमतों में कमी के कारण हुआ। जून में अब तक सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही है, क्योंकि प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा मौद्रिक नीति को सख्त किए जाने की उम्मीदों के कारण लगातार बिकवाली का दबाव और बढ़ गया है (चार्ट II.3बी)।

जून के पहले हफ़्ते में एल्युमीनियम की कीमतें मार्च 2022 के बाद के सबसे ऊँचे स्तर पर पहुँच गईं, लेकिन बाद में उनमें गिरावट आई। एक अंतरिम शांति समझौते के कारण गैसोलीन और जेट ईंधन की कीमतें, जो संघर्ष के दौरान अपने उच्चतम स्तर पर थीं, अब कम हो गई हैं। चीन में निर्यात पर लगी प्रतिबंधों में ढील और वसंत रोपण का मौसम खत्म होने पर बड़े आयातक करने वाले देशों से मांग घटने के कारण यूरिया की कीमतें तेज़ी से

चार्ट II.2: क्रय प्रबंधक सूचकांक : अधिकार-क्षेत्रों के बीच तुलना

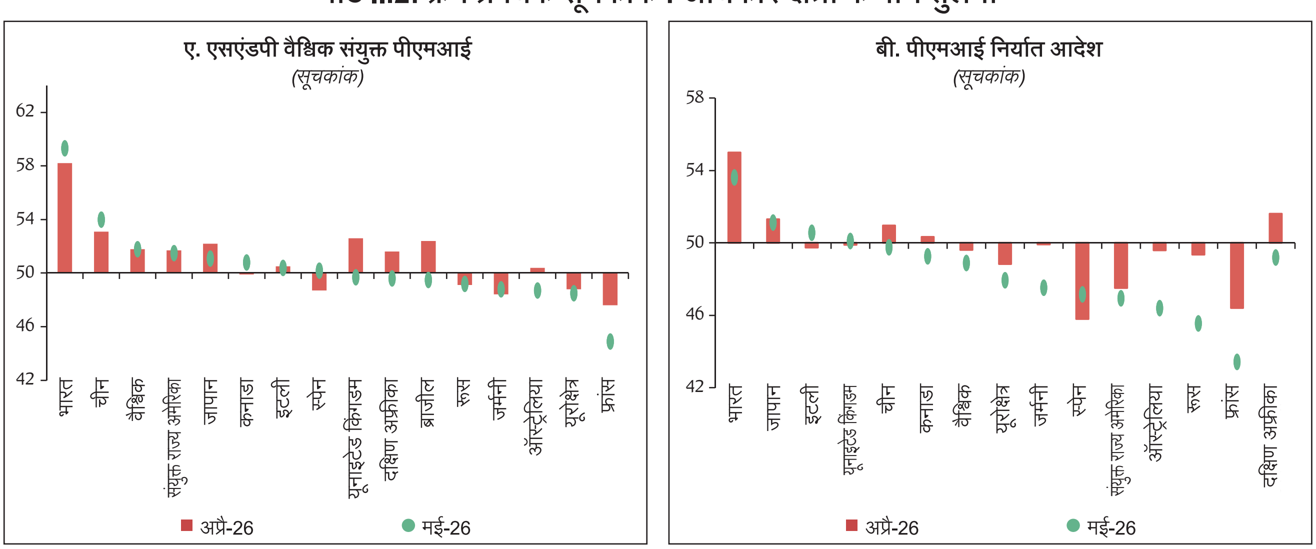

टिप्पणी: 50 का स्तर गतिविधियों में कोई बदलाव न होने को दर्शाता है, जबकि 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार का संकेत देता है और 50 से नीचे का आंकड़ा संकुचन की ओर इशारा करता है।

स्रोत: एस एंड पी ग्लोबल।

चार्ट II.3: पण्य/खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आई

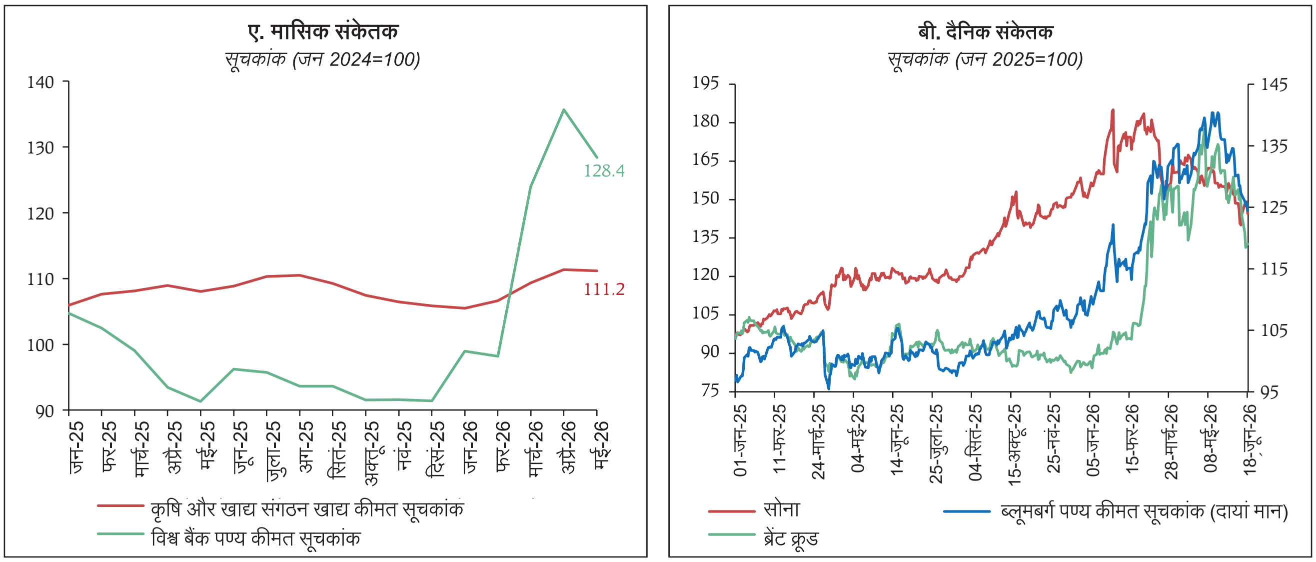

स्रोत: खाद्य और कृषि संगठन; ब्लूमबर्ग; और विश्व बैंक पिंक शीट।

गिरकर युद्ध से पहले के स्तर पर आ गईं। अमेरिका में इन्वेंट्री का स्तर बेहतर होने के बीच मई के मध्य में बढ़ोतरी के बाद जून में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों में भी गिरावट आई (चार्ट II.4)।

चार्ट II.4: यूरिया को छोड़कर पण्य कीमतें संघर्ष से पूर्व के स्तर से ऊपर बनी रहीं

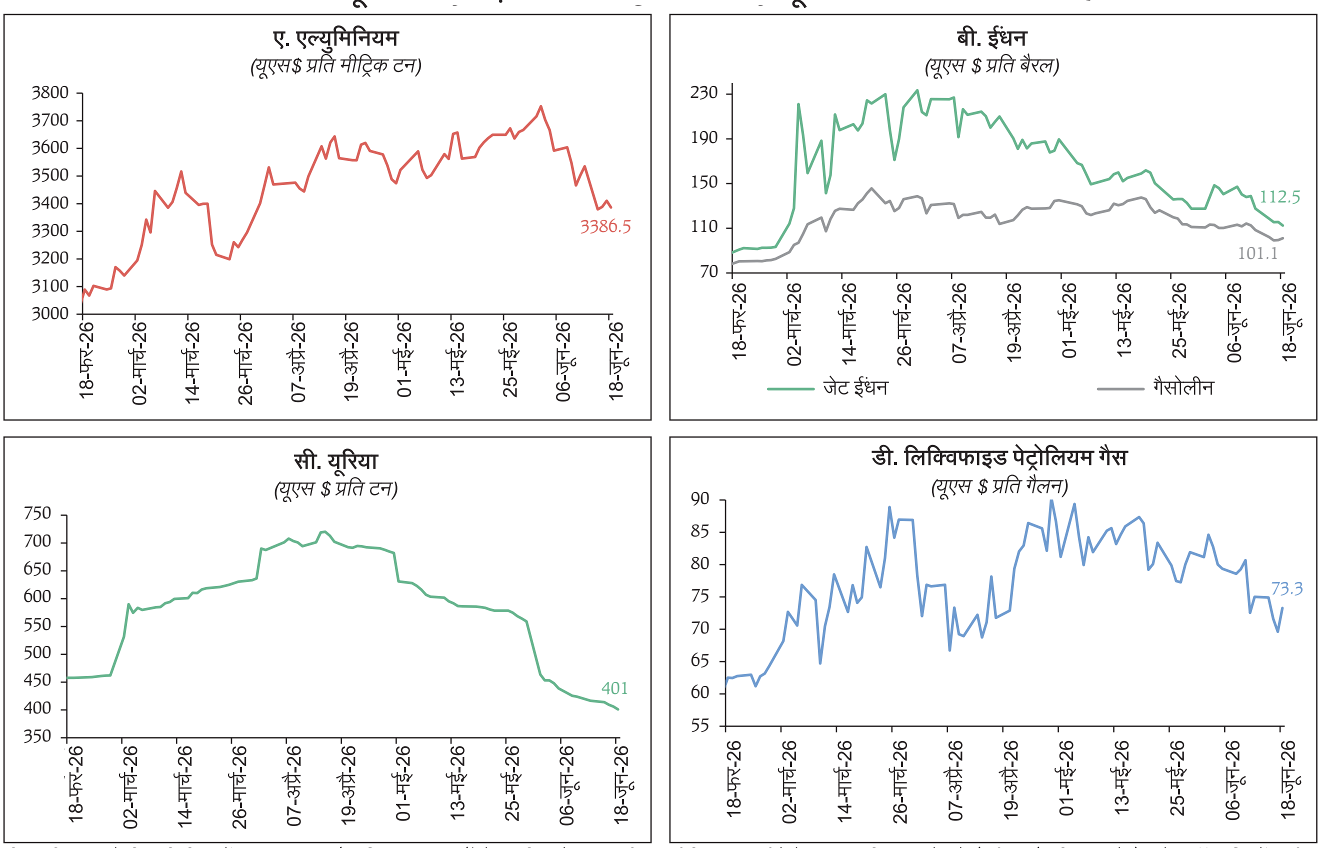

टिप्पणी: आंकड़े निम्नलिखित बेंचमार्क करार और कीमत सूचकांकों से संबंधित हैं: एलएमई एल्युमीनियम 3-महीने के वायदा; सिंगापुर जेट केरोसीन और सिंगापुर पेट्रोल के स्पॉट कीमतें; यूरीया यूएस गल्फ वायदा; और मोंट बेल्वियू प्रोपेन निश्चित कीमत वायदा (एलपीजी)।
स्रोत: ब्लूमबर्ग।

मई में, प्रमुख एई और ईएमडीई में हेडलाइन मुद्रास्फीति आम तौर पर बढ़ गई। प्रमुख एई के बीच, ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण अमेरिका में मुद्रास्फीति तीन वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। यूरो क्षेत्र में भी, ऊर्जा और सेवाओं की वजह से हेडलाइन मुद्रास्फीति बढ़ी। जापान में, सरकार की ईंधन सब्सिडी खत्म होने के बाद महंगाई में बढ़ोतरी देखी गई, जबकि यूके में खाने-पीने की चीजों की महंगाई में कमी के कारण महंगाई स्थिर रही, जिसकी भरपाई परिवहन की लागत में बढ़ोतरी से हो गई (चार्ट II.5ए)। आम तौर पर, ईएमडीई में मुद्रास्फीति को लेकर चिंताएं बढ़ीं। ब्राज़ील में खाने-पीने की चीज़ों की वजह से मुद्रास्फीति बढ़ी, जबकि दक्षिण अफ्रीका में इसकी वजह ईंधन था। हालाँकि, रूस में मुद्रास्फीति कम हुई, जिसका मुख्य कारण खाने-पीने की चीज़ों की कीमतों में गिरावट थी, जबकि चीन में यह स्थिर रही (चार्ट II.5बी)।

मई में टेक स्टॉक्स और पश्चिम एशिया में राजनयिक सफलता की बढ़ती प्रत्याशाओं के कारण इक्विटी बाजार में तेज़ी आई। हालाँकि, जून की शुरुआत में टेक स्टॉक्स के अधिमूल्यन की चिंताओं और अमेरिका में मज़बूत गैर-कृषि पेरोल डेटा के कारण मौद्रिक सहायता की संभावना कम होने से बाज़ार में गिरावट देखी गई। जून के बीच में अमेरिका-ईरान शांति समझौते की घोषणा, तेल की कम कीमतों और जोखिम लेने की नई इच्छा के कारण बाज़ार में सुधार हुआ। पहली तिमाही में कंपनियों की मज़बूत कमाई और युद्धविराम बातचीत में प्रगति की प्रत्याशाओं ने अमेरिका में इक्विटी बाज़ार के रुख को बनाए रखा। हालाँकि, फेड के सख़्त रुख वाले बयान के कारण प्रमुख इक्विटी सूचकांक में गिरावट आई। ऊर्जा की कीमतों के प्रति ज़्यादा संवेदनशीलता और निवेशकों के कमज़ोर रुख के कारण यूरो क्षेत्र के शेयर मोटे तौर पर स्थिर रहे। एआई और सेमीकंडक्टर से जुड़े शेयरों की वजह से जापानी इक्विटी में थोड़ी बढ़त देखी गई। उभरते बाजारों में इक्विटी का प्रदर्शन मुख्य रूप से कुछ एशियाई टेक्नोलॉजी-प्रधान बाजारों की वजह से बेहतर रहा (चार्ट II.6ए)। हाल के समय में एस एंड पी 500 में टेक्नोलॉजी शेयरों का प्रदर्शन सबसे अहम रहा है और इन्होंने दूसरे क्षेत्रों के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है (चार्ट II.6बी)।

महंगाई की चिंताओं और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम होने के कारण मई में 10-साल के अमेरिकी खजाना प्रतिफलों में बढ़ोतरी हुई। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव कम होने और ऊर्जा की कीमतों में कमी के कारण जून के मध्य में यह एक दायरे में बना रहा। जून के मध्य तक उभरते बाजारों के बॉण्ड प्रतिफल प्रसार में कमी आई, क्योंकि युद्धविराम की बातचीत ने जोखिम की धारणा को कम किया (चार्ट II.6सी)। मई के ज़्यादातर समय अमेरिकी डॉलर सूचकांक स्थिर रही, जिसे मज़बूत अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों का सहारा मिला; लेकिन महीने के आखिर में बढ़ती महंगाई और फेड द्वारा सख्ती की उम्मीदों के बीच यह

चार्ट II.5: प्रमुख एई और ईएमडीई में हेडलाइन मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई

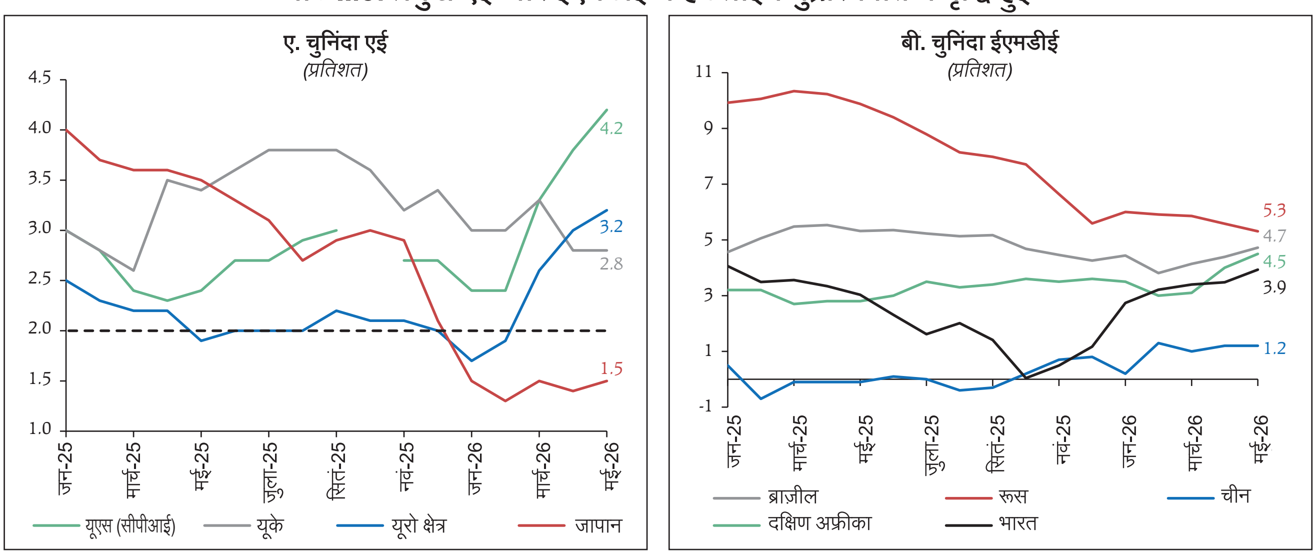

टिप्पणी: अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों की श्रृंखला में व्यवधान उस अवधि के दौरान सरकार के शटडाउन के कारण हुआ है।
स्रोत: ब्लूमबर्ग: और ओईसीडी।

चार्ट II.6 : वैश्विक वित्तीय बाज़ार

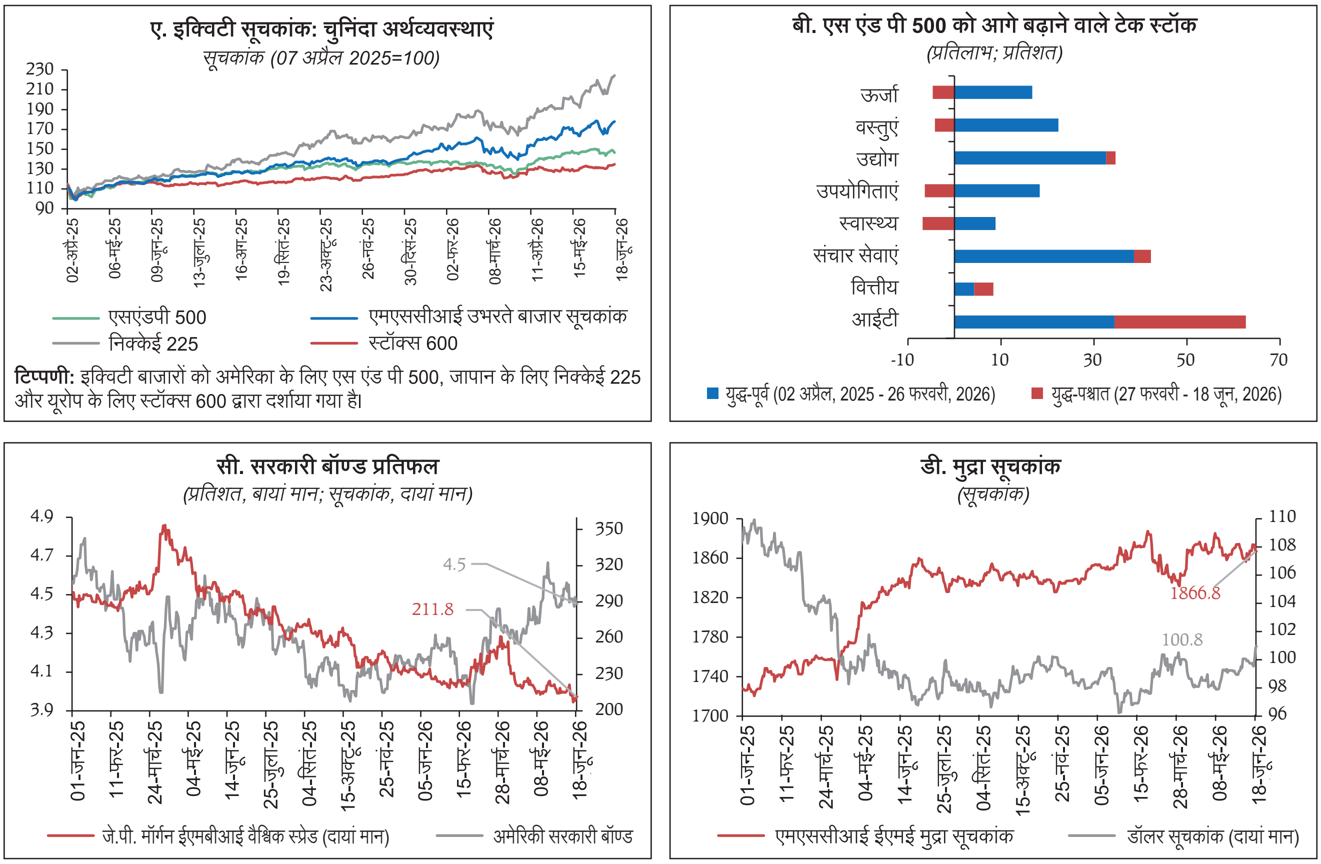

स्रोत: ब्लूमबर्ग।

मज़बूत हुआ। जून के पहले हिस्से में भू-राजनीतिक तनाव कम होने की वजह से इसमें गिरावट का रुख रहा, हालांकि बाद में फेड के सख्त रुख के कारण यह मजबूत हुआ (चार्ट II.6डी)। उभरते बाजारों में पोर्टफोलियो प्रवाह में ऋण अंतर्वाह जारी रहने के बावजूद इक्विटी से भारी बहिर्वाह देखा गया (चार्ट II.7)।

जून में, प्रमुख केंद्रीय बैंकों ने चुनौतीपूर्ण विकास-मुद्रास्फीति समझौते के बीच सतर्क मौद्रिक नीति रुख अपनाया। प्रमुख एई के बीच, जबकि यूरो क्षेत्र और जापान ने मुद्रास्फीति के दबाव के जवाब में दरों में बढ़ोतरी की ओर रुख किया, अमेरिका, ब्रिटेन के साथ-साथ अन्य प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण केंद्रीय बैंकों ने दरों में कोई बदलाव नहीं किया। ईएमडीई में, रूस और ब्राज़ील ने ग्रोथ को बढ़ावा देने के लिए ब्याज दरें कम कीं, साथ ही यह भी माना कि भू-राजनीतिक तनाव से महंगाई बढ़ सकती है; वहीं फिलीपींस ने वैश्विक स्तर पर तेल और उर्वरक की बढ़ी हुई कीमतों के कारण महंगाई के भारी दबाव को देखते हुए ब्याज दरें बढ़ाईं। इंडोनेशिया

चार्ट II.7 ईएमडीई में पोर्टफोलियो प्रवाह

(यूएस$ बिलियन)

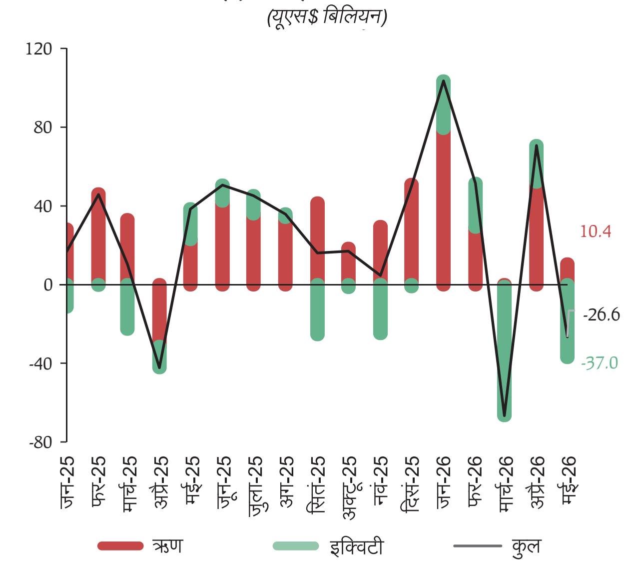

स्रोत: अंतरराष्ट्रीय वित्त संस्थान।

चार्ट II.8: प्रमुख केंद्रीय बैंक जून में सावधान बने रहे

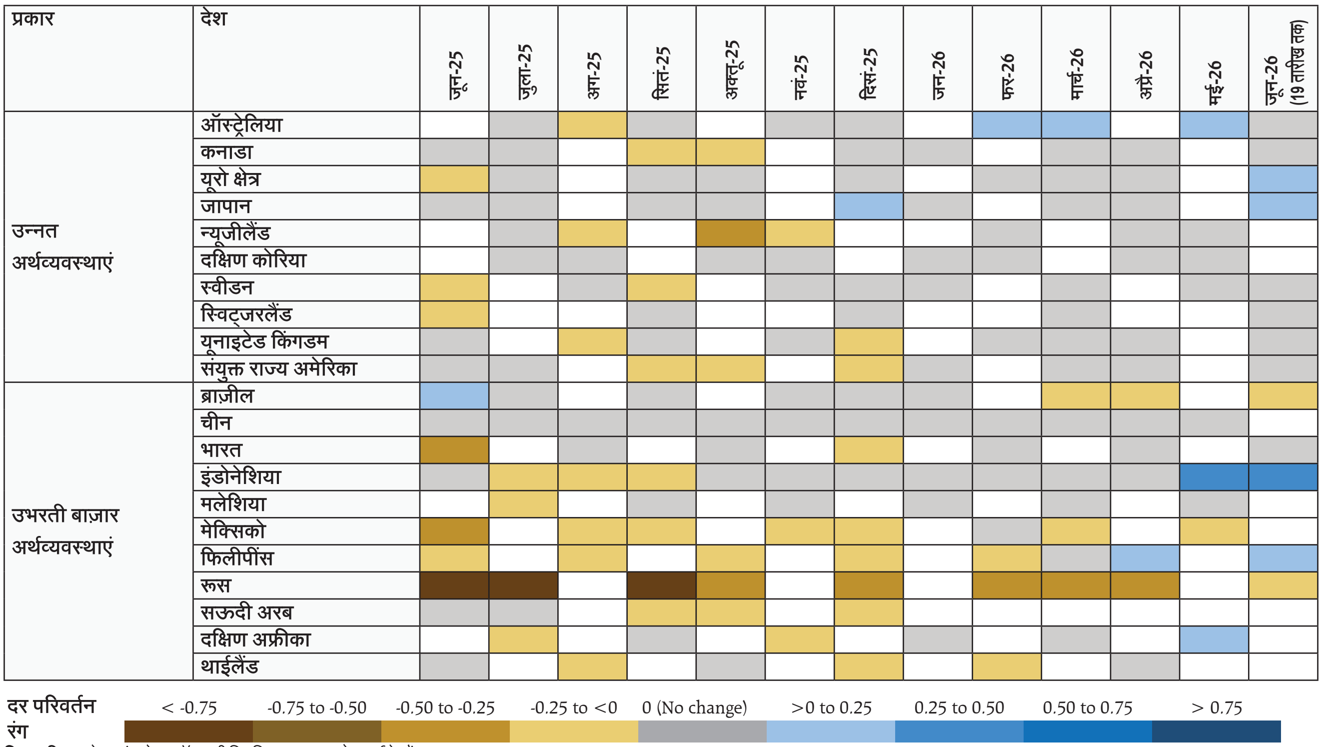

टिप्पणी : सफेद रंग के ब्लॉक नीति-विरुद्ध माह को दर्शाते हैं।
स्रोत: ब्लूमबर्ग।

ने महंगाई को काबू में रखने और विनिमय दर को स्थिर करने के मकसद से लगातार दूसरे महीने अपनी बेंचमार्क दर में तेज़ी से बढ़ोतरी की (चार्ट II.8)।

III. घरेलू विकास

जीडीपी के तिमाही अनुमानों से पता चलता है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष की चुनौतियों के बावजूद, 2025-26 की आखिरी तिमाही में मज़बूत विकास हुआ। मई के उच्च-आवृत्ति संकेतक भी अच्छी आर्थिक गतिविधि का संकेत देते हैं। औद्योगिक गतिविधि मज़बूत बनी रही और सेवा क्षेत्र ने भी सुदृढ़ता का प्रदर्शन किया। चावल और गेहूं का रिकॉर्ड बफ़र स्टॉक 'अल नीनो' के किसी भी बुरे असर से निपटने में मदद करेगा।

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने जून 2026 की अपनी समीक्षा में नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। एमपीसी ने तटस्थ नीतिगत रुख के साथ पश्चिम एशिया संघर्ष के सामने आने और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव-विस्तार प्रभावों के साथ-साथ संभावित उप-सामान्य दक्षिण-पश्चिम मानसून और अल नीनो मौसम पैटर्न से होने वाले जोखिमों का आकलन करने के लिए अधिक स्पष्टता की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

केंद्र सरकार के 2025-26 के अनंतिम खातों से राजकोषीय सुदृढ़ीकरण जारी रहने की पुष्टि हुई, जिसमें जीएफ़डी का जीडीपी के मुकाबले अनुपात 2024-25 के स्तर से कम रहा। हालांकि, राज्य सरकार के समेकित वित्त के अनंतिम खातों से 2025-26 में कुछ गिरावट का संकेत मिला।

समग्र मांग

2025-26 के अनंतिम अनुमानों के अनुसार वार्षिक वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई, जो 2024-25 में दर्ज 7.1 प्रतिशत से अधिक है (अनुबंध सारणी 1)।

2025-26 की चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि ने पश्चिम एशिया संघर्ष के टूटने के बावजूद निरंतर गति प्रदर्शित

की। मजबूत प्रदर्शन को मुख्य रूप से मजबूत निजी खपत और नियत निवेश गतिविधि में दोहरे अंकों के विस्तार द्वारा समर्थित किया गया था। बाहरी मोर्चे पर, निवल निर्यात ने वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सकारात्मक योगदान दिया (चार्ट III.1)।

उच्च आवृत्ति संकेतक मई में आर्थिक गतिविधियों के सुदृढ़ता की ओर इशारा करते हैं। ई-वे बिलों ने दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल करना जारी रखा। अप्रैल[3] में मजबूत वृद्धि दर्ज करने के बाद मई में माल और सेवा कर (जीएसटी) राजस्व वृद्धि क्रमिक रूप से कम हो गई। मई में पेट्रोल, डीजल और विमानन ईंधन की खपत में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एलपीजी, पेट्रोलियम कोक और नेफ्था की खपत में तेज गिरावट के कारण कुल पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में गिरावट आई।[4] गर्मी की लहर के कारण मई में बिजली की मांग में दोहरे अंकों की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की गई। अगस्त 2025 में फास्टैग वार्षिक पास योजना की शुरुआत के बाद टोल लेनदेन की मासिक संख्या में गिरावट जारी रही।[5] डिजिटल भुगतान ने मूल्य और मात्रा दोनों के संदर्भ में स्थिर वृद्धि दर्ज की (सारणी III.I)।

चार्ट III.1: जीडीपी वृद्धि में भारित योगदान

(प्रतिशत अंक)

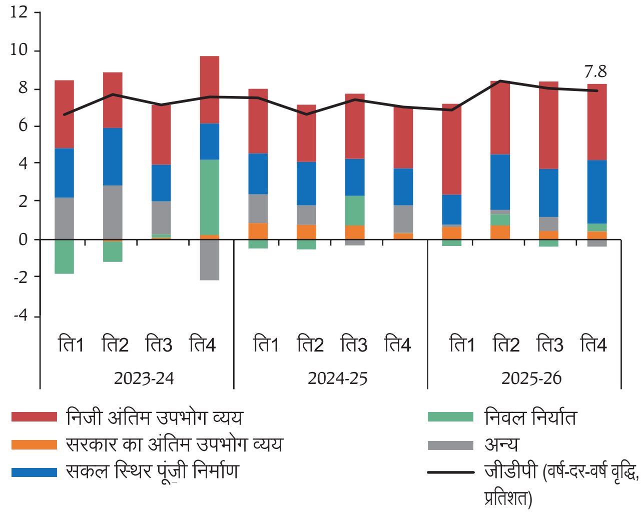

टिप्पणी: अन्य में स्टॉक में परिवर्तन, मूल्यवान वस्तुएं और सांख्यिकीय विसंगतियां शामिल हैं।
स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)।

सारणी III.1: समग्र आर्थिक गतिविधि ने सुदृढ़ता प्रदर्शित किया

संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
जीएसटी ई-वे बिल (मात्रा)	18.9	19.3	25.8	22.4	21.0	8.2	27.6	23.5	15.8	18.8	12.9	11.8	10.9
जीएसटी राजस्व		6.5	8.2	6.9	10.0	7.6	0.7	6.1	6.2	8.1	8.8	8.7	3.2
टोल संग्रह (मात्रा)	16.4	15.5	14.8	12.7	4.5	4.6	2.9	0.4	-1.8	-8.7	-4.0	-5.8	-7.2
बिजली मांग (मात्रा)		-2.3	2.6	3.8	3.5	-5.8	-0.6	5.8	3.8	1.0	0.8	3.0	11.2
पेट्रोलियम उत्पादों का कुल उपभोग (मात्रा)	1.1	0.5	-4.4	4.8	7.0	-1.5	0.6	4.5	0.3	4.5	3.2	-3.8	-6.5
जिसमें शामिल हैं: पेट्रोल	9.2	6.8	5.9	5.5	8.0	7.4	2.6	7.1	6.1	6.1	7.6	6.8	3.4
डीजल	2.1	1.5	2.3	1.2	6.5	-0.3	4.8	5.2	3.3	4.3	8.1	0.9	1.6
एविएशन टरबाइन ईंधन	4.4	3.3	-2.3	-2.9	-0.8	2.1	5.4	0.2	5.5	4.0	0.6	-0.1	0.9
डिजिटल भुगतान – मात्रा	29.2	28.3	30.9	31.1	28.1	21.5	30.2	26.8	25.4	23.5	21.0	22.3	18.7
डिजिटल भुगतान – मूल्य	12.6	17.4	16.6	5.3	13.4	8.8	14.7	15.2	11.3	17.9	12.6	14.4	11.0

<<संकुचन -- विस्तार>>

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतकों के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत) की गणना की गई है।
2. हीटमैप अप्रैल 2023 से उस नवीनतम माह तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है, जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।
3. सकल जीएसटी राजस्व में तीन घटक शामिल हैं- आईजीएसटी, सीजीएसटी, और एसजीएसटी।
4. डिजिटल भुगतान के लिए, हीटमैप अप्रैल 2024 से उस नवीनतम माह तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है, जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।
5. मई 2026 के लिए डिजिटल भुगतान के आंकड़े अनंतिम हैं।
6. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ों की सीमा को एक रंग ग्रेडिएंट योजना में अनुवाद करता है, जिसमें लाल रंग संबंधित आंकड़ा श्रृंखला के न्यूनतम मानों को और हरा रंग उच्चतम मानों को दर्शाता है।

स्रोत: माल एवं सेवा कर नेटवर्क; आरबीआई; केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण; भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम; और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।

[3] मई 2025 के लिए जीएसटी राजस्व में स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए दूरसंचार ऑपरेटर द्वारा किए गए एकमुश्त भुगतान के लगभग ₹10,000 करोड़ शामिल थे। इस एकमुश्त भुगतान के लिए समायोजित, सकल जीएसटी राजस्व मई 2026 में 9 प्रतिशत बढ़ गया (स्रोत: जीएसटी पोर्टल)।

[4] एलपीजी, पेट्रोलियम कोक और नेफ्था की खपत में मई में क्रमश: 20.5 प्रतिशत, 11.4 प्रतिशत और 29.4 प्रतिशत की गिरावट आई (स्रोत: पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय)।

[5] वार्षिक पास उपयोगकर्ताओं को एक निश्चित शुल्क पर एक वर्ष में 200 यात्राएं करने की अनुमति देता है, जिससे प्लाजा में प्रति ट्रिप टोल राजस्व कम हो जाता है।

मई में शहरी मांग में तेज़ी के कारण घरेलू मांग मज़बूत बनी रही। लगातार तीन महीनों तक गिरावट के बाद, मई में घरेलू हवाई यात्री ट्रैफ़िक की सालाना वृद्धि दर में सुधार हुआ। नए उत्पाद लॉन्च और स्वस्थ बुकिंग के साथ यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि में तेजी आई। सभी तरह की गाड़ियों में इलेक्ट्रिक गाड़ियों (ईवी) की हिस्सेदारी बढ़ी।[6] दूसरी ओर, ग्रामीण मांग में खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री के मामले में कुछ कमी देखी गई (सारणी III.2)।

उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण[7] के नवीनतम दौर से पता चला है कि बदलती समष्टि-आर्थिक स्थितियों और पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष से पैदा हुई अनिश्चितताओं के कारण लोगों का रुझान कम हो रहा है। शहरी इलाकों में वर्तमान स्थिति सूचकांक निराशाजनक दायरे में ही बना रहा, जिसकी मुख्य वजह आम आर्थिक हालात, रोज़गार की स्थिति और खर्च को लेकर लोगों की रुझान में आई गिरावट थी। भावी प्रत्याशा सूचकांक भी थोड़ा कम हुआ, लेकिन यह आशावादी क्षेत्र में ही बना रहा। ग्रामीण इलाकों में भी इसी तरह के रुझान देखे गए (चार्ट III.2)।

मई में, वर्तमान साप्ताहिक स्थिति द्वारा मापी गई अखिल भारतीय बेरोजगारी दर में ग्रामीण क्षेत्रों द्वारा संचालित वृद्धि देखी गई, जबकि शहरी बेरोजगारी दर में गिरावट आई।[8] ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में श्रम बल भागीदारी दर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात में गिरावट आई। विनिर्माण और सेवाओं दोनों के लिए पीएमआई रोजगार संकेतक मई में मजबूत रहे, हालांकि नियुक्ति की गति कम हो गई। यह आंशिक रूप से व्हाइटकॉलर नियुक्तियों में अनुक्रमिक मंदी से पुष्टि की गई थी, जैसा कि नौकरी जॉबस्पीक सूचकांक में परिलक्षित होता है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना[9] (मनरेगा) के तहत काम की मांग में लगातार ग्यारहवें महीने गिरावट जारी रही (सारणी III.3)।

सारणी III.2: उच्च आवृत्ति संकेतक - सुदृढ़ मांग स्थितियां

	संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
शहरी मांग	**घरेलू हवाई यात्री यातायात**	2.6	3.7	-2.5	-0.5	-2.5	3.5	7.0	-4.9	3.1	-0.1	-1.3	-2.8	8.5
	खुदरा यात्री वाहन बिक्री	4.7	2.5	-0.8	0.9	5.8	10.7	20.4	26.6	7.2	26.1	21.5	18.1	23.2
ग्रामीण मांग	**खुदरा ऑटोमोबाइल बिक्री** *जिसमें की*	10.1	4.8	-4.3	2.8	5.2	40.5	2.1	14.6	17.6	25.6	25.3	17.4	9.5
	खुदरा ट्रैक्टर बिक्री	6.7	8.7	11.0	30.1	3.6	14.2	56.5	15.8	22.9	36.4	10.9	28.7	11.2
	खुदरा दोपहिया वाहनों की बिक्री	11.4	4.7	-6.5	2.2	6.5	51.8	-3.1	9.5	20.8	25.0	28.7	17.2	7.5

<<**संकुचन** -- **विस्तार**>>

टिप्पणियाँ: 1. सभी संकेतकों के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) मात्रा के आधार पर गणना की गई है।
2. हीटमैप अप्रैल 2023 से उस नवीनतम माह तक के उपलब्ध आंकड़ों पर लागू किया गया है जिसके लिए आंकड़े उपलब्ध हैं।
3. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ों की श्रेणी को एक रंग ग्रेडिएंट योजना में अनुवाद करता है, जिसमें लाल रंग संबंधित आंकड़ा श्रृंखला के न्यूनतम मानों को और हरा रंग उच्चतम मानों को दर्शाता है।
4. मई 2026 के लिए घरेलू हवाई यात्री यातायात की वृद्धि दर की गणना दैनिक आंकड़ों को एकत्रित करके की गई है।
5. खुदरा वाहन बिक्री के आंकड़ों में दो पहिया वाहनों, तीन पहिया वाहनों, यात्री वाहनों, ट्रैक्टरों और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री शामिल है।

स्रोत: भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण; फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए); और ग्रामीण विकास मंत्रालय।

6 मई 2026 में ईवी की हिस्सेदारी बढ़कर 9.3 प्रतिशत, तिपहिया वाहनों में 64.5 प्रतिशत, यात्री वाहनों में 6.6 प्रतिशत हो गई, जो एक साल पहले क्रमशः 6.1 प्रतिशत, 61.5 प्रतिशत और 4.5 प्रतिशत थी (स्रोत: एफ़एडीए प्रेस विज्ञप्ति)।

7 सर्वेक्षण में वर्तमान धारणाओं (एक साल पहले की तुलना में) और सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, समग्र मूल्य स्थिति, उनकी आय और खर्च पर परिवारों की एक वर्ष आगे की अपेक्षाओं को एकत्र किया गया है। सूचकांकों का निर्माण शुद्ध प्रतिक्रियाओं के आधार पर किया जाता है। नवीनतम सर्वेक्षण 02-11 मई, 2026 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें ग्रामीण और शहरी केंद्रों के क्रमशः 8,813 और 6,086 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया था।

8 पीएलएफएस मासिक बुलेटिन, मई 2026।

9 रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए विकसित भारत गारंटी (वीबी-जी राम जी) अधिनियम, 2025, जो महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), 2005 की जगह लेता है, 01 जुलाई, 2026 से लागू होगा।

चार्ट III.2: उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों में मंदी दर्ज की गई

(सूचकांक)

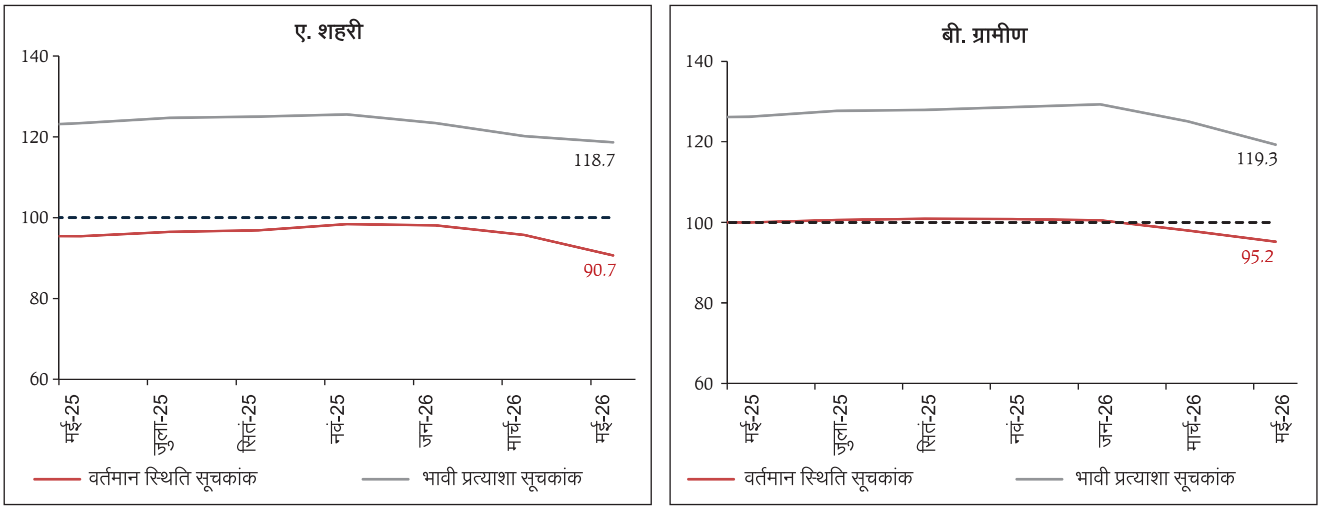

टिप्पणी: 100 से अधिक का पाठ्यांक धारणाओं में सुधार को, 100 से कम का पाठ्यांक धारणाओं में गिरावट को और 100 के बराबर का पाठ्यांक धारणाओं में कोई बदलाव न होने को दर्शाता है।
स्रोत: शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण और ग्रामीण उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण, आरबीआई।

सरकारी वित्त

01 जून 2026 को जारी 2025-26 के लिए केंद्र सरकार के अनंतिम खातों (पीए) ने केंद्रीय बजट 2026-27 में परिकल्पित राजकोषीय सुदृढ़ीकरण की पुष्टि की। 2025-26 के लिए जीएफडी सकल घरेलू उत्पाद का 4.4 प्रतिशत था, जो 2024-25 और 2025-26 के संशोधित अनुमान (आरई) दोनों से कम है (सारणी III.4)। गैर-ऋण कुल प्राप्तियों की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) कुल व्यय से अधिक थी।[10]

सारणी III.3: रोजगार के लिए उच्च आवृत्ति संकेतकों में मंदी

संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सितं-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: अखिल भारत)		5.6	5.2	5.1	5.2	5.2	4.7	4.8	5.0	4.9	5.1	5.2	5.5
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: ग्रामीण)	5.1	4.9	4.4	4.3	4.6	4.4	3.9	3.9	4.2	4.2	4.3	4.6	5.1
बेरोजगारी दर (पीएलएफएस: शहरी)		7.1	7.2	6.7	6.8	7.0	6.5	6.7	7.0	6.6	6.8	6.6	6.4
नौकरी जॉबस्पीक सूचकांक	0.3	10.5	6.8	3.4	10.1	-9.3	23.5	13.2	3.4	11.9	9.2	5.8	1.0
पीएमआई रोज़गार: विनिर्माण	54.9	55.1	53.3	53.1	52.1	52.4	50.9	50.5	51.1	51.5	52.6	54.6	53.0
पीएमआई रोज़गार: सेवाएं		55.1	51.4	52.2	51.9	51.4	51.6	49.8	50.8	51.6	52.7	53.4	53.2
मनरेगा(एमजीएनआरईजीएस) : कार्य मांग	4.4	4.4	-12.3	-26.2	-27.1	-35.1	-32.0	-28.9	-25.7	-14.1	-23.2	-35.5	-27.8

<<संकुचन --- विस्तार>>

टिप्पणियाँ
1. सभी पीएलएफएस संकेतक चालू साप्ताहिक स्थिति को दर्शाते हैं और ये 15 वर्ष तथा उससे अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों के लिए हैं।
2. नौकरी सूचकांक और मनरेगा के तहत कार्य मांग के लिए वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) की गणना की गई है।
3. हीटमैप अप्रैल 2023 से मार्च 2026 तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है।
4. पीएलएफएस बेरोजगारी दर के लिए हीटमैप अप्रैल 2025 से मई 2026 तक के आंकड़ों पर लागू किया गया है।
5. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए आंकड़ों की सीमा को एक रंग ढाल योजना में परिवर्तित करता है, जिसमें लाल रंग न्यूनतम मानों को और हरा रंग संबंधित आंकड़ा श्रृंखला के उच्चतम मानों को दर्शाता है।
6. सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट किए गए हैं। 50 से अधिक का पीएमआई मान विस्तार को, 50 से कम का मान संकुचन को और 50 के बराबर का मान 'कोई बदलाव नहीं' को दर्शाता है। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग प्रत्येक पीएमआई श्रृंखला में न्यूनतम मान को, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं वाला मान) को, और हरा रंग उच्चतम मान को दर्शाता है।
7. पीएलएफएस बेरोजगारी दर और मनरेगा (एमजीएनआरईजीएस) को व्युत्क्रम पैमाने में दिखाया गया है - न्यूनतम मान को हरे रंग से और उच्चतम मान को लाल रंग से चिह्नित किया गया है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार; इन्फो एज; और एस एंड पी ग्लोबल।

[10] 2025-26 (पीए) के लिए, गैर-ऋण कुल प्राप्तियों और कुल व्यय में क्रमशः 10.0 प्रतिशत और 5.4 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई।

सारणी III.4: केंद्र सरकार के प्रमुख राजकोषीय संकेतक

(जीडीपी का प्रतिशत)

मद	2024-25	2025-26		2026-27
	वास्तविक	आरई	पीए	बीई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सकल राजकोषीय घाटा	4.9	4.5	4.4	4.3
राजस्व घाटा	1.8	1.5	1.5	1.5
प्राथमिक घाटा	1.4	0.8	0.8	0.7
सकल कर राजस्व	11.9	11.8	11.6	11.2
गैर-कर राजस्व	1.7	1.9	2.0	1.7
कुल व्यय	14.6	14.4	14.2	13.6
राजस्व व्यय	11.3	11.2	11.1	10.5
पूंजीगत व्यय	3.3	3.2	3.1	3.1
जिसमें पूंजीगत परिव्यय शामिल है	2.7	2.6	2.5	2.4

टिप्पणियां: 1. आरई : संशोधित अनुमान, पीए.: अनंतिम अनुमान, और बीई: बजट अनुमान।
2. वर्ष 2026-27 (बीई) के लिए जीडीपी केंद्रीय बजट 2026-27 के अनुसार है। वर्ष 2025-26 (आरई) के लिए जीडीपी एनएसओ द्वारा 27 फरवरी, 2026 को जारी द्वितीय अग्रिम अनुमानों के अनुसार है। वर्ष 2025-26 के लिए प्रयुक्त जीडीपी एनएसओ द्वारा 05 जून, 2026 को जारी अनंतिम अनुमानों के अनुसार है।

स्रोत: महालेखा नियंत्रक, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, और केंद्रीय बजट दस्तावेज़।

निवल कर राजस्व और गैर-कर राजस्व के विस्तार के नेतृत्व में राजस्व प्राप्तियों में एक मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।[11] सकल कर राजस्व में विस्तार मुख्य रूप से निगम कर, सीमा शुल्क और संघ उत्पाद शुल्क में दोहरे अंकों की वृद्धि से चालित थी।[12]

2024-25 और 2025-26 (आरई) दोनों की तुलना में 2025-26 (पीए) में कुल व्यय (जीडीपी के प्रतिशत के अनुसार) मामूली रूप से कम हो गया। 2024-25 की तुलना में 2025-26 (पीए) में राजस्व व्यय वृद्धि में तेजी आई, जिसके कारण ब्याज भुगतान और प्रमुख सब्सिडी दोनों में उच्च वृद्धि दर थी।[13] पूंजीगत व्यय में लगातार पांच वर्षों की दोहरे अंकों की वृद्धि के बाद 2025-26 (पीए) में मध्यम वृद्धि दर्ज की गई।[14]

बजट अनुमानों (बीई) के प्रतिशत के रूप में केंद्र के सभी प्रमुख घाटे के संकेतक अप्रैल : 2025-26 की तुलना में अप्रैल : 2026-27 में अधिक थे।[15] कुल व्यय में बढ़ोतरी के कारण जीएफडी ज़्यादा रहा, जबकि अप्रैल 2026-27 में गैर-ऋण कुल प्राप्तियों में कमी आई।[16] राजस्व प्राप्तियों में संकुचन मुख्य रूप से निवल कर राजस्व और गैर-कर राजस्व में गिरावट के कारण हुआ था।[17] कुल खर्च में बढ़ोतरी मुख्य रूप से राजस्व खर्च की वजह से हुई।[18]

केंद्र के विपरीत, 2025-26 के लिए राज्य सरकारों के अनंतिम खाते (पीए) कुछ खामियों की ओर इशारा करते हैं। पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व घाटा (आरडी), जीएफडी और प्राथमिक घाटा (पीडी) में वृद्धि हुई। सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुपात में समेकित जीएफडी में वृद्धि मुख्य रूप से राजस्व प्राप्तियों में धीमी वृद्धि के कारण हुई, जो कर राजस्व में कमी और केंद्र से कम अनुदान के कारण थी। हालांकि राजस्व व्यय वृद्धि में कमी आई, लेकिन यह गिरावट राजस्व प्राप्तियों की कमी की भरपाई करने के लिए अपर्याप्त थी। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में पूंजीगत व्यय में भी गिरावट आई। 2026-27 के लिए, राज्यों ने जीएसडीपी के 3.0 प्रतिशत के कम राजकोषीय घाटे और उच्च पूंजी परिव्यय[19] का बजट रखा है (सारणी III.5)।

[11] 2025-26 (पीए) के लिए, राजस्व प्राप्तियों, शुद्ध कर राजस्व और गैर-कर राजस्व में क्रमशः 8.7 प्रतिशत, 4.9 प्रतिशत और 26.5 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर दर्ज की गई।

[12] 2025-26 (पीए) के लिए, सकल कर राजस्व में 6.0 प्रतिशत की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। निगम कर, सीमा शुल्क और संघ उत्पाद शुल्क में क्रमशः 11.4 प्रतिशत, 13.4 प्रतिशत और 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

[13] 2025-26 (पीए) के लिए, राजस्व व्यय में 2024-25 में 3.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ब्याज भुगतान और प्रमुख सब्सिडी ने 2025-26 (पीए) में क्रमशः 11.4 प्रतिशत और 17.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में क्रमशः 4.9 प्रतिशत और (-) 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर थी।

[14] 2025-26 (पीए) के लिए, पूंजीगत व्यय में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 2024-25 में 10.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

[15] महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी किए गए नवीनतम आंकड़ों के अनुसार।

[16] अप्रैल:2026-27 के लिए, गैर-ऋण कुल प्राप्तियों और कुल व्यय ने अप्रैल:2025-26 में क्रमशः 30.9 प्रतिशत और 10.0 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) की तुलना में क्रमशः (-) 23.8 प्रतिशत और 23.5 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की।

[17] अप्रैल:2026-27 के लिए, राजस्व प्राप्तियों में अप्रैल:2025-26 में 21.0 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) की तुलना में (-) 21.0 प्रतिशत की वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की गई। शुद्ध कर राजस्व और गैर-कर राजस्व ने अप्रैल:2025-26 में क्रमशः 2.5 प्रतिशत और 146.0 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) की तुलना में क्रमशः (-) 5.9 प्रतिशत और (-) 63.8 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की।

[18] अप्रैल:2026-27 के लिए, राजस्व व्यय और पूंजीगत व्यय ने क्रमशः 25.9 प्रतिशत और 18.8 प्रतिशत की वृद्धि दर (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की, जबकि अप्रैल:2025-26 में क्रमशः (-) 5.7 प्रतिशत और 61.0 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

[19] केंद्र सरकार द्वारा 2026-27 में पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के लिए 2.0 लाख करोड़ रुपये आवंटित करने से व्यय की गुणवत्ता को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 33.3 प्रतिशत की वृद्धि है।

सारणी III.5: राज्य सरकारों के प्रमुख राजकोषीय संकेतक

(जीएसडीपी का प्रतिशत)

मद	2024-25	2025-26	2026-27
	वास्तविक	पीए	बीई
राजस्व प्राप्तियाँ	12.8	12.3	13.7
कर राजस्व	10.3	9.9	10.6
गैर-कर राजस्व	1.0	1.0	1.2
केंद्र से अनुदान	1.5	1.3	1.9
पूंजीगत प्राप्तियाँ	0.04	0.04	0.1
राजस्व व्यय	13.1	13.0	13.7
जिसमें: ब्याज भुगतान	1.5	1.6	1.5
पूंजीगत व्यय	2.7	2.6	3.2
जिसमें: पूंजीगत परिव्यय	2.5	2.4	3.0
राजस्व घाटा	**0.3**	**0.7**	**-0.1**
सकल राजकोषीय घाटा	**3.0**	**3.3**	**3.0**
प्राथमिक घाटा	**1.4**	**1.7**	**1.4**

टिप्पणियां: 1. पीए.: अनंतिम अनुमान, और बीई: बजट अनुमान।

2. वर्ष 2024-25 (लेखे) और 2026-27 (बीई) का डेटा 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।

3. वर्ष 2025-26 (पीए) का डेटा 27 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।

स्रोत: राज्यों के बजट दस्तावेज़, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी)

व्यापार

मई 2026 में, पण्य व्यापार घाटा बढ़ गया (वर्ष-दर-वर्ष), लेकिन अप्रैल 2026 से काफी हद तक अपरिवर्तित रहा (चार्ट III.3)।[20] उच्च घाटा (वर्ष-दर-वर्ष) मुख्य रूप से कच्चे तेल की उच्च कीमतों के कारण था। मई 2026 में आयात वृद्धि पेट्रोलियम कच्चे तेल और उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक सामान; तथा सोना द्वारा संचालित थी।[21] मई 2026 में 45.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जो हाल के वर्षों में अब तक का सबसे अधिक है।[22] कच्चे तेल की उच्च कीमतों के अलावा, जिसने पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात को बढ़ाया, निर्यात विविधीकरण ने भी निर्यात वृद्धि का समर्थन किया।[23] एक ओर जहां अमेरिका को निर्यात वर्ष-दर-वर्ष अपरिवर्तित रहा, वहीं चीन को निर्यात दोहरे अंकों में बढ़ता रहा।[24] मई 2026 में सोने और चांदी के आयात शुल्क में वृद्धि के बाद, मई

चार्ट III.3: मई में भारत का पण्य व्यापार घाटा वर्ष-दर-वर्ष बढ़ा

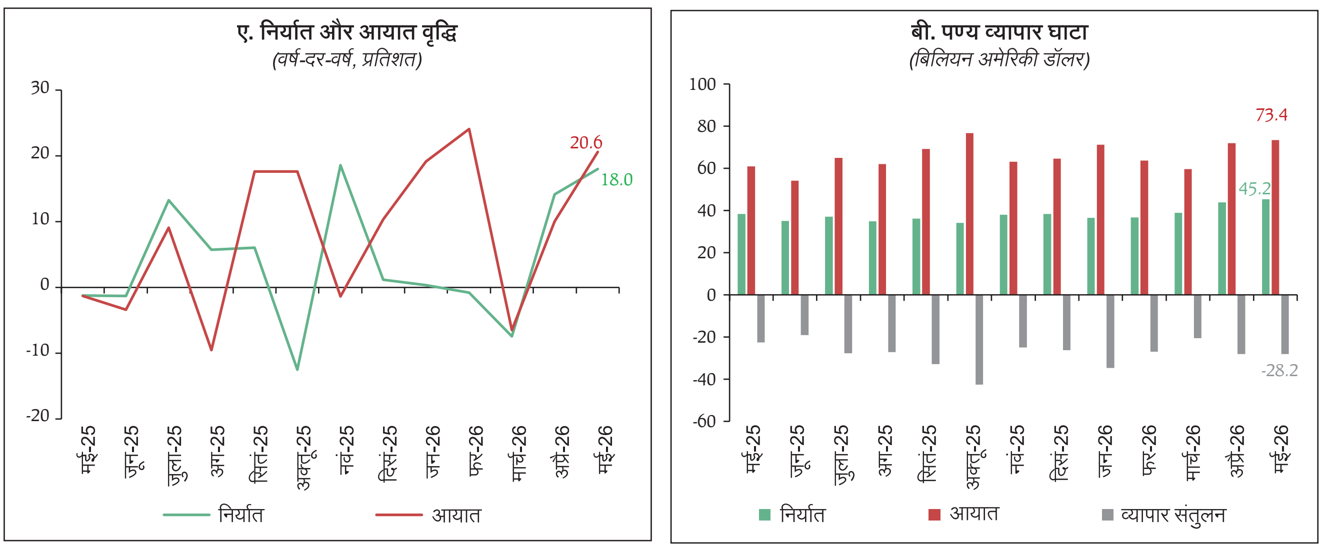

स्रोत: पीआईबी; और डीजीसीआईएस।

[20] भारत का व्यापारिक व्यापार घाटा मई 2026 में बढ़कर 28.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो एक साल पहले 22.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर था। सिंगापुर, चीन, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका सहित शीर्ष 20 गंतव्यों में से निर्यात बढ़कर 16 हो गया। चीन, रूस, अमेरिका, ओमान और ब्राजील सहित शीर्ष 20 स्रोत देशों में से 16 से आयात बढ़ गया।

[21] मई 2026 में व्यापारिक आयात में 20.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई। पेट्रोलियम, कच्चे तेल और उत्पादों के आयात में 53.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष), इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं में 35.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) और सोने में 34.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई।

[22] पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग सामानों, इलेक्ट्रॉनिक सामानों, कार्बनिक और अकार्बनिक रसायनों, और मांस, डेयरी और पोल्ट्री उत्पादों के नेतृत्व में व्यापारिक निर्यात 18.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 45.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। सभी वस्त्रों के रेडीमेड वस्त्र, सिरेमिक उत्पादों और कांच के बने पदार्थ, तंबाकू, चमड़ा और चमड़े के उत्पाद, और अभ्रक, कोयला और अन्य अयस्कों जैसे क्षेत्रों में निर्यात में गिरावट आई; और खनिज।

[23] पिछले कुछ महीनों के रुझानों के बाद, तंजानिया, श्रीलंका, दक्षिण अफ्रीका, इटली, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे गंतव्यों ने मई 2026 में निर्यात वृद्धि का समर्थन करना जारी रखा।

[24] मई 2025 में मई 2026 में अमेरिका को निर्यात 8.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि अप्रैल 2026 में 8.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में क्रमिक रूप से 4.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई। मई 2026 में चीन को निर्यात में 24.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई, जो मई 2025 में 22.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) थी।

चार्ट III.4: अप्रैल में निवल सेवाएं निवेश में ज़बरदस्त बढ़ोतरी देखी गई

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

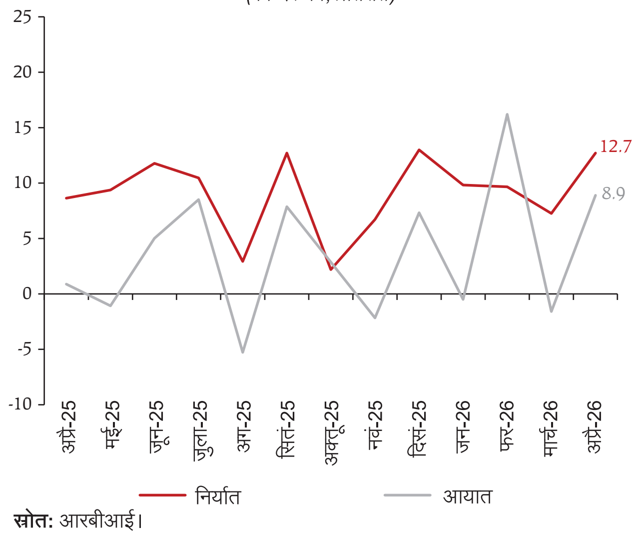

स्रोत: आरबीआई।

2026 में सोने और चांदी दोनों के आयात में क्रमिक रूप से मूल्य के स्तर पर गिरावट आई।[25]

निवल सेवाओं के निर्यात में अप्रैल में एक मजबूत वृद्धि दर्ज की गई (चार्ट III.4)।[26] सेवाओं के निर्यात का नेतृत्व सॉफ्टवेयर और व्यावसायिक सेवाओं द्वारा किया गया था, जबकि सेवाओं का आयात मुख्य रूप से व्यापार और परिवहन सेवाओं के कारण बढ़ा।

कुल आपूर्ति

आपूर्ति पक्ष में वृद्धि व्यापक बना रहा, जहाँ बुनियादी कीमतों पर वास्तविक सकल वर्धित मूल्य (जीवीए) 2025-26 में 7.9 प्रतिशत तक मजबूत हुआ, जो पिछले वर्ष में 7.3 प्रतिशत था, जिसमें उद्योग और सेवाओं दोनों में से प्रत्येक में 9.0 प्रतिशत की वृद्धि हुई (अनुलग्नक सारणी 2)।

तिमाही वास्तविक जीवीए वृद्धि 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.9 प्रतिशत पर मजबूत रही। प्रमुख सेवा उप-क्षेत्रों में विस्तार और मजबूत रबी फसल से आने वाले कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन ने गति को बनाए रखने में मदद की। इसके विपरीत, विनिर्माण गतिविधि ने मुख्य रूप से ऊर्जा की बढ़ती कीमतों और इनपुट लागत दबावों (चार्ट III.5) के कारण नरमी के कुछ संकेत प्रदर्शित किए।

कृषि

तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 के लिए खाद्यान्न उत्पादन[27] 376.6 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो चावल, गेहूं और मक्का के रिकॉर्ड उत्पादन से प्रेरित 2024-25 के लिए अंतिम अनुमान (एफई) से 5.3 प्रतिशत अधिक था। गैर-खाद्य मानों में, तिलहन और गन्ने का उत्पादन बढ़ा जबकि कपास का उत्पादन गिर गया (चार्ट III.6)। दूसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, 2025-26 के लिए बागवानी फसलों का उत्पादन 378 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर को छू गया, जो 2024-25 के एफई से 1.9 प्रतिशत अधिक था।[28]

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अद्यतन पूर्वानुमान (29 मई, 2026 को जारी) के अनुसार, इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून (एसडब्ल्यूएम) की वर्षा सामान्य से कम रहने की संभावना है।[29] एसडब्ल्यूएम 04 जून को केरल पहुंचा,

चार्ट III.5: जीवीए वृद्धि में भारित योगदान

(प्रतिशत बिंदु)

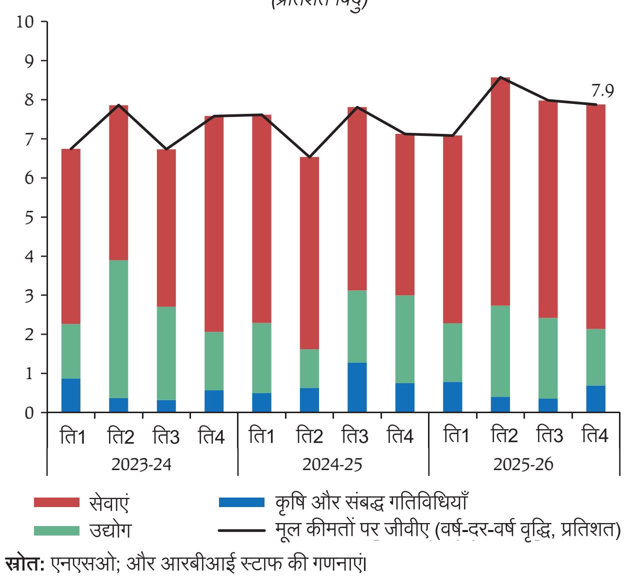

स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

[25] मई 2026 में एम-ओ-एम आधार पर सोने और चांदी के आयात (मूल्य के संदर्भ में) में क्रमशः 39.3 प्रतिशत और 81.6 प्रतिशत की गिरावट आई।

[26] अप्रैल 2026 में निवल सेवा निर्यात 16.8 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़कर 18.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। पूरे वर्ष 2025-26 के दौरान, शुद्ध सेवा निर्यात पिछले वर्ष के 188.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 216.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

[27] इसमें खरीफ, रबी और ग्रीष्मकालीन फसल उत्पादन के चावल, गेहूं, दलहन और मोटे अनाज का शामिल है।

[28] यह वृद्धि मुख्य रूप से केले, आम और प्याज के अलावा प्रमुख सब्जियों के उच्च उत्पादन से प्रेरित थी।

[29] बारिश का अनुमान लंबी अवधि के औसत (एलपीए) का 90 प्रतिशत (±4 प्रतिशत की एक मॉडल त्रुटि) है।

चार्ट III.6: कृषि फसल उत्पादन - 2025-26 के लिए तृतीय अग्रिम अनुमान

(मिलियन टन, बायां मान; प्रतिशत, दायां मान)

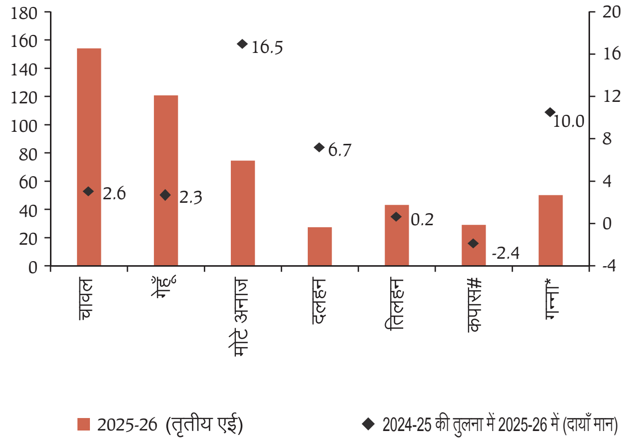

टिप्पणी : *: गन्ने का उत्पादन 10 मिलियन टन है।
#: 170 किलोग्राम की मिलियन गांठें।
स्रोत: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

जो शुरुआत की सामान्य तिथि (01 जून) से तीन दिन बाद था। जबकि एसडब्ल्यूएम ने अब तक दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को कवर किया है, देश के स्तर पर संचयी वर्षा (01-21 जून) सामान्य से काफी कम रही है। जलाशय की स्थिति पिछले साल से नीचे खिसक गई है; हालाँकि, यह दशकीय औसत (चार्ट III.7) से ऊपर बनी हुई है।

पिछले साल अच्छी फसल को देखते हुए, गेहूं की सार्वजनिक खरीद मजबूत रही है।[30] भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास चावल और गेहूं का सार्वजनिक स्टॉक बफर मानदंड[31] से काफी ऊपर है जो किसी भी आपूर्ति व्यवधान या संभावित अल नीनो मौसम की घटना के कारण कीमतों में वृद्धि की स्थिति से निपटने के लिए एक रणनीतिक सपोर्ट के रूप में काम कर सकता है।

औद्योगिक गतिविधि के मासिक संकेतक

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बावजूद, उच्च आवृत्ति संकेतकों के कारण औद्योगिक गतिविधि मजबूत रही। आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में अप्रैल में वृद्धि देखी गई, जिसे सीमेंट और इस्पात उत्पादन का समर्थन मिला। विनिर्माण पीएमआई मई में लगातार दूसरे महीने बढ़ा, जो उत्पादन में तेज वृद्धि और नए ऑर्डर के साथ-साथ सुदृढ़ घरेलू मांग द्वारा समर्थित है। कम जीएसटी दरों से सहायता प्राप्त होने के कारण ऑटोमोबाइल उत्पादन ने पिछले

चार्ट III.7: कृषि उत्पादन के लिए डाउनसाइड जोखिम

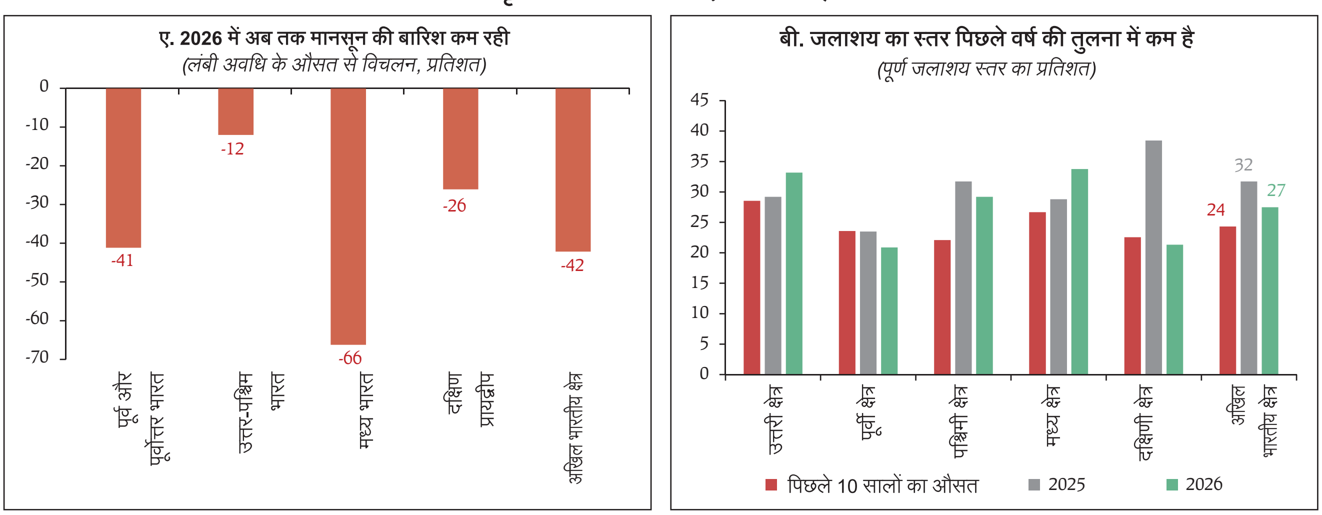

टिप्पणी : 1. बारिश का डेटा 01-21 जून तक का है।
2. जलाशयों का डेटा 18 जून तक का है।
स्रोत: भारत मौसम विज्ञान विभाग और केंद्रीय जल आयोग।

[30] 20 जून, 2026 तक, रबी विपणन सीजन (आरएमएस) 2026-27 (अप्रैल-मार्च) के दौरान गेहूं की खरीद 358 लाख टन थी, जो सरकार के 345 लाख टन के खरीद लक्ष्य को पार कर गई है और आरएमएस 2025-26 के दौरान खरीद से 19.4 प्रतिशत अधिक है।
[31] जून 01, 2026 तक, चावल और गेहूं का स्टॉक संबंधित तिमाही बफर मानदंडों का 5.0 गुना और 7.2 गुना था।

साल की तुलना में मई में उच्च वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) दर्ज की। मई में बिजली उत्पादन में वृद्धि हुई, जो गंभीर गर्मी की लहर की स्थिति के कारण उच्च पीक बिजली की मांग से प्रेरित थी। संशोधित आधार वर्ष[32] के साथ नई शृंखला के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र में मजबूत वृद्धि की प्रमुखता के साथ आईआईपी में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) पिछले महीने की तुलना में अप्रैल में मजबूत रही। हालांकि, आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में मई में गिरावट देखी गई, जो रिफाइनरी उत्पादों और कोयले द्वारा संचालित थी (सारणी III.6)।

मई 2026[33] के दौरान रिज़र्व बैंक द्वारा किए गए पल्स सर्वेक्षण में पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच विनिर्माण गतिविधि के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों को दर्शाया गया है। 80 प्रतिशत से अधिक कंपनियों ने इनपुट लागत में वृद्धि की सूचना दी, जिसमें एक हिस्सा उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव का संकेत देता है। लगभग

सारणी III.6: उद्योग के लिए उच्च आवृत्ति संकेतक मज़बूत बने रहे

सूचक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सित-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
आईआईपी हेडलाइन	4.7	3.0	5.0	3.6	5.5	0.0	6.5	5.8	4.4	5.2	3.2	4.9	
आईआईपी विनिर्माण	4.7	2.7	4.6	3.9	5.8	-0.3	8.9	7.9	5.0	5.9	3.9	6.2	
आईआईपी पूंजीगत वस्तुएं	9.8	4.0	6.4	7.0	14.1	8.1	18.8	14.4	14.3	19.1	11.2	16.0	
पीएमआई विनिर्माण	57.6	58.4	59.1	59.3	57.7	59.2	56.6	55.0	55.4	56.9	53.9	54.7	55.0
पीएमआई निर्यात आदेश	56.9	60.6	57.3	56.1	56.5	54.7	54.1	54.0	54.1	53.2	55.0	56.3	53.7
पीएमआई विनिर्माण : भविष्य का आउटपुट	63.1	62.2	57.6	60.5	64.8	62.3	57.1	56.9	56.4	57.9	67.3	65.5	64.1
आठ प्रमुख उद्योगों का सूचकांक	1.2	2.2	3.7	6.5	3.3	-0.1	2.1	4.7	4.7	2.8	1.2	1.8	0.5
बिजली उत्पादन: पारंपरिक (मात्रा)	-8.2	-6.1	-0.8	1.0	0.8	-10.6	-5.0	4.4	2.2	-1.5	-1.1	2.3	7.4
बिजली उत्पादन: नवीकरणीय (मात्रा)	18.2	28.7	26.4	22.7	16.4	21.4	22.9	18.0	22.9	25.3	11.7	23.2	
ऑटोमोबाइल उत्पादन (मात्रा)	5.2	1.2	10.7	8.1	10.8	-2.8	22.3	37.1	15.0	22.1	20.2	26.0	13.3
जिसमें - यात्री वाहन उत्पादन (मात्रा)	5.4	-1.8	0.1	-4.1	16.1	9.8	22.8	23.1	5.6	9.8	9.0	12.8	10.9
दोपहिया वाहनों का उत्पादन (मात्रा में)	4.7	1.4	12.3	10.0	9.8	-5.6	20.9	39.9	16.1	24.4	22.0	28.1	12.9
तिपहिया वाहनों का उत्पादन (मात्रा में)	16.9	8.6	24.0	15.8	15.9	15.9	55.4	39.6	33.2	29.9	34.0	41.6	32.9
ट्रैक्टर उत्पादन (मात्रा)	9.1	9.8	11.5	9.4	23.0	13.0	37.5	57.9	14.6	80.0	28.6	18.1	15.5
कच्चे इस्पात का उत्पादन (मात्रा)	11.0	12.6	13.8	12.8	13.7	8.9	11.1	10.8	11.5	11.4	10.6	3.9	2.9
तैयार स्टील उत्पादन (मात्रा)	7.8	10.9	13.8	13.8	14.0	7.2	12.4	10.9	12.5	8.6	8.2	6.4	7.7
पूंजीगत वस्तुओं का आयात (मूल्य)	15.7	3.4	13.3	0.2	12.7	8.5	12.8	13.0	7.1	19.7	13.1	21.6	

<<संकुचन -- विस्तार>>

टिप्पणियाँ : 1. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) सभी संकेतकों (पीएमआई को छोड़कर) के लिए गणना की गई है।
2. हीटमैप हर संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक कलर ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा सीरीज़ की सबसे अधिक मान दिखाता है।
3. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।
4. सभी पीएमआई मान सूचकांक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान 50 का अर्थ है बढ़ोतरी, <50 का अर्थ है कमी और 50 का अर्थ है 'कोई बदलाव नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई बदलाव नहीं) दिखाता है, और हरा रंग हर पीएमआई श्रेणी में सबसे अधिक मान दिखाता है।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय; एस&पी ग्लोबल; केंद्रीय बिजली प्राधिकरण। ऊर्जा मंत्रालय; भारतीय ऑटोमोबाइल विनिर्माता सोसाइटी: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, भारत सरकार: संयुक्त संयंत्र समिति: वाणिज्यिक खुफिया एवं सांख्यिकी महानिदेशालय; और ट्रैक्टर एवं यंत्रीकरण संघ।

[32] अधिक जानकारी के लिए अनुलग्नक बॉक्स 1 देखें।

[33] विनिर्माण फर्मों के लिए किए गए पल्स सर्वेक्षण में अगले महीने की अपेक्षाओं के साथ-साथ चालू महीने के लिए उत्पादन/कारोबार, लागत, बिक्री मूल्य और लाभ मार्जिन जैसे प्रमुख व्यावसायिक मापदंडों की धारणाओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा, मई 2026 के दौर में चल रहे पश्चिम एशिया संघर्ष पर एक विशेष प्रश्न शामिल था, जिसमें फर्मों को पूर्व-संघर्ष स्थिति (जनवरी-फरवरी 2026) के सापेक्ष तिमाही 1:2026-27 के दौरान अपेक्षित प्रभाव को इंगित करने के लिए कहा गया था। सर्वेक्षण 12-22 मई, 2026 के दौरान आयोजित किया गया था, जिसमें 564 विनिर्माण फर्मों की प्रतिक्रियाएं थीं।

चार्ट III.8: पश्चिम एशिया संघर्ष से विनिर्माण कंपनियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है

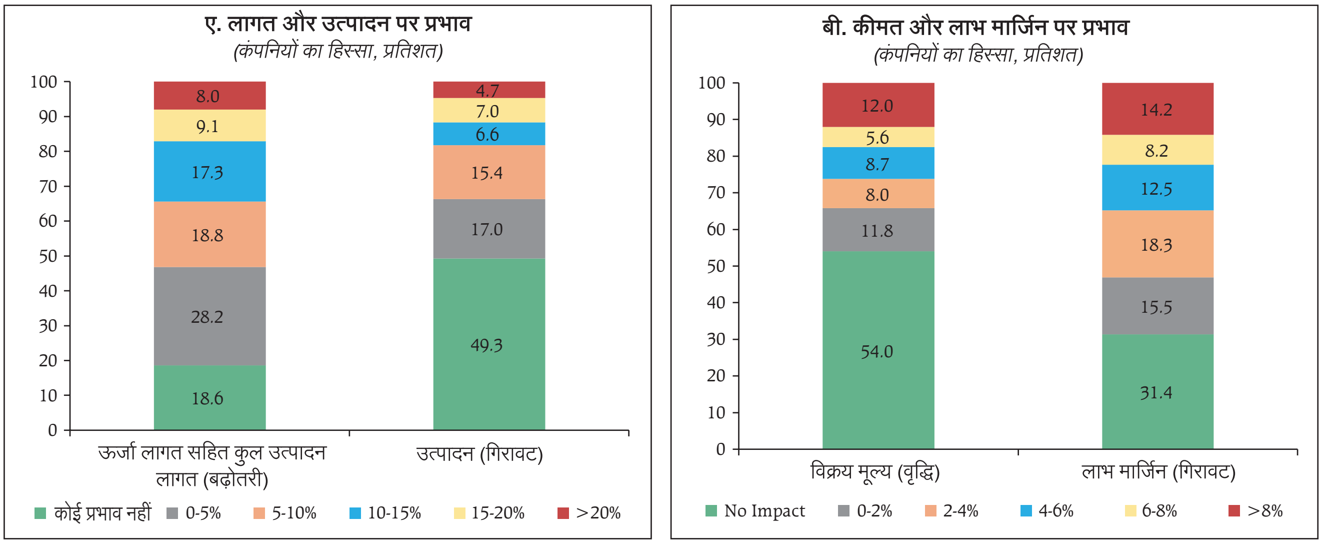

स्रोत: पल्स सर्वे. आरबीआई।

70 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने लाभ मार्जिन में संकुचन की रिपोर्ट के साथ लाभप्रदता पर दबाव की सूचना दी थी (चार्ट III.8)।

भारत के सौर ऊर्जा क्षेत्र का विस्तार जारी है, जो स्थापित क्षमता और बिजली उत्पादन दोनों में मजबूत वृद्धि से समर्थित है।[34] 2025 में उच्च वार्षिक सौर ऊर्जा क्षमता वृद्धि[36] के कारण भारत चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सौर बाजार[35] बन गया है। पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना के तहत, मई 2026 में रिकॉर्ड 3.16 लाख रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन जोड़े गए, जिसमें कुल इंस्टॉलेशन 33 लाख से अधिक हो गए हैं, जिसने फरवरी 2024 में अपनी स्थापना के बाद से 12 गीगावॉट से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी है (चार्ट III.9)।

सेवा गतिविधि के मासिक संकेतक

भारत का सेवा क्षेत्र मई में सुदृढ़ बना रहा। मई में सेवा पीएमआई और मजबूत हुआ, जो मंजबूत मांग की स्थिति और नए व्यवसाय में निरंतर वृद्धि से समर्थित था। मई में स्टील की खपत मजबूत हुई, जो बुनियादी ढांचे और निर्माण क्षेत्रों की निरंतर मांग को दर्शाती है। पोर्ट कार्गो यातायात में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) में तेजी आई, जबकि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात में संकुचन जारी रहा, हालांकि पिछले महीने की तुलना में यह कम दर पर रहा, जो कमजोर बाहरी मांग को दर्शाता है। लगातार भू-राजनीतिक तनाव[37] के बीच अप्रैल में लगातार दूसरे महीने विदेशी पर्यटकों के आगमन में वृद्धि हुई। खुदरा वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में वृद्धि कम हुई (सारणी III.7)।

चार्ट III.9: कुल ऊर्जा खपत में सौर ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी

(प्रतिशत)

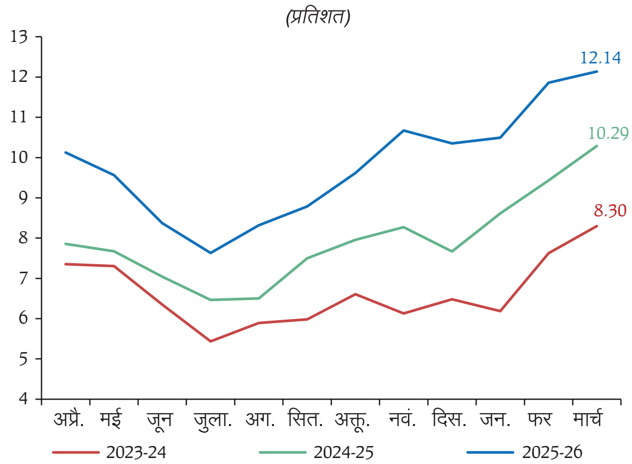

टिप्पणियाँ: सौर्य ऊर्जा के हिस्से की गणना सौर्य ऊर्जा उत्पादन (मिलियन यूनिट) के रूप में कुल एनर्जी मेट (मिलियन यूनिट) के प्रतिशत के रूप में की जाती है, जहाँ एनर्जी मेट, ग्रिड-इंडिया द्वारा रिपोर्ट किया गया राष्ट्रीय स्तर का विद्युतीय ऊर्जा आपूर्ति संकेतक है।
स्रोत: ग्रिड-इंडिया।

34 मई 2026 के अंत तक सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता 157 गीगावॉट तक पहुंच गई।
35 नवीकरणीय क्षमता सांख्यिकी 2026, अंतर्राष्ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा एजेंसी, मार्च 2026।
36 भारत ने 2025 में 37 गीगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता जोड़ी, जबकि चीन में 315 गीगावॉट और अमेरिका में 34 गीगावॉट थी।
37 डेटा अप्रैल 2026 तक उपलब्ध है।

सारणी III.7: सेवाओं के लिए उच्च आवृत्ति सूचकांक सुदृढ़ बने रहे

संकेतक	मई-25	जून-25	जुला-25	अग-25	सित-25	अक्तू-25	नवं-25	दिसं-25	जन-26	फर-26	मार्च-26	अप्रै-26	मई-26
पीएमआई सेवाएं	58.8	60.4	60.5	62.9	60.9	58.9	59.8	58.0	58.5	58.1	57.5	58.8	59.8
अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात	5.0	3.4	5.5	7.7	7.3	9.7	7.5	6.0	7.1	3.0	-18.5	-16.7	-9.7
घरेलू हवाई माल ढुलाई	2.3	2.6	4.8	7.1	2.8	-2.3	20.5	4.3	8.7	18.5	10.8	8.2	
अंतरराष्ट्रीय हवाई कार्गो	6.8	-1.2	4.2	4.5	2.3	-2.3	12.7	12.6	8.4	17.5	-6.0	11.5	
बंदरगाह माल यातायात	4.3	5.6	4.0	2.5	11.5	11.9	14.5	12.7	7.6	5.1	0.6	2.4	6.6
खुदरा वाणिज्यिक वाहन बिक्री	1.4	6.6	0.2	8.6	2.7	21.1	17.0	24.6	15.1	28.9	15.1	18.8	5.3
स्टील की खपत	8.5	9.1	7.3	10.0	8.9	2.4	6.0	5.4	4.9	12.8	13.7	8.1	9.2
सीमेंट उत्पादन	9.7	8.2	11.6	5.4	5.0	5.2	14.6	13.7	11.3	8.9	4.7	9.4	
विदेशी पर्यटकों का आगमन	-23.8	-24.2	-16.4	-5.1	-9.8	-5.1	-2.0	2.0	5.2	6.1	-1.6	-14.7	
होटल में यात्रियों की संख्या	-2.8	-0.3	-2.4	-3.2	-0.6	0.0	3.8	-1.5	-8.5	1.2	-4.0	-1.0	

<<संकुचन -- विस्तार>>

टिप्पणियाँ : 1. वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि (प्रतिशत में) सभी संकेतक (पीएमआई को छोड़कर) के लिए संगणित की गई है।

2. हीटमैप प्रत्येक संकेतक के लिए डेटा रेंज को एक रंग ग्रेडिएंट स्कीम में बदलता है, जिसमें लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है और हरा रंग संबंधित डेटा श्रेणी का सर्वाधिक मान दिखाता है।

3. हीटमैप अप्रैल 2023 से लेकर उस आखिरी महीने तक के डेटा पर लागू होता है जिसके लिए डेटा उपलब्ध है।

4. सभी पीएमआई मान संकेतक के रूप में रिपोर्ट की जाती हैं। पीएमआई मान >50 का अर्थ है बढ़ोतरी, <50 का अर्थ है संकुचन और =50 का अर्थ है 'कोई परिवर्तन नहीं'। पीएमआई हीटमैप में, लाल रंग सबसे कम मान दिखाता है, पीला रंग 50 (या कोई परिवर्तन नहीं मान) दिखाता है, और हरा रंग प्रत्येक पीएमआई श्रेणी में सर्वाधिक मान दिखाता है।

स्रोत: फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन; इंडियन पोर्ट्स एसोसिएशन; एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया: जॉइंट प्लांट कमेटी, मिनिस्ट्री ऑफ स्टील; ऑफिस ऑफ इकोनॉमिक एडवाइजर, मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री: मिनिस्ट्री ऑफ टूरिज्म; HVS एनारॉक; और एस&पी ग्लोबल।

मुद्रास्फीति

सीपीआई हेडलाइन मुद्रास्फीति[38] पिछले महीने[39] के 3.5 प्रतिशत से मई 2026 में क्रमिक रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जो सभी तीन श्रेणियों - खाद्य व पेय पदार्थ, ईंधन[40] और कोर[41] घटकों में व्यापक आधार वृद्धि से प्रेरित है। दालों को छोड़कर खाद्य और पेय पदार्थों की मुद्रास्फीति में वृद्धि वर्गों/उप-वर्गों में हुई। पेट्रोल, डीजल और संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी)[42] की खुदरा कीमतों में वृद्धि के कारण सीपीआई ईंधन मुद्रास्फीति में भी पिछले महीने की तुलना में काफी वृद्धि हुई है [चार्ट III.10]।

कोर मुद्रास्फीति पिछले महीने के 3.7 प्रतिशत से मई 2026 में बढ़कर 3.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) हो गई, जो मुख्य रूप से कीमती धातुओं द्वारा संचालित थी। कीमती धातुओं को छोड़कर, इस अवधि के दौरान कोर मुद्रास्फीति 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2.3 प्रतिशत हो गई, जो दर्शाता है कि अंतर्निहित मूल्य दबाव नियंत्रित बना हुआ है। हालांकि, उच्च वाणिज्यिक एलपीजी[43] की कीमतों के अंतरण के कारण 'रेस्तरां और आवास सेवाओं' में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। सभी क्षेत्रों में, 'व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुओं एवं सेवाओं' में मुद्रास्फीति सबसे अधिक रही। कुल मिलाकर, बारह में से आठ क्षेत्रों में मई में मुद्रास्फीति में क्रमिक वृद्धि देखी गई (चार्ट III.11)।

मुद्रास्फीति में वृद्धि राज्यों में स्थानिक रूप से अलग-अलग थी।[44] अनुक्रमिक वृद्धि 1.0 प्रतिशत से 6.2 प्रतिशत तक

[38] राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 12 जून, 2026 को जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार।

[39] महीने-दर-महीने के आधार पर, समग्र सीपीआई ने 75 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) की वृद्धि दर्ज की, जो लगभग 30 बीपीएस के अनुकूल आधार प्रभाव को ऑफसेट करने से अधिक है।

[40] ईंधन समूह, 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' और 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक' वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है [जिसमें डीजल, पेट्रोल और अन्य प्राकृतिक गैस (संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) शामिल हैं]। अधिक जानकारी के लिए, मौद्रिक नीति रिपोर्ट, अप्रैल 2026 के मूल्य और लागत अध्याय में बॉक्स IV.2 देखें।

[41] भोजन और ईंधन को छोड़कर शीर्षक।

[42] कई शहरों और राज्यों की राजधानियों में सीएनजी के दाम में 3-6 रुपये प्रति किलोग्राम की संचयी वृद्धि देखी गई।

[43] वाणिज्यिक एलपीजी (19 किलोग्राम के सिलेंडर) की कीमतों में 01 मई और 01 जून को दो किस्तों में वृद्धि की गई थी, जिसमें संचयी वृद्धि 1035- 1047.5 रुपये प्रति सिलेंडर थी।

[44] मई में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में मुद्रास्फीति क्रमशः 3.5 प्रतिशत और 4.3 प्रतिशत रही।

चार्ट III.10: मई में सीपीआई – संयुक्त मुद्रास्फीति में बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी

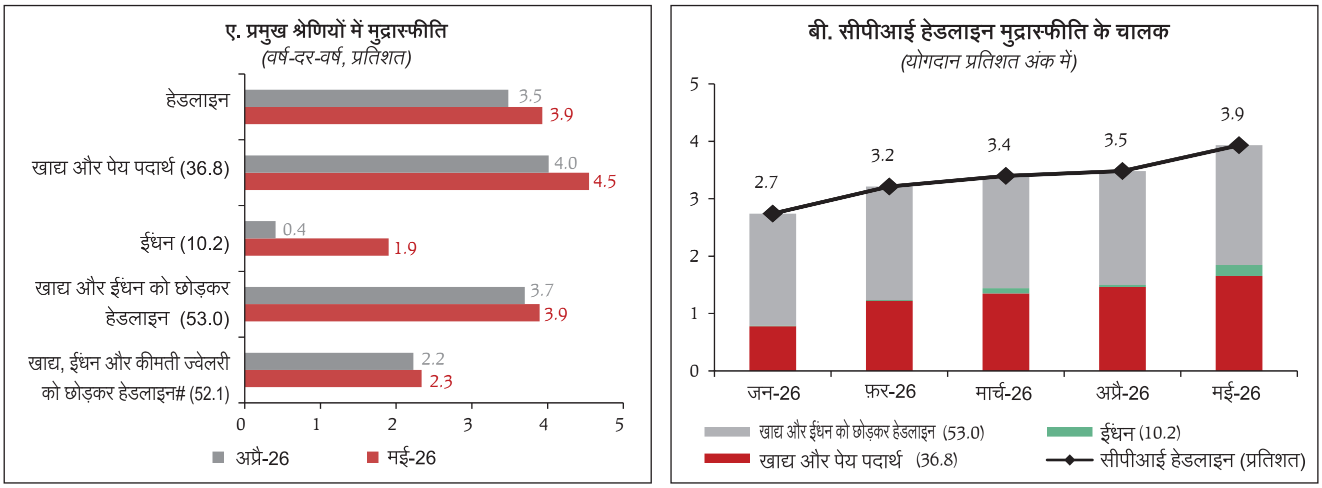

सीपीआई: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े सीपीआई-सी में भारिता दर्शाते हैं (2024=100)।

2.# कीमती आभूषणों में 'सोने/हीरे/प्लैटिनम के आभूषण' और 'चांदी के आभूषण' शामिल हैं।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ)।

मुद्रास्फीति के साथ व्यापक थी, हालांकि अधिकांश राज्यों ने 2 प्रतिशत और 4 प्रतिशत के बीच मुद्रास्फीति का अनुभव किया (चार्ट III.12)।

अन्य कारकों के अलावा, मई के दौरान सीपीआई-खाद्य और पेय पदार्थों में माह-दर-माह मूल्य वृद्धि को गर्मियों के दौरान मौसमी वृद्धि के लिए भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो फलों और मेवों को छोड़कर सभी खंडों/उप-खंडों में देखा गया था। खाद्य कीमतों में यह व्यापक आधार पर वृद्धि जून में भी जारी रही, जैसा कि 18 जून तक उपलब्ध दैनिक मूल्य आंकड़ों से पता चलता है। खाद्यान्नों के अंतर्गत, चावल और गेहूं के साथ-साथ प्रमुख दालों

चार्ट III.11: मुद्रास्फीति दर में मद-वार परिवर्तन

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

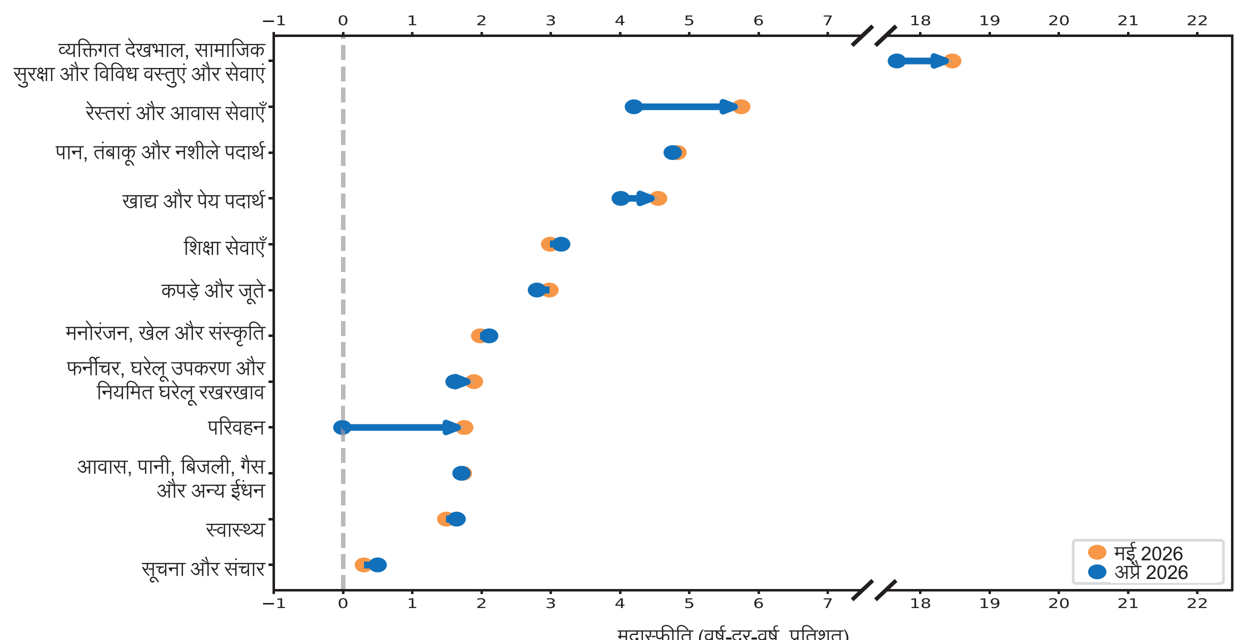

स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

चार्ट III.12: मुद्रास्फीति का स्थानिक वितरण: मई 2026

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

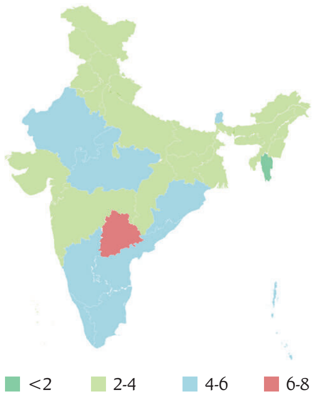

मुद्रास्फीति सीमा	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या
<2	1
2-4	24
4-6	10
6-8	1

मासिक मुद्रास्फीति की प्रवृत्ति	राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की संख्या
गिरावट या स्थिर	6
बढ़ोतरी	30

टिप्पणियाँ: 1. मैप सिर्फ़ उदाहरण के लिए है।
2. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लक्षद्वीप में क्रमशः 4.4 प्रतिशत और 3.6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति देखी गई।

स्रोत: एनएसओ; और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। खराब होने वाली प्रमुख सब्जियों जैसे आलू, प्याज और टमाटर की कीमतों में और वृद्धि हुई। खाद्य तेलों की कीमतों में माह-दर-माह वृद्धि व्यापक रही (चार्ट III.13)।

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति शृंखलाओं में व्यवधानों के बीच, भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत[45] अप्रैल में देखे गए शीर्ष से जून में कम होने के बावजूद बढ़ी हुई है (चार्ट III.14)।[46] अंतरराष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि को आंशिक रूप से मई[47] में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि के माध्यम से खुदरा उपभोक्ताओं को अंतरित किया गया है, जिसमें क्रमशः लगभग ₹7.5 प्रति लीटर और ₹7.6 प्रति लीटर की संचयी वृद्धि हुई है (सारणी III.8)।

चार्ट III.13: जून 2026 में खाने की चीज़ों की कीमतों का दबाव में वृद्धि

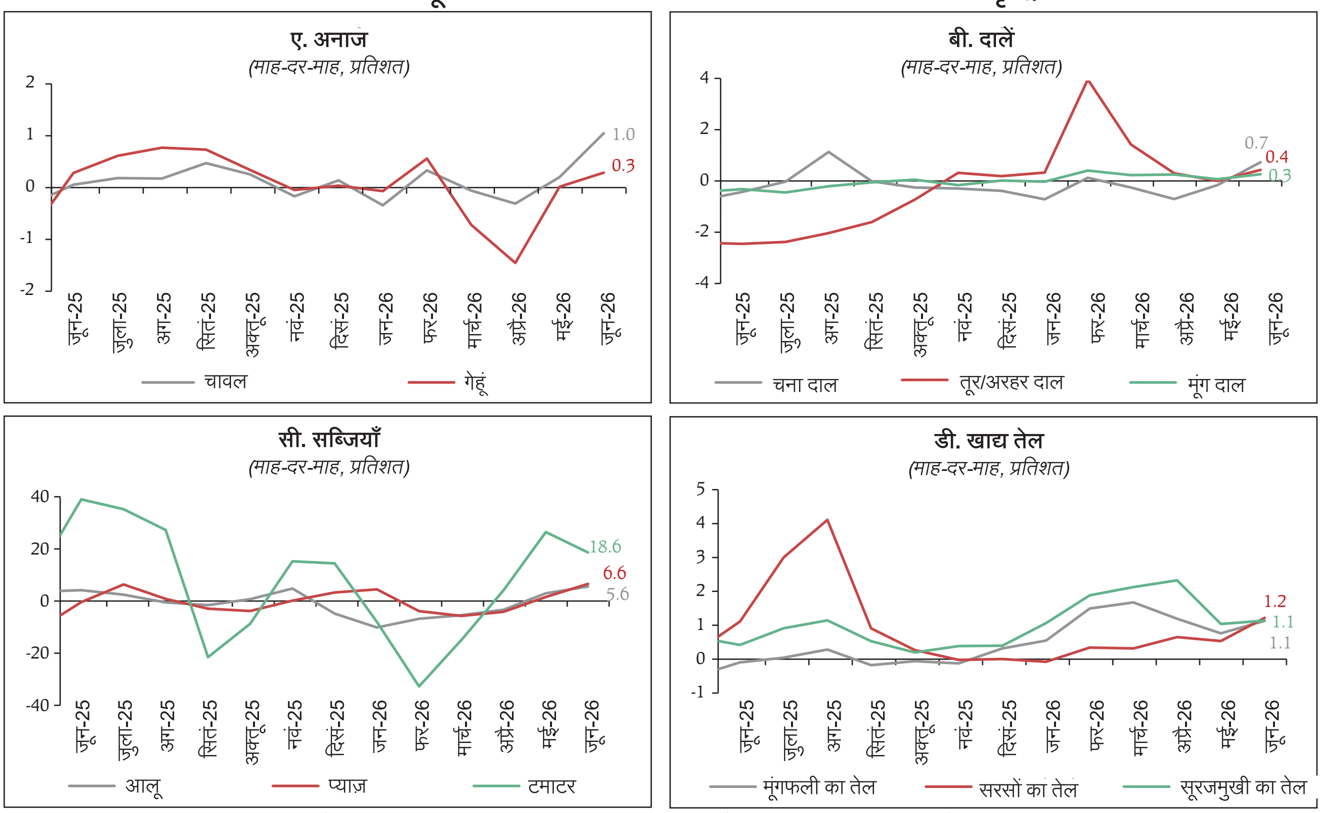

टिप्पणी: डेटा 1-18 जून, 2026 तक का है, और पिछले महीने की इसी अवधि की तुलना में औसत कीमतों में माह-दर-माह हुए परिवर्तन को दिखाता है।

स्रोत: ग्राहक मामलों का मंत्रालय और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

[45] अप्रैल के लिए 61:39, मई के लिए 70:30 और जून के लिए 71:29 के अनुपात में महीने के दौरान भारतीय रिफाइनरियों द्वारा आयातित स्वीट ग्रेड (ब्रेंट दिनांकित) और खट्टा ग्रेड (ओमान और दुबई औसत) की एक व्युत्पन्न टोकरी का प्रतिनिधित्व करता है।

[46] हालांकि भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की कीमत अप्रैल में 114.5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के हालिया शिखर से जून (17 जून तक औसत) में 91.0 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक कम हो गई, लेकिन यह 2025-26 के दौरान देखे गए 70.7 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के औसत से काफी अधिक बनी हुई है।

[47] 15,19, 23 और 25 मई।

चार्ट III.14: कच्चे तेल के भारतीय बास्केट की कीमतों में आंशिक नरमी

(अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल)

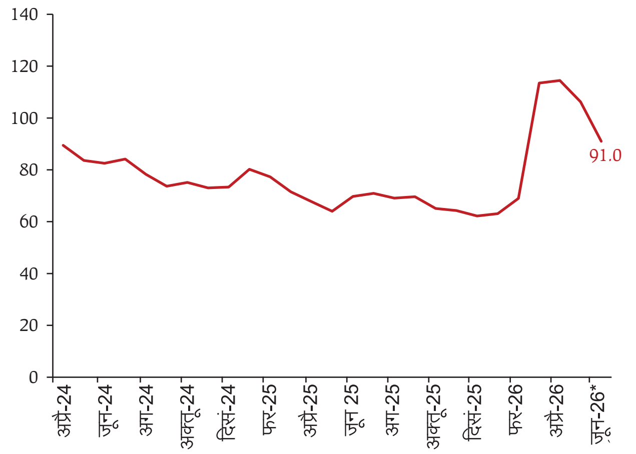

टिप्पणी: 1. डेटा मासिक औसत को दर्शाता है।
2. *: डेटा 01-17 जून तक के औसत मूल्य को दर्शाता है।

स्रोत: पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ।

सारणी III.8: डीज़ल और पेट्रोल की खुदरा कीमतें वृद्धिशील ट्राजेक्टरी में रहीं

वस्तु	इकाई	घरेलू कीमतें			माह-दर-माह (प्रतिशत)	
		जून-25	मई-26	जून-26 ^	मई-26	जून-26 ^
पेट्रोल	₹/लीटर	101.1	104.1	108.7	2.9	4.4
डीज़ल	₹/लीटर	90.5	93.4	98.1	3.2	5.0
मिट्टी का तेल (सब्सिडी)	₹/लीटर	40.2	46.8	46.8	0.0	0.0
एलपीजी (गैर-सब्सिडी)	₹/सिलेंडर	863.3	923.3	942.6	0.0	2.1

टिप्पणी: 1. ^: 18 जून 2026 की अवधि के लिए।
2. मिट्टी के तेल के अलावा, कीमतें चार प्रमुख महानगरों (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई) में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की औसत कीमतों को दर्शाती हैं। मिट्टी के तेल के लिए, कीमतें कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में रियायती कीमतों के औसत को दर्शाती हैं।

स्रोत: आईओसीएल; पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी); और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

मार्च 2026 में ₹60 की वृद्धि के बाद, जून में घरेलू घरेलू एलपीजी की कीमतों में प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर ₹29 की वृद्धि की गई थी। वृद्धि के बावजूद, भारतीय परिवार दुनिया में रसोई गैस की सबसे कम कीमतों में से एक का भुगतान करना जारी रखते हैं, क्योंकि सरकार और तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने बड़े पैमाने पर उच्च अंतरराष्ट्रीय कीमतों को परिवारों के व्यय बजट में अंतरित करने से रोका है (चार्ट III.15)। इसके साथ, ओएमसी प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए लगभग ₹700 की कम वसूली को अवशोषित करती हैं क्योंकि उनकी आपूर्ति की लागत ₹1600 से अधिक है।[48]

चार्ट III.15: भारत में तुलनात्मक रूप से कम एलपीजी कीमतें

(प्रति 14.2 kg सिलेंडर)

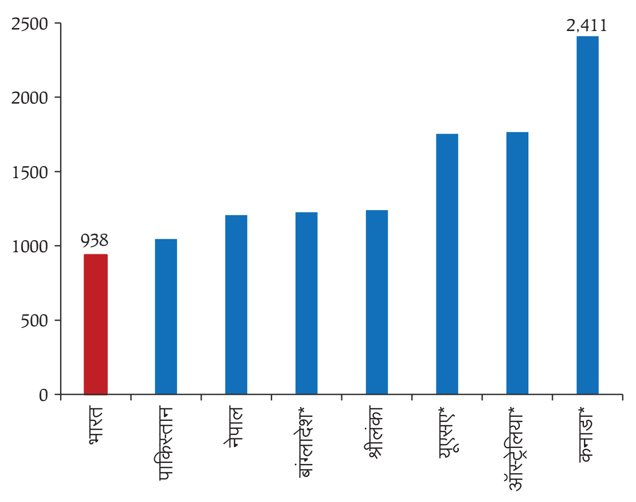

*: मान अनुमानित हैं।

स्रोत: पीआईबी रिलीज़, 7 जून, 2026।

थोक मूल्य सूचकांक (डबल्यूपीआई) (आधार वर्ष 2022-23) मुद्रास्फीति पिछले महीने में 8.3 प्रतिशत से मई 2026 में बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल 2024 के बाद से नई आधार शृंखला में सबसे अधिक है। मई 2026 में ईंधन और बिजली समूह की मुद्रास्फीति और बढ़कर 30.3 प्रतिशत हो गई। विनिर्मित उत्पादों, अपने उच्च वजन के साथ, कुल मुद्रास्फीति में सबसे अधिक योगदान दिया है। औद्योगिक[49] और कृषि इनपुट[50] लागत मुद्रास्फीति भी मई 2026 में फरवरी में अपस्फीति क्षेत्र से क्रमशः 16.7 प्रतिशत और 8.9 प्रतिशत तक चढ़ गई।

15 जून, 2026 को, आर्थिक सलाहकार के कार्यालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने आउटपुट प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (ओपीपीआई), एक परीक्षण इनपुट प्रोड्यूसर

[48] "भारतीय परिवारों को दुनिया में सबसे कम रसोई गैस की कीमतों में से एक का भुगतान करना जारी है" June 07, 2026 (Link).

[49] में प्राथमिक गैर-खाद्य वस्तुएं, खनिज, कोयला, विमानन टरबाइन ईंधन, हाई स्पीड डीजल, नेफ्था, बिटुमेन, फर्नेस ऑयल, ल्यूब ऑयल, पेट्रोलियम कोक, बिजली, सूती धागा और डब्ल्यूपीआई से कागज और लुगदी शामिल हैं।

[50] में डबल्यूपीआई से हाई-स्पीड डीजल, चारा, बिजली, उर्वरक, कीटनाशक और कृषि और वानिकी मशीनरी शामिल हैं।

चार्ट III.16: मई 2026 में इनपुट और आउटपुट की कीमतों में कमी

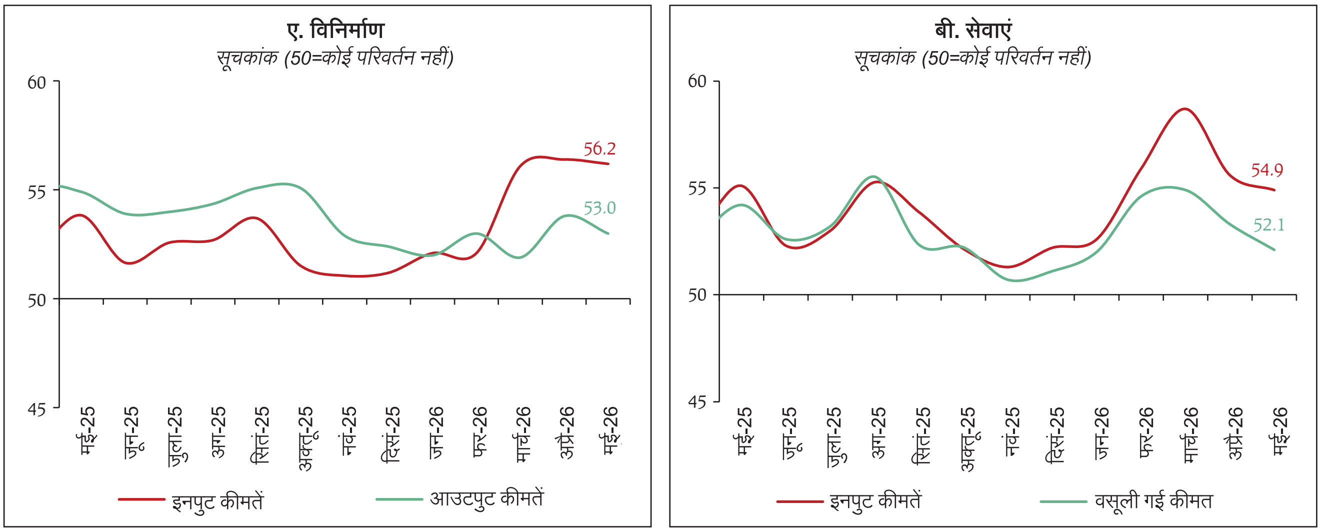

टिप्पणी: सूचकांक का 50 का स्तर कीमतों में कोई बदलाव नहीं दिखाता है, और 50 से ऊपर का स्तर बढ़ोतरी दिखाता है और इसी प्रकार उसके विपरीत भी।
स्रोत: एसएंडपी।

प्राइस इंडेक्स (आईपीपीआई), और सात सेवाओं को कवर करने वाला एक सर्विस प्रोड्यूसर प्राइस इंडेक्स (एसपीपीआई) की नई शृंखला (आधार वर्ष 2022-23) जारी की।[51] आउटपुट पीपीआई मुद्रास्फीति अप्रैल (आधार वर्ष 2022-23) में 8.1 प्रतिशत से बढ़कर मई में 9.4 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) हो गई, जो मुख्य रूप से 'निर्मित उत्पादों' और 'कृषि, वानिकी और मत्स्य पालन' द्वारा संचालित है।

मई में भारतीय विनिर्माण कंपनियों के लिए इनपुट कीमतों के लिए पीएमआई मोटे तौर पर स्थिर रहा, लेकिन ऊर्जा, ईंधन, कच्चे माल और परिवहन की उच्च लागत को दर्शाता है। बढ़ी हुई लागत दबावों के बावजूद, विनिर्माण कंपनियों के लिए उत्पादन मूल्य पीएमआई के विस्तार की दर मई में कम हो गई, जो लाभ मार्जिन में बड़ी गिरावट का संकेत देती है।[52] सेवा क्षेत्र में, उत्पादन और इनपुट कीमतों दोनों के लिए पीएमआई क्रमिक रूप से कम हो गया, तथापि यह विस्तारवादी ज़ोन में रहा (चार्ट III.16)।

[51] सूचकांक राष्ट्रीय खातों की आपूर्ति और उपयोग सारणी ओं से प्राप्त 2022-23 भार पर आधारित हैं। ओपीपीआई भार आपूर्ति सारणी पर आधारित होते हैं, जबकि परीक्षण आईपीपीआई भार उपयोग सारणी पर आधारित होते हैं। ओपीपीआई और एसपीपीआई को शुद्ध करों और व्यापार और परिवहन मार्जिन को छोड़कर मूल कीमतों पर संकलित किया जाता है। इसके विपरीत, परीक्षण आईपीपीआई को खरीदारों की कीमतों पर संकलित किया जाता है, जो इनपुट के लिए उद्योगों द्वारा भुगतान की गई कीमतों को दर्शाता है।

[52] "एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई" समाचार विज्ञप्ति, 01 जून, 2026। (संपर्क)

IV. वित्तीय स्थितियां

प्रचलनगत मुद्रा में निरंतर वृद्धि, रिज़र्व बैंक के विदेशी मुद्रा संचालन और सरकारी नकदी शेष के निर्माण के बीच मई में अधिशेष चलनिधि की स्थिति[53] में नरमी आई।[54] रिज़र्व बैंक ने स्थायी और क्षणिक चलनिधि दोनों को शामिल करने के लिए कदम उठाए।[55] अधिशेष चलनिधि जून में (18 तारीख तक) और कम हो गई।[56] जून में स्थायी जमा सुविधा के उपयोग में गिरावट आई (चार्ट IV.1)।[57] इसके साथ ही, सरकारी नकद शेष की निकासी से रिज़र्व बैंक के अधिशेष हस्तांतरण के बाद प्रणालीगत चलनिधि में वृद्धि होने की उम्मीद है।[58]

[53] जैसा कि तरलता समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत औसत शुद्ध अवशोषण द्वारा मापा जाता है।

[54] कुल मिलाकर, एलएएफ के तहत दैनिक औसत शुद्ध अवशोषण मई के दौरान घटकर 1.72 लाख करोड़ रुपये रह गया, जो अप्रैल में 3.94 लाख करोड़ रुपये था।

[55] मई के दौरान, रिज़र्व बैंक ने 5 बिलियन अमरीकी डालर की एक यूएसडी /आईएनआर खरीद/बिक्री स्वैप नीलामी और अलग-अलग परिपक्वता (ओवरनाइट से 7-दिन) की 8 परिवर्तनीय-दर रेपो (वीआरआर) नीलामी, जिसमें ₹8.5 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि के मुकाबले ₹3.41 लाख करोड़ की बोली लगाई गई।

[56] कुल मिलाकर, एलएएफ़ के तहत औसत दैनिक निवल अवशोषण जून (18वें स्थान तक) के दौरान मई में ₹1.72 लाख करोड़ से घटकर ₹1.42 लाख करोड़ हो गया। जून 2026 में, रिज़र्व बैंक ने ओवरनाइट -7 दिनों की परिपक्वता के साथ सात फाइन-ट्यूनिंग वीआरआर नीलामी की, जिसमें ₹5.25 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि के मुकाबले ₹2.42 लाख करोड़ की बोली लगी।

[57] स्थायी जमा सुविधा के तहत औसत शेष राशि जून (18 तारीख तक) घटकर 1.77 लाख करोड़ रुपये रह गई, जो मई में 2.1 लाख करोड़ रुपये थी।

[58] गवर्नर का बयान: 05 जून, 2026।

चार्ट IV. 1: मई और जून में प्रणालीगत चलनिधि में गिरावट

(₹ लाख करोड़)

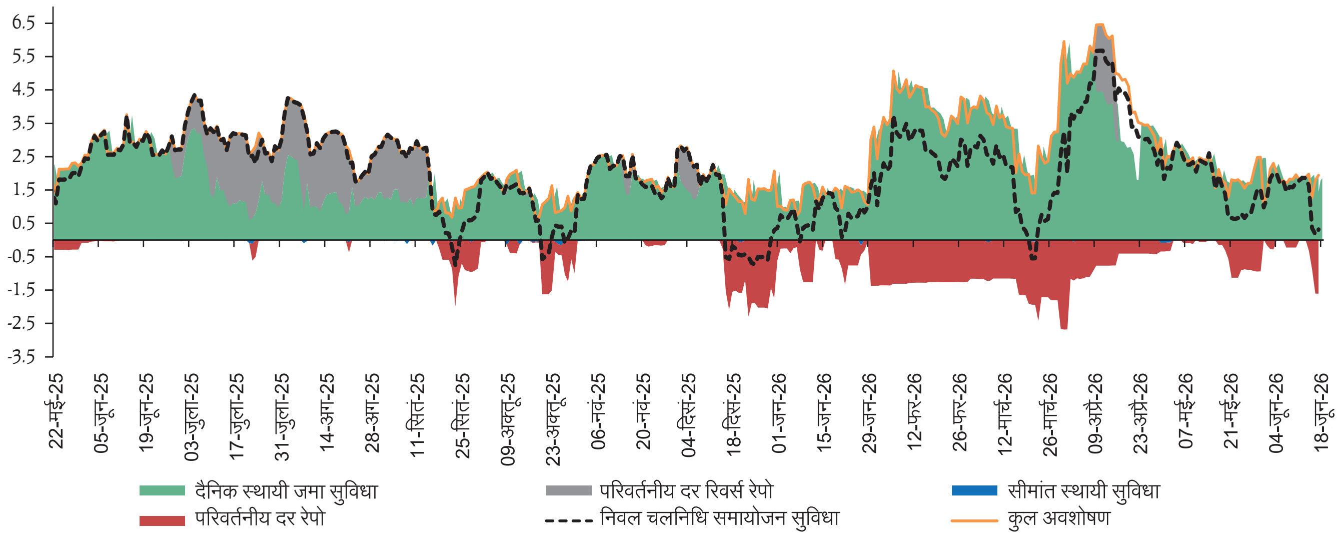

स्रोत: आरबीआई।

मुद्रा बाजार

डबल्यूएसीआर मई 2026 में नीतिगत दर के आसपास ही रहा। मई के अंत और जून (18 तारीख तक) में अधिशेष चलनिधि में कमी के साथ, डबल्यूएसीआर बढ़ गया और नीतिगत गलियारे (चार्ट IV.2ए) के ऊपरी आधे हिस्से में बना रहा।[59] संपार्श्विक खंडों में एक दिवसीय दरें, जैसा कि प्रतिभूतित एक दिवसीय रुपये की दर द्वारा मापा जाता है, आम तौर पर डबल्यूएसीआर के अनुसार परिवर्तित होता है। खजाना बिलों पर औसत प्रतिफल मई के दौरान कम हो गया लेकिन जून (18 वें तक) में यह मजबूत हुआ । निधियों की उच्च मांग के बीच मई में सीपी और सीडी पर प्रतिफल में वृद्धि

चार्ट IV.2: नीतिगत गलियारे में डबल्यूएसीआर कारोबार और मुद्रा बाजार दर में नरमी

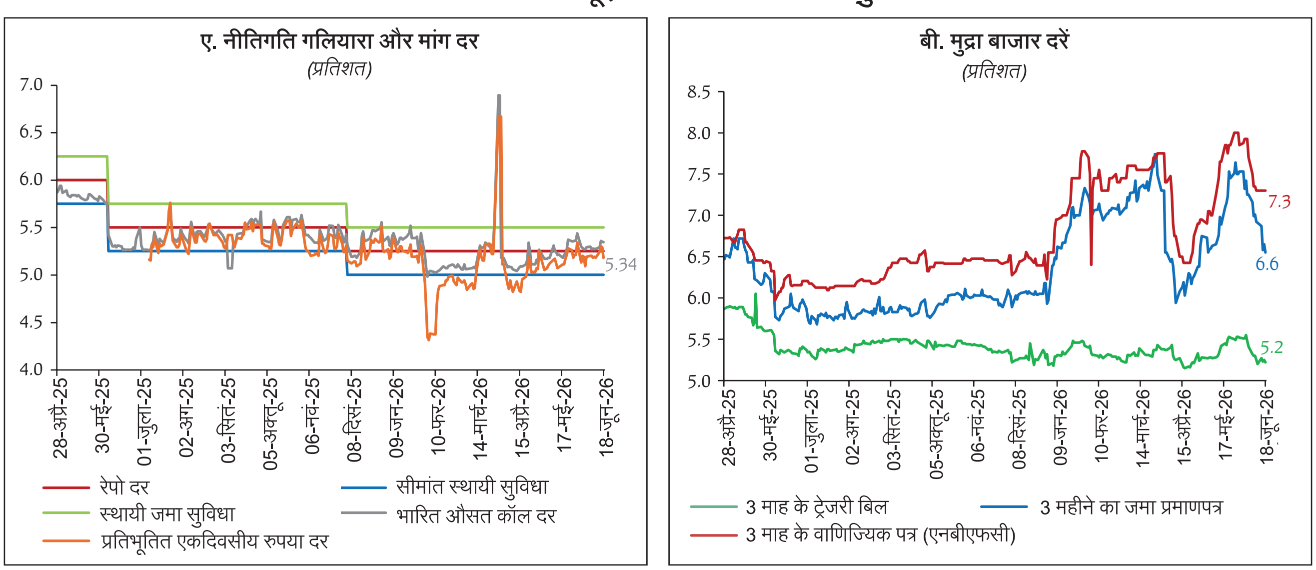

स्रोत: आरबीआई; ब्लूमबर्ग।

[59] औसतन, डबल्यूएसीआर अप्रैल में 5.13 प्रतिशत से बढ़कर मई में 5.25 प्रतिशत और जून (18 जून तक) में 5.30 प्रतिशत हो गया।

चार्ट IV.3: सरकार और आरबीआई के उपायों के बाद जी-सेक प्रतिफल में नरमी

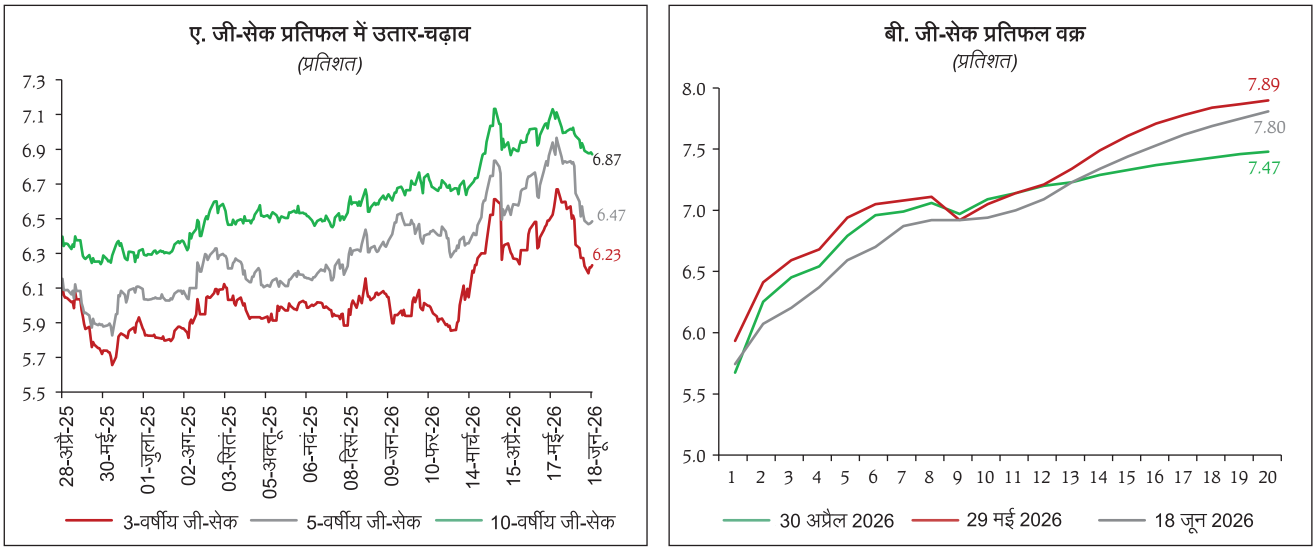

स्रोत: ब्लूमबर्ग; और फाइनेंशियल बेंचमार्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड।

हुई, हालांकि वे जून (18 वें तक) में सस्ते वैकल्पिक तरीकों से निधि की उपलब्धता के कारण घट गई (चार्ट IV.2बी)।[60] 3 महीने के सीपी और 91-दिवसीय ट्रेजरी बिल पर प्रतिफल के बीच का अंतर बढ़ गया।[61]

सरकारी प्रतिभूति बाजार

सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) प्रतिफल वैश्विक विकास को दर्शाती है (चार्ट IV.3ए)। अप्रैल में वृद्धि के बाद, मई में प्रतिफल में गिरावट हुई क्योंकि पश्चिम एशिया में बातचीत रुक गई। हालांकि, सरकार और रिज़र्व बैंक द्वारा विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के उपाय किए जाने के बाद जी-सेक प्रतिफल में नरमी आई। पश्चिम एशिया में शांति समझौते की हालिया घोषणा के कारण भी इसमें कमी आई (चार्ट IV.3बी)।[62]

कॉरपॉरेट बॉण्ड बाजार

कॉरपोरेट बॉण्ड प्रतिफल मई (29 तारीख को) की तुलना में जून (18 तारीख को) में अवधि और रेटिंग स्पेक्ट्रम के आधार पर कमी आई, जो कि सरकारी बॉण्ड प्रतिफल का अनुसरण करती है, जबकि इसके प्रसार[63] (सारणी IV.1) में वृद्धि हुई। पिछले महीने की तुलना में अप्रैल 2026 में नए कॉरपोरेट बॉण्ड जारी करने में कमी आई है।[64]

मुद्रा और ऋण

मई 2026 के दौरान, आरक्षित निधि (नकद आरक्षित अनुपात के लिए समायोजित) वृद्धि में मामूली गिरावट आई, हालांकि प्रचलन में मुद्रा ने दिसंबर 2025 के बाद से अपनी दोहरे अंकों की वृद्धि को बनाए रखा।[65] मुद्रा आपूर्ति वृद्धि भी ऊंची रही (चार्ट IV.4)।[66] अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) में ऋण

[60] 91-दिन के ट्रेज़री बिल पर औसत यील्ड मई में बढ़कर 5.40 प्रतिशत हो गई और जून (18 जून तक) में घटकर 5.34 प्रतिशत हो गई। मई की तुलना में जून (18 तारीख तक), एनबीएफ़सी द्वारा जारी 3-महीने के कमर्शियल पेपर पर औसत यील्ड और 3-महीने के सर्टिफिकेट ऑफ़ डिपॉज़िट पर ब्याज दर में क्रमशः 4 बेसिस पॉइंट (बीपीएस) और 3 बीपीएस की कमी आई।

[61] मई में औसत 217 बीपीएस से बढ़कर जून (18 तारीख तक) में 219 बीपीएस हो गया।

[62] मई में 10-साल के जी -सेक पर यील्ड 6.92 प्रतिशत से 7.13 प्रतिशत के दायरे में रही। 18 जून को यील्ड 6.87 प्रतिशत थी। 05 जून को सरकार ने घोषणा की कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफ़पीआई) को जी -सेक s से मिलने वाले ब्याज पर लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन्स और विदहोल्डिंग टैक्स से छूट दी जाएगी। रिज़र्व बैंक ने 'स्पेसिफाइड सिक्योरिटीज़' (निर्दिष्ट प्रतिभूतियों) के दायरे को बढ़ाने की घोषणा की, जिसमें पूरी तरह से सुलभ रूट (एफ़एआर) के तहत 15, 30 और 40-साल की अवधि वाले जी -सेक के सभी नए इश्यू शामिल किए गए। इसके अलावा, जनरल रूट के तहत एफ़पीआई निवेश पर शॉर्ट-टर्म निवेश, कंसंट्रेशन और व्यक्तिगत प्रतिभूतियों से संबंधित सीमाएं भी हटा दी गई हैं।

[63] एएए (1-साल) कॉर्पोरेट बॉन्ड को छोड़कर।

[64] सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के आंकड़ों के अनुसार, मार्च में ₹1.07 लाख करोड़ से घटकर अप्रैल में इश्यू ₹0.35 लाख करोड़ हो गए।

[65] रिज़र्व मनी में बढ़ोतरी (कैश रिज़र्व रेश्यो में बदलाव के शुरुआती असर को एडजस्ट करने के बाद) 31 मई, 2026 को 11.0 प्रतिशत (साल-दर-साल) रही, जबकि 30 अप्रैल, 2026 को यह 11.2 प्रतिशत (साल-दर-साल) थी। चलन में मौजूद करेंसी में बढ़ोतरी 31 मई, 2026 को 12.1 प्रतिशत (साल-दर-साल) रही, जो 30 अप्रैल, 2026 के 11.6 प्रतिशत (साल-दर-साल) से ज़्यादा है [31 दिसंबर, 2025 को यह 10.2 प्रतिशत (साल-दर-साल) थी]।

[66] मनी सप्लाई में 31 मई, 2026 को 12 प्रतिशत (साल-दर-साल) की बढ़ोतरी हुई, जो 30 अप्रैल, 2026 के बराबर ही है।

सारणी IV.1: कॉरपोरेट बॉण्ड प्रतिफल में कमी

लिखत	ब्याज दरें (प्रतिशत)			स्प्रेड (संबंधित जोखिम-मुक्त दर पर)		
	मई 29, 2026	18 जून, 2026	भिन्नता (बीपीएस)	मई 29, 2026	18 जून, 2026	भिन्नता
1	2	3	(4 = 3-2)	5	6	(7 = 6-5)
(i) एएए (1-वर्ष)	7.89	7.54	-35	189	173	-16
(ii) एएए (3-वर्ष)	7.75	7.52	-23	109	125	16
(iii) एएए (5-वर्ष)	7.76	7.43	-33	77	79	2
(iv) एए (3-वर्ष)	8.58	8.29	-29	192	202	10
(v) बीबीबी माइनस (3-वर्ष)	12.19	11.90	-29	553	563	10

स्रोत: नियत आय मुद्रा बाजार और भारतीय व्युत्पन्नी संघ।

वृद्धि और स्थिर जमा वृद्धि में तेजी के कारण मई में ऋण और जमा वृद्धि के बीच की खाई बढ़ गई (चार्ट IV.5)।[67]

2026-27 के दौरान अब तक (31 मई तक), वाणिज्यिक क्षेत्र में वित्तीय संसाधनों के कुल प्रवाह में वृद्धि हुई है, जो गैर-खाद्य बैंक ऋण में वृद्धि और भारत[68] में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि से प्रेरित है (सारणी IV.2ए)। गैर-खाद्य बैंक ऋण वृद्धि पिछले वर्ष (31 मई तक) की तुलना में इस वर्ष अधिक रही, जिससे कुल बकाया ऋण अधिक हो गया (सारणी IV.2बी)।

अप्रैल 2026 में प्रमुख क्षेत्रों में बैंक ऋण में दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की गई।[69] मजबूत औद्योगिक ऋण वृद्धि का श्रेय एमएसएमई

चार्ट IV.4: रिज़र्व मनी और मनी सप्लाई (एम$_3$) में लगातार बढ़ोतरी

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

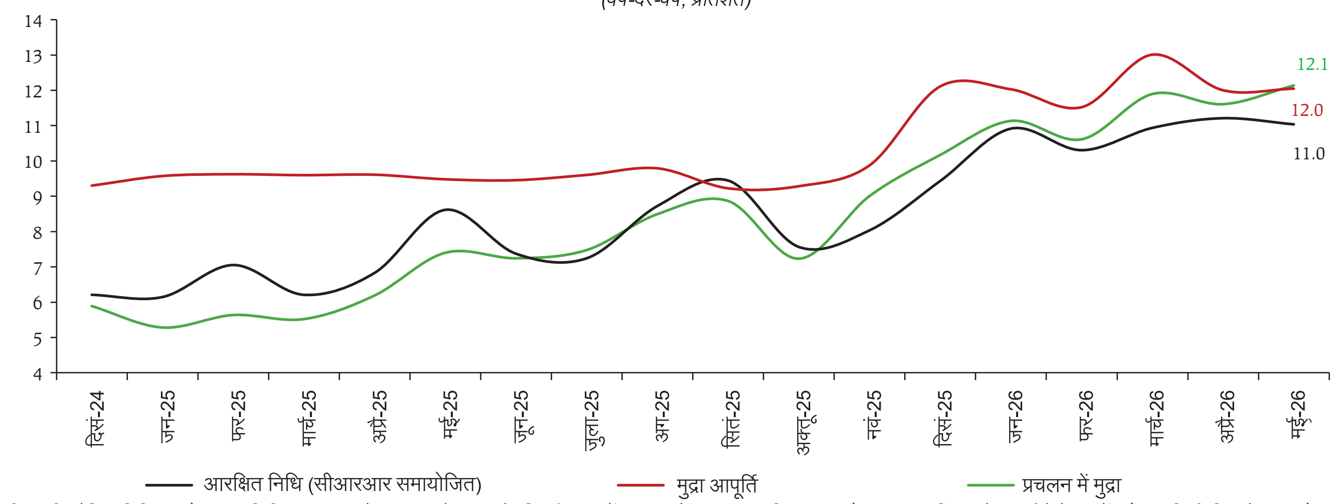

टिप्पणी: बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम, 2025 के माध्यम से पखवाड़े की परिभाषा में बदलाव के साथ, आरक्षित मुद्रा और मुद्रा आपूर्ति का डेटा महीने के 15वें और आखिरी दिन से जुड़ा होगा, जो 15 दिसंबर, 2025 से लागू होगा।
स्रोत: आरबीआई।

[67] SCB के क्रेडिट और डिपॉज़िट में बढ़ोतरी 31 मई, 2026 को क्रमशः 17.7 प्रतिशत (साल-दर-साल) और 12.2 प्रतिशत रही, जबकि 30 अप्रैल, 2026 को यह क्रमशः 16.0 प्रतिशत (साल-दर-साल) और 12.3 प्रतिशत थी।

[68] भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफ़डीआई) नेट आधार पर है (यानी, कुल इनफ़्लो में से पैसे की वापसी/डिसइन्वेस्टमेंट को एडजस्ट करने के बाद)।

[69] शुरुआती डेटा। बैंक क्रेडिट के सेक्टर-वार बंटवारे का डेटा सेक्टर-वार और इंडस्ट्री-वार बैंक क्रेडिट (एसआईसीबीसी) रिटर्न पर आधारित है, जिसमें 41 चुने हुए बैंक शामिल हैं। ये बैंक सभी शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों (एससीबी) द्वारा दिए गए कुल नॉन-फूड क्रेडिट का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा हैं। बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत, 31 दिसंबर 2025 से 'आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े' की परिभाषा बदलकर 'महीने का आखिरी दिन' कर दी गई है। इसके अनुसार, दिसंबर 2025 से साल-दर-साल ग्रोथ रेट की गणना इस तरह की जाती है: मौजूदा साल के लिए महीने के आखिर के डेटा और पिछले साल के उसी महीने के लिए आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े के डेटा (पुरानी परिभाषा के अनुसार) का इस्तेमाल किया जाता है। नॉन-फूड क्रेडिट ग्रोथ की गणना हर पखवाड़े भरे जाने वाले सेक्शन-42 रिटर्न के आधार पर की जाती है, जिसमें सभी एससीबी शामिल होते हैं।

चार्ट IV.5: सितंबर 2025 से एससीबी के ऋण वृद्धि ने जमा वृद्धि पीछे छोड़ दिया

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

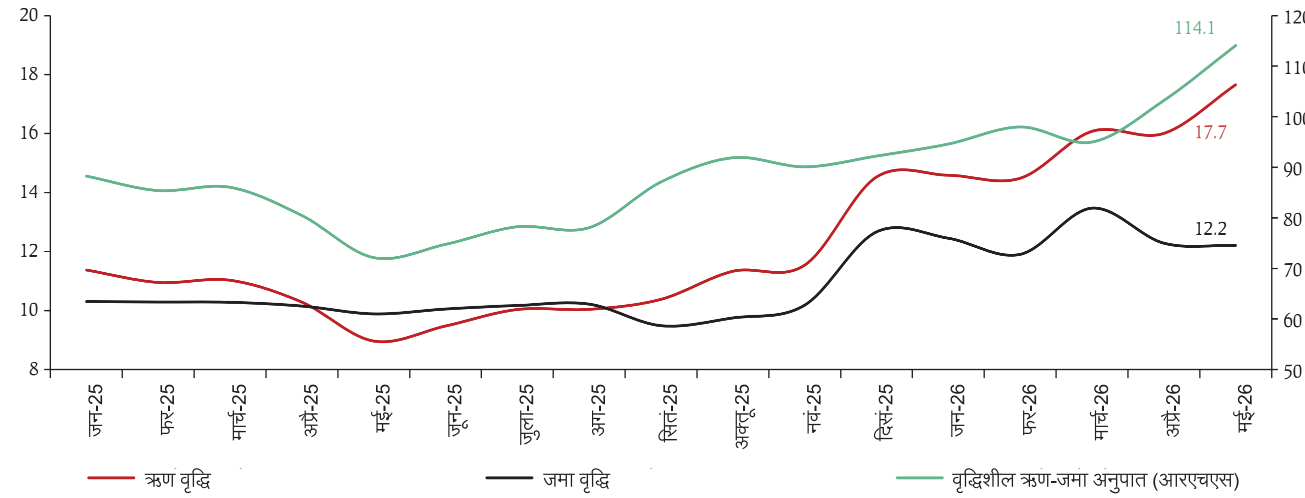

टिप्पणियाँ: 1. एससीबी के डेटा में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक भी शामिल हैं। डेटा में एक गैर -बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव भी शामिल है।

2. बैंकिंग विधि (संशोधन) अधिनियम, 2025 के माध्यम से पखवाड़े की परिभाषा में बदलाव के साथ, एससीबी के लिए डेटा महीने के 15वें और आखिरी दिन से संबंधित है, जो 15 दिसंबर, 2025 से लागू होगा।

स्रोत: आरबीआई।

में निरंतर ऋण वृद्धि और बड़े उद्योगों को ऋण में वृद्धि को दिया जाता है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी), व्यापार और वाणिज्यिक अचल संपत्ति को बैंक ऋण देने से सेवा क्षेत्रों में ऋण प्रवाह में तेजी रही। व्यक्तिगत ऋणों के अंतर्गत, आवास, वाहन और स्वर्ण ऋणों के लिए ऋण ने स्थिर वृद्धि प्रदर्शित की (चार्ट IV.6)।

सारणी IV.2ए: भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र के लिए वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(₹ लाख करोड़)

मद	अप्रैल-मार्च		31 मई तक	
	2024-25	2025-26	2025-26	2026-27
ए. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**18.08**	**29.19**	**-1.55**	**0.88**
बी. गैर-बैंक स्रोत (बी1+बी2)	**18.15**	**17.69**	**1.90**	**1.94**
बी 1. घरेलू स्रोत	14.91	12.66	1.27	0.80
बी 2. विदेशी स्रोत	3.25	5.03	0.63	1.14
सी. संसाधनों का कुल प्रवाह (ए+बी)	**36.23**	**46.88**	**0.35**	**2.82**

टिप्पणियाँ: 1. संख्याओं को पूर्णांकित करने के कारण कॉलम में दिये गए आंकड़े कुल से मेल नहीं खा सकते हैं।

2. विस्तृत टिप्पणियों और डेटा के लिए, कृपया वर्तमान सांख्यिकी सारणी संख्या: 18 (ए) देखें।

स्रोत: आरबीआई; सेबी (भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड); एआईएफआई (अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान); और आरबीआई कर्मचारियों की गणना।

जमा और उधार दरें

मार्च-अप्रैल 2026 के दौरान ऋण बाजार में पिछली नीतिगत दर में कटौती का संचरण कम हो गया, जमा और उधार दरों में

सारणी IV.2बी : वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण

(₹ लाख करोड़; ब्रैकेट में दिए गए आंकड़े साल-दर-साल के बदलाव परसेंट में हैं)

स्रोत	मार्च के अंत में		31 मई तक	
	2025	2026	2025	2026 P
ए. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**183.72 (10.9)**	**212.91 (15.9)**	**182.17 (8.8)**	**213.79 (17.4)**
बी. गैर-बैंक स्रोत (बी1+बी2)	**88.86 (14.6)**	**101.59 (14.3)**	**89.99 (15.2)**	**102.24 (13.6)**
बी1. घरेलू स्रोत	66.37 (17.3)	75.11 (13.2)	67.23 (17.7)	75.80 (12.8)
बी2. विदेशी स्रोत	22.49 (7.2)	26.48 (17.7)	22.76 (8.3)	26.45 (16.2)
सी. कुल क्रेडिट (ए+बी)	**272.58 (12.1)**	**314.50 (15.4)**	**272.16 (10.8)**	**316.04 (16.1)**

पी: प्रोविजनल।

टिप्पणियाँ: 1. नंबरों को राउंड ऑफ करने की वजह से कॉलम में दिए गए आंकड़े टोटल में नहीं जुड़ सकते हैं।

2. नॉन-बैंक स्रोत के डेटा में डोमेस्टिक स्रोत के तहत इक्विटी और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स जारी करना और फॉरेन स्रोत के तहत इक्विटी में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश शामिल नहीं है।

3. आउटस्टैंडिंग डेटा पर आधारित फ्लो, सारणी IV.2ए में दिए गए फ्लो से मेल नहीं खा सकते हैं, क्योंकि: (ए) कुछ हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों का नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में बदलना; और (बी) फॉरेन स्रोत के मामले में वैल्यूएशन का असर।

4. डिटेल्ड टिप्पणियाँ और डेटा के लिए, कृपया करंट स्टैटिस्टिक्स सारणी नंबर: 18(बी) देखें।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफ़आई ; और आरबीआई स्टाफ कैलकुलेशन।

चार्ट IV.6: बैंक क्रेडिट का सेक्टरवार डिप्लॉयमेंट

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

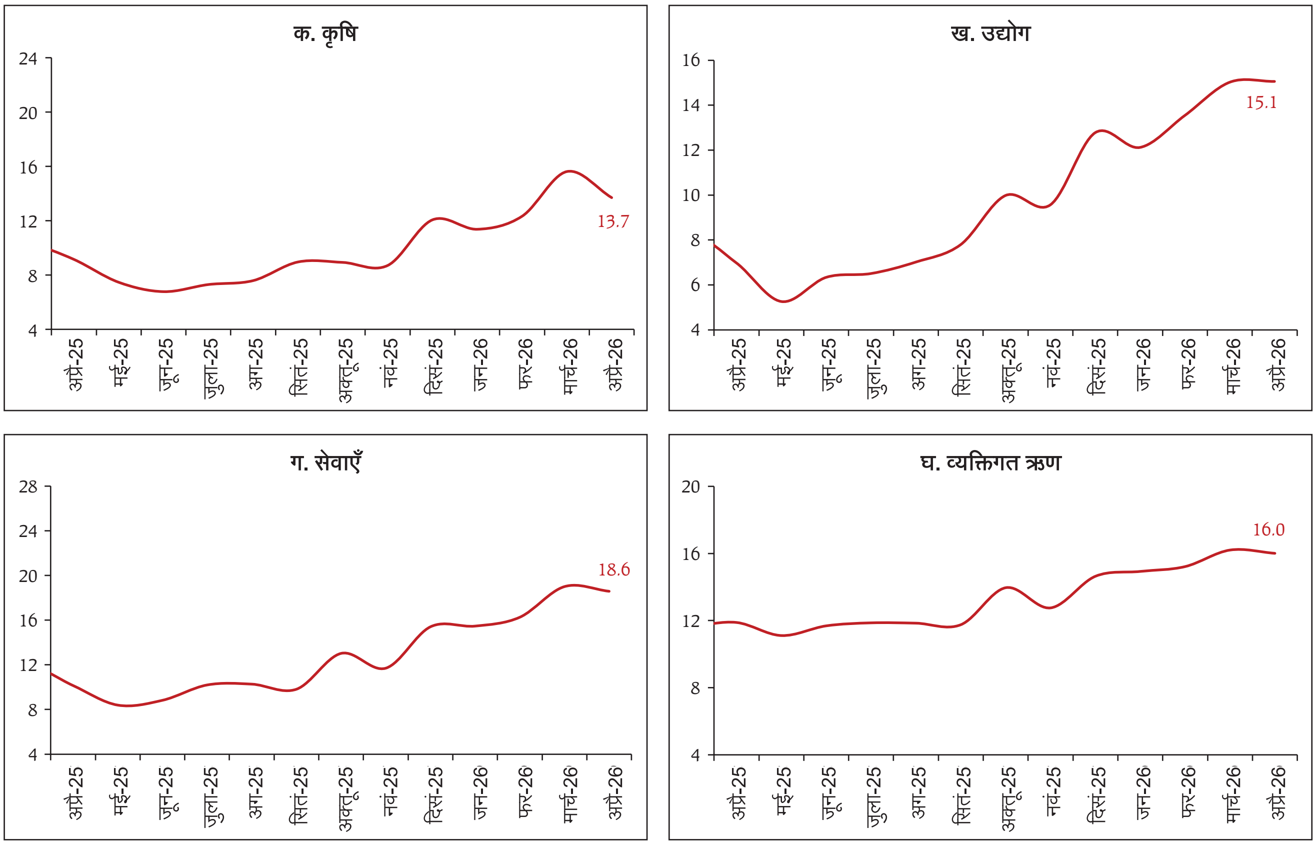

स्रोत: आरबीआई।

कुछ कठोरता देखी गई (सारणी IV.3)। नए और बकाया ऋणों पर ऋण दरों में संचरण सभी क्षेत्रों में असमान रहा है (चार्ट IV.7)। वर्तमान सहजता चक्र (फरवरी 2025-अप्रैल 2026) के दौरान, निजी क्षेत्र के बैंकों में ऋण दरों के लिए पास-थ्रू अधिक स्पष्ट था, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने जमा दरों में अपेक्षाकृत मजबूत संचरण का प्रदर्शन किया (चार्ट IV.8)।

सारणी IV.3: बैंकों के डिपॉजिट और लेंडिंग रेट्स पर ट्रांसमिशन

(आधार अंक)

अवधि	रेपो दर	सावधि जमा दरें		उधार दरें				
		डबल्यूएडीटीडीआर-ताजा जमा	डबल्यूएडीटीडीआर-बकाया जमा	ईबीएलआर	1-वर्षीय एमसीएलआर (माध्यिका)	डबल्यूएएलआर - ताजा रुपया लोन: कुल मिलाकर	डबल्यूएएलआर - ताजा रुपया लोन: ब्याज दर प्रभाव#	डबल्यूएएलआर - बकाया रुपया ऋण
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
सख्ती का चक्र मई 2022 से जनवरी 2025 तक	250	259	206	250	175	182	191	115
आसान चक्र फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 तक	-125	-85	-50	-125	-45	-83	-83	-89

#: जनवरी 2025 के भार पर कैलकुलेट किया गया।
डबल्यूएएलआर : वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट; डबल्यूएडीटीडीआर : वेटेड एवरेज डोमेस्टिक टर्म डिपॉजिट रेट;
एमसीएलआर : मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट; ईबीएलआर : एक्सटर्नल बेंचमार्क-बेस्ड लेंडिंग रेट।
टिप्पणी: ईबीएलआर का डेटा 32 डोमेस्टिक बैंकों से जुड़ा है।
स्रोत: आरबीआई।

[70] गवर्नर का बयान: 05 जून, 2026।

चार्ट IV.7: कुछ सेक्टर में ट्रांसमिशन (फरवरी 2025 - अप्रैल 2026)

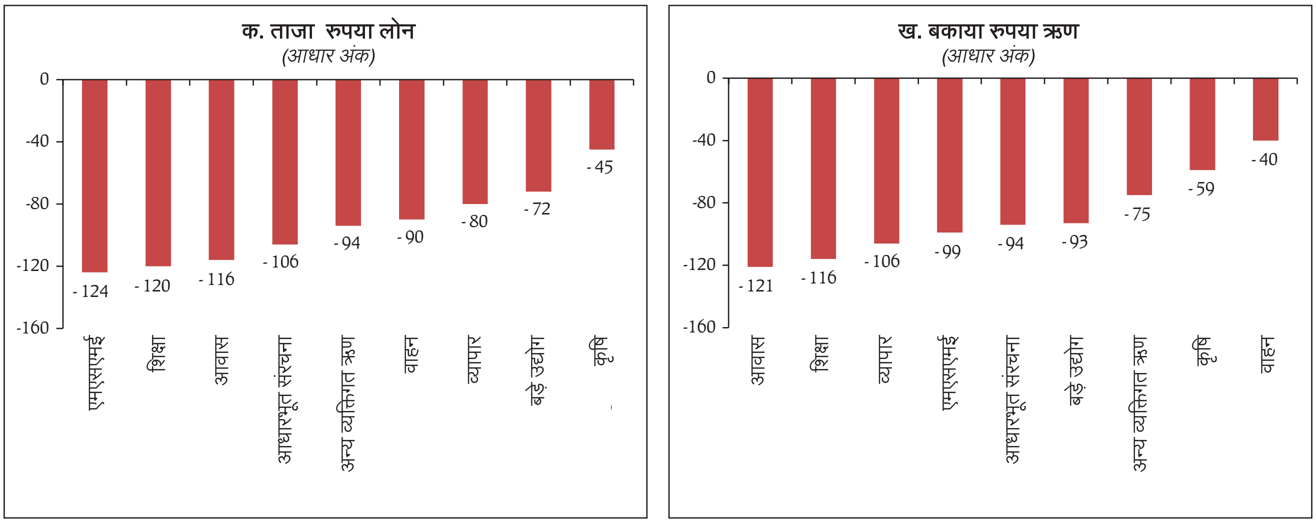

टिप्पणी: फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 के दौरान ट्रांसमिशन की गणना जनवरी 2025 की वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट्स को अप्रैल 2026 की वेटेड एवरेज लेंडिंग रेट्स से घटाकर की जाती है।
स्रोत: आरबीआई।

इक्विटी बाजार

यूएस-ईरान शांति समझौते के आसपास की अनिश्चितता, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और आईएमडी के सामान्य से कम मानसून के पूर्वानुमान के बीच मई और जून की शुरुआत में भारतीय इक्विटी बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, जून के मध्य में बाजारों में सुधार हुआ, जो यूएसआईआरएन शांति वार्ता और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के आसपास के सकारात्मक घटनाक्रमों और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी (चार्ट IV.9) से समर्थित था।[71]

वित्त के बाहरी स्रोत

अप्रैल 2026 के दौरान, शुद्ध एफडीआई पिछले वर्ष के दौरान अपने इसी स्तर से ऊपर रहा, जो उच्च सकल प्रवाह और कम

चार्ट IV.8: बैंक ग्रुप्स में ट्रांसमिशन (फरवरी 2025 - अप्रैल 2026)

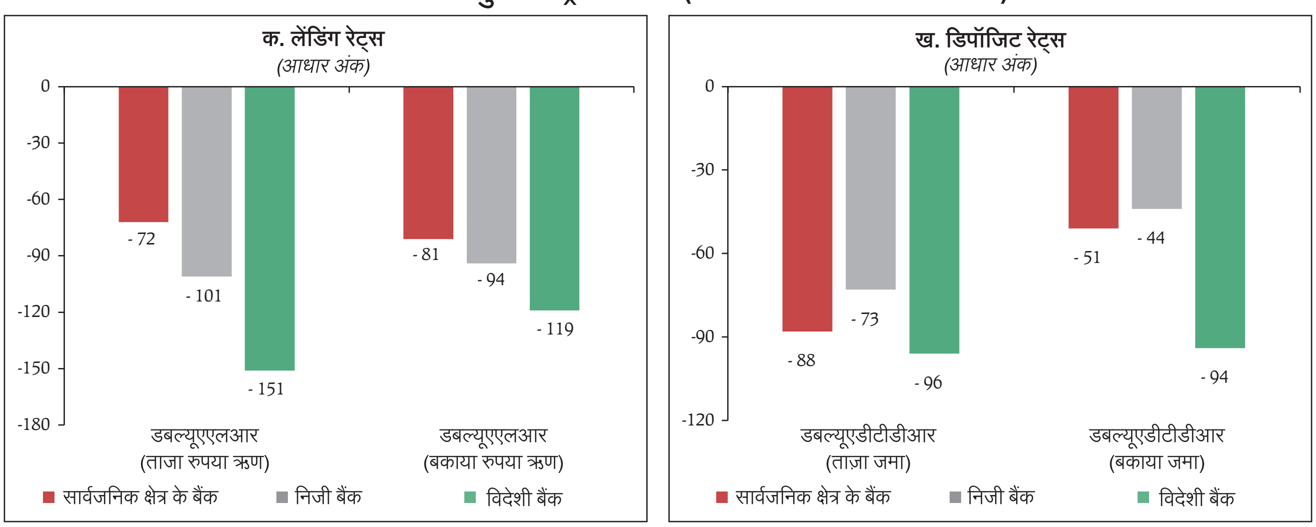

टिप्पणी: फरवरी 2025 से अप्रैल 2026 के दौरान ट्रांसमिशन की गणना जनवरी 2025 के भारित औसत उधार और जमा दर को अप्रैल के रेट से घटाकर की जाती है।
स्रोत: आरबीआई।

[71] इंडिया VIX अप्रैल 2026 के आखिर में 18.5 से घटकर मई के आखिर में 16.2 और 18 जून, 2026 को 12.7 हो गया।

चार्ट IV.9: मई और जून की शुरुआत में घरेलू इक्विटी बाजार में गिरावट आई

(इंडेक्स, बायां स्केल; हजार करोड़, दायां स्केल)

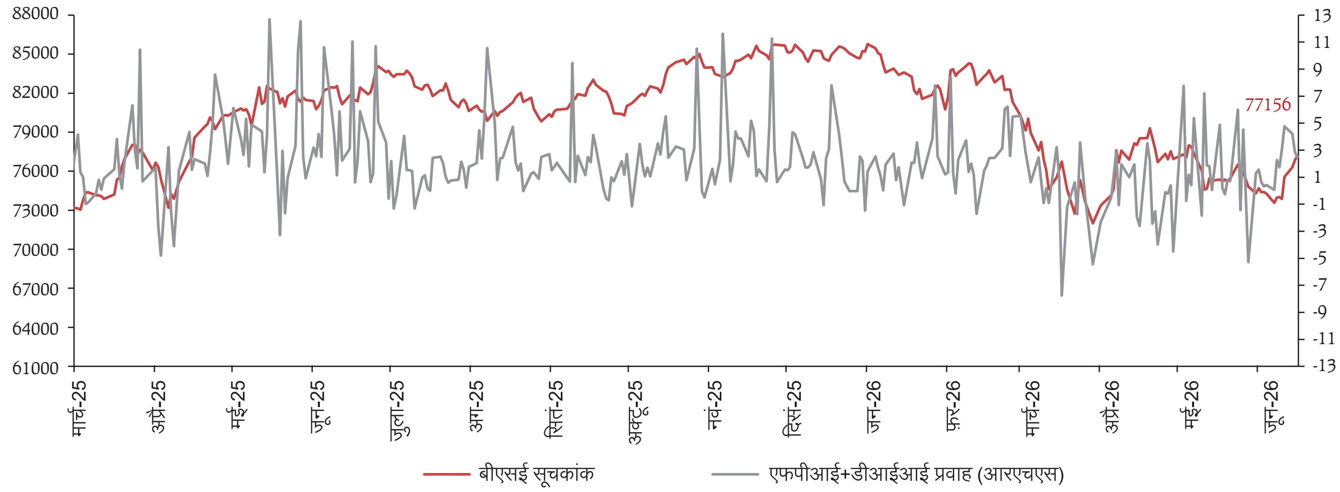

टिप्पणियाँ: डीआईआई : घरेलू संस्थागत निवेशक; एफ़पीआई : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक।

स्रोत: ब्लूमबर्ग।

प्रत्यावर्तन (चार्ट IV.10 ए) द्वारा समर्थित था।[72] वित्तीय सेवाओं को सबसे बड़ा इक्विटी प्रवाह प्राप्त हुआ, इसके बाद खुदरा और थोक व्यापार, विनिर्माण और कंप्यूटर सेवाएं रहीं, इन चार क्षेत्रों में कुल प्रवाह का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। स्रोत के अनुसार, 75 प्रतिशत से अधिक एफडीआई प्रवाह जापान, सिंगापुर और मॉरीशस से आया। जहां तक बाहरी एफडीआई का संबंध है, लगभग 80 प्रतिशत प्रवाह अमेरिका और केमैन द्वीप समूह की ओर भेजा गया था (चार्ट IV.10 बी)। वित्तीय, बीमा और व्यावसायिक सेवाओं और विनिर्माण क्षेत्र का 90 प्रतिशत से अधिक बाहरी प्रवाह है।

चार्ट IV.10: अप्रैल में ज़्यादा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अंतर्वाह

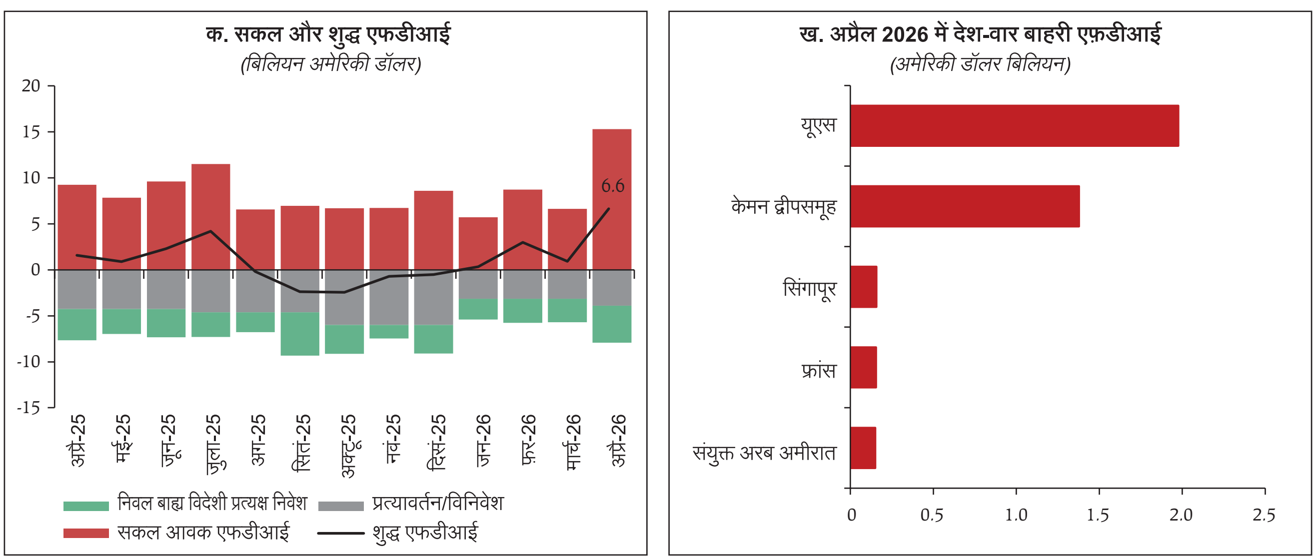

स्रोत: आरबीआई।

[72] अप्रैल 2026 में, नेट एफ़डीआई यूएस$ 6.6 बिलियन था, जबकि अप्रैल 2025 में यह यूएस$ 1.6 बिलियन था। इसी तरह, ग्रॉस इनवर्ड एफ़डीआई यूएस$ 15.3 बिलियन था, जो एक साल पहले के यूएस$ 9.3 बिलियन से ज़्यादा है।

चार्ट IV.11: 2026-27 के दौरान अब तक एफ़पीआई बहिर्वाह

(अमेरिकी डॉलर बिलियन)

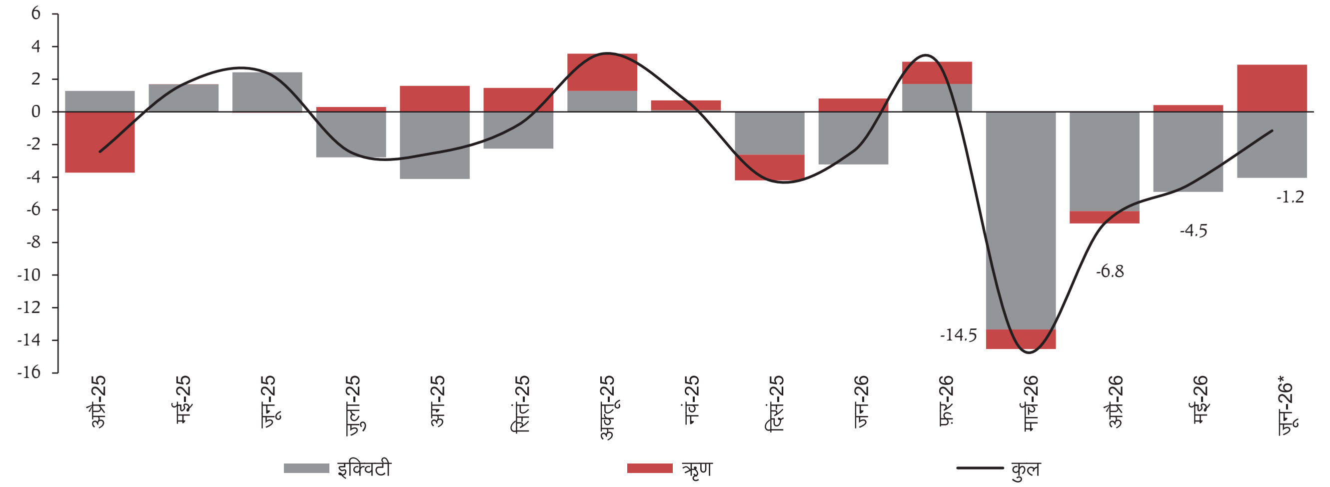

टिप्पणियाँ : 1. डेब्ट में हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स के तहत किए गए निवेश भी शामिल हैं।
2. *: 18 जून 2026 तक का डेटा।

स्रोत: नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल)।

2026-27 (18 जून तक) के दौरान, शुद्ध एफपीआई ने बहिर्वाह दर्ज करना जारी रखा, हालांकि गति कम हो गई (चार्ट IV.11)।[73] शुद्ध एफपीआई प्रवाह जून के दूसरे सप्ताह से काफी हद तक सकारात्मक हो गया है, जो संभवतः पश्चिम एशिया के तनाव को कम करने के साथ-साथ रिजर्व बैंक और सरकार द्वारा किए गए सहायक नीतिगत उपायों से प्रेरित है.[74]

तिमाही 4: 2025-26 में, भारत के चालू खाते में 7.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का अधिशेष दर्ज किया गया, जो उच्च शुद्ध सेवा प्राप्तियों और मजबूत आवक प्रेषण (चार्ट IV.12) के कारण था।[75]

चार्ट IV.12: भारत का भुगतान संतुलन

(US$ बिलियन, बायां स्केल, प्रतिशत, दायां स्केल)

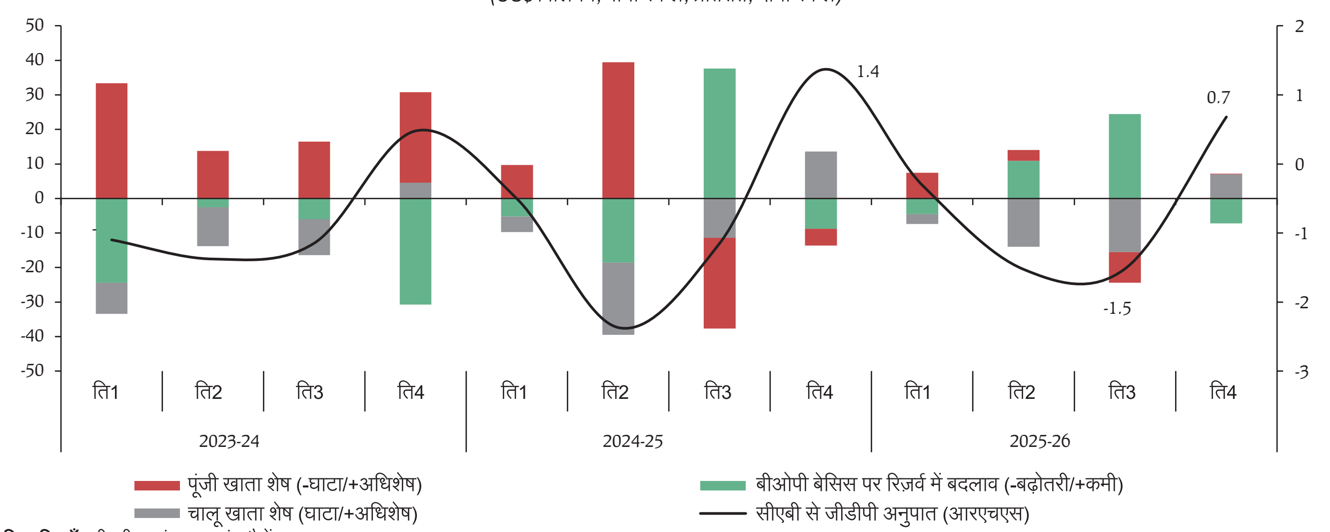

टिप्पणियाँ: सीएबी -करंट अकाउंट बैलेंस।

स्रोत: आरबीआई।

[73] 2026-27 के दौरान अब तक (18 जून, 2026 तक), एफ़पीआई में यूएस$ 12.5 बिलियन का नेट आउटफ़्लो देखा गया, जिसकी मुख्य वजह इक्विटी सेगमेंट से पैसे निकालना था।

[74] "एक बड़े सुधार के तहत, सरकार ने जी -सेक मार्केट को मज़बूत करने और इक्विटी सेगमेंट में ज़्यादा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफ़पीआई) को आसान बनाने के उपाय घोषित किए", पीआईबी रिलीज़, 05 जून, 2026 (लिंक)

[75] तिमाही 4:2024-25 में, यूएस$ 13.7 बिलियन का करंट अकाउंट सरप्लस दर्ज किया गया।

चार्ट IV.13: बाहरी कमर्शियल उधार – पंजीकरण और प्रवाह

(अमेरिकी डॉलर बिलियन)

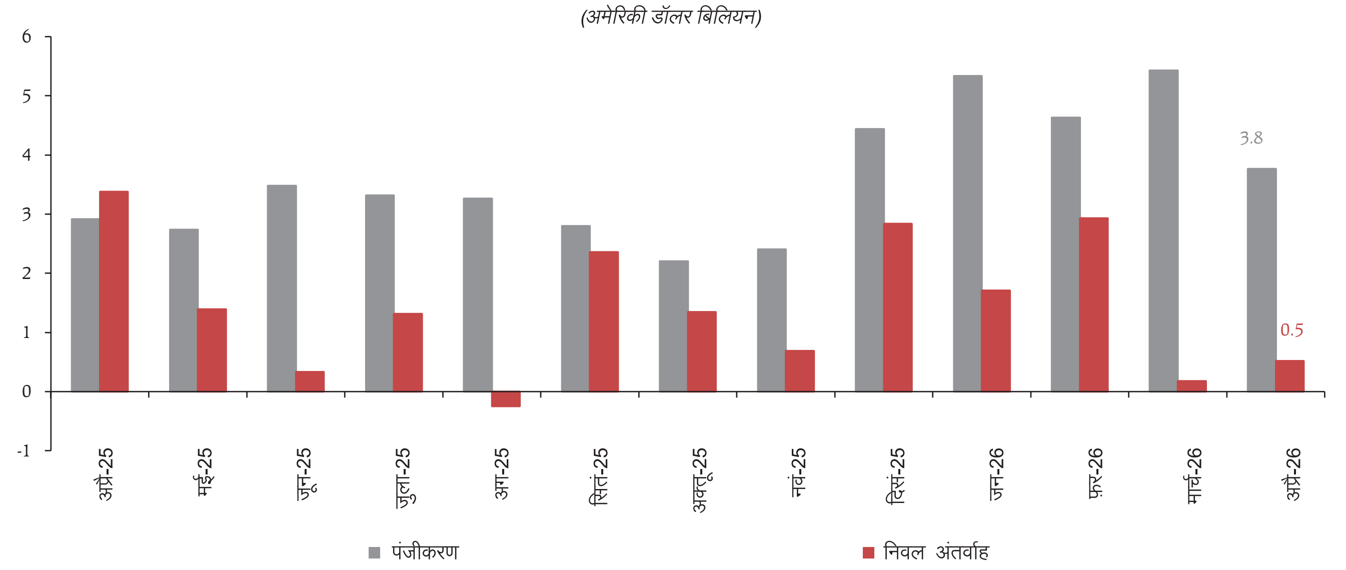

स्रोत: फॉर्म ईसीबी, आरबीआई।

पूरे वर्ष 2025-26 के लिए, चालू खाता घाटा पिछले वर्ष की तुलना में मामूली रूप से बढ़ गया।[76] शुद्ध पूंजी प्रवाह चालू खाता घाटे के वित्तपोषण से कम हो गया क्योंकि शुद्ध एफडीआई प्रवाह उच्च एफपीआई बहिर्वाह द्वारा ऑफसेट किया गया था। इससे 2025-26 में 23.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार (भुगतान संतुलन के आधार पर) की कमी हुई।

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल 2026 में बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) पंजीकरण में वृद्धि हुई, जो अपतटीय धन जुटाने की गतिविधि में सुधार को दर्शाता है।[77] अप्रैल में शुद्ध ईसीबी प्रवाह क्रमिक रूप से बढ़ा लेकिन पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में काफी कम रहा (चार्ट IV.13)।[78] अप्रैल में पंजीकृत ईसीबी का लगभग 24 प्रतिशत पूंजीगत व्यय के लिए था।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार संतोषजनक रहा, जो दिसंबर 2025 के अंत तक 10 महीने से अधिक के[79] और बकाया विदेशी ऋण का 87.7 प्रतिशत के लिए कवर प्रदान करता है (चार्ट IV.14)।

विदेशी मुद्रा बाजार

भारतीय रुपया (आईएनआर) मई में लंबे भू-राजनीतिक तनाव और निरंतर विदेशी पोर्टफोलियो बहिर्वाह के बीच दबाव

चार्ट IV.14: भारत का फॉरेन एक्सचेंज रिज़र्व बेहतर स्थिति में रहा

(यूएस$ बिलियन, बायां स्केल; महीने, दायां स्केल)

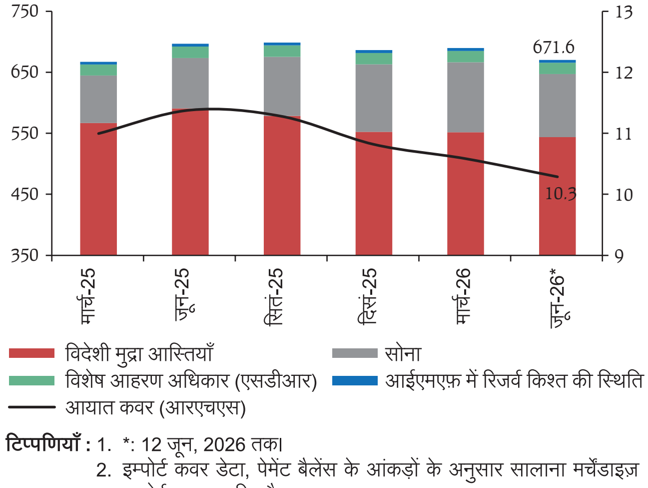

टिप्पणियाँ : 1. *: 12 जून, 2026 तक।
2. इम्पोर्ट कवर डेटा, पेमेंट बैलेंस के आंकड़ों के अनुसार सालाना मर्चेंडाइज़ इम्पोर्ट पर आधारित है।

स्रोत: आरबीआई।

[76] 2025-26 के दौरान, करंट अकाउंट घाटा यूएस$ 25.2 बिलियन (जीडीपी का 0.6 प्रतिशत) था, जबकि 2024-25 में यह यूएस$ 22.9 बिलियन (जीडीपी का 0.6 प्रतिशत) था।

[77] अप्रैल 2025 में यूएस$ 2.9 बिलियन के मुकाबले अप्रैल 2026 में ईसीबी रजिस्ट्रेशन बढ़कर यूएस$ 3.8 बिलियन हो गए। यह मार्च 2026 के यूएस$ 5.4 बिलियन से कम था।

[78] मार्च 2026 में यूएस$ 0.2 बिलियन के मुकाबले अप्रैल 2026 में नेट ईसीबी इनफ्लो बढ़कर यूएस$ 0.5 बिलियन हो गया, लेकिन यह अप्रैल 2025 के यूएस$ 3.4 बिलियन से कम था।

[79] 12 जून 2026 तक, सामान और सेवाओं के लिए इम्पोर्ट कवर लगभग 8.2 महीने था।

चार्ट IV.15: अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय में बढ़त

(प्रति अमेरिकी डॉलर)

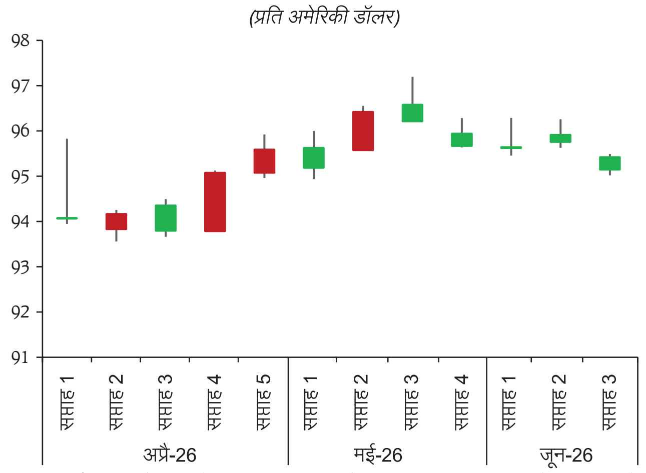

टिप्पणियाँ : लाल कैंडल्स डेप्रिसिएशन दिखाती हैं, यानी, भारतीय रुपया वीकेंड पर खुलने के मुकाबले ज़्यादा पर बंद हुआ है। हरी कैंडल्स एप्रिसिएशन दिखाती हैं, यानी, भारतीय रुपया वीकेंड पर खुलने के मुकाबले कम पर बंद हुआ है।
स्रोत: रिफाइनिटिव; और आरबीआई स्टाफ कैलकुलेशन।

में रहा। हालांकि, पूंजी प्रवाह के उपायों, भू-राजनीतिक तनाव को कम करने और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण जून 2026 में आईएनआर रिकवर किया गया।[80] 2026-27 के दौरान अब तक (19 जून तक), मार्च 2026 के अंत में आईएनआर में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई (चार्ट IV.15)। वास्तविक प्रभावी शब्दों में, भारतीय रुपये में मई में अवमूल्यन हुआ, जो नाममात्र प्रभावी शर्तों में आईएनआर के स्पष्ट मूल्यह्रास से प्रेरित था, जिसने अपने प्रमुख व्यापारिक भागीदारों की तुलना में भारत की अपेक्षाकृत उच्च मुद्रास्फीति के ऑफसेटिंग प्रभाव को पीछे छोड़ दिया (चार्ट IV.16)।

V. निष्कर्ष

अंतरिम अमेरिका-ईरान शांति समझौते के माध्यम से प्राप्त कुछ राहत के बावजूद वैश्विक आर्थिक परिदृश्य नाजुक बना हुआ है। समझौते के किसी भी टूटने से मुद्रास्फीति की उम्मीदों, बाधित महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे, निवेश खर्च में देरी, खाद्य सुरक्षा चिंताओं, प्रतिकूल वित्तीय स्थिरता दृष्टिकोण और संरचनात्मक रूप से कम विकास के संदर्भ में भौतिक जोखिम फिर से शुरू हो सकते हैं। अनिश्चितताओं का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, लागत दबाव, पूंजी प्रवाह और कमोडिटी की कीमतों के माध्यम से दृष्टिकोण पर प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने इस झटके को बनाए रखने के लिए कई अन्य देशों की तुलना में बहुत बेहतर बुनियादी सिद्धांतों के साथ इस उथल-पुथल में प्रवेश किया। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्च विकास बनाए रखा, मुद्रास्फीति की उम्मीदों को स्थिर रखा, निरंतर राजकोषीय समेकन, प्रबंधनीय चालू खाता संतुलन और विदेशी मुद्रा बफर बनाए रखा, जो अतीत में इसी तरह की अन्य घटनाओं की तुलना में इसकी ताकत को बढ़ाता है। एक प्रतिकूल दक्षिण-पश्चिम मानसून, यदि अमल में आता है, तो घरेलू विकास-मुद्रास्फीति दृष्टिकोण पर असर पड़ सकता है।

चार्ट IV.16: 40-करेंसी रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट में उतार-चढ़ाव

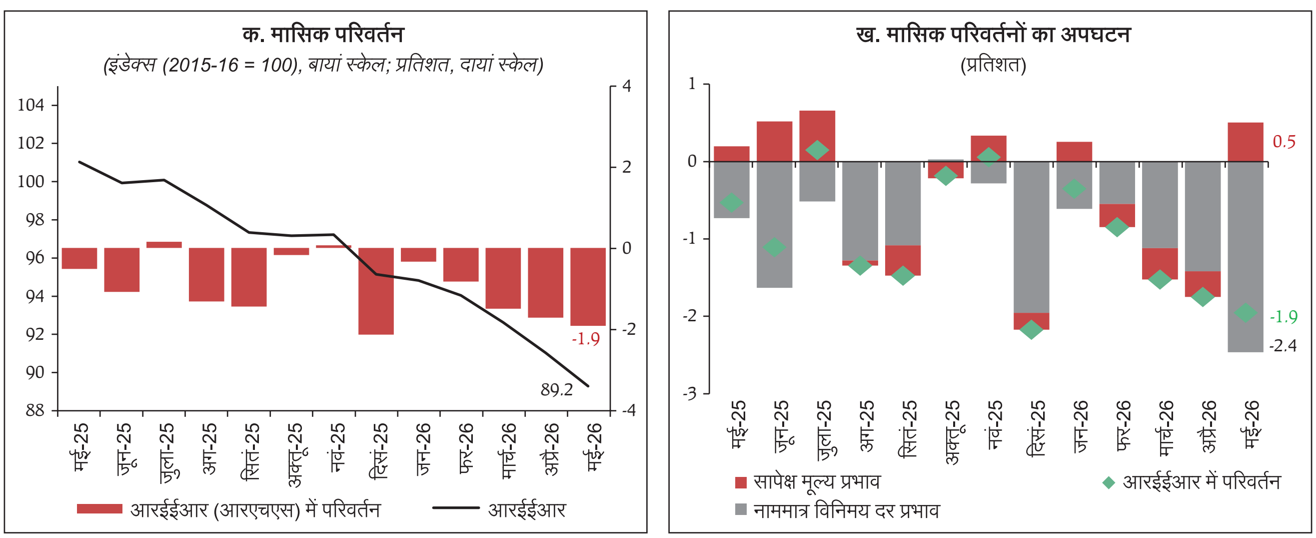

टिप्पणियाँ: पॉजिटिव बदलाव नॉमिनल और रियल एक्सचेंज रेट में बढ़ोतरी दिखाता है और नेगेटिव बदलाव डेप्रिसिएशन दिखाता है।
स्रोत: आरबीआई।

[80] मई 2026 के आखिर की तुलना में जून (19 तारीख तक) में आईएनआर की वैल्यू में 1.0 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

अनुबंध

बॉक्स 1: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक की नई श्रृंखला: मुख्य विशेषताएं

अप्रैल 2026 के लिए आईआईपी डेटा राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 2022-23 के संशोधित आधार वर्ष के साथ जारी किया गया है जो नई जीडीपी श्रृंखला के साथ संरेखित है। नई श्रृंखला नवीनतम राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) 2025 वर्गीकरण को अपनाती है, एनआईसी 2008 की जगह लेती है, और 2022-23 के लिए मौजूदा कीमतों पर जीवीए का उपयोग करके क्षेत्रीय भार को अपडेट करती है और उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसआई) 2022-23 से आइटम वेट को अपडेट करती है। गैस आपूर्ति और जल आपूर्ति, सीवरेज और अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियों को शामिल करने के साथ सूचकांक के कवरेज का विस्तार किया गया है। खनन टोकरी को 29 से बढ़ाकर 44 कर दिया गया है, जिसमें दुर्लभ पृथ्वी और लघु खनिजों सहित शामिल हैं। आइटम बास्केट 407 से बढ़कर 463 आइटम हो गया है, जिसमें मिट्टी के तेल और कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट लैंप (सीएफएल) जैसी अप्रचलित वस्तुओं को हटाते हुए सीसीटीवी कैमरे, स्टेंट और वैक्सीन जैसे उत्पादों को जोड़ा गया है।

संशोधित श्रृंखला मोटर वाहनों, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रौद्योगिकी और खपत-उन्मुख क्षेत्रों को अधिक महत्व देती है, जबकि खनन, पेट्रोलियम शोधन और बुनियादी धातुओं जैसे पारंपरिक क्षेत्रों के महत्व को कम करती है। उपयोग-आधारित वर्गीकरण के तहत, मध्यवर्ती वस्तुओं की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है, जो अधिक एकीकृत विनिर्माण मूल्य श्रृंखलाओं (चार्ट 1) का संकेत देती है।

जबकि औद्योगिक गतिविधि में समग्र प्रवृत्ति समान बनी हुई है, संशोधित हेडलाइन इंडेक्स उभरते उद्योगों और उत्पादन पैटर्न को शामिल करके मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज करता है, औद्योगिक संरचना और इसके परिवर्तन के बेहतर मूल्यांकन के साथ (सारणी 1)।

सारणी 1: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में वृद्धि - आधार 2022-23 बनाम आधार 2011-12

(वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

	2023-24	2024-25	2025-26
आधार: 2022-23	6.7	6.4	4.3
आधार: 2011-12	5.9	4.0	4.1

चार्ट 1: आईआईपी कंपोनेंट्स के भार में बदलाव(2011-12 बनाम 2022-23)

(वजन, प्रतिशत)

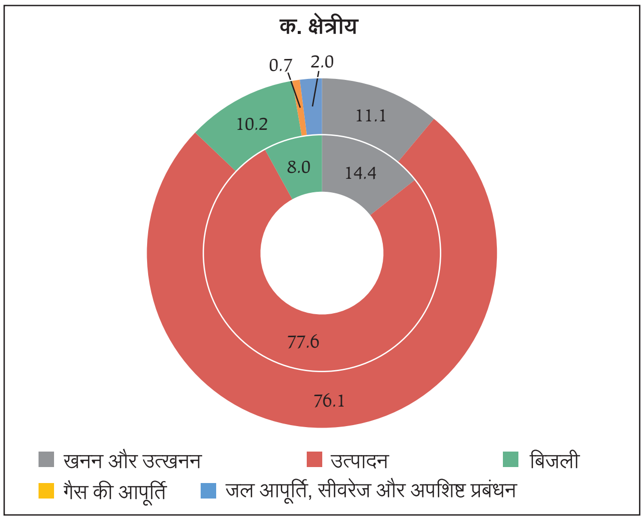

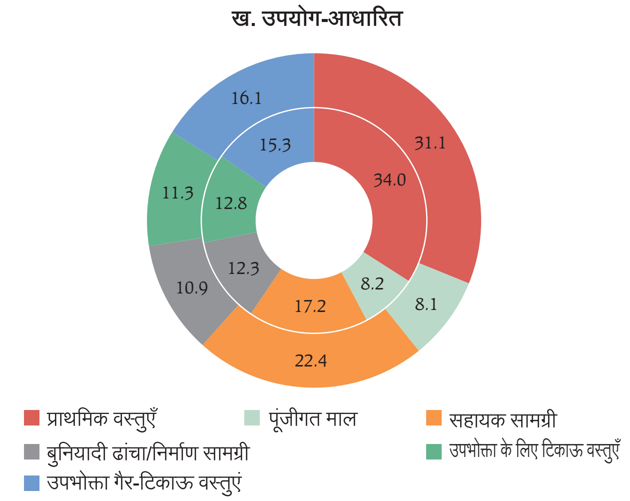

टिप्पणियाँ: इनर रिंग 2011-12; आउटर रिंग = 2022-23 बेस ईयर।

स्रोत: सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय।

एनेक्स सारणी 1: रियल जीडीपी वृद्धि (2022-23 की कीमतों पर)

(वर्षानुवर्ष वृद्धि , प्रतिशत)

अवयव	2025-26 में हिस्सेदारी (प्रतिशत)	भारित योगदान (प्रतिशत अंक)			2024-25				2025-26				2023-24 (एफई)	2024-25 (एफआरई)	2025-26 (पीई)
		2023-24	2024-25	2025-26	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4			
I. कुल उपभोग व्यय	**65.8**	**3.4**	**3.9**	**4.9**	**6.3**	**5.8**	**6.2**	**5.3**	**8.2**	**7.1**	**7.6**	**6.8**	**4.9**	**5.9**	**7.4**
निजी	55.7	3.3	3.3	4.3	6.1	5.6	6.0	5.6	8.7	7.2	8.2	7.1	5.8	5.8	7.7
सरकार	10.1	0.1	0.7	0.6	7.5	7.0	7.6	3.6	5.8	6.6	4.6	4.9	0.6	6.5	5.5
II. सकल पूंजी निर्माण	**34.5**	**3.0**	**2.1**	**2.7**	**5.9**	**7.7**	**6.3**	**4.5**	**4.2**	**6.8**	**8.1**	**11.4**	**8.7**	**6.1**	**7.7**
निश्चित निवेश	32.3	2.3	2.1	2.6	6.5	6.6	6.3	6.2	4.9	8.4	8.2	10.8	7.3	6.4	8.2
III. निवल निर्यात	**-1.5**	**0.4**	**0.2**	**0.1**	**-15.5**	**-13.8**	**63.9**	**1.8**	**-10.2**	**14.9**	**-45.0**	**55.4**	**17.0**	**8.6**	**4.1**
निर्यात	22.2	0.2	1.5	1.4	7.3	3.1	10.5	5.4	6.6	9.7	5.8	3.7	0.7	6.6	6.3
आयात	23.7	-0.3	1.3	1.4	8.3	4.6	2.9	5.5	7.0	6.0	7.2	1.9	-1.0	5.3	5.6
सकल घरेलू उत्पाद	**100.0**	**7.2**	**7.1**	**7.7**	**7.5**	**6.6**	**7.4**	**7.0**	**6.8**	**8.3**	**8.0**	**7.8**	**7.2**	**7.1**	**7.7**

एफ़ई : फ़ाइनल एस्टिमेट्स; एफ़आरई : पहला रिवाइज़्ड एस्टिमेट्स; पीई : प्रोविज़नल एस्टिमेट्स

*: वृद्धि में कंपोनेंट-वाइज़ योगदान जीडीपी वृद्धि में शामिल नहीं हो सकता है, क्योंकि स्टॉक में बदलाव, कीमती सामान और अंतर शामिल नहीं हैं।

स्रोत: एनएसओ।

एनेक्स सारणी 2: रियल जीवीए वृद्धि (2022-23 की कीमतों पर)

(वर्षानुवर्ष वृद्धि , प्रतिशत)

सेक्टर्स	2025-26 में हिस्सेदारी (प्रतिशत)	भारित योगदान (प्रतिशत अंक)			2024-25				2025-26				2023-24 (एफई)	2024-25 (स्वतंत्र)	2025-26 (पीई)
		2023-24	2024-25	2025-26	ति1	ति2	ति3	ति4	ति1	ति2	ति3	ति4			
I. कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ	**17.8**	**0.5**	**0.8**	**0.6**	**2.6**	**4.1**	**5.8**	**3.8**	**4.4**	**2.7**	**1.7**	**3.6**	**2.6**	**4.2**	**3.0**
II. उद्योग	**20.5**	**2.2**	**1.7**	**1.8**	**9.6**	**4.6**	**9.7**	**10.8**	**7.9**	**11.0**	**10.7**	**6.8**	**11.3**	**8.7**	**9.0**
खनन और उत्खनन	2.1	0.1	0.2	0.1	11.9	8.3	13.1	12.9	4.5	6.1	4.7	5.4	2.4	11.7	5.2
उत्पादन	16.1	1.9	1.4	1.7	9.4	4.9	10.8	11.8	10.4	12.7	12.8	7.3	12.7	9.3	10.7
बिजली, गैस, पानी की आपूर्ति और अन्य उपयोगिता सेवाएँ	2.3	0.3	0.1	0.0	9.2	-0.2	0.6	2.1	-2.0	3.6	1.5	4.1	10.7	2.9	1.7
III. सेवाएँ	**61.8**	**4.5**	**4.7**	**5.5**	**8.5**	**7.8**	**7.9**	**7.0**	**7.6**	**9.2**	**9.4**	**9.7**	**7.4**	**7.8**	**9.0**
निर्माण	9.1	0.9	0.7	0.7	8.7	6.1	6.4	8.0	5.3	8.9	6.7	8.4	9.9	7.3	7.4
व्यापार, होटल, परिवहन, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाएँ	14.4	1.4	0.9	1.5	6.9	6.6	6.7	6.3	9.7	10.5	11.2	12.5	10.1	6.6	11.0
वित्तीय, अचल संपत्ति और पेशेवर सेवाएँ	26.1	1.4	2.5	2.7	10.3	10.0	11.1	8.8	9.2	10.3	11.6	10.4	5.5	10.0	10.4
लोक प्रशासन, रक्षा और अन्य सेवाएँ	12.1	0.9	0.6	0.6	6.9	6.0	4.4	3.2	4.0	5.4	4.9	5.8	6.8	5.0	5.0
IV. बेसिक कीमतों पर जीवीए	**100.0**	**7.2**	**7.3**	**7.9**	**7.6**	**6.5**	**7.8**	**7.1**	**7.1**	**8.6**	**8.0**	**7.9**	**7.2**	**7.3**	**7.9**

एफ़ई : फाइनल एस्टिमेट्स; एफ़आरई : फर्स्ट रिवाइज्ड एस्टिमेट्स; पीई : प्रोविजनल एस्टिमेट्स

स्रोत: एनएसओ ; और आरबीआई स्टाफ कैलकुलेशन।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगतान और निपटान प्रणालियाँ

आवसरिक श्रृंखलाएं

विषय-वस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	51
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	52
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	53
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय	54
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक के बकाया वायदे का परिपक्वता विश्लेषण (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	55
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	55
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	56
7	मुद्रा स्टॉक (एम$_3$) के स्रोत	57
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	58
9	कुल चलनिधि राशियाँ	59
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	60
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	60
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	61
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	61
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	62
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	63
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	64
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते	65
18 (ए)	भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों का प्रवाह	66
18 (बी)	भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण	67
	मूल्य और उत्पादन	
19 (ए)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2024=100) ग्रामीण	68
19 (बी)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2024=100) शहरी	68
19 (सी)	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधारः 2024=100) संयुक्त	69
20	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	69
21	मुंबई में स्वर्ण और चांदी का मासिक औसत मूल्य	69
22	थोक मूल्य सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	1
23	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधारः 2011-12=100)	74
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
24	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	74
25	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	75
26	खज़ाना बिलों की नीलामी	75

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	वित्तीय बाजार	
27	दैनिक मांग मुद्रा दरें	76
28	जमाराशि प्रमाण-पत्र	77
29	वाणिज्यिक पत्र	77
30	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	77
31	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	78
	बाह्य क्षेत्र	
32	विदेशी व्यापार	79
33	विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियां	79
34	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियाँ	79
35	विदेशी निवेश अंतर्वाह	80
36	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण	81
37	भारतीय रुपये का सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) सूचकांक	81
38	बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) - पंजीकरण	82
39(ए)	भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में बिलिंग	83
39(बी)	भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में निपटान	83
40	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	84
41	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (₹ करोड़)	85
42	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	86
43	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (₹ करोड़)	87
44	भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	88
	भुगतान और निपटान प्रणालियाँ	
45	भुगतान प्रणाली संकेतक	89
	आवसरिक श्रृंखलाएं	
46	लघु बचत	91
47	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	92
48	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	93
49	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	94
50	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	95
51	राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां	96
52 (ए)	हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह-लिखत-वार	97
52 (बी)	हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक-चुनिंदा संकेतक	100

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

– = शून्य/नगण्य।

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम। आंसं = आंशिक रूप से संशोधित।

सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2025-26	2024-25		2025-26	
		ति3	ति4	ति3	ति4
	1	2	3	4	5
1. वास्तविक क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	7.9	7.8	7.1	8.0	7.9
1.1.1 कृषि	3.0	5.8	3.8	1.7	3.6
1.1.2 उद्योग	9.0	9.7	10.8	10.7	6.8
1.1.3 सेवाएं	9.0	7.9	7.0	9.4	9.7
1.1ए अंतिम खपत व्यय	7.4	6.2	5.3	7.6	6.8
1.1बी सकल नियत पूंजी निर्माण	8.2	6.3	6.2	8.2	10.8
	2025-26	**2025**		**2026**	
		मार्च	अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	4.3	6.6	5.7	3.2	4.9
2. मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमाराशियाँ	13.5	10.3	9.8	13.5	12.3
2.1.2 ऋण#	16.1	11.0	10.1	16.1	16.0
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण#	15.9	11.0	10.0	15.9	15.8
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	4.5	9.7	9.0	5.8	3.2
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	5.8	4.3	3.7	5.8	6.4
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	15.3	9.4	9.4	15.3	12.8
3. अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	3.00	4.00	4.00	3.00	3.00
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	18.00	18.00	18.00	18.00	18.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	3.2	4.3	4.5	3.2	3.4
3.4 ऋण-जमा अनुपात	81.4	80.8	79.7	81.4	82.0
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात#	85.4	86.1	-11.2	85.4	**
3.6 निवेश-जमा अनुपात	26.5	29.7	29.3	26.5	26.8
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	7.2	28.1	-5.8	7.2	**
4. ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रेपो दर	5.25	6.25	6.00	5.25	5.25
4.2 स्थायी रिवर्स रेपो दर	3.35	3.35	3.35	3.35	3.35
4.3 स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर*	5.00	6.00	5.75	5.00	5.00
4.4 सीमांत स्थायी सुविधा (एमएसएफ) दर	5.50	6.50	6.25	5.50	5.50
4.5 बैंक दर	5.50	6.50	6.25	5.50	5.50
4.6 आधार दर	8.35/10.00	9.10/10.40	9.10/10.40	8.35/10.00	8.35/9.90
4.7 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	7.70/7.95	8.15/8.45	8.15/8.45	7.70/7.95	7.70/7.95
4.8 मीयादी जमा दर >1 वर्ष	6.00/6.60	6.00/7.25	6.00/7.15	6.00/6.60	6.00/6.60
4.9 बचत जमा दर	2.50/2.50	2.70/3.00	2.70/2.75	2.50/2.50	2.50/2.50
4.10 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	5.37	6.35	5.86	5.37	5.19
4.11 91-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	5.33	6.52	5.90	5.33	5.26
4.12 182-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	5.54	6.52	5.93	5.54	5.50
4.13 364-दिवसीय खज़ाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	5.65	6.47	5.91	5.65	5.65
4.14 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियां सममूल्य प्रतिफल (एफबीआईएल)	7.11	6.62	6.40	7.11	7.08
5. संदर्भ दर और वायदा प्रीमियम					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डॉलर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	94.60	85.58	85.58	94.60	94.30
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	109.16	92.32	97.12	109.16	110.14
5.3 अमेरिकी डॉलर का वायदा प्रीमियम 1-माह (%)	4.43	3.12	2.57	4.43	3.27
3-माह (%)	3.51	2.56	2.34	3.51	3.29
6-माह (%)	3.22	2.28	2.15	3.22	3.28
6. मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2.1	3.6	3.3	3.4	3.5
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	3.08	3.0	2.9	4.3	4.5
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	0.4	1.2	0.6	4.0	8.3
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	-2.2	0.5	-0.3	2.6	3.8
6.3.2 ईंधन और उर्जा	-2.9	-2.9	-3.5	3.2	24.9
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	2.2	2.3	1.8	4.8	6.7
7. विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	7.5	12.5	20.0	-6.5	10.0
7.2 निर्यात	0.9	0.9	-3.8	-7.4	14.2

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) ने भारतीय रिज़र्व बैंक के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार 31 मार्च 2018 से जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसार शुरू किया है।

1 जुलाई 2023 के बाद के आंकड़ों में गैर-बैंक का बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 15 दिसंबर 2025 से 'फोर्टनाइट' (पखवाड़े) की परिभाषा में बदलाव किया गया है; अब इसके तहत 'बारी-बारी से आने वाले शुक्रवार' के बजाय महीने की 15 तारीख और महीने के आखिरी कैलेंडर दिन को शामिल किया जाएगा।

*: दिनांक 8 अप्रैल 2022 की प्रेस प्रकाशनी सं. 2022-2023/41 के अनुसार।

**: हर और अंश, दोनों ही ऋणात्मक हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(₹ करोड़)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2025-26	2025	2026				
		मई	मई 01	मई 08	मई 15	मई 22	मई 29
	1	2	3	4	5	6	7
1. निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	4126019	3798507	4213212	4234982	4241445	4254836	4257050
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	12	13	11	14	13	13	17
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	**4126031**	**3798520**	**4213223**	**4234996**	**4241458**	**4254849**	**4257067**
1.2 आस्तियां							
1.2.1 स्वर्ण	381463	255367	387917	405066	406143	389771	379505
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	3744091	3542856	3825080	3829372	3834819	3864661	3877191
1.2.3 रुपया सिक्का	477	297	226	558	496	417	372
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियाँ	1822486	1824626	1450779	1374109	1331990	1696381	1683205
2.1.1.1 केंद्र सरकार	100	101	100	100	100	101	101
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	-	-	-	-	-	-	-
2.1.1.3 राज्य सरकारें	43	42	43	43	43	43	43
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	786905	956086	855386	758065	758632	785166	820698
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	6727	8301	7313	6468	6716	6408	6714
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	5379	5002	4888	4785	4643	4529	4642
2.1.1.7 अन्य बैंक	38899	47182	39771	39785	39838	39448	39409
2.1.1.8 अन्य	812295	704649	431446	458863	424219	744717	693560
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	172137	103263	111832	105999	97798	115969	118036
2.1.2 अन्य देयताएं	3074277	2112709	3157941	3217576	3249790	2894007	2857996
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	**4896763**	**3937335**	**4608720**	**4591685**	**4581779**	**4590387**	**4541201**
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	13	13	11	14	13	13	17
2.2.2 विदेशों में धारित राशियाँ	1509375	1489277	1442544	1419431	1433230	1363020	1339770
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	22268	27482	28059	23957	26314	9239	10063
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	173636	6516	32627	10938	954	111975	92227
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.7 एक्ज़िम बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	20327	12340	11849	8871	9191	11582	13082
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	169987	103071	110649	105369	96948	115510	118110
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खज़ाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	2270517	1813740	2266801	2275776	2265400	2258830	2265500
2.2.6 अन्य आस्तियां	730640	484895	716180	747330	749729	720217	702431
2.2.6.1 स्वर्ण	694389	465984	705744	736943	738902	709117	690439

* डेटा अनंतिम हैं।

सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(₹ करोड़)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा						स्थायी चलनिधि सुविधाएं	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+7+9-2-4-6-8)
	रेपो	रिवर्स रेपो	परिवर्तन-शील रेपो दर	परिवर्तनशील रिवर्स रेपो दर	एमएसएफ	एसडीएफ		विक्रय	क्रय	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अप्रै. 1, 2026	-	-	-	-	1576	447358	-	-	-	-445782
अप्रै. 2, 2026	-	-	-	-	1616	495107	-	-	-	-493491
अप्रै. 3, 2026	-	-	-	-	7028	408893	-	-	-	-401865
अप्रै. 4, 2026	-	-	-	-	338	447817	-	-	-	-447479
अप्रै. 5, 2026	-	-	-	-	1733	417370	-	-	-	-415637
अप्रै. 6, 2026	-	-	-	-	150	524526	-	-	-	-524376
अप्रै. 7, 2026	-	-	-	-	728	524172	-2903	-	-	-526347
अप्रै. 8, 2026	-	-	-	-	163	577783	-1412	-	-	-579032
अप्रै. 9, 2026	-	-	-	-	97	559722	-	-	-	-559625
अप्रै. 10, 2026	-	-	-	200041	323	440974	-	-	-	-640692
अप्रै. 11, 2026	-	-	-	-	133	395503	-	-	-	-395370
अप्रै. 12, 2026	-	-	-	-	129	391463	-	-	-	-391334
अप्रै. 13, 2026	-	-	-	-	238	411347	-	-	-	-411109
अप्रै. 14, 2026	-	-	-	-	121	377578	-	-	-	-377457
अप्रै. 15, 2026	-	-	-	-	151	408251	0	-	-	-408100
अप्रै. 16, 2026	-	-	-	-	159	295709	-572	-	-	-296122
अप्रै. 17, 2026	-	-	-	200031	108	293079	480	-	-	-492522
अप्रै. 18, 2026	-	-	-	-	111	263906	-	-	-	-263795
अप्रै. 19, 2026	-	-	-	-	102	242830	-	-	-	-242728
अप्रै. 20, 2026	-	-	-	-	77	257338	-	-	-	-257261
अप्रै. 21, 2026	-	-	-	-	174	178765	-	-	-	-178591
अप्रै. 22, 2026	-	-	-	-	390	181000	-	-	-	-180610
अप्रै. 23, 2026	-	-	-	-	114	149391	175	-	-	-149102
अप्रै. 24, 2026	-	-	-	-	237	346489	-	-	-	-346252
अप्रै. 25, 2026	-	-	-	-	180	313869	-	-	-	-313689
अप्रै. 26, 2026	-	-	-	-	388	315712	-	-	-	-315324
अप्रै. 27, 2026	-	-	-	-	1389	327106	-	-	-	-325717
अप्रै. 28, 2026	-	-	-	-	2682	310269	-732	-	-	-308319
अप्रै. 29, 2026	-	-	-	-	287	265433	404	-	-	-264742
अप्रै. 30, 2026	-	-	25715	-	10049	302439	-	-	-	-266675

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय

i) तटीय / अपतटीय ओटीसी खंड में परिचालन

मद	2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4
1. विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	-53132	-1660	-9758	-8944
1.1 क्रय (+)	142245	10110	19880	16225
1.2 विक्रय (-)	195377	11770	29638	25169
2. संविदा दर पर ₹ के बराबर (₹ करोड़)	-469454	-14635	-89785	-83655
3. संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	-53132	-1660	-53132	-8944
(₹ करोड़)	-469454	-14635	-469454	-83655
4. माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	-103064	-72575	-103064	-95304

ii) मुद्रा वायदा खंड में परिचालन

मद	2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	0	0	0	0
1.1 क्रय (+)	15422	0	3244	2119
1.2 विक्रय (-)	15422	0	3244	2119
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	-1401	0	-1401	-940

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक के बकाया वायदे का परिपक्वता विश्लेषण (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	30 अप्रैल 2026 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	0	13525	-13525
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	0	10898	-10898
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	0	20153	-20153
4. 1 वर्ष से अधिक	0	50728	-50728
कुल (1+2+3+4)	**0**	**95304**	**-95304**

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(₹ करोड़)

मद	पिछली रिपोर्टिंग की दो-सप्ताह की अवधियों के अनुसार							
	2025-26	2025			2026			
		मई 30	दिसं. 31	जन. 31	फर. 28	मार्च 31	अप्रै. 30	मई 31
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. सीमांत स्थायी सुविधा	3250	1540	1936	2260	450	3250	10049	824
2. अनुसूचित बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3. प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	14900	14900	14900	14900	14900	14900	14900	14900
3.2 बकाया	13219	8595	10788	13252	7418	13219	8660	10509
4. अन्य								
4.1 सीमा	76000	76000	76000	76000	76000	76000	76000	76000
4.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
5. कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	16469	10135	12724	15512	7868	16469	18709	11333

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2025-26	2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1. जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	4065488	3693753	4065488	4142508	4161114
1.1 संचलन में नोट	4124755	3750841	4124755	4187944	4212683
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	40075	35889	40075	40179	40316
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	743	743	743	743	743
1.4 बैंकों के पास नकदी	100085	93720	100085	86358	92628
2. जनता की जमाराशियाँ	3977013	2886362	3977013	3491407	3574087
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियाँ	3844879	2782612	3844879	3371875	3454810
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	132134	103750	132134	119532	119276
3. एम1 (1+2)	**8042501**	**6580115**	**8042501**	**7633915**	**7735200**
4. डाकघर बचत बैंक जमाराशियाँ	224085	210410	224085	224085	224085
5. एम2 (3+4)	**8266586**	**6790525**	**8266586**	**7858000**	**7959285**
6. बैंकों के पास मीयादी जमाराशियाँ	**23410625**	**21050572**	**23410625**	**23292675**	**23428777**
7. एम3 (3+6)	**31453126**	**27630687**	**31453126**	**30926590**	**31163977**
8. कुल डाकघर जमाराशियाँ	1575869	1469815	1575869	1575869	1575869
9. एम4 (7+8)	**33028995**	**29100502**	**33028995**	**32502459**	**32739846**

सं. 7: मुद्रा भंडार (एम3) के स्रोत

(₹ करोड़)

स्रोत	मार्च 31 / माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार/ रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2025-26	2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1. सरकार को निवल बैंक ऋण	**9369275**	**8623867**	**9369275**	**9584025**	**9488213**
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	2079086	1626509	2079086	2372065	2233395
1.1.1 सरकार पर दावे	2291566	1654545	2291566	2372119	2279835
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	2259059	1617753	2259059	2339433	2264982
1.1.1.2 राज्य सरकारें	32507	36792	32507	32685	14853
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियाँ	212480	28036	212480	54	46440
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	212436	27993	212436	11	46397
1.1.2.2 राज्य सरकारें	43	42	43	43	43
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	7290189	6997358	7290189	7211960	7254819
2. वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	**22226641**	**18996021**	**22226641**	**21760914**	**22058492**
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	28247	19280	28247	11018	13912
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	22198394	18976741	22198394	21749896	22044580
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	21359948	18187891	21359948	20917707	21210698
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	816115	769470	816115	808953	810278
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	22330	19379	22330	23236	23605
3. बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	**7126272**	**6290117**	**7126272**	**7145570**	**7126164**
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	6360229	5692537	6360229	6379527	6360121
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	6360218	5692537	6360218	6379516	6360102
3.1.2 विदेशी देयताएं	-12	1	-12	-11	-19
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	766043	597580	766043	766043	766043
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	**40818**	**36632**	**40818**	**40922**	**41059**
5. बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	**7309880**	**6315949**	**7309880**	**7604840**	**7549951**
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	3065199	2308158	3065199	3134356	3153261
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	4244681	4007791	4244681	4470484	4396691
एम$_3$ (1+2+3+4-5)	**31453126**	**27630687**	**31453126**	**30926590**	**31163977**

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	31 मार्च / महीने के आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े / रिपोर्टिंग पखवाड़े तक बकाया				
	2025-26	2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
समग्र मौद्रिक राशियाँ					
एनएम1 (1.1 + 1.2.1+1.3)	8042501	6580115	8042501	7633915	7735200
एनएम2 (एनएम1 + 1.2.2.1)	18434549	15923150	18434549	17971520	18130641
एनएम3 (एनएम2 + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	31944151	28211021	31944151	31499349	31793410
1. घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	4065488	3693753	4065488	4142508	4161114
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियाँ	26938321	23544913	26938321	26344330	26555791
1.2.1 मांग जमाराशियाँ	3844879	2782612	3844879	3371875	3454810
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियाँ	23093442	20762301	23093442	22972455	23100981
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियाँ	10392049	9343035	10392049	10337605	10395441
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र (सीडी)	696724	521063	696724	684491	694162
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियाँ	12701393	11419265	12701393	12634851	12705539
1.3 आरबीआई के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	132134	103750	132134	119532	119276
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	808208	868605	808208	892979	957229
2. स्रोत					
2.1 देशी ऋण	32920976	28884099	32920976	32709435	32936415
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	9369275	8623867	9369275	9584025	9488213
2.1.1.1 सरकार को निवल आरबीआई ऋण	2079086	1626509	2079086	2372065	2233395
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	7290189	6997358	7290189	7211960	7254819
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	23551701	20260232	23551701	23125411	23448202
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई ऋण	28247	19280	28247	11018	13912
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	23523454	20240952	23523454	23114393	23434290
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियां)	1298267	1249654	1298267	1338282	1360343
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	40818	36632	40818	40922	41059
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	6529338	5727331	6529338	6572614	6570456
2.3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	6360229	5692537	6360229	6379527	6360121
2.3.2 बैकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	169109	34794	169109	193087	210335
2.4 पूंजी खाता	5731391	4728795	5731391	5863455	6000820
2.5 अन्य मदें (निवल)	1815591	1708245	1815591	1960167	1753700

सं. 9: चलनिधि समग्र राशियाँ

(₹ करोड़)

समग्र राशियाँ	2025-26	2025	2026		
		अप्रै.	फर.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5
1. एनएम$_3$	**31944151**	**28211019**	**30869324**	**31944151**	**31793410**
2. डाकघर जमाराशियाँ	826918	764441	826918	826918	826918
3. एल$_1$ (1 + 2)	**32771069**	**28975460**	**31696242**	**32771069**	**32620328**
4. वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	176158	102284	180091	176158	175682
4.1 सावधि मुद्रा उधार	5	4	5	5	5
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	155905	87705	162615	155905	155905
4.3 सावधि जमाराशियाँ	20248	14575	17471	20248	19772
5. एल$_2$ (3 + 4)	**32947226**	**29077744**	**31876333**	**32947226**	**32796010**
6. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियाँ	132287	..	..	132287	..
7. एल$_3$ (5 + 6)	**33079514**	**..**	**..**	**33079514**	**..**

टिप्पणी: संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	31 मार्च / महीने के आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े / रिपोर्टिंग पखवाड़े तक बकाया				
	2025-26	2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1. Components					
1. घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	4165573	3787473	4165573	4228866	4253741
1.2 आरबीआई के पास बैंकरों की जमाराशियाँ	810124	969883	810124	790404	852399
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	753867	909269	753867	739971	800608
1.3 आरबीआई के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	132134	103750	132134	119532	119276
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	5107831	4861106	5107831	5138802	5225416
2. स्रोत					
2.1 आरबीआई के देशी ऋण	1771983	1440096	1771983	1852709	1977497
2.1.1 सरकार को निवल आरबीआई ऋण	2079086	1626509	2079086	2372065	2233395
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल आरबीआई ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	2046623	1589760	2046623	2339423	2218585
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	-	-	-	63071	-
2.1.1.1.2 खज़ाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	2258591	1617568	2258591	2275999	2264754
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियां	2258591	1617568	2258591	2275999	2264754
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	468	185	468	364	227
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियाँ	212436	27993	212436	11	46397
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल आरबीआई ऋण	32463	36749	32463	32642	14810
2.1.2 बैंकों पर आरबीआई के दावे	-335350	-205693	-335350	-530374	-269810
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	-335350	-205693	-335350	-530374	-269810
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई के ऋण	28247	19280	28247	11018	13912
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	13219	7999	13219	8905	8660
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	40818	36632	40818	40922	41059
2.3 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	6360229	5692537	6360229	6379527	6360121
2.3.1 स्वर्ण	1094309	721972	1094309	1140709	1093660
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	5265908	4970566	5265908	5238807	5266442
2.4 पूंजी खाता	2766587	2035757	2766587	2843695	2877256
2.5 अन्य मदें (निवल)	298612	272401	298612	290661	276005

सं.11: आरक्षित मुद्रा-स्रोत एवं घटक

(₹ करोड़)

मद	2025-26	31 मार्च / महीने के आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े / रिपोर्टिंग पखवाड़े तक बकाया			
		2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	5107831	4861106	5107831	5138802	5225416
1. घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	4165573	3787473	4165573	4228866	4253741
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकरों की जमाराशियाँ	810124	969883	810124	790404	852399
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	132134	103750	132134	119532	119276
2. स्रोत					
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	2079086	1626509	2079086	2372065	2233395
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-335350	-205693	-335350	-530374	-269810
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	28247	19280	28247	11018	13912
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	6360229	5692537	6360229	6379527	6360121
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	40818	36632	40818	40922	41059
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	3065199	2308158	3065199	3134356	3153261

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	माह के अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े तक बकाया/ महीने के पखवाड़े की रिपोर्टिंग				
	2025-26	2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1. घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमाराशियाँ	25912733	22572594	25912733	25327672	25540788
1.1.1 मांग जमाराशियाँ	3688129	2638562	3688129	3219560	3303489
1.1.2 निवासियों की सावधि जमाराशियाँ	22224604	19934032	22224604	22108112	22237299
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियाँ	10001072	8970314	10001072	9948651	10006785
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र (सीडी)	696724	521063	696724	684491	694162
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियाँ	12223532	10963717	12223532	12159462	12230514
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	808208	868605	808208	892979	957229
2. स्रोत					
2.1 देशी ऋण	29637430	26136846	29637430	29157893	29518616
2.1.1 सरकार को ऋण	6960631	6692827	6960631	6883807	6926417
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	22676799	19444019	22676799	22274086	22592199
2.1.2.1 बैंक ऋण	21359948	18187891	21359948	20917707	21210698
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	21289677	18155766	21289677	20849217	21106783
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	27057	14821	27057	26478	29630
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	489	616	489	581	491
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	1289304	1240692	1289304	1329320	1351380
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	169109	34794	169109	193087	210335
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	661918	501919	661918	679485	706534
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमाराशियाँ	317183	288271	317183	320220	327797
2.2.3 ओवरसीज़ विदेशी मुद्रा उधार	175626	178853	175626	166179	168402
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	1176620	1196672	1176620	1344420	1151156
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	753867	909269	753867	739971	800608
2.3.2 उपलब्ध नकदी	87403	81711	87403	74075	80738
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	-335350	-205693	-335350	-530374	-269810
2.4 पूंजी खाता	2940633	2668868	2940633	2995589	3099393
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	1321585	1258246	1321585	1479160	1282696
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	952428	836276	952428	905028	963258
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	101215	118345	101215	100436	100789

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(₹ करोड़)

मद	31 मार्च, 2026 की स्थिति	2025	2026		
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30
	1	2	3	4	5
1. एसएलआर प्रतिभूतियां	6961120	6693443	6961120	6884389	6926908
2. अन्य सरकारी प्रतिभूतियाँ (गैर-एसएलआर)	221787	164975	221787	221656	221917
3. वाणिज्यिक पत्र	59617	68491	59617	54950	62349
4. निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
4.1 सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	13806	15359	13806	14368	14249
4.2 निजी कॉरपोरेट क्षेत्र	106369	102572	106369	106346	106422
4.3 अन्य	7381	8183	7381	7528	7418
5. निम्नलिखित द्वारा जारी बॉण्ड / डिबेंचर					
5.1 सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम	134793	127368	134793	129740	132733
5.2 निजी कॉरपोरेट क्षेत्र	277376	257523	277376	269497	270737
5.3 अन्य	204346	153979	204346	177158	191527
6. निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
6.1 म्यूचुअल फंड	64506	144481	64506	152256	148995
6.2 वित्तीय संस्थाएं	201541	198048	201541	195819	195034

टिप्पणी: 1 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में, एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।
बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 15 दिसंबर 2025 से 'फोर्टनाइट' (पखवाड़े) की परिभाषा में बदलाव किया गया है; अब इसके तहत हर दूसरे शुक्रवार के बजाय महीने की 15 तारीख और महीने के आखिरी कैलेंडर दिन को शामिल किया जाएगा।

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(₹ करोड़)

मद	अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार (मार्च के संबंध में) / अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक			
	2025-26	2025	2026		2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5	6	7	8
रिपोर्टिंग बैंकों की संख्या	197	208	197	196	121	135	121	120
1. बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	**559243**	**485692**	**559243**	**537061**	**549297**	**480018**	**549297**	**527711**
1.1 बैंकों से माँग और मीयादी जमाराशियाँ	424956	354621	424956	407242	415458	349245	415458	399022
1.2 बैंकों से उधार राशि	85073	107502	85073	79251	85073	107500	85073	78713
1.3 अन्य माँग और मीयादी देयताएं	49213	23569	49213	50568	48766	23272	48766	49976
2. अन्य के प्रति देयताएं	**28732852**	**25236711**	**28732852**	**28512750**	**28160226**	**24727913**	**28160226**	**27957474**
2.1 कुल जमाराशियाँ	26781621	23332769	26781621	26404501	26228787	22840577	26228787	25868585
2.1.1 माँग	3754332	2680951	3754332	3360889	3689274	2630258	3689274	3303489
2.1.2 मीयादी	23027289	20651818	23027289	23043612	22539513	20210319	22539513	22565096
2.2 उधार	812580	888614	812580	961958	807917	884265	807917	957229
2.3 अन्य माँग और मीयादी देयताएं	1138651	1015328	1138651	1146291	1123522	1003071	1123522	1131660
3. रिज़र्व बैंक से उधार	**256062**	**23088**	**256062**	**32629**	**256062**	**23088**	**256062**	**32629**
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अन्य	256062	23088	256062	32629	256062	23088	256062	32629
4. उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	**861437**	**1051971**	**861437**	**899786**	**841270**	**1030327**	**841270**	**881346**
4.1 उपलब्ध नकदी	90788	85275	90788	83331	87403	82976	87403	80738
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	770649	966696	770649	816456	753867	947351	753867	800608
5. बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	**597265**	**464632**	**597265**	**567181**	**475535**	**372327**	**475535**	**456552**
5.1 अन्य बैंकों के पास शेषराशि	370418	302288	370418	344195	296968	237512	296968	270006
5.1.1 चालू खाते में	18456	12946	18456	10079	14203	10653	14203	7720
5.1.2 अन्य खातों में	351961	289342	351961	334116	282765	226859	282765	262286
5.2 माँग और अल्पसूचना पर मुद्रा	64563	40106	64563	73120	27057	19488	27057	46591
5.3 बैंकों को अग्रिम	47661	41915	47661	45309	43389	38818	43389	40958
5.4 अन्य आस्तियां	114623	80323	114623	104557	108121	76510	108121	98996
6. निवेश	**7141121**	**6837193**	**7141121**	**7107026**	**6961120**	**6682673**	**6961120**	**6926908**
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	7129493	6828397	7129493	7094123	6960631	6682108	6960631	6926417
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	11628	8796	11628	12902	489	566	489	491
7. बैंक ऋण	**21884356**	**18680190**	**21884356**	**21723796**	**21359897**	**18214777**	**21359897**	**21210698**
7ए खाद्यान्न ऋण	122245	98699	122245	155989	70271	46725	70271	103915
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	21441552	18337163	21441552	21291783	20919285	17875224	20919285	20781019
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	110122	80991	110122	110528	110092	79561	110092	110502
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	294543	224117	294543	285907	293057	222677	293057	284245
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	15023	14893	15023	13466	14793	14661	14793	13253
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	23116	23026	23116	22112	22670	22655	22670	21678

टिप्पणी: 1 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में, एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।
बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 15 दिसंबर 2025 से 'पखवाड़े' की परिभाषा को संशोधित कर दिया गया है। अब यह हर दूसरे शुक्रवार के बजाय महीने की 15 तारीख और महीने के अंतिम कैलेंडर दिन को माना जाएगा।

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(₹ करोड़)

प्रभाग	बकाया स्थिति			वृद्धि (%)		
	मार्च 31, 2026	2025	2026		Financial year so far	वर्ष-दर-वर्ष
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 30	2026-27	2026
	(1)	(2)	(3)	(4)	%	%
I. बैंक ऋण (II+III)	**21361435**	**18284957**	**21361435**	**21211828**	**-0.7**	**16.0**
II. खाद्यान्न ऋण	**70271**	**62446**	**70271**	**103915**	**47.9**	**66.4**
III. गैर-खाद्यान्न ऋण	**21291163**	**18223867**	**21291163**	**21107913**	**-0.9**	**15.8**
1. कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	**2644250**	**2309631**	**2644250**	**2626040**	**-0.7**	**13.7**
2. उद्योग (सूक्ष्म और लघु, मध्यम और बड़े)	**4584304**	**3943927**	**4584304**	**4537732**	**-1.0**	**15.1**
2.1 सूक्ष्म और लघु	1059417	806396	1059417	1049053	-1.0	30.1
2.2 मध्यम	442585	368212	442585	441429	-0.3	19.9
2.3 बड़े	3082303	2769318	3082303	3047250	-1.1	10.0
3. सेवाएं	**6061400**	**5021392**	**6061400**	**5954519**	**-1.8**	**18.6**
3.1 परिवहन परिचालक	286807	263409	286807	286206	-0.2	8.7
3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	45738	33451	45738	51096	11.7	52.7
3.3 पर्यटन, होटल और रेस्टरां	102559	84965	102559	102767	0.2	21.0
3.4 शिपिंग	10384	7778	10384	10944	5.4	40.7
3.5 विमानन	52688	46571	52688	52704	0.0	13.2
3.6 पेशेवर सेवाएं	218324	194450	218324	219386	0.5	12.8
3.7 व्यापार	1376531	1161710	1376531	1317230	-4.3	13.4
3.7.1 थोक व्यापार	775808	619650	775808	731935	-5.7	18.1
3.7.2 खुदरा व्यापार	600723	542060	600723	585295	-2.6	8.0
3.8 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	627117	540775	627117	635404	1.3	17.5
3.9 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी)2 जिसमें से	2069732	1609972	2069732	2056412	-0.6	27.7
3.9.1 आवास वित्त कंपनियां (एचएफसी)	373339	314914	373339	367439	-1.6	16.7
3.9.2 सार्वजनिक वित्त संस्थाएं (पीएफआई)	348766	220806	348766	346877	-0.5	57.1
3.10 अन्य सेवाएं3	1271520	1078312	1271520	1222370	-3.9	13.4
4. व्यक्तिगत ऋण	**6939750**	**5999592**	**6939750**	**6960422**	**0.3**	**16.0**
4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	21962	23081	21962	22302	1.5	-3.4
4.2 आवास	3355963	3008941	3355963	3351752	-0.1	11.4
4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	169107	144157	169107	158016	-6.6	9.6
4.4 शेयरों और बॉण्डों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	10546	10488	10546	10111	-4.1	-3.6
4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	294461	287172	294461	298016	1.2	3.8
4.6 शिक्षा	155824	137454	155824	155698	-0.1	13.3
4.7 वाहन ऋण	738678	629691	738678	742870	0.6	18.0
4.8 स्वर्ण आभूषण पर ऋण4	461373	220953	461373	488761	5.9	121.2
4.9 अन्य व्यक्तिगत ऋण	1731838	1537655	1731838	1732898	0.1	12.7
5. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र (मेमो)						
(i) कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	2652747	2233685	2652747	2620849	-1.2	17.3
(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यम6	2896912	2313293	2896912	2973317	2.6	28.5
(iii) मध्यम उद्यम7	709163	604299	709163	708509	-0.1	17.2
(iv) आवास	1043836	744228	1043836	1041436	-0.2	39.9
(v) शिक्षा ऋण	77289	62637	77289	77212	-0.1	23.3
(vi) नवीकरणीय ऊर्जा	13011	11979	13011	13852	6.5	15.6
(vii) सामाजिक अवसंरचना	1486	1147	1486	1551	4.4	35.3
(viii) निर्यात ऋण	11436	13193	11436	11607	1.5	-12.0
(ix) अन्य	44820	48690	44820	42626	-4.9	-12.5
(x) नेट पीएसएलसी- एसएफ /एमएफ सहित कमजोर वर्ग	2071083	1789687	2071083	1980618	-4.4	10.7

टिप्पणियाँ: (1) आंकड़े अनंतिम हैं। बैंक ऋण, खाद्य ऋण और गैर-खाद्य ऋण आंकड़े सेक्शन-42 रिटर्न पर आधारित हैं, जो सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) को कवर करते हैं, जबकि क्षेत्रवार गैर-खाद्य ऋण आंकड़े क्षेत्रवार और उद्योगवार बैंक ऋण (एसआईबीसी) रिटर्न पर आधारित हैं, जो महीने के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार से संबंधित, सभी एससीबी द्वारा दिए गए कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा देने वाले चुनिंदा बैंकों को कवर करते हैं।

(2) बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के तहत, 31 दिसंबर 2025 से 'आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े' (रिपोर्ट करने का अंतिम पखवाड़ा) की परिभाषा बदलकर 'महीने का आखिरी दिन' कर दी गई है। इसलिए, दिसंबर 2025 से साल-दर-साल (वर्षानुवर्ष) ग्रोथ रेट की गणना इस तरह की जाती है: मौजूदा साल के लिए महीने के आखिर के डेटा और पिछले साल के उसी महीने के लिए 'आखिरी रिपोर्टिंग पखवाड़े' के डेटा (पुरानी परिभाषा के अनुसार) का इस्तेमाल किया जाता है।

1. थोक व्यापार में फूड क्रेडिट कंसोर्टियम के बाहर फूड प्रोक्योरमेंट क्रेडिट (अनाज खरीद के लिए कर्ज) शामिल है।
2. एनबीएफ़सी में एचएफ़सी, पीएफ़आई, माइक्रोफाइनेंस संस्थान (एमएफ़आई), गोल्ड लोन देने वाली एनबीएफ़सी और अन्य शामिल हैं।
3. "अन्य सेवाओं" में म्यूचुअल फंड (एमएफ़), एनबीएफ़सी और एमएफ़ के अलावा बैंकिंग और फाइनेंस, और ऐसी अन्य सेवाएं शामिल हैं जिनका उल्लेख सेवाओं के तहत कहीं और नहीं किया गया है।
4. मई 2024 से, एक बैंक ने कृषि ऋण की एक कैटेगरी का वर्गीकरण बदलकर उसे रिटेल सेगमेंट के तहत "सोने के गहनों के बदले ऋण" (गहनों के बदले ऋण) कर दिया है।
5. प्रायोरिटी सेक्टर (प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र) के तहत "कृषि और संबंधित गतिविधियों" में प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग सर्टिफिकेट (पीएसएलसी) भी शामिल हैं।
6. प्रायोरिटी सेक्टर के तहत "सूक्ष्म और लघु उद्यमों" (सूक्ष्म और लघु उद्यम) में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दिया गया कर्ज और पीएसएलसी शामिल हैं।
7. प्रायोरिटी सेक्टर के तहत "मध्यम उद्यमों" (माध्यम उद्यम) में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मध्यम उद्यमों को दिया गया कर्ज शामिल है।

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(₹ करोड़)

उद्योग	बकाया स्थिति				वृद्धि (%)	
	मार्च 31, 2026	2025	2026		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		अप्रै. 18	मार्च 31	अप्रै. 30	2026-27	2026
	(1)	(2)	(3)	(4)	%	%
2. उद्योग (2.1 से 2.19)	**4584304**	**3943927**	**4584304**	**4537732**	**-1.0**	**15.1**
2.1 खनन एवं उत्खनन (कोयला सहित)	**60931**	**54032**	**60931**	**59256**	**-2.7**	**9.7**
2.2 खाद्य प्रसंस्करण	**250187**	**224434**	**250187**	**254265**	**1.6**	**13.3**
2.2.1 चीनी	29742	28381	29742	28258	-5.0	-0.4
2.2.2 खाद्य तेल एवं वनस्पति	26226	21239	26226	28249	7.7	33.0
2.2.3 चाय	5127	4981	5127	4828	-5.8	-3.1
2.2.4 अन्य	189092	169833	189092	192931	2.0	13.6
2.3 पेय पदार्थ एवं तंबाकू	**40158**	**34582**	**40158**	**38514**	**-4.1**	**11.4**
2.4 वस्त्र	**301868**	**275379**	**301868**	**298223**	**-1.2**	**8.3**
2.4.1 सूती वस्त्र	110268	103961	110268	108946	-1.2	4.8
2.4.2 जूट वस्त्र	4994	4333	4994	5196	4.0	19.9
2.4.3 मानव निर्मित वस्त्र	52032	49563	52032	50898	-2.2	2.7
2.4.4 अन्य वस्त्र	134574	117520	134574	133183	-1.0	13.3
2.5 चमड़ा एवं चमड़े से बने उत्पाद	**14147**	**13157**	**14147**	**14003**	**-1.0**	**6.4**
2.6 लकड़ी एवं लकड़ी से बने उत्पाद	**31055**	**27842**	**31055**	**31182**	**0.4**	**12.0**
2.7 कागज एवं कागज से बने उत्पाद	**58964**	**52465**	**58964**	**59468**	**0.9**	**13.3**
2.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद एवं आण्विक ईंधन	**204180**	**135500**	**204180**	**186680**	**-8.6**	**37.8**
2.9 रसायन एवं रासायनिक उत्पाद	**307906**	**267190**	**307906**	**310277**	**0.8**	**16.1**
2.9.1 उर्वरक	30586	31850	30586	31761	3.8	-0.3
2.9.2 औषधी और दवाइयाँ	104391	86141	104391	103889	-0.5	20.6
2.9.3 पेट्रो केमिकल्स	36808	31761	36808	37908	3.0	19.4
2.9.4 अन्य	136121	117440	136121	136719	0.4	16.4
2.10 रबर, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	**112779**	**103556**	**112779**	**111129**	**-1.5**	**7.3**
2.11 कांच और कांच के बर्तन	**16287**	**13668**	**16287**	**16013**	**-1.7**	**17.2**
2.12 सीमेंट और सीमेंट से बने उत्पाद	**65113**	**58452**	**65113**	**64739**	**-0.6**	**10.8**
2.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	**518062**	**436006**	**518062**	**513051**	**-1.0**	**17.7**
2.13.1 लोहा और स्टील	356663	299924	356663	349873	-1.9	16.7
2.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	161399	136083	161399	163179	1.1	19.9
2.14 सभी इंजीनियरिंग	**317374**	**240022**	**317374**	**314000**	**-1.1**	**30.8**
2.14.1 इलेक्ट्रॉनिक्स	59905	52984	59905	62417	4.2	17.8
2.14.2 अन्य	257468	187038	257468	251583	-2.3	34.5
2.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपकरण	**141076**	**119923**	**141076**	**142885**	**1.3**	**19.1**
2.16 रत्न और आभूषण	**121355**	**90971**	**121355**	**114644**	**-5.5**	**26.0**
2.17 निर्माण	**179323**	**158963**	**179323**	**179640**	**0.2**	**13.0**
2.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	**1490126**	**1352393**	**1490126**	**1489022**	**-0.1**	**10.1**
2.18.1 ऊर्जा	842655	696730	842655	846307	0.4	21.5
2.18.2 दूरसंचार	108701	112133	108701	98776	-9.1	-11.9
2.18.3 सड़क	338135	337252	338135	338768	0.2	0.4
2.18.4 हवाई अड्डा	6684	9293	6684	6874	2.8	-26.0
2.18.5 बंदरगाह	8794	5467	8794	9514	8.2	74.0
2.18.6 रेलवे	6730	11937	6730	6678	-0.8	-44.1
2.18.7 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	178427	179582	178427	182105	2.1	1.4
2.19 अन्य उद्योग	**353413**	**285391**	**353413**	**340740**	**-3.6**	**19.4**

टिप्पणी: बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम, 2025 के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 से 'अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े' की परिभाषा को बदलकर 'महीने का अंतिम दिन' कर दिया गया है। तदनुसार, दिसंबर 2025 से वर्ष-दर-वर्ष विकास दरें चालू वर्ष के महीने के अंत के आंकड़ों और पिछले वर्ष के संबंधित महीने के लिए (पुरानी परिभाषा के अनुसार) अंतिम रिपोर्टिंग पखवाड़े के आंकड़ों पर आधारित हैं।

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(₹ करोड़)

मद	रिपोर्टिंग दिवस के अनुसार								
	2024-25	2025		2026					
		मार्च 21	दिसं. 31	जन. 15	जन. 31	फर. 15	फर. 28	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
रिपोर्टिंग बैंकों की संख्या	34	34	34	34	34	34	34	34	34
1. कुल जमाराशियाँ (2.1.1.2+2.2.1.2)	**146871.0**	**142953.8**	**158419.1**	**157312.0**	**156325.4**	**156494.4**	**156781.1**	**159625.9**	**165282.1**
2. मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	**29215.6**	**29033.2**	**29874.2**	**31640.0**	**28699.1**	**30174.3**	**28402.5**	**31799.2**	**32558.2**
2.1.1 जमाराशियाँ									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	9022.9	8543.2	5675.4	6994.5	6057.4	6607.1	6249.0	6989.7	9034.0
2.1.1.2 अन्य	14063.9	13597.0	16407.0	16286.3	15070.7	16505.0	15154.4	17278.2	17333.3
2.1.2 बैंकों से उधार	700.0	827.0	1059.6	470.9	916.2	531.4			
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	5428.9	6066.1	6732.1	7888.4	6654.8	6531.0	6999.1	7531.3	6190.9
2.2 मीयादी देयताएं	**201100.7**	**188026.7**	**212765.8**	**208153.0**	**214248.4**	**212998.0**	**214840.0**	**217502.5**	**225255.3**
2.2.1 जमाराशियाँ									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	66874.3	57013.2	64975.2	65400.4	71241.9	71252.5	71516.0	73402.1	75717.0
2.2.1.2 अन्य	132807.1	129356.8	142012.1	141025.8	141254.7	139989.5	141626.6	142347.7	147948.7
2.2.2 बैंकों से उधार	643.9	650.3	609.4	610.4	610.4	610.4	610.4	610.4	593.6
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	775.4	1006.3	5169.2	1116.5	1141.4	1145.7	1086.9	1142.3	995.9
3. रिज़र्व बैंक से उधार	699.5	699.7	200.0	200.0					
4. अधिसूचित बैंक/ सरकार से उधार	126928.5	117531.6	108704.4	101728.2	114287.5	120398.0	125583.7	131272.2	141857.1
4.1 मांग	53459.8	47476.4	51075.8	50411.7	51777.9	55969.9	57164.1	65677.9	68169.2
4.2 मीयादी	73468.7	70055.2	57628.5	51316.5	62509.6	64428.1	68419.6	65594.3	73687.9
5. उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	**13390.9**	**12049.8**	**8890.6**	**9212.9**	**9849.4**	**10037.4**	**9865.6**	**9244.6**	**10574.5**
5.1 उपलब्ध नकदी	1052.1	961.5	853.9	928.0	797.5	883.2	987.5	876.7	1039.2
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	12338.8	11088.4	8036.8	8284.9	9051.9	9154.2	8878.1	8367.9	9535.3
6. चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेषराशि	**1656.3**	**1355.2**	**1151.2**	**1036.2**	**1004.1**	**991.3**	**1241.4**	**1105.3**	**1749.6**
7. सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	**77220.1**	**75941.0**	**84894.1**	**85064.6**	**85444.3**	**85337.8**	**85912.9**	**85921.6**	**91061.5**
8. मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	**26531.1**	**18381.0**	**21836.6**	**20595.4**	**23358.5**	**24123.3**	**44658.3**	**33543.2**	**42375.6**
9. बैंक ऋण (10.1+11)	**174828.8**	**171861.3**	**175694.4**	**180678.8**	**184566.8**	**185206.5**	**185752.0**	**187210.9**	**193018.0**
10. अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	**174590.4**	**171672.1**	**175487.4**	**180470.0**	**184363.9**	**185000.9**	**185368.4**	**187018.7**	**192833.0**
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	124607.6	118507.5	126937.8	122407.5	124590.5	128069.2	127239.9	128556.3	133636.9
11. खरीदे और भुनाए गए बिल	238.4	189.2	207.0	208.9	202.9	205.6	383.6	192.2	185.0

18(ए) भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(₹ करोड़)

स्रोत	अप्रैल-मार्च		31 मई तक	
	2024-25	2025-26	2025-26	2026-27 पी
	1	2	3	4
1. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**18,08,036**	**29,19,166**	**-1,55,201**	**87,796**
2. गैर-बैंक स्रोत (2.1+2.2)	**18,15,417**	**17,69,275**	**1,89,797**	**1,93,952**
2.1 घरेलू स्रोत	**14,90,681**	**12,66,318**	**1,27,109**	**79,993**
2.1.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा इक्विटी निर्गम	3,81,161	3,62,328	41,761	7,259
2.1.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा कारपोरेट बॉण्ड निर्गम	1,97,795	3,22,114	26,851	-2,815
2.1.3 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा हाइब्रिड लिखत(आरईआईटीएस/आईएनवीआईटीएस)	31,442	30,076	0	3,705
2.1.4 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा वाणिज्यिक पेपर निर्गम	18,819	7,948	1,07,095	79,254
2.1.5 आवास वित्त कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	1,27,865	13,089	-28,511	8,202
2.1.6 आरबीआई-विनियमित अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण	99,501	87,671	-20,087	-15,611
2.1.7 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	6,34,097	4,43,092	-	-
2.2 विदेशी स्रोत	**3,24,736**	**5,02,957**	**62,688**	**1,13,959**
2.2.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा बाह्य वाणिज्यिक उधार	19,089	22,741	19,491	770
2.2.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा एडीआर/जीडीआर	0	0	0	0
2.2.3 विदेश से अल्पकालिक ऋण	58,859	1,20,992	523	6,580
2.2.4 भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश	2,46,788	3,59,223	42,674	1,06,608
3. संसाधनों का कुल प्रवाह (1+2)	**36,23,453**	**46,88,441**	**34,596**	**2,81,748**

अ: अनंतिम -: उपलब्ध नहीं है।

स्रोत संख्या से कॉलम 3 और 4 के लिए डेटा कवरेज:

2.1.1-2.1.3, 2.1.5, 2.1.6 and 2.2.1-2.2.4: अप्रैल तक

टिप्पणियाँ: i. गैर-खाद्य बैंक ऋण अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से संबंधित है और इसमें सहकारी बैंकों द्वारा दिया गया ऋण शामिल नहीं है।

ii. बैंकों, एनबीएफसी और एचएफसी द्वारा दिए गए ऋण में व्यक्तिगत ऋण शामिल हैं।

iii. इक्विटी और हाइब्रिड लिखतों जो सकल आधार पर हैं, को छोड़कर सभी मदों पर डेटा निवल आधार पर प्रस्तुत किया गया है।

iv. अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों (एआईएफआई) में राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी), लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी), भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्ज़िम बैंक) और राष्ट्रीय अवसंरचना वित्तपोषण और विकास बैंक (एनएबीएफआईडी) शामिल हैं। एआईएफआई द्वारा दिए गए ऋण में एससीबी, एनबीएफसी और एचएफसी को पुनर्वित्तपोषण तथा घरेलू विदेशी सरकारों/संस्थानों को प्रदत्त प्रत्यक्ष ऋण शामिल नहीं हैं।

v. एचडीएफसी लिमिटेड जिसका 1 जुलाई, 2023 से एचडीएफसी बैंक में विलय हो गया, से संबंधित डेटा, विलय से पहले आवास वित्त कंपनियों द्वारा दिए गए ऋण के अंतर्गत आता है, जबकि विलय के बाद यह बैंक ऋण के अंतर्गत आता है।

vi. आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा दिए गए ऋण के डेटा को कुछ एचएफसी के एनबीएफसी में रूपांतरण के लिए समायोजित किया गया है।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

18(बी): भारत में वाणिज्यिक क्षेत्र को बकाया ऋण

स्रोत	(₹ करोड़)						प्रतिशत संवृद्धि			
	मार्च के अंत तक			31 मई तक			मार्च के अंत तक		31 मई तक	
	2024	2025	2026	2024	2025	2026 पी	2024 की तुलना में 2025	2025 की तुलना में 2026	2024 की तुलना में 2025	2025 की तुलना में 2026 अ
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. गैर-खाद्य बैंक ऋण	**1,65,63,961**	**1,83,71,998**	**2,12,91,163**	**1,67,43,817**	**1,82,16,796**	**2,13,78,960**	**10.9**	**15.9**	**8.8**	**17.4**
2. गैर-बैंक स्रोत (2.1+2.2)	**77,57,256**	**88,86,393**	**1,01,59,216**	**78,13,408**	**89,99,014**	**1,02,24,912**	**14.6**	**14.3**	**15.2**	**13.6**
2.1 घरेलू स्रोत	**56,59,037**	**66,37,411**	**75,11,325**	**57,11,675**	**67,22,759**	**75,80,353**	**17.3**	**13.2**	**17.7**	**12.8**
2.1.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा कॉर्पोरेट बॉण्ड जारी करना	18,25,514	20,23,310	23,45,423	18,21,743	20,50,161	23,42,608	10.8	15.9	12.5	14.3
2.1.2 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा वाणिज्यिक पत्र जारी करना	1,09,528	1,28,347	1,36,295	1,36,015	2,35,442	2,15,549	17.2	6.2	73.1	-8.4
2.1.3 आवास वित्त कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	5,98,965	6,27,125	6,40,214	6,20,831	5,98,614	6,48,416	4.7	2.1	-3.6	8.3
2.1.4 आरबीआई - विनियमित अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण	4,24,610	5,24,111	6,11,782	4,32,665	5,04,024	5,96,170	23.4	16.7	16.5	18.3
2.1.5 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा ऋण (बैंक ऋण निवल)	27,00,421	33,34,518	37,77,610	27,00,421	33,34,518	37,77,610	23.5	13.3	23.5	13.3
2.2 विदेशी स्रोत	**20,98,219**	**22,48,983**	**26,47,892**	**21,01,732**	**22,76,255**	**26,44,558**	**7.2**	**17.7**	**8.3**	**16.2**
2.2.1 गैर-वित्तीय संस्थाओं द्वारा बाह्य वाणिज्यिक ऋण	10,72,181	11,34,552	12,85,224	10,69,501	11,61,301	12,75,310	5.8	13.3	8.6	9.8
2.2.2 विदेश से अल्पकालिक ऋण	10,26,037	11,14,431	13,62,668	10,32,232	11,14,954	13,69,248	8.6	22.3	8.0	22.8
3. कुल ऋण (1+2)	**2,43,21,217**	**2,72,58,391**	**3,14,50,380**	**2,45,57,225**	**2,72,15,810**	**3,16,03,871**	**12.1**	**15.4**	**10.8**	**16.1**

अ: अनंतिम।

इन सोर्स नंबर से कॉलम 4, 5 और 6 के लिए डेटा कवरेज:

2.1.1, 2.1.3, 2.1.4, 2.2.1 और 2.2.2: अप्रैल के आखिर तक।

2.1.5: मार्च के आखिर तक।

नोट: i) नॉन-फूड बैंक क्रेडिट का संबंध शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंकों (एससीबी) से है और इसमें को-ऑपरेटिव बैंकों द्वारा दिया गया क्रेडिट शामिल नहीं है। को-ऑपरेटिव बैंकों (जैसे, अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक, स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक और डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल को-ऑपरेटिव बैंक) द्वारा दिए गए क्रेडिट को शामिल करने पर, मार्च 2024 और 2025 के आखिर में नॉन-फूड बैंक क्रेडिट क्रमशः ₹1,76,18,552 करोड़ और ₹1,95,07,975 करोड़ था। इसी तरह, मार्च 2024 और 2025 के आखिर में कुल बकाया क्रेडिट क्रमशः ₹2,53,75,808 करोड़ और ₹2,83,94,368 करोड़ था।

ii) नॉन-बैंक सोर्स के डेटा में घरेलू सोर्स के तहत इक्विटी और हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट जारी करना और विदेशी सोर्स के तहत इक्विटी में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफ़डीआई) शामिल नहीं है।

iii) मार्च 2024 और 2025 के आखिर के लिए बकाया डेटा, फाइनेंशियल और नॉन-फाइनेंशियल कॉर्पोरेशन द्वारा जारी बॉन्ड पर सेबी की डेटा की नई सीरीज़ पर आधारित है।

iv) बकाया डेटा पर आधारित फ्लो, टेबल 18 (ए) में दिए गए फ्लो से मेल नहीं खा सकते हैं, इसके कारण हैं:
(ए) कुछ हाउसिंग फाइनेंस कंपनियों (एचएफ़सी) का नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (एनबीएफ़सी) में बदलना; और
(बी) विदेशी सोर्स के मामले में वैल्यूएशन का असर।

v) गैर-वित्तीय गैर-सरकारी सार्वजनिक और निजी लिमिटेड कंपनियों के मामले में घरेलू देनदारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्तमान और गैर-वर्तमान व्यापार देय को आंकड़ों में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि ऐसे आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

स्रोत: आरबीआई; सेबी; एआईएफआई; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

कीमत और उत्पादन

सं. 19 (ए) : उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): ग्रामीण

प्रभाग	भार	सूचकांक					मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)	
		2025-26	अप्रै.-25	मई-25	अप्रै.-26	मई-26 (अ)	अप्रै.-26	मई-26 (अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य और पेय पदार्थ	41.98	103.08	100.06	100.36	104.16	105.02	4.10	4.64
2. पान, तंबाकू और नशीले पदार्थ	3.73	103.97	102.45	102.90	107.21	107.64	4.65	4.61
3. वस्त्र और फुटवियर	7.12	105.81	104.23	104.66	107.63	108.31	3.27	3.49
4. आवास, जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधन	11.76	101.96	101.43	101.60	103.23	103.59	1.77	1.96
5. सज्जा, घरेलू उपकरण और घरेलू नियमित रखरखाव	4.61	102.85	102.13	102.35	104.04	104.64	1.87	2.24
6. स्वास्थ्य	6.76	103.25	102.30	102.56	103.90	104.04	1.56	1.44
7. परिवहन	8.64	100.86	100.87	100.98	100.89	102.80	0.02	1.81
8. सूचना और संचार	3.65	103.63	103.29	103.74	103.94	104.12	0.63	0.36
9. मनोरंजन, खेल और संस्कृति	1.36	103.25	102.00	102.26	104.44	104.56	2.39	2.24
10. शिक्षा सेवाएं	2.38	104.16	102.30	102.71	105.29	105.55	2.92	2.77
11. रेस्तरां और आवास सेवाएं	2.84	104.36	103.31	103.51	107.30	109.18	3.86	5.47
13. व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुएं एवं सेवाएं	5.15	113.36	105.34	105.86	124.83	126.53	18.50	19.52
समग्र अखिल भारतीय सीपीआई	100.00	103.60	101.49	101.78	105.28	106.11	3.74	4.25
मेमो मद								
खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई#	47.45	104.69	102.90	103.23	107.15	107.77	4.13	4.40

अ: अनंतिम

'*': कैलेंडर वर्ष 2025-26 के सभी मासिक सूचकांकों का अंकगणितीय माध्य।

'#': इस सारणी में 'ईंधन' दो श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक', जिसमें 'पेट्रोल', 'डीजल' और 'अन्य प्राकृतिक गैस (सीएनजी)' शामिल हैं। विस्तृत विवरण के लिए कृपया अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के बॉक्स आइटम IV.2 देखें।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

सं. 19 (बी) : उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): शहरी

प्रभाग	भार	सूचकांक					मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)	
		2025-26	अप्रै.-25	मई-25	अप्रै.-26	मई-26 (अ)	अप्रै.-26	मई-26 (अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य और पेय पदार्थ	30.25	103.66	100.78	101.25	104.69	105.69	3.87	4.38
2. पान, तंबाकू और नशीले पदार्थ	2.06	103.72	102.17	102.49	107.33	107.97	5.04	5.35
3. वस्त्र और फुटवियर	5.46	104.44	103.43	103.72	105.55	105.96	2.04	2.16
4. आवास, जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधन	25.00	101.61	100.93	101.21	102.61	102.81	1.67	1.59
5. सज्जा, घरेलू उपकरण और घरेलू नियमित रखरखाव	4.30	102.65	102.13	102.36	103.43	103.82	1.27	1.43
6. स्वास्थ्य	5.28	103.86	102.74	103.08	104.57	104.70	1.78	1.57
7. परिवहन	8.98	100.79	100.83	100.94	100.79	102.64	-0.04	1.68
8. सूचना और संचार	3.56	103.15	102.95	103.27	103.29	103.49	0.33	0.21
9. मनोरंजन, खेल और संस्कृति	1.71	103.27	101.98	102.10	103.86	103.85	1.84	1.72
10. शिक्षा सेवाएं	4.52	105.01	102.94	103.39	106.34	106.64	3.30	3.14
11. रेस्तरां और आवास सेवाएं	3.98	105.60	103.91	104.32	108.61	110.57	4.53	5.99
13. व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुएं एवं सेवाएं	4.90	113.09	105.49	106.10	122.96	124.22	16.56	17.07
समग्र अखिल भारतीय सीपीआई	100.00	103.48	101.71	102.06	104.92	105.66	3.16	3.53
मेमो मद								
खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई#	59.99	103.93	102.42	102.73	105.77	106.22	3.27	3.40

अ: अनंतिम

'*': कैलेंडर वर्ष 2025-26 के सभी मासिक सूचकांकों का अंकगणितीय माध्य।

'#': इस सारणी में 'ईंधन' दो श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक', जिसमें 'पेट्रोल', 'डीजल' और 'अन्य प्राकृतिक गैस (सीएनजी)' शामिल हैं। विस्तृत विवरण के लिए कृपया अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के बॉक्स आइटम IV.2 देखें।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

सं. 19 (सी) : उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2024=100): संयुक्त

प्रभाग	भार	सूचकांक					मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)	
		2025-26	अप्रै.-25	मई-25	अप्रै.-26	मई-26 (अ)	अप्रै.-26	मई-26 (अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. खाद्य और पेय पदार्थ	36.75	103.29	100.33	100.69	104.35	105.26	4.01	4.55
2. पान, तंबाकू और नशीले पदार्थ	2.99	103.90	102.36	102.77	107.24	107.74	4.77	4.83
3. वस्त्र और फुटवियर	6.38	105.29	103.92	104.30	106.84	107.41	2.80	2.98
4. आवास, जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधन	17.66	101.74	101.11	101.35	102.84	103.10	1.71	1.73
5. सज्जा, घरेलू उपकरण और घरेलू नियमित रखरखाव	4.47	102.77	102.13	102.35	103.78	104.29	1.61	1.89
6. स्वास्थ्य	6.10	103.49	102.47	102.76	104.16	104.30	1.65	1.49
7. परिवहन	8.80	100.83	100.85	100.96	100.84	102.73	-0.01	1.75
8. सूचना और संचार	3.61	103.42	103.14	103.53	103.65	103.84	0.50	0.30
9. मनोरंजन, खेल और संस्कृति	1.52	103.26	101.99	102.18	104.15	104.20	2.11	1.98
10. शिक्षा सेवाएं	3.33	104.67	102.69	103.12	105.92	106.21	3.15	2.99
11. रेस्तरां और आवास सेवाएं	3.35	105.01	103.63	103.94	107.99	109.91	4.22	5.75
13. व्यक्तिगत देखभाल, सामाजिक सुरक्षा और विविध वस्तुएं एवं सेवाएं	5.04	113.25	105.40	105.96	124.02	125.53	17.66	18.46
समग्र अखिल भारतीय सीपीआई	100.00	103.54	101.58	101.90	105.12	105.91	3.48	3.93
मेमो मद								
मुख्य : खाद्य और ईंधन को छोड़कर सीपीआई#	53.04	104.31	102.66	102.98	106.45	106.99	3.70	3.89

अ: अनंतिम

'*': कैलेंडर वर्ष 2025-26 के सभी मासिक सूचकांकों का अंकगणितीय माध्य।

'#': इस सारणी में 'ईंधन' दो श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात 'बिजली, गैस और अन्य ईंधन' तथा 'व्यक्तिगत परिवहन उपकरणों के लिए ईंधन और स्नेहक', जिसमें 'पेट्रोल', 'डीजल' और 'अन्य प्राकृतिक गैस (सीएनजी)' शामिल हैं। विस्तृत विवरण के लिए कृपया अप्रैल 2026 की मौद्रिक नीति रिपोर्ट के बॉक्स आइटम IV.2 देखें।

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार और आरबीआई स्टाफ की गणनाएं।

सं. 20: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2025-26	2025	2026	
				अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5	6
1. औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2016	2.88	147.0	143.5	149.1	149.9
2. कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2019	9.69	136	132.8	137.0	137.3
3. ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2019	9.78	136	133.1	137.0	137.2

मार्च-2025 (आधार वर्ष 2019) के लिए सीपीआई -एएल और आरएल सूचकांकों की गणना प्रकाशित महंगाई दरों का उपयोग करके की जाती है।

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 21: मुंबई में स्वर्ण और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4
1. मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	118421	93091	153299	149927
2. चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	162672	95309	250291	241672

स्रोत: मुंबई में स्वर्ण और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक

(आधारः 2022-23=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			मई	मार्च	अप्रै. (पी)	मई (पी)
	1	2	3	4	5	6
सभी पण्य	**100.0**	**101.4**	**100.2**	**104.6**	**108.8**	**109.9**
I. प्राथमिक वस्तुएं	**22.8**	**110.3**	**108.3**	**111.4**	**112.6**	**113.7**
(ए) खाद्य वस्तुएं	**16.0**	**112.8**	**111.0**	**112.8**	**114.0**	**115.0**
ए. खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.6	115.3	114.6	114.3	114.6	115.1
बी. फल और सब्जियाँ	3.4	112.1	105.0	106.8	108.8	107.4
सी. दूध	4.2	114.2	113.5	114.9	114.9	117.2
डी. अंडा, मांस और मछली	3.1	106.7	108.2	109.6	111.7	114.0
ई. चटनी और मसाले	0.8	115.3	110.6	125.5	130.1	133.5
एफ. अन्य खाद्य वस्तुएं	0.9	118.2	118.3	119.8	121.6	120.8
(बी) खाद्येतर वस्तुएं	**5.5**	**102.5**	**99.0**	**107.4**	**107.6**	**108.4**
ए. फाइबर	0.6	80.3	78.2	85.0	89.1	93.2
बी. तिलहन	1.0	101.5	92.9	107.7	109.0	114.4
सी. अन्य खाद्येतर वस्तुएं	3.7	106.6	105.4	111.1	111.3	110.2
डी. फूलों की खेती	0.2	108.1	76.9	113.3	92.9	96.9
ई. औषधीय पौधे	0.0	73.0	75.1	79.1	80.8	79.9
(सी) खनिज	**1.3**	**112.4**	**114.1**	**110.8**	**117.0**	**119.7**
ए. धात्विक खनिज	0.7	118.2	124.0	118.7	125.3	130.7
बी. अन्य खनिज	0.2	113.1	109.1	111.2	119.0	117.8
सी. लघु खनिज	0.4	102.0	99.4	96.9	101.6	101.6
II. ईंधन और ऊर्जा	**14.1**	**88.5**	**86.7**	**93.5**	**110.9**	**113.0**
(ए) कोयला और लिग्नाइट	**0.7**	**87.9**	**88.6**	**87.8**	**87.7**	**86.6**
ए. कुकिंग कोयला	0.1	87.7	87.4	86.5	87.0	84.3
बी. नॉन-कुकिंग कोयला	0.6	88.8	89.7	88.8	88.5	87.3
सी. लिग्नाइट	0.0	65.4	65.1	66.0	70.3	76.0
(बी) खनिज तेल	**8.2**	**85.9**	**83.9**	**92.9**	**121.6**	**125.7**
(सी) बिजली	**4.5**	**92.8**	**92.0**	**91.2**	**90.7**	**90.3**
ए. हाइड्रो इलेक्ट्रिसिटी	0.3	106.9	83.2	111.6	99.7	91.1
बी. थर्मल इलेक्ट्रिसिटी	3.7	90.6	91.8	87.9	88.7	89.0
सी. सोलर	0.2	94.2	94.1	96.6	92.1	92.1
डी. विंड	0.1	108.6	108.0	108.0	108.0	108.0
ई. न्यूक्लियर	0.1	102.6	101.0	110.9	106.6	105.6
(डी) कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस	**0.7**	**91.0**	**84.7**	**119.7**	**138.8**	**136.8**
III. निर्मित उत्पाद	**63.1**	**101.2**	**100.3**	**104.7**	**107.0**	**107.8**
(ए) खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	**9.0**	**106.8**	**105.8**	**109.1**	**110.8**	**112.3**
ए. मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.1	123.3	119.8	128.1	131.8	133.1
बी. मछली, क्रस्टेशियन, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.4	105.8	101.3	111.7	113.0	114.2
सी. फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.2	104.9	105.6	105.9	105.1	106.1
डी. सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.0	102.3	99.2	108.0	112.7	115.0
ई. डेयरी उत्पादों का निर्माण	1.3	108.9	108.0	110.9	111.1	112.3
एफ. अनाज मिल के उत्पाद	1.9	108.3	107.9	108.7	109.3	110.7
जी. स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.1	85.6	90.9	82.1	84.0	85.9
एच. बेकरी उत्पाद	0.4	107.4	106.4	107.2	108.8	110.4
आय. चीनी का निर्माण	1.0	113.0	113.6	113.0	113.3	114.5
जे. कोको, चॉकलेट और चीनी से बनी मिठाइयों का निर्माण	0.3	114.8	114.8	113.7	114.0	115.1
के. मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.1	107.7	107.3	108.0	107.5	108.1
एल. चाय और कॉफी उत्पाद	0.3	113.1	121.0	113.2	120.5	120.7
एम. अन्य खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	0.5	104.3	102.5	107.9	109.0	108.1
एन. पशु के लिए तैयार खाद्य	0.7	97.4	95.9	99.3	100.0	102.8

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*

(आधारः 2022-23=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			मई	मार्च	अप्रै. (पी)	मई (पी)
	1	2	3	4	5	6
(बी) पेय पदार्थों का निर्माण	**0.9**	**103.4**	**103.6**	**102.7**	**104.5**	**105.3**
ए. स्पिरिट्स का आसवन, सुधार और सम्मिश्रण	0.2	109.4	109.5	107.8	108.3	108.4
बी. वाइन का निर्माण	0.0	109.8	109.5	110.0	110.8	110.8
सी. बीयर का निर्माण	0.1	108.1	108.2	108.1	107.5	107.8
डी. सॉफ्ट ड्रिंक्स का निर्माण: मिनरल वाटर और अन्य बोतलबंद पानी का उत्पादन	0.6	101.1	101.3	100.6	103.0	104.1
(सी) तम्बाकू उत्पादों का निर्माण	**0.3**	**112.2**	**108.9**	**122.6**	**124.2**	**123.7**
ए. तम्बाकू उत्पादों का निर्माण	0.3	112.2	108.9	122.6	124.2	123.7
(घ) वस्त्र निर्माण	**4.1**	**92.9**	**92.0**	**96.4**	**99.0**	**101.4**
ए. कपड़ा रेशों की तैयारी और कताई	2.7	89.8	88.6	93.9	96.9	99.9
बी. वस्त्रों की बुनाई	0.4	94.1	94.3	95.9	97.8	99.7
सी. बुने हुए और क्रोशिए वाले कपड़ों का निर्माण	0.1	91.7	90.7	91.4	93.5	98.2
डी. परिधानों को छोड़कर, तैयार कपड़ा वस्तुओं का निर्माण	0.5	102.1	101.1	105.3	106.9	107.2
ई. कालीन और गलीचों का निर्माण	0.2	104.3	105.0	105.3	106.4	106.3
एफ़. डोरी, रस्सी, सुतली और जाल का निर्माण	0.0	103.4	103.2	107.8	111.1	113.3
जी. अन्य वस्त्रों का निर्माण	0.2	100.9	100.6	102.8	105.4	107.8
(ई) पहनने के परिधानों का निर्माण	**1.3**	**109.2**	**107.6**	**109.9**	**110.8**	**112.2**
ए. फर वाले कपड़ों को छोड़कर, पहनने वाले कपड़ों का निर्माण	0.7	110.5	108.2	111.0	111.8	113.7
बी. बुने हुए और क्रोशिए वाले कपड़ों का निर्माण	0.6	107.6	106.8	108.5	109.5	110.3
(एफ) चमड़ा और संबंधित उत्पादों का निर्माण	0.5	104.4	104.0	105.5	107.3	108.5
ए. चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग: फर की ड्रेसिंग और रंगाई	0.1	108.7	111.7	107.3	109.4	111.8
बी. किसी भी सामग्री से बने सामान, हैंडबैग और इसी तरह की काठी और हार्नेस का निर्माण,	0.1	106.4	105.9	110.4	111.7	112.1
सी. जूते का निर्माण	0.4	103.4	102.6	104.3	106.2	107.4
(जी) फर्नीचर को छोड़कर, लकड़ी और लकड़ी व कॉर्क से बने उत्पादों का निर्माण; पुआल और प्लेटिंग सामग्री से बनी वस्तुओं का निर्माण	**1.1**	**108.9**	**107.9**	**112.1**	**114.8**	**116.1**
ए . लकड़ी की आरी चलाना और समतल करना	0.0	104.0	105.3	103.4	107.1	108.1
बी . विनियर शीट और लकड़ी के पैनल बनाना	1.0	109.2	108.2	112.8	115.5	116.8
सी . लकड़ी के कंटेनरों का निर्माण	0.1	106.9	106.2	108.8	111.1	111.4
डी . लकड़ी के दूसरे प्रोडक्ट बनाना: कॉर्क, स्ट्रॉ और प्लेटिंग मटीरियल से बनी चीज़ों का बनाना	0.0	113.1	112.4	114.0	116.0	116.3
(एच) कागज और कागज उत्पादों का निर्माण	**1.2**	**90.9**	**91.4**	**91.4**	**93.6**	**93.9**
ए. पल्प, पेपर और पेपरबोर्ड बनाना	0.5	93.7	94.3	94.0	96.1	96.0
बी. नालीदार कागज और पेपरबोर्ड और कागज और पेपरबोर्ड के कंटेनरों का निर्माण	0.4	92.4	92.5	93.0	94.3	94.8
सी. कागज़ और पेपरबोर्ड की दूसरी चीज़ों का निर्माण	0.3	83.2	84.4	83.9	87.7	88.6
(आई) रिकॉर्डेड मीडिया की छपाई और पुनरुत्पादन	**0.4**	**104.8**	**104.0**	**105.8**	**106.9**	**108.3**
ए. प्रिंट प्रिंटिंग	0.4	104.8	104.0	105.8	106.9	108.3
(जे) रसायन और रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	**6.1**	**91.3**	**90.3**	**96.5**	**101.9**	**102.4**
ए. मूल रसायनों का निर्माण	1.4	87.6	85.5	97.0	106.7	107.3
बी . उर्वरकों और नाइट्रोजन यौगिकों का निर्माण	1.4	95.0	93.9	97.0	100.2	102.0
सी . प्राथमिक रूपों में प्लास्टिक और सिंथेटिक रबर का निर्माण	0.8	88.9	87.8	101.4	109.3	106.0
डी . कीटनाशकों और अन्य कृषि रसायन उत्पादों का निर्माण	0.5	85.7	86.5	85.2	88.1	89.2
ई. पेंट, वार्निश और इसी तरह की कोटिंग, प्रिंटिंग इंक और मैस्टिक का निर्माण	0.5	89.7	89.5	91.8	93.2	94.8
एफ़. साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और पॉलिशिंग की तैयारी, इत्र और शौचालय की तैयारी का निर्माण	0.7	101.1	100.9	101.4	103.2	104.4
जी . अन्य रासायनिक उत्पादों का निर्माण	0.4	87.5	87.4	89.7	95.7	94.4
एच . मानव निर्मित रेशों का निर्माण	0.4	91.4	90.1	101.0	107.5	109.3
(के) बुनियादी औषधीय उत्पादों और औषधीय तैयारियों का निर्माण	**2.2**	**99.7**	**99.0**	**100.8**	**102.0**	**102.3**
ए . फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पादों का निर्माण	2.2	99.7	99.0	100.8	102.0	102.3
(एल) रबर और प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण	**2.7**	**96.5**	**95.9**	**101.9**	**105.2**	**105.1**
ए . रबर टायर और ट्यूब बनाना; रबर टायर की रीट्रेडिंग और रीबिल्डिंग	0.7	103.1	104.2	102.4	103.4	104.6
बी . अन्य रबर उत्पादों का निर्माण	0.2	106.9	106.0	108.7	110.8	111.8
सी . प्लास्टिक उत्पादों का निर्माण	1.9	93.2	92.1	101.1	105.3	104.7

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक *(जारी)*

(आधारः 2022-23=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			मई	मार्च	अप्रै. (पी)	मई (पी)
	1	2	3	4	5	6
(एम) अन्य गैर-धात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	**2.8**	**96.9**	**97.9**	**96.8**	**98.5**	**98.9**
ए . कांच और कांच उत्पादों का निर्माण	0.3	95.4	95.5	95.8	98.8	100.5
बी . आग रोक उत्पादों का निर्माण	0.4	95.3	95.3	95.3	98.4	97.9
सी . मिट्टी से निर्माण सामग्री का निर्माण	0.1	109.3	108.2	111.2	112.6	113.0
डी. अन्य पोर्सिलेन और सिरेमिक उत्पादों का निर्माण	0.0	105.4	104.9	107.9	108.3	106.7
ई. सीमेंट, चूना और प्लास्टर का निर्माण	1.7	94.5	96.3	94.2	95.4	95.8
एफ़. कंक्रीट, सीमेंट और प्लास्टर की वस्तुओं का निर्माण	0.3	105.5	105.6	106.1	107.6	108.5
जी. पत्थर की कटाई, आकार देना और परिष्करण	0.1	117.0	116.8	117.0	117.6	117.6
(एन) मूल धातुओं का निर्माण	**8.4**	**93.2**	**92.7**	**100.1**	**103.4**	**104.1**
ए. बुनियादी लोहा और इस्पात का निर्माण	6.3	85.0	87.2	89.5	92.4	92.2
बी . बुनियादी कीमती और अन्य अलौह धातुओं का निर्माण	1.4	129.0	116.5	149.1	154.4	158.9
सी . लोहे और इस्पात की ढलाई	0.7	92.6	93.9	94.9	96.7	97.8
(ओ) मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर, गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	**4.1**	**100.2**	**99.6**	**102.7**	**104.5**	**105.8**
ए. संरचनात्मक धातु उत्पादों का निर्माण	1.0	101.3	100.3	104.2	107.5	108.9
बी. धातु के टैंक, जलाशय और कंटेनरों का निर्माण	0.4	95.1	94.9	99.5	98.6	99.8
सी. स्टीम जनरेटर का निर्माण, सेंट्रल हीटिंग हॉट वॉटर बॉयलर को छोड़कर	0.3	105.4	106.8	108.2	105.6	104.7
डी. हथियारों और गोला-बारूद का निर्माण	0.1	94.4	91.0	93.2	94.4	95.0
ई. फोर्जिंग, प्रेसिंग, स्टैम्पिंग और मेटल की रोल-फॉर्मिंग: पाउडर मेटलर्जी	0.1	98.8	97.8	100.2	101.2	101.3
एफ़. धातुओं का ट्रीटमेंट और कोटिंग: मशीनिंग	0.3	87.9	88.6	95.1	103.7	104.0
जी. कटलरी, हाथ के औजार और सामान्य हार्डवेयर का निर्माण	0.7	101.0	99.9	102.1	103.5	105.4
एच. अन्य गढ़े हुए धातु उत्पादों का निर्माण	1.4	102.8	101.9	104.2	105.2	106.7
(पी) कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का निर्माण	**2.1**	**102.3**	**103.6**	**102.0**	**102.5**	**103.4**
ए. सोलर सेल, सोलर पैनल और फोटोवोल्टिक इनवर्टर का निर्माण	0.1	98.3	97.7	97.8	97.6	97.6
बी. दूसरे इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और बोर्ड्स का मैन्युफैक्चरिंग	0.2	97.1	96.1	97.8	100.6	100.8
सी. कंप्यूटर और परिधीय उपकरणों का निर्माण	0.1	100.7	99.6	104.5	103.0	103.2
डी. संचार उपकरणों का निर्माण	1.4	102.7	105.7	101.1	101.5	102.6
ई. उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स का निर्माण	0.2	97.4	97.0	97.1	98.0	98.5
एफ़. मापने, परीक्षण, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरणों का निर्माण	0.1	114.2	109.1	123.8	123.1	125.9
जी. घड़ियों और घड़ियों का निर्माण	0.0	112.3	106.5	115.3	112.9	112.9
एच. विकिरण, विद्युत-चिकित्सा और विद्युत-चिकित्सा उपकरणों का निर्माण	0.0	102.3	96.0	105.8	108.1	111.2
आई. ऑप्टिकल उपकरणों और फोटोग्राफिक उपकरणों का निर्माण	0.0	114.2	112.9	114.7	116.0	118.3
जे. चुंबकीय और ऑप्टिकल मीडिया का निर्माण	0.0	97.9	79.3	96.5	96.5	78.4
(क्यू) विद्युत उपकरणों का निर्माण	**2.6**	**105.9**	**102.5**	**111.0**	**112.6**	**114.1**
ए. इलेक्ट्रिक मोटर, जनरेटर, ट्रांसफॉर्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण उपकरण का निर्माण	0.8	107.9	104.7	110.7	112.1	113.0
बी. बैटरी और एक्युमुलेटर का निर्माण	0.4	97.3	96.4	98.8	99.5	100.5
सी. फाइबर ऑप्टिक केबल का निर्माण	0.1	100.6	97.9	103.2	110.6	113.4
डी. अन्य इलेक्ट्रॉनिक और इलेक्ट्रिक तारों और केबलों का निर्माण	0.7	118.9	110.3	133.3	135.2	138.5
ई. वायरिंग उपकरणों का निर्माण	0.1	104.7	103.1	107.9	107.4	109.4
एफ़. विद्युत प्रकाश उपकरणों का निर्माण	0.2	86.6	86.6	87.7	88.3	90.2
जी. घरेलू उपकरणों का निर्माण	0.3	98.7	98.3	98.5	100.9	101.4
एच. अन्य विद्युत उपकरणों का निर्माण	0.2	98.2	98.6	100.6	100.9	99.9

सं. 22: थोक मूल्य सूचकांक *(समाप्त)*

(आधारः 2022-23=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2025-26	2025	2026		
			मई	मार्च	अप्रै. (पी)	मई (पी)
	1	2	3	4	5	6
(आर) मशीनरी और उपकरण निर्माण एन.ई.सी.	**3.5**	**103.6**	**103.0**	**104.3**	**105.0**	**105.4**
ए . विमान, वाहन और साइकिल इंजन को छोड़कर, इंजन और टर्बाइन का निर्माण	0.3	99.8	98.7	101.1	100.8	101.7
बी. द्रव शक्ति उपकरण का निर्माण	0.0	98.7	99.7	97.9	99.3	99.1
सी. अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व का निर्माण	0.5	106.7	106.4	106.9	108.2	109.6
डी. बेयरिंग, गियर, गियरिंग और ड्राइविंग एलिमेंट्स का निर्माण	0.4	103.2	101.4	104.4	105.2	105.4
ई. ओवन, भट्टियां और परमानेंट घरेलू हीटिंग इक्विपमेंट बनाना	0.0	108.5	109.1	110.0	114.3	113.2
एफ़. उठाने और संभालने वाले उपकरणों का निर्माण	0.2	102.5	101.2	105.0	106.1	107.1
जी. शक्ति चालित हस्त औजारों का निर्माण	0.0	102.9	102.8	103.7	100.9	99.4
एच. अन्य सामान्य प्रयोजन मशीनरी का निर्माण	0.4	100.5	102.2	100.5	101.7	102.4
आई. कृषि और वानिकी मशीनरी का निर्माण	0.6	103.7	103.4	104.4	104.2	104.3
जे. धातु बनाने वाली मशीनरी और मशीन टूल्स का निर्माण	0.2	107.7	105.4	110.5	111.3	112.0
के. धातु विज्ञान के लिए मशीनरी का निर्माण	0.0	107.5	102.6	109.7	109.9	111.1
एल. माइनिंग, उत्खनन और कंस्ट्रक्शन के लिए मशीनरी का निर्माण	0.3	106.6	106.2	107.4	107.2	108.3
एम. खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी का निर्माण	0.1	103.5	102.8	104.1	104.2	104.9
एन. कपड़ा, परिधान और चमड़ा उत्पादन के लिए मशीनरी का निर्माण	0.2	105.6	103.8	104.8	108.9	103.6
ओ. अन्य विशेष-उद्देश्यीय मशीनरी का निर्माण	0.2	100.1	99.4	99.1	100.2	100.8
(एस) मोटर वाहन, ट्रेलर और अर्ध-ट्रेलर का निर्माण	**5.4**	**105.7**	**106.2**	**105.9**	**108.3**	**108.5**
ए. मोटर वाहनों का निर्माण	2.9	111.3	112.6	111.1	115.2	115.4
बी. मोटर गाड़ियों के लिए बॉडी (कोचवर्क) बनाना: ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर बनाना	0.2	103.4	102.7	103.8	104.0	104.6
सी. मोटर वाहनों के लिए पुर्जों और सहायक उपकरणों का निर्माण	2.3	98.8	98.4	99.4	99.8	100.0
(टी) अन्य परिवहन उपकरणों का निर्माण	**1.4**	**104.1**	**102.2**	**105.4**	**106.2**	**106.6**
ए. जहाजों और तैरती संरचनाओं का निर्माण	0.0	101.4	100.8	102.1	102.1	102.1
बी. रेलवे इंजनों और रोलिंग स्टॉक का निर्माण	0.2	105.5	102.7	106.9	107.6	107.8
सी. वायु और अंतरिक्ष यान और संबंधित मशीनरी का निर्माण	0.1	116.9	110.5	121.0	121.2	123.1
डी. मोटरसाइकिलों का निर्माण	0.9	103.4	101.8	104.6	105.6	105.6
ई. साइकिल और अमान्य गाड़ियों का निर्माण	0.0	101.2	100.5	101.0	102.8	104.2
एफ़. अन्य परिवहन उपकरणों का निर्माण	0.1	101.6	101.4	102.6	102.8	104.9
(यू) फर्नीचर निर्माण	**0.8**	**101.4**	**100.4**	**102.8**	**105.4**	**106.1**
ए. लकड़ी के फर्नीचर का निर्माण	0.5	104.5	102.5	106.3	108.7	109.0
बी. अन्य फर्नीचर का निर्माण	0.3	95.8	96.6	96.5	99.7	100.9
(वी) अन्य विनिर्माण	**2.0**	**138.2**	**130.3**	**158.8**	**158.7**	**158.8**
ए. आभूषण और संबंधित वस्तुओं का निर्माण	1.6	145.7	135.8	171.4	171.0	170.8
बी. नकली आभूषण और उससे जुड़ी चीज़ों का निर्माण	0.0	128.1	121.9	142.2	143.8	145.3
सी. संगीत वाद्ययंत्रों का निर्माण	0.0	115.5	114.8	118.2	120.4	120.4
डी. खेल के सामान का निर्माण	0.0	111.7	110.9	112.8	116.5	117.8
ई. खेल और खिलौनों का निर्माण	0.0	106.7	105.6	107.4	107.3	108.3
एफ़. चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति का निर्माण	0.2	105.2	106.0	102.2	104.3	105.0
जी. अन्य विनिर्माण	0.2	107.6	108.0	109.1	109.6	110.6
खाद्य सूचकांक	**25.0**	**110.7**	**109.1**	**111.5**	**112.8**	**114**

स्रोत: आर्थिक सलाहकार कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 23: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक

(आधारः 2022-23=100)

उद्योग	भार	2024-25	2025-26	मार्च		अप्रैल	
				2025	2026	2025	2026
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	**100.0**	**113.5**	**118.4**	**126.6**	**130.7**	**113.4**	**118.9**
1. क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन और उत्खनन	11.1	105.1	109	128.7	125.4	110.2	104.6
1.2 विनिर्माण	76.1	113.8	119.4	127	131.9	112.3	119.3
1.3 बिजली और गैस की आपूर्ति	10.9	116.3	117.6	119.5	124.7	119.6	125.5
1.4 Water Supply, Sewerage and Waste Management	2.0	131.8	140.2	137.5	146.3	137.1	146.1
2. उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	31.1	111.5	114.2	122.9	124.5	113.9	114.3
2.2 पूंजीगत माल	8.1	121.1	135.3	164.3	182.7	113.9	132.1
2.3 मध्यवर्ती माल	22.4	112.2	117.2	121.4	126.4	111.1	119.7
2.4 अवसंरचना/निर्माण वस्तुएं	10.9	118.2	129	134	141.8	121.1	129.7
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	11.3	114.4	119.5	122.4	125.3	114.2	119.1
2.6 उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	16.1	111.3	112.1	119.8	118.7	109.3	112.4

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी लेखा और खजाना बिल

सं. 24: केन्द्र सरकार का लेखा - एक नज़र में

(₹ करोड़)

मद	2026-27			2025-26		
	बजट अनुमान	अप्रैल 2026		अस्थायी खाते	संशोधित अनुमान	Provisional Accounts as per cent to Revised Estimates
		वास्तविक आंकड़े	बजट अनुमान का प्रतिशत			
	1	2	3	4	5	6
1. राजस्व प्राप्तियां	**3,533,150**	**202,785**	**5.7**	**3,302,225**	**3,342,323**	**98.8**
1.1 कर राजस्व (निवल)	2,866,922	178,492	**6.2**	2,623,264	2,674,661	98.1
1.2 करेतर राजस्व	666,228	24,293	**3.6**	678,961	667,662	101.7
2. गैर कर्ज पूंजीगत प्राप्तियां	**118,397**	**9,894**	**8.4**	**83,757**	**64,027**	**130.8**
2.1 ऋण की वसूली	38,397	3,522	**9.2**	24,617	30,190	81.5
2.2 अन्य प्राप्तियां	80,000	6,372	**8.0**	59,140	33,837	174.8
3. कुल प्राप्तियां (लिए गए उधार को छोड़कर) (1+2)	**3,651,547**	**212,679**	**5.8**	**3,385,982**	**3,406,350**	**99.4**
4. राजस्व व्यय	4,125,494	385,151	**9.3**	3,836,032	3,869,087	99.1
जिसमें से :						
4.1 ब्याज भुगतान	1,403,972	109,562	**7.8**	1,242,575	1,274,338	97.5
5. पूंजी व्यय	1,221,821	189,831	**15.5**	1,069,119	1,095,755	97.6
6. कुल व्यय (4+5)	**5,347,315**	**574,982**	**10.8**	**4,905,151**	**4,964,842**	**98.8**
7. राजस्व घाटा (4-1)	**592,344**	**182,366**	**30.8**	**533,807**	**526,764**	**101.3**
8. राजकोषीय घाटा (6-3)	**1,695,768**	**362,303**	**21.4**	**1,519,169**	**1,558,492**	**97.5**
9. सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	**291,796**	**252,741**	**86.6**	**276,594**	**284,154**	**97.3**

स्रोत: महालेखानियंत्रक (सीजीए), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और केंद्रीय बजट 2026-27।

सं. 25: खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(₹ करोड़)

मद	2025-26	2025	2026					
		अप्रै. 25	मार्च 20	मार्च 27	अप्रै. 3	अप्रै. 10	अप्रै. 17	अप्रै. 24
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	23433	13756	18816	23433	21699	20730	18950	18066
1.2 प्राथमिक व्यापारी	12710	23981	17784	12710	14129	12525	15829	18171
1.3 राज्य सरकारें	15779	43217	22923	15779	15779	23279	22539	40202
1.4 अन्य	102957	118563	110701	102957	103273	108845	110321	111863
2. 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	40605	43713	41875	40605	38461	40026	41779	43706
2.2 प्राथमिक व्यापारी	98051	66918	97098	98051	93570	84473	82066	81059
2.3 राज्य सरकारें	6874	8932	6874	6874	6874	6874	4424	16424
2.4 अन्य	91245	96669	96927	91245	91869	99401	100055	99035
3. 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	58499	67854	57394	58499	54939	54802	56805	57382
3.2 प्राथमिक व्यापारी	105760	85280	106626	105760	101044	96070	90533	90847
3.3 राज्य सरकारें	40756	45879	41021	40756	40621	32868	32421	31816
3.4 अन्य	145041	156866	152280	145041	148317	154428	158961	159071
4. 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक								
4.2 प्राथमिक व्यापारी								
4.3 राज्य सरकारें	205998	187551	329942	307440	182325	209637	218549	202809
4.4 अन्य	1775	1005	364	491	1775	306	1836	2597
कुल खज़ाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल को छोड़कर) #	741709	771628	770318	741709	730574	734321	734684	767641

#: 14 दिवसीय मध्यवर्ती खज़ाना बिल, 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खज़ाना बिलों जैसे बिक्री योग्य नहीं हैं। इन बिलों का स्वरूप मध्यवर्ती है, क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए इन्हें परिसमाप्त किया जाता है।

टिप्पणी: प्राथमिक व्यापारियों (पीडी) में पीडी कारोबार करनेवाले बैंक शामिल हैं।

सं. 26: खज़ाना बिलों की नीलामी

(राशि करोड़ ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियां			स्वीकृत बोलियाँ			कुल निर्गम (6+7)	निर्दिष्ट मूल्य (₹)	निर्दिष्ट मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
91-दिवसीय खज़ाना बिल										
2026-27										
अप्रै. 8	12000	159	60632	7544	33	11956	7544	19500	98.69	5.3064
अप्रै. 15	12000	146	44596	3020	24	11980	3020	15000	98.72	5.2097
अप्रै. 22	12000	147	33670	20785	72	11400	20763	32163	98.72	5.2150
अप्रै. 29	12000	85	24096	10466	54	11400	10433	21833	98.71	5.2599
182-दिवसीय खज़ाना बिल										
2026-27										
अप्रै. 8	6000	75	19996	17	46	5983	17	6000	97.32	5.5299
अप्रै. 15	6000	104	21353	7	21	5993	7	6000	97.34	5.4779
अप्रै. 22	6000	118	26290	14721	34	5700	14700	20400	97.34	5.4700
अप्रै. 29	6000	94	17496	909	33	5700	900	6600	97.33	5.4984
364-दिवसीय खज़ाना बिल										
2026-27										
अप्रै. 8	6000	82	13410	329	45	5700	300	6000	94.69	5.6278
अप्रै. 15	6000	106	15615	73	45	5927	73	6000	94.72	5.5923
अप्रै. 22	6000	91	12150	337	57	5700	300	6000	94.71	5.5990
अप्रै. 29	6000	100	11152	2831	72	5700	2800	8500	94.67	5.6511

वित्तीय बाज़ार

सं. 27: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

की स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा	भारित औसत दरें
	उधार लेना / उधार देना	उधार लेना / उधार देना
	1	2
अप्रैल 02 ,2026	4.20-5.25	5.18
अप्रैल 04 ,2026	3.00-5.10	4.78
अप्रैल 06 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रैल 07 ,2026	4.20-5.15	5.09
अप्रैल 08 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रैल 09 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रैल 10 ,2026	4.20-5.10	5.04
अप्रैल 13 ,2026	4.20-5.10	5.04
अप्रैल 15 ,2026	4.20-5.15	5.08
अप्रैल 16 ,2026	4.20-5.15	5.09
अप्रैल 17 ,2026	4.20-5.15	5.09
अप्रैल 18 ,2026	4.50-4.85	4.50
अप्रैल 20 ,2026	4.20-5.15	5.11
अप्रैल 21 ,2026	4.20-5.20	5.15
अप्रैल 22 ,2026	4.20-5.40	5.34
अप्रैल 23 ,2026	4.20-5.30	5.25
अप्रैल 24 ,2026	4.20-5.45	5.11
अप्रैल 27 ,2026	4.50-5.20	5.11
अप्रैल 28 ,2026	4.50-5.20	5.16
अप्रैल 29 ,2026	4.50-5.27	5.16
अप्रैल 30 ,2026	4.50-5.50	5.26
मई 02 ,2026	4.50-5.35	4.92
मई 04 ,2026	4.50-5.25	5.17
मई 05 ,2026	4.50-5.25	5.17
मई 06 ,2026	4.20-5.25	5.17
मई 07 ,2026	4.20-5.25	5.18
मई 08 ,2026	4.20-5.75	5.18
मई 11 ,2026	4.20-5.40	5.31
मई 12 ,2026	4.20-5.35	5.24
मई 13 ,2026	4.20-5.35	5.24
मई 14 ,2026	4.50-5.30	5.21
मई 15 ,2026	4.60-5.30	5.21

टिप्पणी : नोटिस मुद्रा शामिल है।

सं. 28: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2025	2026			
	मई 30	अप्रै. 15	अप्रै. 30	मई 15	मई 31
	1	2	3	4	5
1. बकाया राशि (₹ करोड़)	513762.66	684807.17	687310.02	663329.11	656372.88
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (₹ करोड़)	38388.15	23533.79	22476.01	46964.56	62943.15
2. ब्याज दर (प्रतिशत)	6.01-7.37	5.25-7.57	5.25-7.14	5.25-7.31	5.25-8.04

सं. 29: वाणिज्यिक पत्र

मद	2025	2026			
	मई 31	अप्रै. 15	अप्रै. 30	मई 15	मई 31
	1	2	3	4	5
1. बकाया राशि (₹ करोड़)	553874.25	526603.70	560941.15	539318.40	536186.35
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (₹ करोड़)	81053.80	79682.25	65227.35	62963.15	74982.40
2. ब्याज दर (प्रतिशत)	5.97-12.23	5.57-9.72	5.54-13.30	6.23-12.08	5.88-13.30

सं. 30: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक कारोबार

(₹ करोड़)

मद	2025-26	2025	2026					
		अप्रै. 25	मार्च 20	मार्च 27	अप्रै. 3	अप्रै. 10	अप्रै. 17	अप्रै. 24
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. मांग मुद्रा	27404	26638	44238	33889	8526	30813	26662	39844
2. नोटिस मुद्रा	3638	181	1232	2836	19122	648	9240	613
3. मीयादी मुद्रा	1480	1900	1348	1068	3651	1462	2181	1167
4. त्रिपक्षीय रेपो	780315	706111	976796	970577	884048	693896	871489	806491
5. बाजार रेपो	702127	626465	754918	743829	710885	616961	683521	571711
6. कॉरपोरेट बॉण्ड में रेपो	13354	6915	26113	26275	32671	24943	28537	27380
7. विदेशी मुद्रा (यूएस मिलियन डॉलर)	139658	136963	156124	206385	207267	171461	131830	134215
8. भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	122894	201467	67777	89760	59869	120418	138381	117983
9. राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	8049	11158	14060	15746	6659	6231	7081	7173
10. खज़ाना बिल								
10.1 91-दिवसीय	5100	5042	3987	5300	4864	5799	4924	4704
10.2 182-दिवसीय	3793	3911	4429	2484	4513	10056	10334	2536
10.3 364-दिवसीय	3900	4433	6451	6266	1372	8289	8452	3855
10.4 नकदी प्रबंधन बिल	-	-	-	-	-	-	-	-
11. कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	143735	226012	96704	119557	77278	150793	169172	136249
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	4407	12079	13918	471	261	342	1031	1178

सं. 31: गैर-सरकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि ₹ करोड़ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2025-26		2025-26 (अप्रै.)		2026-27 (अप्रै.)*		अप्रै. 2025		अप्रै. 2026 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1. इक्विटी शेयर	**506**	**234873**	**14**	**435**	**23**	**3905**	**14**	**435**	**23**	**3905**
1.1 पब्लिक	367	188705	8	255	11	2493	8	255	11	2493
1.2 राइट्स	139	46168	6	180	12	1412	6	180	12	1412
2. बॉण्ड और डिबेंचर्स के सार्वजनिक निर्गम	**43**	**11342**	**6**	**1277**	**2**	**564**	**6**	**1277**	**2**	**564**
3. कुल (1+2)	**549**	**246215**	**20**	**1712**	**25**	**4470**	**20**	**1712**	**25**	**4470**
3.1 पब्लिक	410	200047	14	1532	13	3058	14	1532	13	3058
3.2 राइट्स	139	46168	6	180	12	1412	6	180	12	1412

* : आंकड़े अनंतिम हैं।

टिप्पणियाँ: 1. अप्रैल 2020 से इक्विटी निर्गमों का मासिक डेटा उनकी लिस्टिंग की तारीख के आधार पर संकलित किया गया है।
2. संख्याओं के पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़े कुल में न जुड़ पाने की संभावना है।
3. सारणी में केवल इक्विटी और डेट के पब्लिक और राइट्स निर्गम शामिल हैं। इसमें डेट के निजी प्लेसमेंट, पात्र संस्थागत प्लेसमेंट और अधिमान्य आबंटन के आंकड़े शामिल नहीं हैं।

स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड।

बाह्य क्षेत्र

सं. 32 : विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2025-26	2025		2026			
			अप्रै.	दिसं.	जन.	फर.	मार्च	अप्रै.
		1	2	3	4	5	6	7
1. निर्यात	₹ करोड़	3903585	327561	344494	331182	332253	361012	408932
	यूएस $ मिलियन	441730	38284	38238	36474	36620	38919	43713
1.1 तेल	₹ करोड़	474411	60954	37207	33380	31030	48080	91171
	यूएस $ मिलियन	53828	7124	4130	3676	3420	5183	9746
1.2 तेल से इतर	₹ करोड़	3429173	266607	307287	297802	301223	312933	317761
	यूएस $ मिलियन	387902	31160	34108	32798	33200	33735	33967
2. आयात	₹ करोड़	6850016	559410	580873	646731	578038	552750	673034
	यूएस $ मिलियन	774978	65381	64476	71227	63709	59589	71944
2.1 तेल	₹ करोड़	1533367	177125	129693	121705	117638	113008	174246
	यूएस $ मिलियन	173942	20702	14396	13404	12966	12183	18626
2.2 तेल से इतर	₹ करोड़	5316649	382286	451180	525026	460399	439741	498788
	यूएस $ मिलियन	601036	44680	50080	57823	50743	47406	53318
3. व्यापार शेष	₹ करोड़	-2946432	-231850	-236379	-315549	-245784	-191737	-264102
	यूएस $ मिलियन	-333248	-27098	-26238	-34752	-27089	-20670	-28231
3. 1 तेल	₹ करोड़	-1058955	-116171	-92486	-88325	-86608	-64929	-83075
	यूएस $ मिलियन	-120114	-13577	-10266	-9727	-9546	-7000	-8880
3. 2 तेल से इतर	₹ करोड़	-1887476	-115679	-143893	-227225	-159177	-126809	-181027
	यूएस $ मिलियन	-213134	-13520	-15972	-25025	-17544	-13671	-19351

टिप्पणी: सारणी में डेटा अनंतिम हैं।
स्रोत: वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय।

सं. 33: विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियां

मद	इकाई	2025	2026					
		जून 06	अप्रै. 24	मई 01	मई 08	मई 15	मई 22	मई 29
		1	2	3	4	5	6	7
1. कुल आरक्षित निधियां	**₹ करोड़**	**5968103**	**6582387**	**6556404**	**6586217**	**6611091**	**6523216**	**6483678**
	यूएस $ मिलियन	**696656**	**698487**	**690693**	**696988**	**688894**	**681384**	**682321**
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	₹ करोड़	5034543	5226609	5238072	5219822	5238870	5198620	5189565
	यूएस $ मिलियन	587687	554622	551825	552387	545904	543032	546148
1.2 स्वर्ण	₹ करोड़	735779	1133076	1093660	1142009	1145045	1098889	1069944
	यूएस $ मिलियन	85888	120236	115216	120853	119317	114786	112600
	मात्रा (मीट्रिक टन)	879.58	880.52	880.52	880.52	880.52	880.52	880.52
1.3 एसडीआर	एसडीआर मिलियन	13707	13714	13714	13717	13717	13717	13717
	₹ करोड़	159953	176918	178350	178346	180649	179476	178137
	यूएस $ मिलियन	18672	18774	18789	18873	18824	18748	18747
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	₹ करोड़	37828	45785	46321	46040	46527	46231	46032
	यूएस $ मिलियन	4409	4855	4863	4875	4850	4818	4826

* अंतर यदि कोई हो, तो पूर्णांकन की वजह से है।
टिप्पणी : आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्डों में निवेश, भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर, सार्क और एसीयू करेंसी स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा एवं नेक्सस ग्लोबल पेमेंटस को निधियन के रूप में आरबीआई के अंशदान शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में विदेशी मुद्रा आस्तियों को रिज़र्व में रखी गैर-यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास के लिए लिया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रुपया - अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों पर रुपये में परिवर्तित किया गया है।

सं. 34: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियाँ

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2025-26	2025	2026		2025-26	2026-27
		अप्रै.	मार्च	अप्रै. (पी)	अप्रै.	अप्रै. (पी)
	1	2	3	4	5	6
1. एनआरआई जमाराशियाँ	**165654**	**165432**	**165654**	**165594**	**751**	**764**
1.1 एफसीएनआर (बी)	33756	33081	33756	33922	272	166
1.2 एनआर(ई)आरए	98564	101112	98564	98474	376	528
1.3 एनआरओ	33334	31239	33334	33198	103	71

अ: अनंतिम।

सं. 35: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	2025-26	2025-26	2026-27 (पी)	2025	2026 (पी)	
		अप्रै.	अप्रै.	अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	**6947**	**1592**	**6575**	**1592**	**917**	**6575**
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.1.2)	**40791**	**4988**	**11396**	**4988**	**3473**	**11396**
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह / सकल निवेश	**94836**	**9255**	**15292**	**9255**	**6628**	**15292**
1.1.1.1.1 इक्विटी	62282	6823	12422	6823	3579	12422
1.1.1.1.1.1 सरकारी	1870	297	35	297	65	35
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिज़र्व बैंक	43192	4696	11387	4696	2475	11387
1.1.1.1.1.3 शेयरों का अधिग्रहण	13785	1566	688	1566	726	688
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की इक्विटी पूंजी	3436	264	313	264	313	313
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	25651	1969	2337	1969	2337	2337
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	6902	463	533	463	713	533
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन / विनिवेश	**54044**	**4267**	**3896**	**4267**	**3155**	**3896**
1.1.1.2.1 इक्विटी	51186	4026	3827	4026	2857	3827
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	2858	241	70	241	299	70
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	**33844**	**3395**	**4820**	**3395**	**2556**	**4820**
1.1.2.1 इक्विटी पूंजी	21182	1998	3151	1998	1536	3151
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	7805	650	650	650	650	650
1.1.2.3 अन्य पूंजी	8345	952	1193	952	848	1193
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन / विनिवेश	3489	205	174	205	479	174
1.2 निवल पोर्टफोलियो निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	**-17792**	**-2129**	**-7255**	**-2129**	**-14309**	**-7255**
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	-16622	-1838	-6830	-1838	-14334	-6830
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा संविभागीय निवेश	1170	291	425	291	-25	425
1. विदेशी निवेश अंतर्वाह	**-10845**	**-537**	**-680**	**-537**	**-13393**	**-680**

अ: अनंतिम।

सं. 36: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	2025-26	2025	2026		
		अप्रै.	फर.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	5
1. एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	**28979.36**	**2481.41**	**2338.60**	**2594.87**	**2286.59**
1.1 जमाराशियाँ	753.08	94.15	56.90	176.35	94.79
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	528.70	44.69	51.36	38.68	49.21
1.3 इक्विटी / डेट में निवेश	2652.01	203.44	265.99	440.22	238.63
1.4 उपहार	2594.81	290.89	202.09	290.00	270.44
1.5 दान	12.12	1.57	0.86	1.17	0.82
1.6 यात्रा	16437.99	1270.44	1307.03	1094.60	1157.91
1.6.1 बिज़नेस यात्रा	16.05			16.05	10.03
1.6.2 तीर्थयात्रा के लिए यात्रा	2.55			2.55	17.31
1.6.3 इलाज के लिए यात्रा	2.79			2.79	4.58
1.6.4 शिक्षा के लिए यात्रा (फीस, हॉस्टल का खर्च आदि सहित)	450.16			450.16	439.34
1.6.5 अन्य यात्रा (छुट्टियों की यात्रा और इंटरनेशनल क्रेडिट कार्ड ट्रांज़ैक्शन के भुगतान सहित)	623.05			623.05	686.65
1.7 निकट संबंधियों से संबंधित खर्चे	3539.04	397.97	266.18	389.78	328.73
1.8 चिकित्सा उपचार	58.55	5.08	4.21	3.91	3.37
1.9 विदेश में शिक्षा	2309.74	163.56	175.68	151.71	134.75
1.10 अन्य	93.30	9.61	8.30	8.45	7.94

नोट: (i) 'शिक्षा के लिए यात्रा' (शिक्षा हेतु यात्रा) आइटम के तहत उन लेन-देन को शामिल किया जाता है जिनमें कोई व्यक्ति शिक्षा के लिए विदेश यात्रा करता है, जबकि 'विदेश में पढ़ाई' (विदेश में पढ़ाई) आइटम के तहत उन लेन-देन को शामिल किया जाता है जिनमें कोई व्यक्ति विदेश यात्रा किए बिना दूर से ही शिक्षा सेवाएँ लेता है, जैसे विदेश में कॉरेस्पोंडेंस कोर्स की फीस। (ii) 'इलाज के लिए यात्रा' (इलाज के लिए यात्रा) आइटम के तहत उन लेन-देन को शामिल किया जाता है जिनमें कोई व्यक्ति मेडिकल सेवाओं के लिए विदेश यात्रा करता है, जबकि 'इलाज' (इलाज) आइटम के तहत उन लेन-देन को शामिल किया जाता है जिनमें कोई व्यक्ति विदेश यात्रा किए बिना दूर से ही मेडिकल सेवाएँ लेता है।

सं. 37: भारतीय रुपये का सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) सूचकांक

मद	2024-25	2025-26	2025	2026	
			मई	अप्रै.	मई
	1	2	3	4	5
40-मुद्रा समूह (आधार: 2015-16 = 100)					
1. व्यापार-भारित					
1.1 नीर	91.01	84.72	88.35	79.66	77.72
1.2 रीर	105.41	97.45	101.03	90.97	89.21
2. निर्यात-आधारित भारांक					
2.1 नीर	93.52	86.84	90.51	82.32	80.55
2. 2 रीर	102.50	94.89	98.47	88.87	87.32
6-मुद्रा समूह (व्यापार-भारित)					
1. आधार : 2015-16 =100					
1.1 नीर	82.38	76.73	80.31	71.74	70.06
1.2 रीर	102.72	95.83	99.38	89.35	87.75
2. आधार : 2022-23 = 100					
2.1 नीर	95.87	89.30	93.45	83.49	81.54
2.2 रीर	100.90	94.13	97.62	87.76	86.20

टिप्पणी : 2025-26 और 2026-27 के लिए अब तक का डेटा अनंतिम है।

सं. 38: बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) - पंजीकरण

(राशि मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

मद	2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4
1. स्वचालित मार्ग				
1.1 संख्या	1378	119	150	126
1.2 राशि	36124	1907	5221	3765
2. अनुमोदन मार्ग				
2.1 संख्या	24	3	2	0
2.2 राशि	6845	1010	212	0
3. कुल (1+2)				
3.1 संख्या	1402	122	152	126
3.2 राशि	42969	2917	5433	3765
4. भारित औसत परिपक्वता (वर्षों में)	5.30	4.20	4.80	5.40
5. ब्याज दर (प्रतिशत)				
5.1 अस्थिर दर के ऋणों@ के लिए वैकल्पिक संदर्भ दर (एआरआर) पर भारित औसत मार्जिन	1.50	1.41	1.18	1.39
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-11.00	0.00-10.25	0.00-11.00	0.00-11.33

उधारकर्ता श्रेणियाँ

I. कॉर्पोरेट - कृषि और बागान क्षेत्र	0	0	0	0
II. कॉरपोरेट विनिर्माण	7340	817	431	1223
III. कॉरपोरेट - अवसंरचना	13100	48	2003	1753
ए) परिवहन	2792	0	392	133
बी) ऊर्जा	6898	0	1553	1235
सी) पानी और सफाई व्यवस्था	39	0	30	0
डी) संचार	153	0	25	5
ई) सामाजिक और वाणिज्यिक अवसंरचना	129	48	0	0
एफ) अन्वेषण, खनन और रिफाइनरी	3085	0	0	375
जी) बुनियादी ढांचा (औद्योगिक पार्कों का निर्माण और विकास, एकीकृत टाउनशिप और एसईजेड)	4	0	3	5
IV. कॉर्पोरेट - निर्माण (गैर-बुनियादी ढांचा)	1	0	1	0
V. कॉरपोरेट सेवा क्षेत्र	3903	337	277	95
VI. कॉर्पोरेट-वित्तीय क्षेत्र	18124	1530	2641	662
ए) बैंक	0	0	0	0
बी) एनबीएफसी	16499	1530	2366	662
सी) अखिल भारतीय वित्तीय संस्थान (एआईएफआई)	1475	0	125	0
डी) सूक्ष्म वित्त संस्थान (एमएफआई) (बैंकों, एनबीएफसी और एआईएफआई के अलावा)	0	0	0	0
ई) अन्य	150	0	150	0
VII. अन्य संस्थाएं	10	0	10	0
ए) सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी)	10	0	10	0
बी) साझेदारी फर्म	0	0	0	0
सी) एनबीफसी - अन्य	0	0	0	0
डी) समाज	0	0	0	0
VIII. अन्य@@	491	185	70	32

@ 01 जुलाई, 2023 से बेंचमार्क दर को बदलकर वैकल्पिक संदर्भ दर (एआरआर) कर दिया गया है।

@@: अन्य' में 'अन्यत्र वर्गीकृत नहीं' शामिल है।

टिप्पणियाँ: 1. 'फॉर्म ईसीबी 1' में 'सामान्य और विशेष अनुमति' को आरबीआई के 18 फरवरी 2026 के 'फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999 के तहत रिपोर्टिंग – बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) से संबंधित रिटर्न' परिपत्र के अनुसार पेश किया गया है, जो 16 फरवरी 2026 के आरबीआई के परिपत्र 'फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (बॉरोइंग और लेंडिंग) (फर्स्ट अमेंडमेंट) रेगुलेशंस' के संशोधित ईसीबी फ्रेमवर्क के अनुसार है।

2. ईसीबी/फॉरेन करेंसी कन्वर्टिबल बॉन्ड (एफ़सीसीबी) के लिए एप्लीकेशन के आधार पर, जिन्हें इस समय के दौरान लोन रजिस्ट्रेशन नंबर (एलआरएन) दिया गया है और बॉरोअर कैटेगरी फॉर्म ईसीबी 1 में उपलब्ध एंड-यूज़ सेक्टर पर आधारित है।

सं. 39ए: भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में बिलिंग

(आईएनआर बिलियन)

मद	अप्रै.-2026	अप्रै.-मार्च 2025-26	अप्रै.-मार्च 2024-25
	1	2	3
निर्यात	385.39 (10.99%)	3444.04 (6.21%)	3077.03 (5.90%)
आयात	307.75 (5.59%)	2959.16 (4.63%)	2599.43 (4.54%)

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े सभी मुद्राओं की तुलना में आईएनआर का प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।
2. सभी आंकड़े एडी बैंक द्वारा ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल पर दी गई रिपोर्टिंग पर आधारित हैं और इसलिए समय-समय पर इनमें अद्यतन/सुधार हो सकते हैं।
स्रोत: ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल।

सं. 39बी: भारत से माल और सॉफ्टवेयर के निर्यात और भारत को माल के आयात के लिए आईएनआर में निपटान

(आईएनआर बिलियन)

मद	अप्रै.-2026	अप्रै.-मार्च 2025-26	अप्रै.-मार्च 2024-25
	1	2	3
निर्यात	102.18 (1.88%)	1793.69 (3.10%)	1686.04 (3.21%)
आयात	548.01 (8.26%)	1706.66 (2.64%)	1131.56 (1.94%)

टिप्पणियाँ: 1. कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े सभी मुद्राओं की तुलना में आईएनआर का प्रतिशत हिस्सा दर्शाते हैं।
2. सभी आंकड़े एडी बैंक द्वारा ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल पर दी गई रिपोर्टिंग पर आधारित हैं और इसलिए समय-समय पर इनमें अद्यतन/सुधार हो सकते हैं।
स्रोत: ईडीपीएमएस/आईडीपीएमएस पोर्टल।

सं. 40: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	जन.-मार्च 2025			जन.-मार्च 2026 (पी)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**521765**	**512977**	**8789**	**759702**	**752482**	**7219**
1. चालू खाता (1.1+1.2)	**265093**	**251467**	**13626**	**280514**	**273464**	**7049**
1.1 पण्य	**116450**	**175764**	**-59314**	**113133**	**196565**	**-83433**
1.2 अप्रत्यक्ष मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**148643**	**75703**	**72940**	**167381**	**76899**	**90482**
1.2.1 सेवाएं	102026	48711	53314	111065	50709	60356
1.2.1.1 यात्रा	9097	7934	1162	9289	8174	1115
1.2.1.2 परिवहन	8157	8385	-228	8176	8003	173
1.2.1.3 बीमा	886	762	124	938	515	423
1.2.1.4 जी.एन.आई.ई.	165	330	-165	172	317	-145
1.2.1.5 विविध	83720	31299	52421	92489	33699	58790
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	46917	5434	41483	53326	6237	47090
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	29432	16221	13212	33076	18326	14750
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1989	795	1193	1856	823	1033
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	731	533	198	525	525	0
1.2.2 अंतरण	34717	3214	31504	44272	3037	41234
1.2.2.1 आधिकारिक	31	376	-345	29	378	-348
1.2.2.2 निजी	34686	2838	31848	44242	2660	41583
1.2.3 आय	11900	23778	-11878	12044	23153	-11109
1.2.3.1 निवेश आय	9873	22746	-12873	9978	21992	-12014
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	2027	1032	995	2066	1161	905
2. पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**255893**	**261510**	**-5617**	**477902**	**479018**	**-1115**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**144464**	**149956**	**-5492**	**148715**	**156553**	**-7839**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	18494	18127	366	22496	18287	4209
2.1.1.1 भारत में	17527	7474	10053	21060	9466	11594
2.1.1.1.1 इक्विटी	9610	7199	2411	11911	8570	3341
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	6165		6165	7010		7010
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	1751	275	1476	2139	896	1243
2.1.1.2 विदेश में	967	10653	-9686	1436	8821	-7385
2.1.1.1.1 इक्विटी	967	6321	-5354	1436	4917	-3481
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	0	1712	-1712	0	1951	-1951
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	0	2620	-2620	0	1953	-1953
2.1.2 पोर्टफोलियो निवेश	125970	131829	-5859	126218	138266	-12047
2.1.2.1 भारत में	124923	130917	-5995	124580	136701	-12121
2.1.2.1.1 एफआईआई	124923	130917	-5995	124580	136701	-12121
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	101683	115225	-13541	108868	122513	-13645
2.1.2.1.1.2 ऋण	23239	15693	7547	15712	14188	1524
2.1.2.1.2 एडीआर / जीडीआर	0		0	0		0
2.1.2.2 विदेश में	1048	912	136	1638	1564	74
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**56221**	**50563**	**5658**	**259712**	**259102**	**610**
2.2.1 बाह्य सहायता	3712	1641	2071	3274	1723	1551
2.2.1.1 भारत द्वारा	6	25	-19	6	9	-4
2.2.1.2 भारत को	3706	1616	2090	3268	1713	1555
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	38951	30958	7993	241439	238943	2496
2.2.2.1 भारत द्वारा	23141	22668	473	231433	232511	-1078
2.2.2.2 भारत को	15810	8290	7520	10006	6432	3574
2.2.3 भारत को अल्पावधि	13558	17964	-4406	14999	18436	-3437
2.2.3.1 खरीदार और आपूर्तिकर्ता का ऋण > 180 दिन	13558	16205	-2647	14999	16553	-1554
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	0	1759	-1759	0	1883	-1883
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**33573**	**42550**	**-8977**	**47850**	**42451**	**5399**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	33573	42331	-8758	47288	42451	4838
2.3.1.1 आस्तियां	6486	17652	-11166	16794	15790	1004
2.3.1.2 देयताएं	27087	24678	2408	30494	26660	3834
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियाँ	26288	23458	2830	28791	25501	3290
2.3.2 अन्य	0	219	-219	562	0	562
2.4 रुपया कर्ज चुकौती		**7**	**-7**		**7**	**-7**
2.5 अन्य पूंजी	**21635**	**18433**	**3202**	**21626**	**20905**	**721**
3. भूल-चूक	**780**	**0**	**780**	**1286**	**0**	**1286**
4. मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	**0**	**8789**	**-8789**	**0**	**7219**	**-7219**
4.1 आई.एम.एफ.	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)		8789	-8789		7219	-7219

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 41: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(₹ करोड़)

मद	जन.-मार्च 2025			जन.-मार्च 2026 (पी)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	**4521240**	**4445084**	**76155**	**6945971**	**6879963**	**66007**
1. चालू खाता (1.1+1.2)	**2297101**	**2179032**	**118069**	**2564742**	**2500291**	**64451**
1.1 पण्य	**1009071**	**1523044**	**-513973**	**1034374**	**1797201**	**-762827**
1.2 अप्रत्यक्ष मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	**1288030**	**655988**	**632042**	**1530369**	**703091**	**827278**
1.2.1 सेवाएं	884079	422095	461984	1015470	463631	551839
1.2.1.1 यात्रा	78826	68754	10072	84934	74739	10195
1.2.1.2 परिवहन	70683	72660	-1977	74757	73174	1583
1.2.1.3 बीमा	7682	6603	1078	8577	4712	3865
1.2.1.4 जी.एन.आई.ई.	1432	2860	-1429	1573	2896	-1323
1.2.1.5 विविध	725457	271217	454240	845629	308110	537519
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	406549	47084	359465	487564	57022	430541
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	255039	140555	114484	302415	167558	134857
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	17232	6892	10339	16970	7521	9449
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	6333	4618	1715	4801	4799	1
1.2.2 अंतरण	300834	27848	272987	404778	27772	377006
1.2.2.1 आधिकारिक	273	3259	-2986	269	3455	-3186
1.2.2.2 निजी	300561	24588	275973	404509	24317	380192
1.2.3 आय	103117	206046	-102929	110121	211688	-101567
1.2.3.1 निवेश आय	85554	197101	-111547	91229	201074	-109844
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	17563	8945	8618	18891	10614	8278
2. पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	**2217379**	**2266052**	**-48673**	**4369474**	**4379672**	**-10198**
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	**1251821**	**1299413**	**-47592**	**1359701**	**1431369**	**-71668**
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	160253	157078	3175	205683	167201	38481
2.1.1.1 भारत में	151875	64767	87108	192549	86547	106002
2.1.1.1.1 इक्विटी	83277	62383	20894	108900	78355	30545
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	53422	0	53422	64093	0	64093
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	15176	2384	12792	19556	8192	11364
2.1.1.2 विदेश में	8378	92311	-83933	13134	80654	-67521
2.1.1.2.1 इक्विटी	8378	54774	-46396	13134	44957	-31824
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	14831	-14831	0	17841	-17841
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	22706	-22706	0	17856	-17856
2.1.2 पोर्टफोलियो निवेश	1091568	1142335	-50767	1154019	1264168	-110149
2.1.2.1 भारत में	1082489	1134435	-51945	1139038	1249864	-110826
2.1.2.1.1 एफआईआई	1082489	1134435	-51945	1139038	1249864	-110826
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	881113	998454	-117341	995379	1120138	-124759
2.1.2.1.1.2 ऋण	201376	135981	65395	143659	129726	13933
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	9079	7900	1178	14981	14304	677
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	**487167**	**438140**	**49027**	**2374552**	**2368975**	**5577**
2.2.1 बाह्य सहायता	32166	14220	17945	29933	15749	14184
2.2.1.1 भारत द्वारा	52	217	-166	52	86	-34
2.2.1.2 भारत को	32114	14003	18111	29882	15663	14218
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	337517	268255	69262	2207482	2184662	22820
2.2.2.1 भारत द्वारा	200522	196420	4102	2115997	2125854	-9857
2.2.2.2 भारत को	136995	71835	65160	91486	58808	32678
2.2.3 भारत को अल्पावधि	117484	155665	-38180	137137	168564	-31427
2.2.3.1 खरीदार और आपूर्तिकर्ता का ऋण > 180 दिन	117484	140424	-22940	137137	151348	-14212
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	0	15240	-15240	0	17216	-17216
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	**290917**	**368705**	**-77788**	**437493**	**388127**	**49366**
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	290917	366806	-75889	432358	388127	44232
2.3.1.1 आस्तियां	56203	152962	-96758	153550	144372	9178
2.3.1.2 देयताएं	234713	213844	20870	278809	243755	35054
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियाँ	227792	203268	24524	263239	233154	30084
2.3.2 अन्य	0	1899	-1899	5134	0	5134
2.4 रुपया ऋण चुकौती	**0**	**62**	**-62**	**0**	**69**	**-69**
2.5 अन्य पूंजी	**187474**	**159731**	**27743**	**197728**	**191132**	**6596**
3. भूल-चूक	**6759**	**0**	**6759**	**11754**	**0**	**11754**
4. मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	**0**	**76155**	**-76155**	**0**	**66007**	**-66007**
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	0	76155	-76155	0	66007	-66007

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 42: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	जन.-मार्च 2025			जन.-मार्च 2026 (अ)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	**265092**	**251438**	**13654**	**280513**	**273432**	**7081**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**218476**	**224475**	**-6000**	**224198**	**247274**	**-23076**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**116450**	**175764**	**-59314**	**113133**	**196565**	**-83433**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	116234	166263	-50029	112560	173988	-61428
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	216	0	216	573	0	573
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण		9501	-9501		22578	-22578
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**102026**	**48711**	**53314**	**111065**	**50709**	**60356**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	280	46	235	213	69	144
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	98	292	-193	111	373	-262
1.अ.ख.3 परिवहन	8157	8385	-228	8176	8003	173
1.अ.ख.4 यात्रा	9097	7934	1162	9289	8174	1115
1.अ.ख.5 निर्माण	1553	820	733	1343	901	442
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	886	762	124	938	515	423
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1989	795	1193	1856	823	1033
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	376	4358	-3981	473	4249	-3776
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	47738	6309	41430	53953	7113	46840
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	29432	16221	13212	33076	18326	14750
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	1270	1470	-199	1359	1417	-59
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न किए गए सरकारी माल और सेवाएं	165	330	-165	172	317	-145
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	983	990	-8	104	427	-323
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**11900**	**23778**	**-11878**	**12044**	**23153**	**-11109**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	2027	1032	995	2066	1161	905
1.आ.2 निवेश आय	7800	22292	-14493	8095	21501	-13406
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	2743	13132	-10389	3522	12641	-9119
1.आ.2.2 पोर्टफोलियो निवेश	110	1937	-1827	70	1632	-1562
1.आ.2.3 अन्य निवेश	846	7044	-6199	925	7072	-6147
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	4101	179	3923	3578	156	3422
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	2074	454	1620	1883	491	1392
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**34717**	**3184**	**31532**	**44272**	**3005**	**41266**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	34686	2838	31848	44242	2660	41583
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	33936	2096	31839	43502	1967	41535
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	750	741	9	741	693	48
1.इ.2 सामान्य सरकार	31	347	-316	29	346	-316
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**198**	**279**	**-81**	**239**	**168**	**70**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	16	112	-96	27	57	-31
2.2 पूँजी अतंरण	182	166	16	212	111	101
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**255695**	**270049**	**-14354**	**477664**	**486101**	**-8437**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**18494**	**18127**	**366**	**22496**	**18287**	**4209**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	17527	7474	10053	21060	9466	11594
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	15776	7199	8576	18921	8570	10351
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	9610	7199	2411	11911	8570	3341
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	6165		6165	7010		7010
3.1.अ.2 डेट लिखत	1751	275	1476	2139	896	1243
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	1751	275	1476	2139	896	1243
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	967	10653	-9686	1436	8821	-7385
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	967	8033	-7066	1436	6868	-5432
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	967	6321	-5354	1436	4917	-3481
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश		1712	-1712		1951	-1951
3.1.आ.2 डेट लिखत	0	2620	-2620	0	1953	-1953
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक		2620	-2620		1953	-1953
3.2 पोर्टफोलियो निवेश	**125970**	**131829**	**-5859**	**126218**	**138266**	**-12047**
3.2अ भारत में पोर्टफोलियो निवेश	124923	130917	-5995	124580	136701	-12121
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	101683	115225	-13541	108868	122513	-13645
3.2.2 डेट प्रतिभूतियां	23239	15693	7547	15712	14188	1524
3.2आ भारत द्वारा पोर्टफोलियो निवेश	1048	912	136	1638	1564	74
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**4928**	**12389**	**-7461**	**8595**	**18209**	**-9614**
3.4 अन्य निवेश	**106303**	**98915**	**7388**	**320355**	**304119**	**16235**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	26288	23677	2611	29353	25501	3852
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी कर्ज मूवमेंट; एनआरजी)	0	219	-219	562	0	562
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	26288	23458	2830	28791	25501	3290
3.4.2.3 सामान्य सरकार			0			0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र			0			0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	49947	51471	-1524	263210	257615	5595
3.4.3अ भारत को ऋण	26801	28779	-1978	31771	25095	6676
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	23147	22693	454	231439	232520	-1082
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	56	630	-574	52	43	9
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	13558	17964	-4406	14999	18436	-3437
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	16454	5173	11281	12741	2524	10217
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार			0			0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**0**	**8789**	**-8789**	**0**	**7219**	**-7219**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण			0			0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए			0			0
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए			0			0
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	8789	-8789	0	7219	-7219
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**255695**	**270049**	**-14354**	**477664**	**486101**	**-8437**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	124457	144387	-19929	139509	157767	-18258
4.2 ऋण लिखत	114784	111701	3084	325413	318590	6823
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	16454	13962	2492	12741	9744	2998
5. निवल भूल-चूक	**780**	**0**	**780**	**1286**	**0**	**1286**

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 43: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(₹ करोड़)

मद	जन.-मार्च 2025			जन.-मार्च 2026 (अ)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	**2297097**	**2178778**	**118319**	**2564742**	**2499997**	**64744**
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	**1893150**	**1945139**	**-51989**	**2049844**	**2260832**	**-210988**
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	**1009071**	**1523044**	**-513973**	**1034374**	**1797201**	**-762827**
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	1007203	1440714	-433512	1029135	1590773	-561638
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	1868	0	1868	5239	0	5239
1..अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	82330	-82330	0	206428	-206428
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	**884079**	**422095**	**461984**	**1015470**	**463631**	**551839**
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	2429	397	2032	1950	631	1319
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	852	2528	-1676	1016	3409	-2393
1.अ.ख.3 परिवहन	70683	72660	-1977	74757	73174	1583
1.अ.ख.4 यात्रा	78826	68754	10072	84934	74739	10195
1.अ.ख.5 निर्माण	13459	7104	6355	12278	8240	4038
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	7682	6603	1078	8577	4712	3865
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	17232	6892	10339	16970	7521	9449
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	3261	37760	-34499	4327	38851	-34524
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	413664	54665	358999	493294	65036	428259
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	255039	140555	114484	302415	167558	134857
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	11007	12735	-1729	12424	12959	-535
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न किए गए सरकारी माल और सेवाएं	1432	2860	-1429	1573	2896	-1323
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं है	8514	8580	-66	955	3906	-2950
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	**103117**	**206046**	**-102929**	**110121**	**211688**	**-101567**
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	17563	8945	8618	18891	10614	8278
1.आ.2 निवेश आय	67585	193168	-125583	74017	196586	-122569
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	23767	113792	-90025	32204	115577	-83373
1.आ.2.2 पोर्टफोलियो निवेश	951	16786	-15835	643	14924	-14281
1.आ.2.3 अन्य निवेश	7328	61041	-53713	8459	64657	-56199
1.आ.2.4 रिज़र्व आस्तियां	35540	1549	33990	32711	1427	31284
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	17969	3932	14037	17213	4488	12725
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	**300830**	**27593**	**273237**	**404777**	**27478**	**377299**
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तेतर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	300561	24588	275973	404509	24317	380192
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	294061	18164	275897	397738	17983	379755
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	6501	6424	76	6771	6334	437
1.इ.2 सामान्य सरकार	269	3005	-2736	268	3160	-2892
2. पूँजी खाता (2.1+2.2)	**1714**	**2414**	**-699**	**2183**	**1540**	**643**
2.1 अनुत्पादित वित्तेतर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	136	971	-835	243	525	-282
2.2 पूँजी अंतरण	1578	1443	135	1940	1015	925
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	**2215669**	**2340048**	**-124379**	**4367292**	**4444433**	**-77142**
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	**160253**	**157078**	**3175**	**205683**	**167201**	**38481**
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	151875	64767	87108	192549	86547	106002
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	136699	62383	74316	172992	78355	94637
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इतर इक्विटी	83277	62383	20894	108900	78355	30545
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	53422	0	53422	64093	0	64093
3.1.अ.2 ऋण लिखत	15176	2384	12792	19556	8192	11364
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	15176	2384	12792	19556	8192	11364
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	8378	92311	-83933	13134	80654	-67521
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	8378	69605	-61227	13134	62798	-49664
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	8378	54774	-46396	13134	44957	-31824
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	14831	-14831	0	17841	-17841
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	22706	-22706	0	17856	-17856
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	22706	-22706	0	17856	-17856
3.2 पोर्टफोलियो निवेश	**1091568**	**1142335**	**-50767**	**1154019**	**1264168**	**-110149**
3.2अ भारत में पोर्टफोलियो निवेश	1082489	1134435	-51945	1139038	1249864	-110826
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	881113	998454	-117341	995379	1120138	-124759
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	201376	135981	65395	143659	129726	13933
3.2आ. भारत द्वारा पोर्टफोलियो निवेश	9079	7900	1178	14981	14304	677
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिज़र्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	**42703**	**107351**	**-64648**	**78581**	**166485**	**-87904**
3.4 अन्य निवेश	**921144**	**857128**	**64016**	**2929009**	**2780571**	**148438**
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	227792	205167	22625	268373	233154	35218
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी कर्ज मूवमेंट; एनआरजी)	0	1899	-1899	5134	0	5134
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	227792	203268	24524	263239	233154	30084
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0	0	0	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूँजी)	432808	446014	-13206	2406536	2355383	51152
3.4.3अ भारत को ऋण	232234	249376	-17142	290487	229444	61043
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	200574	196638	3936	2116048	2125940	-9891
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	484	5456	-4972	471	392	80
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	117484	155665	-38180	137137	168564	-31427
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	142577	44827	97749	116493	23078	93415
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	**0**	**76155**	**-76155**	**0**	**66007**	**-66007**
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0	0	0	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.3 आईएमएफ में रिज़र्व निधियों की स्थिति एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.4 अन्य रिज़र्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	76155	-76155	0	66007	-66007
4. कुल आस्तियां / देयताएं	**2215669**	**2340048**	**-124379**	**4367292**	**4444433**	**-77142**
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	1078457	1251149	-172693	1275538	1442472	-166934
4.2 ऋण लिखत	994636	967916	26720	2975261	2912876	62384
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	142577	120983	21594	116493	89085	27408
5. निवल भूल-चूक	**6759**	**0**	**6759**	**11754**	**0**	**11754**

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक।

सं. 44: भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	वित्तीय वर्ष के अंत तक/ तिमाही अंत							
	2024-25		2024		2025			
			दिसं.		सितं.		दिसं.	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
	1	2	3	4	5	6	7	8
1. विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	270441	556974	260755	547234	288909	562196	296446	558998
1.1 इक्विटी पूंजी*	173559	521931	166493	512997	187193	525834	193082	522188
1.2 अन्य पूंजी	96882	35043	94262	34237	101716	36362	103364	36810
2. पोर्टफोलियो निवेश	15396	272039	12039	276516	16649	258740	16532	255905
2.1 इक्विटी	10339	141938	9197	155573	12559	133005	10126	130110
2.2 डेट	5057	130101	2843	120943	4091	125735	6407	125795
3. अन्य निवेश	179812	634065	162267	610964	179570	635651	197307	643603
3.1 व्यापार ऋण	33680	131163	33324	135571	31849	135032	34483	146442
3.2 ऋण	27058	250520	23408	240572	25838	258489	26795	259928
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	80425	167598	69581	165713	80770	168875	90192	173889
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	38649	62797	35954	47527	41113	50569	45836	40682
3.5 विशेष आहरण अधिकार (निवल)		21987		21581		22687		22662
4. आरक्षित निधियाँ	668326		635701		700089		687734	
5. कुल आस्तियां/देयताएं	1133976	1463079	1070762	1434714	1185216	1456587	1198020	1458506
6. निवल आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)	-329103		-363951		-271371		-260486	

टिप्पणी: * इक्विटी पूंजी में निवेश निधि और पुनर्निवेशित अर्जन का शेयर शामिल है।

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 45: भुगतान प्रणाली संकेतक

भाग I - भुगतान प्रणाली संकेतक – भुगतान तथा निपटान प्रणाली सांख्यिकी

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि.व. 2025-26	2025	2026		वि.व. 2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	4	5	6	7
ए. निपटान प्रणाली								
वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 सीसीआईएल प्रचालित प्रणाली (1.1 से 1.3)	**56.84**	**5.07**	**4.44**	**4.65**	**367014602**	**29399814**	**30819254**	**32290516**
1.1 सरकारी प्रतिभूति समाशोधन (1.1.1 से 1.1.3)	20.08	1.89	1.51	1.67	214487317	16657576	16548550	16817588
1.1.1 आउटराइट	11.76	1.30	0.84	0.99	17320069	2017823	1200663	1351982
1.1.2 रेपो	5.62	0.38	0.46	0.46	93385356	7078422	6833924	6706602
1.1.3 त्रि-पक्षीय रेपो	2.70	0.20	0.22	0.22	103781892	7561331	8513963	8759004
1.2 विदेशी मुद्रा समाशोधन	35.44	3.07	2.76	2.81	141483010	11992139	13006222	14216020
1.3 रुपये के डेरिवेटिव @	1.32	0.11	0.17	0.16	11044275	750099	1264482	1256908
बी. भुगतान प्रणाली								
I वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)	-	-	-	-	-	-	-	-
1. ऋण अंतरण - आरटीजीएस (1.1 से 1.2)	**3499.79**	**262.41**	**367.45**	**315.56**	**227372648**	**16895789**	**23758759**	**19248590**
1.1 ग्राहक लेनदेन	3485.43	261.16	366.26	314.47	206929117	15060026	22131384	17613014
1.2 अंतरबैंक लेनदेन	14.36	1.24	1.20	1.09	20443531	1835763	1627375	1635576
II खुदरा								
2. ऋण अंतरण - खुदरा (2.1 से 2.6)	**2618738.01**	**194925.94**	**244356.27**	**238826.91**	**91939186**	**7126205**	**9619673**	**8240533**
2.1 एईपीएस (निधि अंतरण) @	3.28	0.30	0.27	0.27	170	16	16	17
2.2 एपीबीएस $	33854.21	2610.51	3335.83	2372.04	717040	57566	83656	44625
2.3 आईएमपीएस	49431.09	4492.53	3656.79	3624.87	7669929	621666	740176	700909
2.4 एनएसीएच जमा $	18284.42	1200.84	1561.87	1031.28	1902293	154683	181678	167523
2.5 एनईएफटी	100996.16	7687.52	9390.43	8330.47	50226505	3897348	5661604	4424471
2.6 यूपीआई @	2416168.86	178934.24	226411.08	223467.97	31423250	2394926	2952542	2902988
2.6.1 जिसमें से यूएसएसडी@	14.31	1.22	1.23	1.15	188	13	13	12
3. डेबिट ट्रांसफर और डायरेक्ट डेबिट (3.1 से 3.3)	**23471.34**	**1869.90**	**2075.65**	**2031.08**	**2697355**	**198565**	**257724**	**241715**
3.1 भीम आधार पे @	231.96	17.39	20.99	21.26	7739	601	800	850
3.2 एनएसीएच नामे $	21614.19	1709.27	1927.45	1883.26	2687459	197780	256744	240687
3.3 एनईटीसी (बैंक खाते से जुड़ा) @	1625.19	143.24	127.21	126.56	2157	184	180	178
4. कार्ड भुगतान (4.1 से 4.2)	**73039.76**	**5673.64**	**6787.94**	**6574.99**	**2807946**	**222351**	**257443**	**234281**
4.1 क्रेडिट कार्ड (4.1.1 से 4.1.2)	60237.64	4502.70	5774.77	5596.15	2362471	184237	219495	197305
4.1.1 पीओएस आधारित $	30153.21	2281.41	2840.35	2755.84	885019	67899	78470	73849
4.1.2 अन्य $	30084.43	2221.29	2934.41	2840.31	1477452	116338	141024	123456
4.2 डेबिट कार्ड (4.2.1 से 4.2.1)	12802.12	1170.93	1013.17	978.85	445475	38113	37948	36977
4.2.1 पीओएस आधारित $	9601.85	875.30	749.32	721.48	293537	26187	24346	24343
4.2.2 अन्य $	3200.27	295.63	263.85	257.37	151938	11926	13602	12633
5. प्रीपेड भुगतान लिखत (5.1 से 5.2)	**98699.47**	**6768.43**	**8749.63**	**8573.06**	**286429**	**21254**	**28563**	**28125**
5.1 वालेट	78570.94	5157.38	6959.28	6768.34	223016	15896	22448	22201
5.2 कार्ड (5.2.1 से 5.2.2)	20128.53	1611.04	1790.35	1804.72	63414	5358	6114	5924
5.2.1 पीओएस आधारित $	8356.49	649.25	795.76	809.55	14373	1093	1343	1244
5.2.2 अन्य $	11772.04	961.79	994.59	995.17	49041	4265	4771	4680
6. पेपर-आधारित लिखत (6.1 से 6.2)	**5587.83**	**494.77**	**491.89**	**454.32**	**7147568**	**645079**	**691723**	**693190**
6.1 सीटीएस (एनपीसीआई प्रबंधित)	5587.83	494.77	491.89	454.32	7147568	645079	691723	693190
6.2 अन्य	0.00	–	–	–	–	–	–	–
कुल - खुदरा भुगतान (2 + 3 + 4 + 5 + 6)	**2819536.40**	**209732.67**	**262461.38**	**256460.36**	**104878484**	**8213454**	**10855126**	**9437844**
कुल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6)	**2823036.19**	**209995.08**	**262828.83**	**256775.92**	**332251133**	**25109243**	**34613885**	**28686433**
कुल डिजिटल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5)	**2817448.36**	**209500.31**	**262336.94**	**256321.60**	**325103565**	**24464164**	**33922162**	**27993244**

भाग II- भुगतान माध्यम और चैनल

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि.व. 2025-26	2025	2026		वि.व. 2025-26	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4	4	5	6	7
ए. अन्य भुगतान चैनल								
1. मोबाइल भुगतान (मोबाइल ऐप आधारित) (1.1 से 1.2)	**2226710.88**	**165826.22**	**208803.96**	**206900.26**	**45558548**	**3504510**	**4386940**	**4207121**
1.1 इंट्राबैंक $	122837.81	9304.80	10802.29	10611.15	7917883	617807	764233	719824
1.2 अंतर-बैंक $	2103873.07	156521.42	198001.67	196289.11	37640666	2886703	3622707	3487297
2. इंटरनेट भुगतान (नेटबैंकिंग / इंटरनेट ब्राउज़र आधारित) @ (2.1 से 2.2)	**44541.07**	**3653.49**	**3869.61**	**3504.17**	**158930351**	**11633517**	**16819300**	13660002
2.1 अंतबैंक @	10212.76	838.00	888.88	853.50	83681438	6048107	8836592	7063192
2.2 अंतर-बैंक @	34328.30	2815.49	2980.72	2650.67	75248914	5585409	7982708	6596810
बी. एटीएम								
3. एटीएम से नकद निकासी $ (3.1 से 3.3)	**53689.48**	**4602.65**	**4465.04**	**4153.80**	**2873737**	**244747**	**249762**	**232482**
3.1 क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना $	81.07	6.86	7.08	6.42	4525	373	408	365
3.2 डेबिट कार्ड का उपयोग करना $	53394.13	4578.06	4439.99	4130.07	2858626	243494	248419	231206
3.3 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना $	214.27	17.73	17.97	17.32	10586	881	935	911
4. पीओएस पर नकद निकासी $ (4.1 से 4.2)	**1.69**	**0.17**	**0.14**	**0.11**	**22**	**2**	**2**	2
4.1 डेबिट कार्ड का उपयोग करना $	1.39	0.15	0.10	0.08	18	1	2	2
4.2 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना $	0.30	0.02	0.04	0.03	4	0	0	0
5. माइक्रो एटीएम में नकद निकासी @	**12126.36**	**928.36**	**1075.37**	**903.83**	**322744**	**25662**	**30529**	26214
5.1 एईपीएस @	12126.36	928.36	1075.37	903.83	322744	25662	30529	26214

भाग III - भुगतान अवसंरचना (लाख)

प्रणाली	मार्च 2026 तक	2025	2026	
		अप्रै.	मार्च	अप्रै.
	1	2	3	4
भुगतान प्रणाली अवसंरचना				
1. कार्ड की संख्या (1.1 से 1.2)	**11632.02**	**11064.21**	**11632.02**	**11428.28**
1.1 क्रेडिट कार्ड	1186.34	1104.37	1186.34	1194.36
1.2 डेबिट कार्ड	10445.69	9959.84	10445.69	10233.92
2. पीपीआई की संख्या @ (2.1 से 2.2)	**22992.54**	**13449.86**	**22992.54**	**23185.47**
2.1 वॉलेट @	18253.42	8724.36	18253.42	18390.92
2.2 कार्ड @	4739.13	4725.51	4739.13	4794.55
3. एटीएम की संख्या (3.1 से 3.2)	**2.54**	**2.55**	**2.54**	**2.54**
3.1 बैंक के स्वामित्व वाले एटीएम $	2.16	2.19	2.16	2.16
3.2 व्हाइट लेबल एटीएम $	0.38	0.36	0.38	0.38
4. माइक्रो एटीएम की संख्या @	**13.90**	**14.74**	**13.90**	**13.68**
5. पीओएस टर्मिनलों की संख्या	**117.69**	**112.83**	**117.69**	**114.47**
6. भारत क्यूआर @	**56.33**	**66.64**	**56.33**	**56.16**
7. यूपीआई क्यूआर *	**7612.17**	**6623.85**	**7612.17**	**7708.12**

@ : नवंबर 2019 से नया समावेश
# : सहकारी बैंकों, एलएबी और आरआरबी द्वारा रिपोर्ट किया गया डेटा शामिल किया गया है जो दिसंबर 2021 से प्रभावी है।
$: नवंबर 2019 से अलग से शुरू किया गया समावेश - अभी तक अन्य मदों का हिस्सा रहा होगा।
* : सितंबर 2020 से नया समावेश; केवल स्थिर यूपीआई क्यूआर कोड शामिल है।

टिप्पणियां: 1. डेटा अनंतिम है।
2. 31 जनवरी 2020 से ईसीएस (डेबिट और क्रेडिट) एनएसीएच के साथ मिला दिया गया है।
3. कार्ड पेमेंट्स (डेबिट / क्रेडिट कार्ड्स) और प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) के लिए नवंबर 2019 के बाद से डेटा की पहले के महीनों / अवधि के साथ तलुना नहीं हो सकती है, क्योंकि डेटा की परिभाषाओं में संशोधन के साथ अधिक ग्रेन्युलर डेटा प्रकाशित किया जा रहा है।
4. केवल घरेलू वित्तीय लेनदेन पर विचार किया गया है। नए प्रारूप में ई-कॉमर्स लेनदेन; फास्ट टैग लेनदेन; डिजिटल बिल भुगतान और एटीएम आदि के माध्यम से कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर आदि शामिल हैं। इसके अलावा, असफल लेनदेन, चार्जबैक, रिवर्सल, एक्सपायर्ड कार्ड / वॉलेट को शामिल नहीं किया गया है।
   भाग I-ए. निपटान प्रणाली
   1.1.3: प्रतिभूति खंड के तहत त्रि-पक्षीय रेपो 05 नवंबर 2018 से चालू हो गया है।
   भाग I-बी. भुगतान प्रणाली
   4.1.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।
   4.2.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड ट्रांसफर और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।
5. दिसंबर 2010 से उपलब्ध।
   5.1: वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और वॉलेट के माध्यम से फंड ट्रांसफर शामिल है।
   5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।
   6.1: तीन ग्रिडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।
   6.2: 'अन्य' में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल हैं जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित हैं।
   भाग II-ए. अन्य भुगतान चैनल
   1: मोबाइल भुगतान -
   - o बैंकों के मोबाइल ऐप्स और यूपीआई ऐप्स के माध्यम से किए गए लेनदेन शामिल।
   - o जुलाई 2017 के डेटा में मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके शुरू किए गए, संसाधित और अधिकृत केवल व्यक्तिगत भुगतान और कॉर्पोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉरपोरेट भुगतान जो मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके शुरू, संसाधित और अधिकृत नहीं किए गए हैं, उन्हें बाहर रखा गया है।
   2: इंटरनेट भुगतान - इसमें 'नेटबैंकिंग' के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट का उपयोग करके किए गए वित्तीय लेनदेन शामिल हैं।
   भाग II-बी. एटीएम
   3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई का उपयोग करके किए गए लेनदेन से संबंधित है।
   भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना
   3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों (डब्ल्यूएलएओ) द्वारा तैनात एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलए को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

आवसरिक श्रृंखला

सं. 46: लघु बचत

(₹ करोड़)

प्रणाली		2024-25	2024	2025		
			नवं.	सितं.	अक्तू.	नवं.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	**प्राप्तियां**	**192292**	**12130**	**31653**	**17124**	**18664**
	बकाया	**2052408**	**1940611**	**2160573**	**2177404**	**2195873**
1.1 कुल जमाराशियां	**प्राप्तियां**	**144769**	**9998**	**28654**	**14627**	**16185**
	बकाया	**1443556**	**1361210**	**1545057**	**1559684**	**1575869**
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	20641	-205	1780	-2367	374
	बकाया	212332	199017	226078	223711	224085
1.1.2 सुकन्या समृद्धि योजना	प्राप्तियां	41391	2005	3546	2762	2255
	बकाया	199001	169154	213616	216378	218633
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	16620	1710	4019	2403	2207
	बकाया	285630	278161	298250	300653	302860
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	24859	2436	6421	3760	3099
	बकाया	200326	187824	218562	222322	225421
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	32755	3052	10752	7075	6502
	बकाया	338531	322122	368264	375339	381841
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	165641	152099	185890	190552	194944
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	14819	13491	17741	18526	19228
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	10816	9773	12538	13020	13379
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	147255	146759	152095	153241	154290
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	9171	1005	2284	1073	1804
	बकाया	206307	202963	219737	220810	222614
1.1.9 डाक घर संचयी मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	-676	-6	-147	-77	-56
	बकाया	1071	1617	192	115	59
1.1.11 पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन	प्राप्तियां	8	1	-1	-2	0
	बकाया	358	352	358	356	356
1.2 बचत प्रमाणपत्र	**प्राप्तियां**	**32992**	**1788**	**3097**	**2387**	**2328**
	बकाया	**446106**	**431065**	**455242**	**457336**	**459469**
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	10891	1180	3914	2376	2269
	बकाया	194798	190261	206112	208488	210757
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	12166	-174	1977	1582	1057
	बकाया	232726	225184	241167	242749	243806
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	0	0	0	0
1.2.7 एम.एस. प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	9935	782	-2794	-1571	-998
	बकाया	28212	22543	19507	17936	16938
1.2.8 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	-9630	-6923	-11544	-11837	-12032
1.3 लोक भविष्य निधि	**प्राप्तियां**	**14531**	**344**	**-98**	**110**	**151**
	बकाया	**162746**	**148336**	**160274**	**160384**	**160535**

टिप्पणी : अप्रैल 2017 से प्राप्तियों का डेटा निवल प्राप्तियाँ हैं, *अर्थात* सकल प्राप्तियों से सकल भुगतान को घटाने पर प्राप्त।

स्रोत : महालेखाकार, पोस्ट और टेलीग्राफ।

सं. 47: केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां

श्रेणी	2025				2026
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ करोड़ में)	**11642652**	**11854200**	**12137000**	**12393606**	**12567045**
1. वाणिज्यिक बैंक	36.18	35.28	35.43	34.31	32.99
2. सहकारी बैंक	1.29	1.29	1.32	1.33	1.33
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	0.76	0.59	0.60	0.55	0.51
4. बीमाकृत कंपनियां	25.81	25.95	25.81	25.89	25.59
5. म्यूच्युअल फंड	2.68	2.46	2.77	2.74	1.60
6. भविष्य निधियां	4.24	4.35	4.45	4.58	4.50
7. पेंशन निधि	4.91	4.96	4.90	4.77	4.62
8. वित्तीय संस्थाएं	0.71	0.74	0.76	0.76	0.75
9. कॉरपोरेट	1.49	1.26	1.25	1.23	1.22
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	3.12	2.80	2.97	2.96	2.95
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	12.78	14.21	13.54	14.52	17.59
12. अन्य	6.01	6.13	6.22	6.35	6.35
12.1 राज्य सरकार	2.25	2.29	2.37	2.43	2.55

राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां

श्रेणी	2025				2026
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ करोड़ में)	**6399564**	**6524417**	**6721556**	**6905975**	**7303451**
1. वाणिज्यिक बैंक	35.40	35.54	35.00	35.31	36.05
2. सहकारी बैंक	3.08	3.02	3.06	3.07	3.01
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	0.61	0.60	0.65	0.64	0.66
4. बीमाकृत कंपनियां	24.07	24.12	24.12	23.97	23.19
5. म्यूच्युअल फंड	1.93	1.84	2.16	2.04	2.20
6. भविष्य निधियां	23.60	23.72	23.65	23.43	23.11
7. पेंशन निधि	5.07	4.96	5.10	5.16	5.43
8. वित्तीय संस्थाएं	1.48	1.59	1.61	1.62	1.59
9. कॉरपोरेट	2.05	1.93	1.93	1.98	1.94
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	0.05	0.02	0.02	0.01	0.01
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.55	0.54	0.53	0.51	0.49
12. अन्य	2.10	2.12	2.17	2.26	2.32
12.1 राज्य सरकार	0.25	0.25	0.27	0.28	0.28

खज़ाना बिल

श्रेणी	2025				2026
	मार्च	जून	सितं.	दिसं.	मार्च
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ करोड़ में)	**790381**	**784059**	**754280**	**765131**	**741709**
1. वाणिज्यिक बैंक	46.58	42.87	39.45	35.79	47.85
2. सहकारी बैंक	2.17	1.80	1.58	1.21	1.86
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	2.09	1.10	2.03	1.46	3.47
4. बीमाकृत कंपनियां	4.23	4.07	4.26	4.45	4.17
5. म्यूच्युअल फंड	16.15	15.72	17.60	17.98	16.75
6. भविष्य निधियां	0.20	0.09	0.07	0.09	0.09
7. पेंशन निधि	0.02	0.00	0.00	0.00	0.01
8. वित्तीय संस्थाएं	7.73	6.31	6.34	5.57	5.55
9. कॉरपोरेट	4.50	3.77	3.80	3.74	3.92
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	0.09	0.02	0.01	0.02	0.00
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. अन्य	16.23	24.26	24.85	29.68	16.33
12.1 राज्य सरकार	11.23	18.34	18.53	21.91	8.55

टिप्पणियाँ: (1) बुलेटिन के जून 2023 के संस्करण से टेबल फॉर्मेट संशोधित किया है।
(2) केन्द्र सरकार दिनांकित प्रतिभूतियों में विशेष प्रतिभूतियां और सॉवरेन गोल्ड बॉण्ड शामिल हैं।
(3) राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बॉण्ड शामिल हैं।
(4) वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है।
(5) अन्य' श्रेणी में राज्य सरकारें, डीआईसीजीसी, पीएसयू, ट्रस्ट, केंद्रीय विदेशी बैंक, हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति आदि शामिल हैं।
(6) सितंबर 2023 के बाद के आंकड़ों में एक गैर-बैंक का एक बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 48: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(₹ करोड़)

मद	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25 सं अ	2025-26 ब अ
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	**6353359**	**7098451**	**7880522**	**8579810**	**9780079**	**10552103**
1.1 विकास संबंधी	3823423	4189146	4701611	5080834	5902870	6267297
1.1.1 राजस्व	3150221	3255207	3574503	3662324	4242036	4460702
1.1.2 पूंजी	550358	861777	1042159	1330917	1516738	1641425
1.1.3 ऋण	122844	72163	84949	87593	144096	165170
1.2 गैर-विकास संबंधी	2442941	2810388	3069896	3379466	3740051	4132065
1.2.1 राजस्व	2271637	2602750	2895864	3182576	3547080	3867191
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	1060602	1226672	1377807	1557492	1685503	1883576
1.2.2 पूंजी	169155	175519	171131	192384	187711	259891
1.2.3 ऋण	2148	32119	2902	4506	5259	4983
1.3 अन्य	86995	98916	109015	119510	137158	152741
2. कुल प्राप्तियां	**6397162**	**7156342**	**7855370**	**8637956**	**9518133**	**10451896**
2.1 राजस्व प्राप्तियां	3688030	4823821	5447913	6105757	7125956	7875214
2.1.1 कर प्राप्तियां	3193390	4160414	4809044	5407849	6080098	6808169
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	2076013	2626553	2865541	3170243	3545348	3937254
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	1114805	1530636	1939559	2233860	2530235	2866137
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	2572	3225	3943	3745	4516	4778
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	494640	663407	638870	697908	1045858	1067045
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	33448	35250	42975	53199	56247	70403
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	64994	44077	62716	62275	62562	104103
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	16951	27665	15970	28918	26747	32172
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	48044	16412	46746	33357	35815	71931
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	**2600335**	**2230553**	**2369892**	**2411778**	**2591561**	**2572787**
3क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	2530155	2194406	2332768	2356657	2559568	2549296
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	890012	627255	687904	438038	907254	…
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	107493	350911	529	-257913	314894	…
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	1640143	1567151	1644864	1918619	1652314	…
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	70180	36147	37124	55121	31992	23490
3ख वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	2530155	2194406	2332768	2356657	2559568	2549296
3ख.1.1 बाज़ार उधार (निवल)	1696012	1213169	1651076	1921529	1996297	2050268
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	458801	526693	358764	415472	437189	304076
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	41273	28100	13880	19847	16957	17531
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	4545	42153	68803	90431	76177	42662
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	25682	42203	51989	22555	7954	48430
3ख.1.6 नकद शेष	-43802	-57891	25152	-58146	261946	100207
3ख.1.7 अन्य	347643	399980	163104	-55032	-236951	-13878
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	70180	36147	37124	55121	31992	23490
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल वितरण	*32.0*	*30.1*	*29.3*	*28.5*	*29.6*	*29.6*
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल प्राप्तियां	*32.2*	*30.3*	*29.2*	*28.7*	*28.8*	*29.3*
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राजस्व प्राप्तियां	*18.6*	*20.4*	*20.3*	*20.3*	*21.5*	*22.1*
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कर प्राप्तियां	*16.1*	*17.6*	*17.9*	*18.0*	*18.4*	*19.1*
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सकल वित्तीय घाटा	*13.1*	*9.5*	*8.8*	*8.0*	*7.8*	*7.2*

… : उपलब्ध नहीं।; सं.अ.: संशोधित अनुमान; ब.अ.: बजट अनुमान।

टिप्पणियाँ : जीडीपी डेटा 2011-12 के आधार पर है। 2025-26 के लिए जीडीपी केंद्रीय बजट 2025-26 से है।
डेटा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।
1 और 2: डेटा केंद्र सरकार (एनएसएसएफ को पुनर्भुगतान सहित) और राज्य सरकारों के निवल पुनर्भुगतान से संबंधित है।
1.3: राज्यों द्वारा स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को प्रतिकर और समनुदेशन का प्रतिनिधित्व करता है।
2: डेटा केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में निवल भिन्नता को दर्शाता है और इसमें केंद्र और राज्य सरकारों की उधार प्राप्तियां शामिल हैं।
: 2022-23 से, विनिवेश से होने वाली प्राप्तियों का मतलब विविध पूंजी प्राप्तियां है।
3ए.1.1: आरबीआई रिकॉर्ड के अनुसार डेटा।
3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधार।
3बी.1.2: राष्ट्रीय अल्प बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों की विशेष प्रतिभूतियों में निवल निवेश को दर्शाता है।
नए डेटा की उपलब्धता के साथ घटकों में समायोजन के कारण यह डेटा पिछले प्रकाशनों से भिन्न हो सकता है।
3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को अर्थोपाय अग्रिम शामिल हैं।
3बी.1.7: ट्रेजरी बिल, वित्तीय संस्थाओं से ऋण, बीमा और पेंशन निधि, विप्रेषण, नकद शेष निवेश लेखा शामिल हैं।

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों के बजट दस्तावेज।

सं.49: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	जनवरी 2026 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डबल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
	1	2	3	4	5	6	7
1	आंध्र प्रदेश	7181.94	25	1996.05	8	2307.33	1
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	114.58	1	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	दिल्ली	-	-	-	-	-	-
7	गोवा	-	-	-	-	-	-
8	गुजरात	-	-	-	-	-	-
9	हरियाणा	-	-	-	-	-	-
10	हिमाचल प्रदेश	-	-	511.28	12	552.29	4
11	जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	72.67	21	923.86	21	-	-
12	झारखंड	2102.23	9	422.24	9	-	-
13	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
14	केरल	-	-	-	-	-	-
15	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
16	महाराष्ट्र	9535.38	20	-	-	-	-
17	मणिपुर	117.81	23	42.16	1	-	-
18	मेघालय	822.88	30	237.96	30	346.58	22
19	मिज़ोरम	-	-	-	-	-	-
20	नगालैंड	98.25	15	-	-	-	-
21	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
22	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
23	पंजाब	4910.98	30	895.45	6	-	-
24	राजस्थान	2852.40	15	-	-	-	-
25	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
26	तेलंगाना	4998.16	30	1764.59	6	-	-
27	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
28	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
29	उत्तराखंड	168.85	2	-	-	-	-
30	पश्चिम बंगाल	-	-	-	-	-	-

टिप्पणियाँ: 1) राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और नीलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेष तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

2) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्पकालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

3) राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

4) प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, प्राप्त औसत राशि निकाली जाती है।

5) -: नगण्य।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

सं. 50: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	जनवरी 2026 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	नीलामी खज़ाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	8168	8785	-	0
2	अरुणाचल प्रदेश	3218	9	-	3500
3	असम	6576	98	-	0
4	बिहार	15646	1238	-	0
5	छत्तीसगढ़	9182	1167	-	6461
6	दिल्ली	-	-	-	0
7	गोवा	985	384	-	0
8	गुजरात	16655	559	-	3000
9	हरियाणा	3135	1866	-	0
10	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	0
11	जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	75	75	-	0
12	झारखंड	3272	0	824	0
13	कर्नाटक	25528	2542	-	41380
14	केरल	3886	1975	-	0
15	मध्य प्रदेश	-	1392	-	0
16	महाराष्ट्र	68347	11539	-	0
17	मणिपुर	75	153	-	0
18	मेघालय	1390	134	-	0
19	मिज़ोरम	623	106	-	0
20	नगालैंड	2075	51	-	0
21	उड़ीसा	19920	2237	22501	12130
22	पुदुचेरी	634	-	-	1050
23	पंजाब	10960	1012	-	0
24	राजस्थान	3066	3858	-	2950
25	तमिलनाडु	3764	-	-	14139
26	तेलंगाना	7695	6320	-	0
27	त्रिपुरा	1438	32	-	1500
28	उत्तराखंड	32582	7480	-	0
29	उत्तरप्रदेश	6181	332	-	0
30	पश्चिम बंगाल	15618	1182	-	4000
	कुल	**270693**	**54528**	**23324**	**90110**

टिप्पणियाँ: 1. सीएसएफ और जीआरएफ कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी गई आरक्षित निधियां हैं।
2. एटीबी में प्राथमिक बाजार में 91 दिनों, 182 दिनों और 364 दिनों के खजाना बिल में राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश शामिल हैं।
3. - : लागू नहीं (योजना का सदस्य नहीं)।

सं. 51: राज्य सरकारों की बाजार उधारियाँ

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य	2024-25		2025-26		2025-26						2026-27 में अब तक जुटायी गई कुल राशि	
						फरवरी		मार्च		अप्रैल			
		ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	सकल	निवल
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
1	आंध्र प्रदेश	78205	57123	82272	62222	6900	5900	10300	7300	9000	8000	9000	8000
2	अरुणाचल प्रदेश	1010	704	765	635	-	-	190	190	-	-75	-	-75
3	असम	19000	13850	20513	13863	4000	1750	2309	1809	1000	1000	1000	1000
4	बिहार	47546	30890	51910	34177	6100	1100	-	-3155	4000	4000	4000	4000
5	छत्तीसगढ़	24500	16913	25470	15833	6000	6000	4000	2063	2000	2000	2000	2000
6	दिल्ली	-	-	1000	1000	-	-	1000	1000	-	-	-	-
7	गोवा	1050	250	1500	-4	100	-	200	-100	-	-	-	-
8	गुजरात	38200	16280	52130	25370	7000	4700	10630	8130	-	-2820	-	-2820
9	हरियाणा	49500	31710	52500	33210	8000	5500	11000	7540	-	-	-	-
10	हिमाचल प्रदेश	7359	4725	9864	6765	-	-289	1595	935	900	900	900	900
11	जम्मू और कश्मीर	13170	11416	14687	12083	1000	650	3962	3748	-	-	-	-
12	झारखंड	3500	-2005	6000	95	-	-1850	4000	3445	-	-	-	-
13	कर्नाटक	92025	71525	106401	85214	31000	29000	39401	37401	-	-	-	-
14	केरल	53666	37966	49788	32488	3000	1250	8450	7450	4600	3600	4600	3600
15	मध्य प्रदेश	63400	47206	87527	72091	15350	14150	18700	17964	4600	4600	4600	4600
16	महाराष्ट्र	123000	90917	137080	104580	20350	17350	14730	12730	7600	7600	7600	7600
17	मणिपुर	1500	1037	2000	1400	-	-100	350	350	-	-50	-	-50
18	मेघालय	1882	997	2887	1695	-	-70	253	241	259	199	259	199
19	मिज़ोरम	1169	939	1150	950	115	115	120	120	-	-	-	-
20	नगालैंड	1550	950	2600	1650	500	300	1200	1000	-	-60	-	-60
21	उड़ीसा	20780	17780	11000	9000	-	-	-	-	-	-	-	-
22	पुदुचेरी	1600	880	1200	400	-	-150	300	200	-	-	-	-
23	पंजाब	40828	32466	44348	30808	5000	4000	3598	1612	2800	400	2800	400
24	राजस्थान	75185	49479	78030	45324	4000	776	9430	2780	7600	5770	7600	5770
25	सिक्किम	1951	1621	2650	2070	250	250	900	770	-	-	-	-
26	तमिलनाडु	123625	89894	169231	129574	18000	13475	37231	34849	-	-2875	-	-2875
27	तेलंगाना	56209	42199	86840	70098	9000	8000	5040	3648	6900	3400	6900	3400
28	त्रिपुरा	0	-150	5130	4555	800	725	3030	3030	-	-	-	-
29	उत्तरप्रदेश	45000	23185	67755	33440	12000	7000	21240	17712	10000	7600	10000	7600
30	उत्तराखंड	10400	8000	15209	10309	500	-300	5209	3709	846	556	846	556
31	पश्चिम बंगाल	76500	54600	86992	62992	12255	8755	25272	21772	-	-	-	-
	कुल	**1073310**	**753345**	**1276430**	**903887**	**171220**	**127987**	**243641**	**200243**	**62105**	**43745**	**62105**	**43745**

- : शून्य।

टिप्पणी: 31 अक्तूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देयताएं जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देयताओं के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक।

सं.52 (ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह लिखत-वार

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2022-23				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
	1	2	3	4	5
निवल वित्तीय आस्तियां (I-II)	**337823.4**	**312617.2**	**276148.4**	**463697.5**	**1390286.6**
जीडीपी का प्रतिशत	*5.6*	*5.1*	*4.0*	*6.5*	*5.3*
I. वित्तीय आस्तियां	**627843.1**	**647735.2**	**730303.2**	**984974.9**	**2990856.5**
जीडीपी का प्रतिशत	*10.3*	*10.6*	*10.7*	*13.9*	*11.5*
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	**182429.1**	**316361.2**	**278233.1**	**341556.0**	**1118579.5**
(ए) बैंक जमाराशियां	**160172.4**	**298532.7**	**254399.7**	**323570.2**	**1036674.8**
i. वाणिज्यिक बैंक	158613.3	300565.0	248459.8	284968.0	992606.2
ii. सहकारी बैंक	1559.0	-2032.4	5939.8	38602.2	44068.7
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	**22256.8**	**17828.6**	**23833.5**	**17985.9**	**81904.7**
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	**6504.8**	**2076.7**	**8081.6**	**2234.0**	**18897.1**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	4230.6	3267.2	3246.9	3945.8	14690.4
ii. आवास वित्त कंपनियां	2274.2	-1190.5	4834.7	-1711.8	4206.6
2. जीवन बीमा निधियाँ	**73357.5**	**151737.1**	**167581.7**	**156268.5**	**548944.9**
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	**146719.1**	**118171.9**	**136388.4**	**216513.6**	**617793.1**
4. मुद्रा	**66438.9**	**-54579.3**	**76760.1**	**148990.1**	**237609.7**
5. निवेश	**104523.4**	**64929.7**	**33972.1**	**64436.1**	**267861.3**
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	42171.2	42868.8	25967.3	55506.6	166513.9
(बी) इक्विटी	45390.8	-2858.0	-22917.3	-14813.8	4801.7
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	**54375.1**	**51114.5**	**37367.7**	**57210.6**	**200068.0**
II. वित्तीय देयताएँ	**290019.7**	**335118.0**	**454154.8**	**521277.4**	**1600569.9**
जीडीपी का प्रतिशत	*4.8*	*5.5*	*6.6*	*7.3*	*6.1*
ऋण/उधार					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	**289781.5**	**334879.7**	**453916.6**	**521039.1**	**1599616.9**
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**234235.0**	**263450.2**	**370782.9**	**387794.8**	**1256263.0**
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	230283.8	261265.3	368304.6	331291.0	1191144.8
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	**55546.4**	**71429.5**	**83133.7**	**133244.3**	**343353.9**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	30531.7	36650.3	55791.7	94565.3	217539.1
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	22336.7	33031.2	24903.3	36745.8	117017.0
iii. बीमा कंपनियाँ	2678.0	1747.9	2438.7	1933.2	8797.8
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	**33.7**	**33.7**	**33.7**	**33.7**	**135.0**
3. सामान्य सरकार	**204.5**	**204.5**	**204.5**	**204.5**	**818.0**

सं.52 (ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह लिखत-वार *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2023-24				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
	1	2	3	4	5
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	**337132.1**	**310186.9**	**295317.2**	**740393.5**	**1683029.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*5.0*	*4.6*	*3.9*	*9.3*	*5.8*
I. वित्तीय आस्तियां	**658810.0**	**836270.0**	**806046.4**	**1291327.9**	**3592454.4**
जीडीपी का प्रतिशत	*9.8*	*12.3*	*10.6*	*16.3*	*12.4*
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	**266780.7**	**407942.6**	**296902.1**	**446190.5**	**1417816.0**
(ए) बैंक जमाराशियां	**253104.6**	**501763.1**	**277402.8**	**430204.0**	**1462474.4**
i. वाणिज्यिक बैंक	243833.9	502260.7	280096.7	383460.6	1409651.9
ii. सहकारी बैंक	9270.7	-497.6	-2693.9	46743.4	52822.6
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	**13676.2**	**-93820.5**	**19499.4**	**15986.5**	**-44658.5**
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	**-485.4**	**-107982.1**	**5337.7**	**1824.9**	**-101304.9**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	6119.3	4782.3	4895.8	1942.9	17740.3
ii. आवास वित्त कंपनियां	-6604.7	-112764.4	441.9	-118.0	-119045.2
2. जीवन बीमा निधियाँ	**157301.9**	**140356.8**	**160135.2**	**189267.6**	**647061.4**
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	**162762.9**	**147433.0**	**152512.0**	**252959.6**	**715667.6**
4. मुद्रा	**-48636.2**	**-36700.8**	**56719.0**	**146866.1**	**118248.0**
5. निवेश	**29402.9**	**99734.4**	**81170.7**	**173602.7**	**383910.7**
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	44566.7	65173.9	64486.4	110825.1	285052.1
(बी) इक्विटी	-35221.8	5726.6	-15477.9	22524.3	-22448.9
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	**91197.8**	**77504.1**	**58607.4**	**82441.4**	**309750.7**
II. वित्तीय देयताएँ	**321678.0**	**526083.2**	**510729.2**	**550934.3**	**1909424.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*4.8*	*7.8*	*6.7*	*7.0*	*6.6*
ऋण/ उधार					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	**321560.7**	**525964.9**	**510611.0**	**550816.1**	**1908952.7**
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**213647.2**	**868822.7**	**402741.7**	**421973.2**	**1907184.8**
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	208026.5	875654.0	389898.0	382557.9	1856136.4
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	**107913.6**	**-342857.7**	**107869.2**	**128842.9**	**1767.9**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	81448.8	59683.7	85031.8	100836.5	327000.7
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	23784.0	-404294.0	21233.4	25852.9	-333423.7
iii. बीमा कंपनियाँ	2680.7	1752.6	1604.0	2153.5	8190.9
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	**33.7**	**34.7**	**34.7**	**34.7**	**138.0**
3. सामान्य सरकार	**83.5**	**83.5**	**83.5**	**83.5**	**334.0**

सं.52 (ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह लिखत-वार *(समाप्त)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2024-25				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
	1	2	3	4	5
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	**568179.5**	**521327.5**	**354876.0**	**782732.1**	**2227115.2**
जीडीपी का प्रतिशत	*7.7*	*7.1*	*4.3*	*9.0*	*7.0*
I. वित्तीय आस्तियां	**856644.1**	**925845.5**	**774547.1**	**1243830.1**	**3800866.8**
जीडीपी का प्रतिशत	*11.6*	*12.5*	*9.3*	*14.3*	*11.9*
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	**274724.6**	**403467.5**	**157913.7**	**418478.7**	**1254584.5**
(ए) बैंक जमाराशियां	**255088.9**	**388251.6**	**140929.7**	**401919.4**	**1186189.6**
i. वाणिज्यिक बैंक	251171.1	389734.0	147864.7	395337.4	1184107.2
ii. सहकारी बैंक	3917.8	-1482.4	-6934.9	6581.9	2082.4
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	**19635.6**	**15215.9**	**16984.0**	**16559.3**	**68394.9**
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	**7461.4**	**3041.8**	**4809.8**	**4385.1**	**19698.2**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	6289.7	3230.0	4444.5	4220.0	18184.2
ii. आवास वित्त कंपनियां	1171.7	-188.2	365.4	165.1	1514.0
2. जीवन बीमा निधियाँ	**175176.3**	**178584.5**	**89908.7**	**186639.0**	**630308.4**
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	**169375.0**	**169376.4**	**169915.2**	**280489.5**	**789156.1**
4. मुद्रा	**33989.7**	**-57614.7**	**70840.8**	**162235.6**	**209451.4**
5. निवेश	**137776.9**	**178564.4**	**245639.8**	**122472.3**	**684453.4**
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	111258.6	158830.5	149987.7	92689.1	512765.8
(बी) इक्विटी	-120.5	-17285.9	60420.8	-2661.7	40352.7
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	**65601.6**	**53467.4**	**40329.0**	**73515.0**	**232913.0**
II. वित्तीय देयताएँ	**288464.6**	**404518.0**	**419671.1**	**461098.0**	**1573751.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*3.9*	*5.5*	*5.0*	*5.3*	*4.9*
ऋण/ उधार					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	**288285.8**	**404339.2**	**419492.4**	**460919.3**	**1573036.7**
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**204822.7**	**322195.6**	**320666.3**	**387474.4**	**1235158.9**
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	208525.3	321241.4	302569.3	379856.5	1212192.4
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	**83463.2**	**82143.7**	**98826.1**	**73444.8**	**337877.8**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	65813.7	65488.7	75764.5	44572.0	251639.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	15125.2	14233.6	20561.4	25756.8	75677.0
iii. बीमा कंपनियाँ	2524.2	2421.4	2500.2	3116.0	10561.8
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	**34.7**	**34.7**	**34.7**	**34.7**	**139.0**
3. सामान्य सरकार	**144.0**	**144.0**	**144.0**	**144.0**	**576.0**

टिप्पणियां: 1. हाउसहोल्ड की निवल वित्तीय बचत से तात्पर्य निवल वित्तीय आस्तियों से है, जिन्हें वित्तीय आस्ति और देयताओं के प्रवाह के बीच अतंर के रूप में मापा जाता है।
2. 2022-23 को आधार वर्ष (base year) मानकर नई GDP सीरीज़ के अनुसार 2024-25, 2023-24 और 2022-23 के लिए संशोधित अनुमान।
3. एनएसओ द्वारा 'नेशनल अकाउंट्स स्टैटिस्टिक्स 2024-25' जारी किए जाने पर इन अनुमानों में संशोधन किया जाएगा।
4. अन्य वित्तीय संस्थानों के अलावा गैर-बैंक जमा में राज्य ऊर्जा उपयोगिताएँ, सहकारी गैर-ऋण समितियाँ आदि शामिल हैं।
5. संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

सं.52(बी): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं.-2022	मार्च-2023
	1	2	3	4
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच)	**32894206.1**	**33080388.3**	**33934151.1**	**33869902.8**
जीडीपी का प्रतिशत	*134.2*	*132.5*	*132.9*	*129.7*
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	**11840527.1**	**12139059.7**	**12393459.4**	**12717029.5**
i. वाणिज्यिक बैंक	10987692.1	11288257.2	11536717.0	11821685.0
ii. सहकारी बैंक	852834.9	850802.6	856742.4	895344.6
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	**216170.0**	**218246.7**	**226328.2**	**228562.2**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	74794.2	78061.4	81308.3	85254.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	141375.8	140185.3	145020.0	143308.2
(सी) जीवन बीमा निधि	**5325967.3**	**5559681.9**	**5786592.6**	**5795430.6**
(डी) मुद्रा	**2950343.2**	**2895763.9**	**2972524.0**	**3121514.1**
(ई) निवेश	**9323955.2**	**8920605.8**	**9107751.3**	**8383010.8**
जिसमें से:				
(i) म्यूचुअल फंड	2103069.7	2316994.5	2404351.7	2445222.9
(ii) इक्विटी	6617859.7	6047045.8	6134999.0	5366910.0
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	**851913.4**	**858591.1**	**864730.6**	**939449.0**
(जी) पेंशन निधि	**744459.2**	**796454.0**	**853412.0**	**898343.0**
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	**1640870.6**	**1691985.1**	**1729352.9**	**1786563.5**
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	**8911860.9**	**9246740.6**	**9700657.2**	**10221696.3**
जीडीपी का प्रतिशत	*36.4*	*37.0*	*38.0*	*39.1*
ऋण / उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**7095467.7**	**7358918.0**	**7729700.9**	**8117495.7**
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	6620073.1	6881338.5	7249643.0	7580934.1
ii. सहकारी बैंक	473897.0	476024.8	478486.9	534866.6
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	**1816393.1**	**1887822.6**	**1970956.3**	**2104200.7**
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	869174.9	905825.3	961617.0	1056182.3
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	835181.3	868212.5	893115.8	929861.7
iii. बीमा निगम	112036.9	113784.8	116223.5	118156.7

सं.52(बी): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक *(जारी)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं.-2022	मार्च-2023
	1	2	3	4
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच)	**35634250.1**	**37154705.4**	**39403782.4**	**41470111.9**
जीडीपी का प्रतिशत	*133.3*	*135.4*	*139.9*	*143.1*
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	**12970134.1**	**13471897.2**	**13749299.9**	**14179504.0**
i. वाणिज्यिक बैंक	12065518.9	12567779.6	12847876.2	13231336.9
ii. सहकारी बैंक	904615.2	904117.6	901423.7	948167.1
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	**228076.8**	**120094.7**	**125432.4**	**127257.3**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	91373.3	96155.6	101051.4	102994.3
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	136703.5	23939.1	24381.0	24263.0
(सी) जीवन बीमा निधि	**6064436.9**	**6255801.1**	**6553726.0**	**6820611.8**
(डी) मुद्रा	**3072877.9**	**3036177.0**	**3092896.0**	**3239762.1**
(ई) Investments	**9495886.5**	**10337151.4**	**11812427.6**	**12782635.0**
जिसमें से:				
(i) म्यूचुअल फंड	2673033.0	2884735.4	3202983.4	3628236.4
(ii) इक्विटी	6246561.1	6858344.9	7973372.1	8406842.8
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	**955060.6**	**960343.6**	**964851.5**	**1051376.5**
(जी) पेंशन निधि	**970016.0**	**1017975.0**	**1091276.0**	**1172651.0**
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	**1877761.2**	**1955265.4**	**2013872.8**	**2096314.2**
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	**10543257.0**	**11069222.0**	**11579833.0**	**12130649.0**
जीडीपी का प्रतिशत	*39.4*	*40.3*	*41.1*	*41.9*
ऋण / उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**8331142.8**	**9199965.5**	**9602707.2**	**10024680.4**
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	7788960.6	8664614.6	9054512.6	9437070.5
ii. सहकारी बैंक	540401.7	533469.0	546276.5	585530.7
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	**2212114.2**	**1869256.5**	**1977125.7**	**2105968.6**
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	1137631.1	1197314.8	1282346.6	1383183.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	953645.7	549351.7	570585.1	596438.0
iii. बीमा निगम	120837.4	122590.0	124194.0	126347.6

सं.52(बी): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक *(समाप्त)*

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं.-2022	मार्च-2023
	1	2	3	4
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ़+जी+एच)	**44131351.3**	**46225285.3**	**45714527.5**	**45384875.6**
जीडीपी का प्रतिशत	*148.6*	*152.6*	*147.2*	*142.7*
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	**14434592.9**	**14822844.5**	**14963774.3**	**15365693.6**
i. वाणिज्यिक बैंक	13482508.0	13872242.0	14020106.6	14415444.1
ii. सहकारी बैंक	952084.9	950602.5	943667.6	950249.5
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	**134718.7**	**137760.5**	**142570.3**	**146955.5**
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	109284.0	112514.0	116958.5	121178.5
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	25434.7	25246.5	25611.9	25777.0
(सी) जीवन बीमा निधि	**7123527.6**	**7385938.1**	**7272871.3**	**7358912.9**
(डी) मुद्रा	**3273751.8**	**3216137.1**	**3286977.8**	**3449213.5**
(ई) Investments	**14695182.8**	**16046630.8**	**15356794.5**	**14133914.9**
जिसमें से:				
(i) म्यूचुअल फंड	4128022.8	4559447.8	4500251.3	4439412.9
(ii) इक्विटी	9726482.7	10694844.2	10070749.6	8891531.9
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	**1059829.5**	**1063056.1**	**1064212.0**	**1157449.2**
(जी) पेंशन निधि	**1247832.0**	**1337535.0**	**1371615.0**	**1443509.0**
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	**2161915.8**	**2215383.2**	**2255712.2**	**2329227.2**
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	**12418934.9**	**12823274.1**	**13242766.4**	**13703685.7**
जीडीपी का प्रतिशत	*41.8*	*42.3*	*42.6*	*43.1*
ऋण / उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	**10229503.1**	**10551698.6**	**10872364.9**	**11259839.3**
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	9645595.7	9966837.1	10269406.4	10649262.9
ii. सहकारी बैंक	581745.3	582578.2	600652.8	608109.1
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	**2189431.8**	**2271575.4**	**2370401.5**	**2443846.4**
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	1448996.8	1514485.5	1590250.0	1634822.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	611563.2	625796.8	646358.2	672115.0
iii. बीमा निगम	128871.8	131293.2	133793.4	136909.3

टिप्पणियां: 1. जीडीपी के औसत के तौर पर डेटा की गणना आधार वर्ष 2022-23 वाली नई जीडीपी श्रृंखला के आधार पर की गई है, जिसे एनएसओ ने 27 फरवरी 2026 को जारी किया। 2. पेंशन निधि में राष्ट्रीय पेंशन योजना की निधि शामिल है।
3. लघु बचत के साथ बकाया जमा राशि भारत सरकार के लेखा महानियंत्रक से प्राप्त की जाती है।
4. अन्य वित्तीय संस्थानों के अलावा गैर-बैंक जमा में राज्य ऊर्जा उपयोगिताएँ, सहकारी गैर-ऋण समितियाँ आदि शामिल हैं। बकाया जमाराशियों के लिए आकंड़े केवल अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए उपलब्ध हैं।
5. संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

1.2 और 6 : वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।

3.5 और 3.7 : वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।

4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।

4.5, 4.6 और 4.7 : माह / वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।

4.10 से 4.12 : माह/ वित्त वर्ष के अंतिम नीलामी दिन से संबंधित है।

4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।

7.1 और 7.2 : यूएस डॉलर में विदेशी व्यापार से संबंधित है।

सारणी सं. 2

2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल हैं।

2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियाँ और अल्पावधि प्रतिभूतियाँ / बॉण्ड जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी, शामिल हैं।

सारणी सं. 4

http://nsdp.rbi.org.in के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया वायदा संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य अर्थात एक्ज़िम बैंक को विशेष पुनर्वित्त सुविधा 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकडे अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार से संबंधित हैं।

1.1: संचलन में मौजूद नोटों में सीबीडीसी-खुदरा (आर) और सीबीडीसी-थोक (डब्ल्यू) शामिल हैं।

1.4: बैंकों द्वारा धारित नकदी में सीबीडीसी-डब्ल्यू शामिल है।

2.2 : आईएमएफ खाता सं. 1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4 : आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्ड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

एनएम$_2$ और एनएम$_3$ में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।

2.4 : चुकता पूंजी और आरक्षित राशियां शामिल हैं।

2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय सस्थाओं में एक्ज़िम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।

एल$_1$ और एल$_2$ मासिक आधार पर और एल$_3$ तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।

जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कॉलम सं. (1) (2) और (3) में दर्शाये गए आंकड़े अंतिम और कॉलम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 14

कॉलम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 17

2.1.1 : राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं हैं।

4: आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 25

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 31

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1 : बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2 : संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 33

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्डों में निवेश, भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को अंतरित एसडीआर तथा सार्क और एसीयू करेंसी स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यह्रास के लिए शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रुपया - अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों पर रुपए में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 35

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

'अन्य पूंजी' एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं / शाखाओं के बीच के ऋण सबंधी लेनदेनों से संबंधित है।

हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

सारणी सं. 36

1.10 : पत्र-पत्रिकाओं के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 37

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि और विपरीत क्रम का संकेतक है। 6- मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2022-23 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतित किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। नीर//रीर सूचकांकों के संकलन के लिए प्रयुक्त कार्यप्रणाली का ब्यौरा आरबीआई बुलेटिन के दिसंबर 2005, अप्रैल 2014 और जनवरी 2021 के अंक में उपलब्ध है।

सारणी सं. 38

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉण्डों (एफसीसीबी) के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 40, 41, 42, 43 और 44

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 45

भाग I-ए. भुगतान प्रणाली

1.1.3: प्रतिभूति खंड के अंतर्गत त्रि-पक्षीय रेपो का परिचालन 05 नवंबर 2018 से किया गया है।

भाग I-बी भुगतान प्रणाली

4.1.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से किए गए डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड अंतरण और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5: दिसंबर 2010 से उपलब्ध है।

5.1: वॉलेट के माध्यम से माल और सेवाओं की खरीद और निधि अंतरण शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेनों के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन ग्रिडों - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नै से संबंधित।

6.2: 'अन्य' में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल हैं। जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृह से संबंधित है।

भाग II-ए अन्य भुगतान चैनल

1 : मोबाइल भुगतान -

- o इसमें बैंकों के मोबाइल ऐप और यूपीआई ऐप के जरिए किए गए लेनदेन शामिल हैं।
- o जुलाई 2017 के बाद के डेटा में मोबाइल के माध्यम से शुरू, संसाधित और अधिकृत किए गए केवल व्यक्तिगत भुगतान और कॉरपोरेट भुगतान शामिल हैं। मोबााइल के माध्यम से शुरू, संसााधित और अधिकृत नहीं किए गए, अन्य कॉरपोरेट भुगतान शाामिल नहीं हैं।

2 : इंटरनेट भुगतान - 'नेटबैंकिंग' के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट से किया गया वित्तीय लेनदेन शामिल है।

भाग II-बी. एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई से किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) के एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलए को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

सारणी सं. 47

जून 2023 के मासिक बुलेटिन से टेबल का फ़ॉर्मेट बदल दिया गया है।

केंद्र सरकार की डेट सिक्योरिटीज़ (प्रतिभूतियों) में स्पेशल सिक्योरिटीज़ और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड शामिल हैं।

राज्य सरकार की सिक्योरिटीज़ में उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के तहत जारी स्पेशल बॉन्ड शामिल हैं।

बैंक पीडी को कमर्शियल बैंकों के तहत रखा गया है।

'अन्य' कैटेगरी में राज्य सरकारें, डीआईसीजीसी,पीएसयू, ट्रस्ट, विदेशी केंद्रीय बैंक, HUF/व्यक्ति आदि शामिल हैं।

सितंबर 2023 से मिले डेटा में एक नॉन-बैंक के बैंक के साथ विलय का असर भी शामिल है।

सारणी सं. 48

जीडीपी डेटा वर्ष 2011-12 के आधार पर आधारित है। वर्ष 2023 24 के लिए जीडीपी केंद्रीय बज़ट 2023-24 से ली गई है।

डेटा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।
1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुन: चुकौती सहित) और राज्य सरकार की निवल चुकौती से संबंधित है।
1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।
2: यह डेटा केंद्र और राज्य सरकारों की उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।
3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार हैं।
3बी. 1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधारियां शामिल हैं।
3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) की ओर से केंद्र और राज्य सरकारों की विशेष प्रतिभूतियों में किए गए निवल निवेश को दर्शाते हैं।
यह डेटा नए डेटा की उपलब्धता के साथ घटकों में समायोजन के कारण पिछले प्रकाशनों से भिन्न हो सकता है।
3बी. 1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।
3बी. 1.7: खजाना बिल, वित्तीय संस्थानों से ऋण, बीमा और पेंशन निधि, विप्रेषण, नकदी शेष निवेश खाता सहित।

सारणी सं. 49
राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और नीलामी खज़ाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपाश्विक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्पकालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।
राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।
प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ / डब्ल्यूएमए / ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।
- : नगण्य।

सारणी सं. 50
सीएसएफ और जीआरएफ वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।
एटीबी में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारो में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों के खज़ाना बिल शामिल हैं।
--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी के लिए अवधारणाएं और कार्यप्रणाली आरबीआई मासिक बुलेटिन की वर्तमान सांख्यिकी के लिए व्यापक मार्गदर्शिका में उपलब्ध हैं (**https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=17618**)

वर्तमान सांख्यिकी' का समय श्रृंखला डेटा https://data.rbi.org.in. पर उपलब्ध है।
विस्तृत व्याख्यात्मक नोट आरबीआई द्वारा जारी प्रासंगिक प्रेस प्रकाशनियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों/विज्ञप्तियों जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका में उपलब्ध हैं।**

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2026	₹350 एक प्रति ₹250 एक प्रति (रियायती दर*) ₹4,000 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,000 (एक वर्ष रियायती दर*)	15 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति 150 अमेरिकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकी पुस्तिका 2024-25	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमेरिकी डॉलर (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका 2024-25	₹600 (सामान्य) ₹650 (डाक प्रभार सहित) ₹450 (रियायती) ₹500 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमेरिकी डॉलर (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्तः 2024-25 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (कांउटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मुद्रा और वित्त संबंधी रिपोर्ट 2023-24	₹575 एक प्रति (कांउटर पर) ₹625 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	22 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 45, सं. 1, 2024	₹200 एक प्रति (कांउटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. पंचायती राज संस्थाओं का वित्त	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	16 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
8. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2024-25	आरबीआई बुलेटिन जनवरी, 2026 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
9. वार्षिक रिपोर्ट 2024-25	आरबीआई बुलेटिन जून, 2025 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
10. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट-दिसंबर 2025	आरबीआई बुलेटिन जनवरी, 2026 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
11. मौद्रिक नीति रिपोर्ट - अक्तूबर 2025	आरबीआई बुलेटिन अक्तूबर 2025 में शामिल है।	
12. नगर निगम वित्त पर रिपोर्ट - नवंबर 2024	₹300 एक प्रति (कांउटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	16 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
13. बैंकिंग शब्दावली (अंग्रेजी-हिन्दी)	₹100 एक प्रति (कांउटर पर) ₹150 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	

टिप्पणियां:

1. उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।
2. टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (https://data.rbi.org.in) |
3. भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-2008 (5 खंड), भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।

* भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक / शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

सामान्य अनुदेश

1. सभी संचार निम्न को संबोधित किए जाएँ:
   निदेशक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग,
   आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग (डीआरकेडी, डीईपीआर),
   भारतीय रिज़र्व बैंक, अमर भवन, तल मंजिल,
   सर पी. एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स सं. 1036. मुंबई- 400 001
   टेलीफोन: 022-2260 3000 विस्तार: 4002, ईमेल: spsdepr@rbi.org.in

2. बिक्री के लिए प्रकाशन प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार) उपलब्ध हैं।

3. प्रकाशनों को कैश ऑन डिलीवरी के आधार पर नहीं दिया जाएगा।

4. एक बार बेचे गए प्रकाशनों को वापस नहीं लिया जाएगा।

5. प्रकाशन के पिछले अंक आम तौर पर उपलब्ध नहीं होते हैं।

6. जहां रियायती मूल्य का संकेत नहीं दिया गया है, भारत में छात्रों, शिक्षकों, शैक्षिक/ अकादमिक संस्थानों, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं के लिए 25 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है, बशर्ते पात्रता का प्रमाण प्रस्तुत किया जाए।

7. सदस्यता शुल्क के भुगतान के लिए एनईएफटी को प्राथमिकता दी जाए और भुगतानकर्ता के नाम, सदस्यता संख्या (यदि कोई हो), खाता संख्या, तारीख और राशि सहित लेनदेन विवरण **spsdepr@rbi.org.in** पर ईमेल किया जाए या डाक द्वारा भेजा जाए।

   ए. एनईएफटी ट्रांसफर के लिए अपेक्षित जानकारी इस प्रकार है:

लाभार्थी का नाम	आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, आरबीआई
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा और पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाता प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8024129-19

   बी. गैर- डिजिटल मोड के माध्यम से सदस्यता के मामले में, कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई के नाम पर मुंबई में देय डिमांड ड्राफ्ट/ चेक भेजें।

8. 'प्रकाशन प्राप्त न होने' संबंधी शिकायतें दो माह की अवधि के अंदर भेजी जाएं।